



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिपक्ष के प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 13, 1996/आषाढ़ 22, 1918

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 13, 1996/ASADHA 22, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 1996

का. आ. 2010.—नोटरीज नियम, 1956 के  
नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि श्री महाराज कुमार एडवोकेट ने  
उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 1 के अधीन  
एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राष्ट्रीय  
राजधानी, दिल्ली क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी  
के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस  
सूचना के प्रकाशन के चौदह दिनों के भीतर लिखित रूप  
से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ 5 (129)/96—न्यायिक]

पी. सी. कन्नन, सक्षम प्राधिकारी

1594 GI/96

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 7th June, 1996

S.O. 2010.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority of pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956  
that application has been made to the said Authority,  
under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Maharaj Kumar, Advoca-  
cate for appointment as a Notary to practise in N.C.T. of  
Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as  
a Notary may be submitted in writing to the undersigned  
within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (129)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 14 जून, 1996

का. आ. 2011.—नोटरीज नियम, 1956 के  
नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि श्री प्रवीण सी. अविचल,

(2593)

एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे ग्रेटर बम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ 5(135)/96-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 14th June, 1996

S.O. 2011.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Pravin C. Avichal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Greater Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(135)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 14 जून, 1996

का. आ. 2012.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति राजविन्दर किल्लो, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला न्यायालय (नई कचहरी) जालंधर पंजाब में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ 5 (133)/96-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 14th June, 1996

S.O. 2012.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Rajinder Dhillon, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Courts (New Courts) Jalandhar (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (133)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 14 जून, 1996

का. आ. 2013.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री समीर भट्टाचार्य, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सिटी मिजिल कोर्ट एवं अलीपुर कोर्ट कलकत्ता (पश्चिमी बंगाल में) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ 5 (134)/96-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 14th June, 1996

S.O. 2013.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Samir Bhattacharya Advocate for appointment as a Notary to practise in City Civil Court & Alipore Court in Calcutta (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (134)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 14 जून, 1996

का. आ. 2014.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अशुतोष पाठक, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश में) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ 5 (132)/96-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 14th June, 1996

S.O. 2014.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Ashutosh Pathak, Advocate for appointment as a Notary to practise in Aligarh (U.P.)

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(132)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

नई दिल्ली, 21 जून, 1996

का. आ. 2015 :--केंद्रीय सरकार, नोटरी अधिनियम, 1952 (1952 का 53) की धारा 6 के उपबन्धों के अनुसरण में, अपने द्वारा नियुक्त किए गए और वर्ष 1996 के प्रारम्भ में विधि व्यवसायगत नोटरियों की सूची प्रकाशित करती है।

क्रम सं.	नोटरी का नाम	आवास और व्यवसाय की अर्हताएं	वह क्षेत्र जिसमें वह विधि व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत है	
1	2	3	4	5
1.	सर्वश्री श्री श्रीमन्नाथ अरदेमिर गगरेट	गगरेट एंड कं., प्रली जैवर नगीनदाम मास्टर रोड मेहोज सेट पोर्ट, बंबई	अधिवक्ता. बंबई	संपूर्ण भारत
2.	रवीन्द्र कृष्ण देव	टेम्पल चेम्बरस, 6 ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता।	एटर्नी एट ला, कलकत्ता उच्च न्या.	संपूर्ण भारत
3.	हिमांशु प्रकाश गांगुली	4, ईश्वर दत्त लेन, हावड़ा (प. बंगाल )	अधिवक्ता, कलकत्ता उच्च न्या.	संपूर्ण भारत
4.	सुधीर कुमार डे मलिक	मार्फत मार्टिनबैन लि., 12, मिशन रा एक्स, कलकत्ता--1	एटर्नी एट ला, कलकत्ता उच्च न्यायालय	संपूर्ण भारत
5.	राम मोहन चटर्जी	मार्फत मै और दिगनाम एंड कं., सोलिसिटर, 29, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता	सोलिसिटर, कलकत्ता उच्च न्या.	प. बंगाल, असम, बिहार, उ. प्र. और पंजाब
6.	प्रभु दयाल हिम्मत सिंहका	6, ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	एटर्नी एट ला, कलकत्ता उच्च न्या.	संपूर्ण भारत
7.	विक्टर इलियस मौसम	6, ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	एटर्नी एट ला, कलकत्ता उ. न्या.	संपूर्ण भारत
8.	मुल्क राज बघावन	अधिवक्ता, जलंधर सिटी, पंजाब	अधिवक्ता, पंजाब उ. न्या.	पंजाब और उ. प्र.
9.	मनोहर लाल कपूर	3/9, पटेल नगर (पू.), नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
10.	हरप्रसाद मेहरा	नं. 3060, बवालखौन, दिल्ली	अधिवक्ता, पंजाब उच्च न्यायालय	संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली
11.	चमन लाल अरोड़ा	10, न्यू कोर्ट रोड, अमृतसर	अधिवक्ता	अमृतसर जिला (पंजाब)
12.	दामोदर देवजी दामोदर	मार्फत मै. कांगा एण्ड कं., सोलिसिटर रेडीमनी सेशनम, 43, बीरनारी मैन रोड, बंबई	सोलिसिटर	महाराष्ट्र
13.	देव प्रसाद घोष	मार्फत फाउलर एंड कं. सोलिसिटर एंड एडवोकेट एंड नोटरी, रीजेन्ट हाऊस, 12, गवर्नमेंट प्लेस, पूर्व कलकत्ता--69	एटर्नी	संपूर्ण भारत

1	2	3	4	5
14.	नथमल हिमतसिंगका	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अटर्नी	संपूर्ण भारत
15.	रामकिशन गर्ग	56, ओल्ड विजयनगर कॉलोनी, आगरा ( उ. प्र. )	वकील, आगरा,	जिला आगरा
16.	सी. एच. पार्दी बाला	भार्फत मै. फ्रागोर्ड बैले एंड कं., स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट, बंबई-1	सालिसिटर	संपूर्ण भारत
17.	श्री शचीन्द्र सी. मेन	अटर्नी एट ला टेम्पल चैम्बर्स, पहली मंजिल, 6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अटर्नी	कलकत्ता
18.	डी. ए. मेहता	अधिवक्ता, 43-वी, हनुमान रोड, नई दिल्ली	बार एट ला	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
19.	दुर्गा प्र. तुलस्थान	अधिवक्ता, मनुमनू, राजस्थान	अधिवक्ता	मनुमनू, जिला राजस्थान
20.	एम. जी. दोसित	एम. जी. दोसित एंड कं. सालिसिटर, 35, एम्बेसी मार्केट, अहमदाबाद	अटर्नी	गुजरात और महाराष्ट्र
21.	नूर मोहम्मद	अधिवक्ता, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	उदयपुर जिला (राजस्थान)
22.	पी. सी. कुरियन	14, कोडी चट्टी स्ट्रीट II फ्लोर, मद्रास-3	अधिवक्ता	मद्रास और केरल
23.	सी. एम. वेंकट मुश्कम्पन	140, ग्राम कट रोड, कोयम्बतूर	अधिवक्ता	कोयम्बतूर जिला
24.	पुष्कर लाल जुनेजा	एफ-1, शंकर मार्केट, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
25.	जगन नाथ	सिविल लाइन, मोगा, जिला फिरोजपुर (पंजाब)	अधिवक्ता	मोगा मुख्यालय फिरोजपुर जिला और साथ ही मोगा स्थित मुख्यालय सहित संपूर्ण फरीद- कोट जिले में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत
26.	रामजीदास	गुम्हारा स्ट्रीट, भटिंडा (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला भटिंडा
27.	बाल कृष्ण मिश्र	अधिवक्ता, हनुमान गढ़ टाउन, जिला गंगानगर (राजस्थान)	अधिवक्ता	हनुमान गढ़ स्थित मुख्यालय सहित जिला गंगानगर (राजस्थान)
28.	जी. सी. वर्मा	अधिवक्ता और अपथ प्रावुक्त, ई/12, ग्रोन पार्क, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
29.	पी. ली. गांधी	अधिवक्ता, गांधी बाग के सामने, सुरत	अधिवक्ता	जिला सुरत



1	2	3	4	5
30.	ए. आर. मलकानी	अधिवक्ता, बी. बी. जैड. एन. 6, गांधी धाम ( कच्छ )	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
31.	एन. पी. शाह	नं. 1 बर्दवान रोड पहला मंजिल अलीपुर, कलकत्ता—27	अधिवक्ता कलकत्ता	कलकत्ता और नई दिल्ली
32.	टी. दलीप सिंह	मार्फत मै. किंग पैट्रिज सैकेण्ड फ्लोर कैथेलिक सेंटर आग्नेयम स्ट्रीट, बाक्स नं. 121, मद्रास—1	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
33.	जे. आर. गगराट	मार्फत मै. गगराट एंड कं. अली चैम्बर्स, नगी नदाम मास्टर रोड, फोर्ट बंबई—1	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
34.	बृज मोहन मेहतो	13 ए/ए राजनंदिर नगर नई दिल्ली	अधिवक्ता नई दिल्ली	दिल्ली संघ राज्य
35.	सूरजित सिंह सूब	23, नेताजी पार्क जालंधर सिटी, (पंजाब)	अधिवक्ता जलंधर	जलंधर पंजाब
36.	जगजीत सिंह बैस	376 एन. माडल टाउन जलंधर सिटी, पंजाब	अधिवक्ता जलंधर	जलंधर पंजाब
37.	पूनम चन्द्र सोम चंद शाह	35—एम्बेसी मार्केट द्वितीय हाल के पास आश्रम रोड, अहमदाबाद—9	अधिवक्ता	गुजरात
38.	एच. एम. भगत	मार्फत अम्भू भाई एंड दीवान जी सालि- मिटर एंड एडवोकेट्स इंडस्ट्रीज हाऊस	अधिवक्ता सालिमिटर	गुजरात
39.	एच. बी. छत्रपति	मार्फत मै. भाई शंकर कंगा गिरधारी लाल मानक जी बाडिया सालिमिटर बिल्डिंग वेल लेन, फोर्ट बंबई—1 और मार्फत मै. भाई शंकर कंगा और गिरधारी लाल, गुजरात समाचार भवन कानपुर, अहमदाबाद	अधिवक्ता सालिमिटर	संपूर्ण भारत
40.	जी. एस. व्यास	35, लावण्य नगर, जी वाराज पार्क रोड, इलियास ब्रिज, अहमदाबाद—7	अधिवक्ता	अहमदाबाद शहर
41.	अमर सिंह	जमीयत सिंह रोड, भोगा, जिला फरीदकोट, पंजाब	अधिवक्ता	भोगा, जिला फरीद- कोट, पंजाब
42.	बी. एच. अनंतिया	मार्फत मै. मुल्ला एंड मुल्ला एंड मून- लान्ट अटर्नी एंड कैरोइस, सालिमिटर एंड नोटरीज, जांझगिर बाडिया बिल्डिंग—51 महात्मा गांधी रोड, बंबई—1	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
43.	बी. पी. शुक्ला	रघुनाथ बिल्डिंग, टाउन हॉल राजकोट, गुजरात	अधिवक्ता	राजकोट और जूना- गढ़ जिला
44.	बी. के. शाह	मनमुख निवास, नेगी, चारुपवाड़ बड़ौदा—6	अधिवक्ता	बड़ौदा
45.	रमेश जे. मेहता	तादियाद, जिला कैरा, गुजरात राज्य	अधिवक्ता	कैरा पंचमल जिला
46.	वसंत लाल डी.	मेहता मार्फत मालवी रणछोड़ वास एंड कं. सालिमिटर एंड एडवोकेट यू.फू. बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट बंबई	सालिमिटर	महाराष्ट्र

1	2	3	4	5
47.	मोहिन्द्र सिंह	22 तेग बहादुर नगर, समीप मंदिर जलंधर सिटी ( पंजाब )	अधिवक्ता	जलंधर
48.	राजिन्द्र कुमार भट्ट	एस—401, ग्रेटर कैलाश—नई दिल्ली —48	अधिवक्ता	संघ रा. क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा
49.	नारायण प्रसाद गोयल	बी—3/296, पश्चिम बिहार नई दिल्ली—63।	अधिवक्ता	
50.	एस. हसन कोया	चलपारम कालीकट, केरल	अधिवक्ता	कालीकट और माला-पुरम जिला
51.	सलिल कुमार गांगुली	50—रामतनु बोस लेन, कलकत्ता	अटर्नी एट ला. एंड अधिवक्ता	कलकत्ता
52.	पल्लव कुमार बनर्जी	मै. टी. बनर्जी एंड कं. सालिमिटर एंड एडवोकेट्स टैम्पल 6 ओल्ड चैम्बरस, नं. पोस्ट, आफिस स्ट्रीट,	सालिमिटर अधिवक्ता	कलकत्ता
53.	एम बाई एस मेनन	मै. मजुमदार एंड कं. इस्मायल बिल्डिंग, 381, डा. डी. एन. रोड, फ्लोर फाउटेन, बंबई	सालिमिटर अधिवक्ता	ग्रेटर बंबई
54.	बृज भूषण गुप्ता	कलाल मजरी, अंबाला सिटी	अधिवक्ता	अम्बाला सिटी
55.	रघुबीर सिंह कुल्हार	चीरबा तहसील, राजस्थान	अधिवक्ता	चीरबा, तहसील
56.	सलेमात्री गुरुबोनी	202, कंवर नगर, रजा-कानालाब, जयपुर	अधिवक्ता	जयपुर
57.	नन्द किशोर पारिख	321, नाहरगढ़ रोड गोपाल हलवाई की गली, जयपुर	अधिवक्ता	जयपुर
58.	अश्विनेश्वर बदगल	रेस्टोरेंट, जौहरी बाजार, जयपुर-302003	अधिवक्ता	जयपुर
59.	डी. आर. जैवाल	मै. डी. आर. जैवाल एंड कं. सालिमिटर रेडीमनी मेंशन 43, बीर नारीमन रोड, बंबई	सालिमिटर अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत
60.	एन्थोनी दा कोस्टा	मै. दा-कोस्टा एंड दा-कोस्टा एडवोकेट्स एंड टेक्स कन्सल्टेंट्स, 21/12, महात्मा गांधी रोड, पहली मंजिल, बंगलौर—1	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत
61.	श्रीमती सुमीत अरविन्द पटिल	236, जैन टैम्पल रोड, गौमेश नगर, हिन्दवाड़ी, बेलगांव कर्नाटक	अधिवक्ता	जिला बेलगांव
62.	टी. एम. सेन	मै. खेतान एंड कं. सालिमिटर एंड एडवोकेट्स हिमालय हाऊस सातवा मंजिल, 23 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली	अटर्नी एट ला	संपूर्ण भारत
63.	श्रीमती एन. अनुसूया बाई	4624/1 शिवाजी रोड, एन. आर. मोहल्ला, मैसूर—7	अधिवक्ता	मैसूर सिटी
64.	पद्मनाथ गंगाधर गोखले	504, समुद्र की तरफ अपार्टमेंट प्रभा-नगर, पी बाबूमार्ग, प्रभा देवी बंबई	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत

1	2	3	4	5
65.	राम नरेश लाल गुप्ता	"बिहारी धाम", सी-28/70 तेलियाबाग, वाराणसी, कैन्ट उ. प्रदेश	अधिवक्ता	वाराणसी उ. प्रदेश
66.	सम्रा अमरगुप्ता वृलवाला	12- इस्मायल बिल्डिंग, 381, डा. दादाभाई-नौरीजी रोड, फोर्ट, बंबई-1	अधिवक्ता	महाराष्ट्र
67.	अश्वमेध कुमार वर्मा	मार्फत श्री रघुनाथ वर्मा, मिथिल, कोर्ट, वाराणसी, उ. प्र.	अधिवक्ता	जिला वाराणसी उ. प्र.
68.	गुलाम ताहिर,	डी-50/29 गाजीपुर कला, वाराणसी, उत्तर प्रदेश	अधिवक्ता	जिला वाराणसी
69.	टी. के. मणमननन्दन	8/8 हुजूर रोड, कोयम्बतूर-641018	अधिवक्ता	कोयम्बतूर
70.	रमेश्वर कुमार राय	37, माउथ कुमार पारा लेन, कलकत्ता-42	अधिवक्ता	कलकत्ता 24, परगना
71.	रघुवीर सहाय	हितकारी सिविल कोर्ट, कानपुर	अधिवक्ता	कानपुर और दिल्ली
72.	श्रीम प्रकाश जैन	ए-5 बी/126-बी, जनकपुरी, नई दिल्ली-58	अधिवक्ता	दिल्ली
73.	विपिन कुमार बनर्जी	3, बक्साल स्ट्रीट, कलकत्ता-1	अधिवक्ता	कलकत्ता और 24, परगना
74.	पद्मवी दाजी खोना	45, टमरिन्द्र स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई-23	अधिवक्ता	ग्रेटर बंबई
75.	जी.ए. बनानवाला	मार्फत पायले एंड कं., एम पलाडे हाउस, वाड्डवे रोड, फोर्ट बंबई-1	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत
76.	लीयो वेनेडिक्ट वेल्कोकोस्टा	परेरा बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, मरगोवा, सैनेथट गोवा	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत
77.	कुमारी जसवंत कौर,	एच-21, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
78.	इस्वज्जागुर बलसागा	एम. पायले एंड कं., एम पलाडे वाड्डवे फोर्ट, बंबई-1	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
79.	वश्व डी. मिल्वाजेनाई	141, अतुर टैंगेस कुफी पराडे, बंबई	अधिवक्ता	संपूर्ण महाराष्ट्र
80.	राजेश्वर दयाल गुप्ता	88, सी शास्त्री नगर, जोधपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	जिला जोधपुर
81.	धूल चन्द	मुससर, जिला फरीदकोट, पंजाब	अधिवक्ता	चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र
82.	राम रतन नेख	ई एम-553, मोहिला अचदुग, जलंधर सिटी	अधिवक्ता	जलंधर सिटी
83.	एम.आर्. मेहता	फजलसाई बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 45/57, एच.बी. रोड, फोर्ट बंबई	अधिवक्ता	बंबई के बालकेश्वर और फोर्ट क्षेत्र

1	2	3	4	5
84.	दुर्गा शंकर दवे	श्रीसवाल बाग राजस्थान, बांसवाडा-1	अधिवक्ता	बांसवाडा जिला राजस्थान
85.	मुरलीधर राव नायक	मुक्तानपुरा, गुलबर्गा, कर्नाटक	अधिवक्ता	गुलबर्गा जिला
86.	जनक लाल अग्रवाल	9, ब्लेनविल्ले रोड, दार्जिलिंग	अधिवक्ता	दार्जिलिंग
87.	के.सी. सिधवा	शाखा चिवालय बंबई, आय-कर भवन, न्यू मेरीन लाईन्स, बंबई-20	सं. सरकार का अधिवक्ता और सालिमिटर	संपूर्ण भारत
88.	सूरत कुमार भास्कर	खेतड़ी, जिना झुनझुन, राजस्थान	अधिवक्ता	खेतड़ी, राजस्थान
89.	देवी शरण चोपड़ा	बी-3, टू. रोजेज ,पाली रोड, बंबई	अधिवक्ता	बंबई शहर
90.	देवप्रत वसु	7, देवनारायण दास लेन, श्याम बाजार, कलकत्ता	अधिवक्ता	मियाल्दाह स्थित मुख्यालय सहित 24 परगना
91.	कुमारी मंजुला सेन	33, बोनास कुफे, परेड, बंबई	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
92.	ए. मेयद यलो	53, अर्मिनियम स्ट्रीट, मद्रास	अधिवक्ता	मद्रास राज्य
93.	जी.सी. वर्मा	मिविल कोर्टस, जगाधरी, अम्बाला, हरियाणा	जिला अधिवक्ता	जगाधरी
94.	गजेन्द्र नाथ चक्रवर्ती	9, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता-1	अधिवक्ता	कलकत्ता-1
95.	अदिती कुमार प्रमानिक,	10, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, आर. नं. 110, कलकत्ता	अधिवक्ता	पश्चिमी बंगाल राज्य
96.	इन्द्रा चन्द्र सेंकेती	12, ओल्ड ,पोस्ट आफिस, कमरा सं., 110, कलकत्ता ।	अधिवक्ता	कलकत्ता
97.	श्री एल. महालिंगप्पा	938/11, इन्दिरा नगर, मैसूर ।	अधिवक्ता	मैसूर सिटी
98.	के. रामदास	“मुदर्शन” सोमेश्वर पुरम, तुमकुर कर्नाटक,	अधिवक्ता शहर तुमकुर	जिला कर्नाटक
99.	त्रिलोक चन्द मिश्र	दास बाजार, ग्वालियर,	अधिवक्ता	ग्वालियर, म.फ.
100.	त्रिभुवन अग्रवाल	हनुमानगढ़ टाउन, जिला श्री गंगा नगर, राजस्थान	अधिवक्ता	संपूर्ण हनुमान गढ़ टाउन, राजस्थान
101.	जगगम मिह	पीलीकोठी, स्टेशन रोड, झुनझुन, राजस्थान ।	अधिवक्ता	जिला झुनझुन, राजस्थान
102.	बी.एस. चंद्रा शेखर	2694, अग्रहारा स्ट्रीट, हसन पोस्ट आफिस, कर्नाटक-573201	प्लीडर	कर्नाटक का हसन शहर
103.	एस.एन.एस. सी. जवेरिया	जवेरिया निवास, मोखी बाड़ा, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	उदयपुर राजस्थान

1	2	3	4	5
104. एम.सी. जैन	श्री पार्श्वनाथ, जैन कार्यालय, मुभाप बाग, अजमेर राजस्थान	अधिवक्ता	अजमेर राजस्थान	
105. राम बाबू श्रीवास्तव	जेल रोड, सीतापुर, उत्तर प्रदेश	अधिवक्ता	सीतापुर जिला	
106. के. बालकृष्ण	नं. 4 थर्ड क्रॉस रोड, फोर्थ ब्लॉक के.पी. इन्डियन एम्, बंगलूर-20	अधिवक्ता	बंगलूर	
107. श्री मनी प्रेम लता निगम	294, भार्गव बिल्डिंग, लोवार बाग, सीतापुर	अधिवक्ता	सीतापुर (उत्तर प्रदेश)	
108. मुरजीत सिंह मेहता	181 विश्वकर्मा नगर, यमुना नगर, जिला अम्बाला, हरियाणा	अधिवक्ता	जगाधरी	
109. चन्द्र कुमार मेहता	212-डी, भाडल टाउन, यमुना नगर, हरियाणा	अधिवक्ता	यमुना नगर	
110. जगदीश चन्द्र धोष	19, शरत बोस रोड, (हकीमपाड़ा) मिलीगुड़ी-734401, जिला दार्जिलिंग, पश्चिमी बंगाल	अधिवक्ता	मिलीगुड़ी स्थित मुख्यमन्त्रालय सहित जिला दार्जिलिंग	
111. अमरेश नाथ डान	टेम्पल चैम्बर (पहली मंजिल) 6 ओल्ड, पोस्ट ग्राफिस, स्ट्रीट, कलकत्ता-1	अधिवक्ता	कलकत्ता	
112. श्री राजाराम बसुराय	9, ओल्ड पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अधिवक्ता	पश्चिमी बंगाल	
113. विनोद कान्त वर्मा	मकान सं. 13 ए/1 मयूर बिहार, दिल्ली 1911	अधिवक्ता	दिल्ली	
114. नन्द लाल चौधरी	जे 4/15 राजाजी गार्डन, नई दिल्ली-27	अधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	
115. देवेन्द्र नाथ मिश्रा	328, गुरु रामदास नगर, (लक्ष्मी नगर, दिल्ली 31)	अधिवक्ता	नई दिल्ली	
116. मन मोहन सिंह सेठी	डी 83, अशोक विहार, नई दिल्ली-52	अधिवक्ता	दिल्ली राज्य संघ दिल्ली	
117. जयदीप लाल बत्रा	572, प्रीत कुर्रजा, दिल्ली-31	अधिवक्ता	दिल्ली	
118. राजवीर सिंह	डी 55/3 मैन रोड, नार्थ धोन्डा, दिल्ली 53	अधिवक्ता	शाहदरा स्थित मुहवा, सहित	
119. धीरेन्द्र एच. शाह	फ्लैट नं. 16, चौथी मंजिल, मरीना हाउस, सामने लिबर्टी सिनेमा 5, मरविन्दलदास सठाकरसी मार्ग, बंबई-20	अधिवक्ता	धोबी तलाब प्रीसन्सेस स्ट्रीट जा बंबई बाज क्राजोर्ड मार्केट मेरीन लेन, बंबई	
120. बी.एम. नरसिंहमन	मार्फत किंग एंड पैट्रीज, एडवोकेट 26/1, लैवली रोड, बंगलूर 560001,	अटर्नी एट लाल ला	कर्नाटक राज्य	

1	2	3	4	5
121. एस. के. शेड्डी	1, प्रकाश प्लेट, 3 पहली मंजिल बी सेन्ट स्ट्रीट, गांताकुज (पश्चिमी) बंबई 400045	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत	
122. मर्कन्व सी. गांधी	मर्कन्वगांधी एंड कं., एडवोकेट्स एंड सालिसिर्टल एंकिंड पलोर भर्गोदय, 79 ,मेडोज स्ट्रीट, नागीनदास मास्टर रोड फोर्ट, बंबई-23	अधिवक्ता	ग्रेटर बंबई	
123. शिव कुमार खन्ना	11, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता-9	एडवोकेट	संपूर्ण भारत	
124. सुकुमार घोष	“कनाकाले” 7 ए, प्रीस अनवर शाहतेन सी.आई.टी. ब टरटेक नवीन सिनेमा के सामने, कलकत्ता-700083	अधिवक्ता	24 परगना	
125. नन्द गोपाल खेतान	द्वारा खेतान एंड कंपनी, 1 बोल्ड, पोस्ट आफिस गली, कलकत्ता-1	अधिवक्ता	कलकत्ता न्यू देहली	
126. प्रान्तोष कुमार सेन	6-2 मदन स्ट्रीट 4 पलोर, कलकत्ता-72	अधिवक्ता	कलकत्ता एंड 24 परगना	
127. कृष्णा नंद मिश्रा	109/6 हजरा रोड, कलकत्ता-26	अधिवक्ता	—वही—	
128. त्रिलोकी शरन उपाध्याय	178, बस्टेकिंग तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-11054	अधिवक्ता	नोएडा गाजियानाद जिला यू.पी.	
129. गौतार सानेधवर	4-3-137 बस स्टैंड रोड, गंगावली	अधिवक्ता	राबूर	
130. बी० एस० चौगुले	1083, अनंत श्याम गली , बेलगाम 590002	अधिवक्ता	बैलगाँव	
131. सुन्वरन रामासुब्रामणियम्	द्वारा मैसर्सकिंगगाड पैट्रिज एडवोकेट, 2 पलोर, कैपलिक सेंटर-64, ग्रामोनियम स्ट्रीट पो. वा. 121, मद्रास-600001	अधिवक्ता	तमिलनाडु	
132. राम निरंजन मुनमुनवाला	8/2 मांडवली गार्डेंस का कलकत्ता-19	अधिवक्ता	पश्चिम बंगाल और देहली	
133. देव कुमार सिन्हा	18, रितबी रोड कलकत्ता-19	अधिवक्ता	पश्चिम बंगाल	
134. के.बी. शेपाद्रि	1208, अशोक नगर, महिला समाज रोड माडया, कमटिका-571401,	अधिवक्ता	माडया सिटी	
135. वीरेन्द्र सिंह नधवार	32-बी मनु मार्गः अलवर राजस्थान	अधिवक्ता	अलवर	
136. ऋषिकेय अग्रवाल	नियर मलिक होस्पिटल नालासम्बद रोड, हिसार	अधिवक्ता	हिसार	

01	02	03	04	05
137.	राम कृष्ण सत्या	2 खा 6 प्रताप नगर राजस्थान	अधिवक्ता	अलवर
138.	आर. बी. भोकारे	2184, कसबापिटः पुणे-411011	अधिवक्ता	पुणे
139.	सी. एम. छजेद	52 बोड़ी पुणे	अधिवक्ता	सम्पूर्ण भारत
140.	जी. पी. माथुर	प्लॉट नं. सी - 248 दयानन्द मार्ग तिलक नगर जयपुर राजस्थान	अधिवक्ता	जयपुर
141.	वनवारी लाल गुप्ता	14 स्कीम नं. 1 अलवर, राजस्थान	अधिवक्ता	अलवर
142.	बी. एम. शेख	बी - 43, एचए कलोनी, पिपरी, पुणे - 411018	अधिवक्ता	पुणे
143.	श्रीमती जयश्री विजय मोहिते	तरगम" 23, भोसले नगर, पुणे - 411018	अधिवक्ता	पुणे
144.	हनुमान सिंह बेनीवाल	सी/ओ एम/एस अमर सिंह राम स्वरूप टिप्पर सर्वेन्ट्स, पो. आ. भद्रा, जिला श्री गंगानगर राजस्थान - 1	अधिवक्ता	नाहर
145.	राधेश्याम जिन्दल	वी. नं. 44, रोड नं. 5 अशोक नगर उदयपुर, राजस्थान - 313001	अधिवक्ता	उदयपुर
146.	रमेश चन्द्र रतिला शाह	5, अंजना कोमणियल सेन्ट्रल, 2, मंजिल आशम रोड, अहमदाबाद - 380014	अधिवक्ता	अहमदाबाद
147.	एम. एन. देशमुख	देशमुख बाड़ी, पी. के. रोड, मुलंड, बम्बई - 80	अधिवक्ता	मुलुंड वेस्ट
148.	विनोद जे. पेमास्टर	151, विन्नुना बिस्टा, जन. जे., भोसले मार्ग, बम्बई - 2	सालिसिटर	ग्रेटर बम्बई
149.	कु. किरणमयी हरशदराय मेहता	किरण महल फतेह गंज, बड़ोदा बड़ोदा - 390002	अधिवक्ता	फतेहगंज
150.	मन्हेद्र व्यास	आराधना पेलेश रोड, बड़ोदा - 1	अधिवक्ता	बड़ोदा
151.	एल. वाइ. रेगे	स्टेट बैंक बिल्डिंग, एन.जी. एन. वेथ मार्ग, बम्बई - 23	अधिवक्ता	बम्बई
152.	विसनजीत आर. भेड़ा	डी बी जेड एस - 51, गांधीधाम, कच्छ - 370201	अधिवक्ता	कच्छ
153.	अमल कृष्ण दत्त	टेम्पुल चैम्बर्स पहली मंजिल, कमरा नं. 39, ओल्ड पो ओ स्ट्रीट, कलकत्ता - 700001	अधिवक्ता सालिसिटर	कलकत्ता
154.	ए. एन. गांगुली	एक - ओल्ड पो. ओ. स्ट्रीट, पाइन एंड पाइन, पहली मंजिल, कमरा नं. 7, कलकत्ता - 700001	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
155.	शंकर प्रसाद वर्मा	मो. - डामुचक, मुजफ्फरपुर, बिहार	अधिवक्ता	मुजफ्फरपुर
156.	प्रभाकान्त चौधरी	वलभप्रपुर, पो. ओ. लहेरिया सराय बिहार - 846001	अधिवक्ता	दरभंगा

01	02	03	04	05
157.	राजकुमार खेड़ी	118, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता - 7	अधिवक्ता	कलकत्ता
158.	नारायण चम्पू डे	128/सी, नरकैल डेगा रेलवे कालोनी कलकत्ता	अधिवक्ता	कलकत्ता
159.	पं. राव महा - गांधकर	एच. नं. 1-14/3, नीधर, डा. कयलकर नेल अस्पताल, स्टेशन कॉर्ट रोड, गुलवर्ग - 585102	अधिवक्ता	गुलवर्ग
60.	केवल कृष्ण शर्मा	मुजससर, जिला फरीदकोट, पंजाब	अधिवक्ता	फरीदकोट
61.	अबदुल हाफिज खान	वराज पेट, साउथ कोडाणू, कर्नाटक पिन - 571218	अधिवक्ता	कोडागु
162.	श्रीमती प्रिमला	सी/आ. श्री डी. सी. खन्ना जीरी रुटिगा रोड, पटियाला, पंजाब	अधिवक्ता	पटियाला
163.	सोदी रमणीक सिंह	मो - पडिया जिला, फिरोजपुर पंजाब - 142047	अधिवक्ता	जोगा
164.	रमेश अबाजी बाधालिकर	415, मांवर पेड, पुणे/- 411030	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
165.	महेन्द्र के. धेलानी	101 - ए, पेशावाइज गपार्टमेंट, 44 - एएल, जंगमोहन मार्ग, बम्बई 36	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
166.	बी. मोहन कृष्ण	2/4, अस्डेल पेट, सेंटुरे - 2 (आ. प.)	अधिवक्ता	संतूर जिला
167.	श्रीमती ज्योति धर्माधिकारी	101 - 102 आनंद भवन, विभाग प्लॉट नं. 3, गिरी पेड के पीछे डाकघर गिरीपेड, भावपुर	अधिवक्ता	नागपुर
168.	एन. राजा	"जावेर बिहार", 2/18, के. ए. सुधमनियम रोड, मादुगा, बम्बई - 19	अधिवक्ता	अदर बम्बई
169.	परमात्मा शरण पांडेय	पुराना 262/नया, 10/12/104, शिव रसिक भवन, मो. राजकोट सिटी, पो. ओ. अयोध्या, जिला फैजाबाद (उ. प्र.)	अधिवक्ता	फैजाबाद (उ. प्र.)
170.	रमेश पी. मखीजा	14 - बी, सुन्दर महल, पहली मंजिल 141, भैरिनडाई, बम्बई - 20	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
171.	बी. शेषागिरी राव	पुराना नाग थिएटर, चिराला, "आन्ध्र प्रदेश (523155)	अधिवक्ता	प्रकासम जिला
172.	एन. बी. अग्रवाल	489/3, पुस्तक बाजार, केरली, पुणे - 411003	अधिवक्ता	कैरली पूर्ण
173.	कु. सुवेदिता आई	पी. डब्ल्यू. बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर ओपन, सी. टी. ओ. बम्बई - 32	अधिवक्ता	अदर बम्बई



01	02	03	04	05
174.	मोहिन्द्र पाल सिंह	5123, मोहल्ला तेलियां, नीयर सुभाष गेट, जगरांव- 142026, जिला लुधियाना	अधिवक्ता	जगरांव शहर
175.	जी. डी. दहिया	1/12, रूप नगर, दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली
176.	परमिन्दर सिंह उपल	जी - 165, नारायणा बिहार, नई दिल्ली - 28	अधिवक्ता	संघ राज्य दिल्ली
177.	प्रताप सिंह भारद्वाज	आर./ओ. किल, ओ. ओ. विजयामन, अधिवक्ता नई दिल्ली - 61		सैंट दिल्ली
178.	जी. एस. एबरोल	फ्लैट नं. 380, डब्ल्यू जेड - 152, अधिवक्ता मण्डी वाली गली, चांद नगर, नई दिल्ली - 18		राजिन्द्र नगर
179.	सत्यपाल	सी - 2/92 बी. एम. आई. जी. फ्लैट, लारेंस रोड, दिल्ली	अधिवक्ता	संघ राज्य दिल्ली
180.	निर्मल सिंह नड्यार	सी - 278, नीलि बाग, नई दिल्ली- 49	अधिवक्ता	नई दिल्ली
181.	रामेश्वर दत्त	6/5771, नई चान्द्रवाल, जवाहर नगर, दिल्ली-110007	अधिवक्ता	संघ राज्य दिल्ली
182.	जनेश्वर दाम जैन	सी-4/145, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नया हौजबास, नई दिल्ली	अधिवक्ता	हौजबास एरिया सफदर- जंग डेवलपमेंट एरिया, नीलि गुलमोहर पार्क, वसन्त विहार, पंचशील और उच्च न्यायालय
183.	सुरेश कुमार अग्रवाल	4312, गली बहुजी, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली - 110006	अधिवक्ता	संघ राज्य दिल्ली और बम्बई
184.	इकबाल सिंह	राज सिंह नगर, जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान)	अधिवक्ता	राज सिंह नगर
185.	जी. एल. नन्दा	विष्णु कृपा, कुन्दन नगर, अलवर, राजस्थान - 305001	अधिवक्ता	अलवर
186.	शेर सिंह खुल्लर	स्टेशन रोड, चिराघा (मुनमुन) राजस्थान - 333024	अधिवक्ता	चिराघा
187.	से. अजीज अहमद नकवी	302, शर्मा बिल्डिंग्स, रामगंज, अनाज मंडी, जयपुर-302603	अधिवक्ता	राजस्थान
188.	कैलाश खन्ना सोंगानी	21 पार्थ नाथ कालोनी, अजमेर	अधिवक्ता	अजमेर
189.	विक्रम जीत सिंह विश्नीई	श्रीलक्ष भवन, निकट सद्ल स्पोर्ट्स स्कूल, गंजनेर रोड, बिकानेर- 334001	अधिवक्ता	बिकानेर
190.	कर्ण सिंह कोठारी	432, भूपाल पुरी, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	उदयपुर
191.	आनन्द बिहारी लाल	32, माउंट रोड, जगदीश कालोनी ओपोजिट रामगढ़ टाउन (जयपुर), 302002	अधिवक्ता	जयपुर

01	02	03	04	05
192.	एस. एल. अग्रवाल	महात्मा गांधी रोड, मिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	अधिवक्ता	सब-डिवीजन मिलीगुड़ी, जिला बाजिलिंग
193.	नेक सिंह	हनुमान गढ़ जंक्शन, जिला श्रीगंगा- नगर, राजस्थान	अधिवक्ता	हनुमानगढ़
194.	अनिल कु. शर्मा	1/1 बी, राय लेन, कलकत्ता	अधिवक्ता	बड़ा बाजार जोरासंको और जोरा बगान इलाका, कलकत्ता
195.	रमेन्द्र चन्द्र अग्रवाल	नियम नाहरगढ़ रोड, 430, बन्वपोल बाजार, जयपुर - 1	अधिवक्ता	जयपुर
196.	विलीप कुमार मजूमदार	44 मीलमपल्लम देश प्रिय नगर, कलकत्ता - 56	अधिवक्ता मिबिल कोर्ट	शिमालदा सिविल कोर्टस, कलकत्ता
197.	शंकर लाल गेहलोत	गंगा शहर रोड, बीकानेर - 334001	अधिवक्ता	बीकानेर
198.	नरेश चन्द्र मित्तल	57, देवी भवन बाजार, जगाधरी- 135003 (हरियाणा)	अधिवक्ता	छहर्ली (हरियाणा)
199.	सुरेन्द्र पाल शर्मा	134/14 रेलवे रोड कैथल (हरियाणा)	अधिवक्ता	कैथल हरियाणा
200.	निहाल चन्द्र मिश्रीकी	एच नं. 53, बिहाईड स्टेट बैंक, छत्तरपुर (म. प्र.)	अधिवक्ता	छत्तरपुर (म. प्र.) - 1
201.	श्रीमती के. राधामनी	“राधिका” अमुनिया स्टेट नियर माधव फार्मोसी जंक्शन, कोबीन- 682818	अधिवक्ता	इरनाकुलम
202.	जरीबाला अंसगर अली अबदुल हुसैन	आफिस 44ए, नेसबित रोड मजगांव, बम्बई - 400010	अधिवक्ता	स्टेट महाराष्ट्र
203.	ए. एन. खुरपे	680, ताबूत स्ट्रीट, पुणे - 1	अधिवक्ता	पुणे
204.	पी. जे. बलाल	देवराज, ई-3/3 एस. वी. रोड, (पश्चिम) बम्बई - 62	अधिवक्ता	स्टेट महाराष्ट्र
205.	कु. शोभा	303 राजशिला, 597 जगन्नाथ शंकर सेठ रोड, नीयर प्रिसेडा सिविल स्ट्रीट, बम्बई - 400002	अधिवक्ता	बम्बई
206.	बी रामचन्द्र वजे	120/11, धिवक धोले रोड, पूना - 411004	अधिवक्ता	पुणे
207.	काजी डी. हुसैनसाहदी	“अमन” गिरनार कालोनी, हिन्दवाड़ी, बेलगांव - 500001 (कर्नाटक)	अधिवक्ता	बेलगाम जिला
208.	एस. ए. भलवल	आफिस 218/220 वर्धमान चैम्बर्स, 2 मंजिल, कोहाराजी पटेल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई। मकान, ई-3/0 आई सेक्टर/वाणी, नई बम्बई- 400703	अधिवक्ता	संपूर्ण भारत
209.	गुरनाम सिंह	सिविल कोर्ट, नीवर बी.डी. ओ. आफिस, जगाधरी (हरियाणा)	अधिवक्ता	जगाधरी

1	2	3	4	5
210.	एम. सी. बलुवेंदी	73, लोहार बाग, सीतापुर (यू. पी.)	अधिवक्ता	सीतापुर
211.	एच. एस. रेणुका प्रसाद	64, फस्ट मैन रोड, लोवरपैलेस ओर्चाडिस, बंगलौर	अधिवक्ता	बंगलौर सिटी करल जिला
212.	ले. क. चरनजीत सिंह	118, न्यू जवाहर नगर जालंधर शहर (पंजाब)	अधिवक्ता	जालंधर पंजाब राज्य
213.	रामचन्द्र शंकर पुरंदरे	815, रविवार पेठ, पुणे/महाराष्ट्र	अधिवक्ता	थोश्राउट पुणे
214.	नवमीत राय एच. भोगानी	43/1304, आदर्श नगर, वर्ली, बम्बई	अधिवक्ता	बम्बई
215.	रामेश्वर दास अहलुवालिया	7781/4 नार्दी महोल्ला, अम्बाला शहर, अम्बाला, हरियाणा	अधिवक्ता	अम्बाला शहर (हरियाणा)
216.	सुरेश कुमार शर्मा	बाया जी. पी. ओ. पुसाना महसील बुधाला जिला मुजफ्फरनगर (यू. पी.)	अधिवक्ता	बुधाना
217.	रघुवीर सिंह यादव	गांव व पो. ओ. बहुरोर जिला अलवर (राजस्थान)	अधिवक्ता	बहुरोर जिला अलवर राजस्थान
218.	हरीदत्त शर्मा	15 गोविन्द नगर साकेत कालोनी शाहगंज, आगरा (यू. पी.)	अधिवक्ता	आगरा (यू. पी.)
219.	राम प्रसाद नायर	एन सी 24/27 पुराना रेलवे रोड, जालंधर, पंजाब	अधिवक्ता	जालंधर एवं दिल्ली
220.	शिव चरण सिंह	अलालबन्द जिला भरतपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	भरतपुर
221.	इन्द्र पाल बंसल	366, सवर बाजार, मुक्तसर/पंजाब	अधिवक्ता	मुक्तसर, पंजाब
222.	मान सिंह नरकां	किशनगढ़ किला, गांव व पो ओ. किशन गढ़ बास, जिला अलवर (राजस्थान)	अधिवक्ता	बास, जिला राजस्थान,
223.	राजवन्त राय वधावन	आर. ओ. 72: 2, प्रीत नगर, लडेवाली, जालंधर	अधिवक्ता	जालंधर, पंजाब
224.	एस. आर. खुराभा	मकान नं. 229, पो. ओ. डकोहा, जालंधर पंजाब	अधिवक्ता	जालंधर, पंजाब
225.	एन. आर. वसन्तानी	11- डब्ल्यू (महेणधम) नजदीक स्टेट बैंक ऑफ जुही, गऊशाला, कानपुर (यू. पी.)	अधिवक्ता	कानपुर (यू. पी.)
226.	एम. पी. मिश्रा	बंशी, ओ. आ. जनसोकी-मराई, जिला वाराणसी (यू. पी.)	अधिवक्ता	वाराणसी यू. पी.
227.	जे. के. जगियासी	फ्लैट नं. 703, सातवीं मंजिल, भीमा बिल्डिंग बोरली सागर सोसायटी, 68-69 सर पोचकम वाली रोड, बोरली, बंबई-400025	अधिवक्ता	बंबई, और दिल्ली
228.	मदनलाल अग्रवाल	केरनीटोरा पो. ओ. जिला मिडनापुर, मिडनापुर, पश्चिम बंगाल	अधिवक्ता	मिडनापुर जिला टाउन
229.	श्याम प्रसाद सेन	17, हरिसवा रोड, बैरेकपोर, श्रामन्तपुरी जिला, मोर्थ, 24 परगना, पश्चिम बंगाल	अधिवक्ता	प. बंगाल अलीपुर सिटी सिविल कोर्ट, कलकत्ता

1	2	3	4	5
230.	टेकचन्द कांशिक	घार/191, सैक्टर-4, आर-फरीदा- बाद, फरीदाबाद (हरियाणा)	अधिवक्ता	फरीदाबाद
231.	नाथमल शर्मा	आर/387, जे. बी. का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर, (राजस्थान)	अधिवक्ता	जयपुर (राजस्थान)
232.	के. एन. अलीकरीम वाला	ओ. सईफी सोसायटी, नजदीक शारदावेन होस्पिटल, सरजपुर, अहमदाबाद, गुजरात	अधिवक्ता	अहमदाबाद गुजरात
233.	वसन्त जे. देमाई,	ओ 5, भरत कॉलोनी, स्टडियम रोड, अहमदाबाद	अधिवक्ता	गुजरात
234.	जवाहरलाल बेशीलाल दुग्ड	नियर निगडी बस स्टैंड, निगडी पुणे-400004	अधिवक्ता	पुनाशोर पिंपरी, चिंचवड
235.	श्रीमप्रकाश गुप्ता,	ओ, वारेनगंज, सिपरी बाजार, भांसी (यू. पी.)	अधिवक्ता	भांसी
236.	अहनंद के. हरिस्नी	इस्माइल बिल्डिंग, 381, डा. डी. एन. रोड, फलोरा फाउन्टेन, बंबई	अधिवक्ता	ग्रेटर बंबई
237.	उदय एन. घोष	हुडका हाउसिंग इस्टेट, 95, विधान नगर रोड, ब्लॉक नं. 13, फ्लैट नं. 171, पहली मंजिल, कलकत्ता-55	अधिवक्ता	24, परगना, पश्चिम बंगाल
238.	जयन्त सेन गुप्ता	25, ओल्ड वेलिंगज, प्लेस, कलकत्ता-700019	अधिवक्ता	पार्क सर्कस, चौगंगी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
239.	साधन एस. राय	51-बी, रंमविहांगी एवेन्यू, कलकत्ता, कलकत्ता-28.	अधिवक्ता	दक्षिणी कलकत्ता
240.	मंजीव कंचन	4, मिलन बिल्डिंग, 189/93, गेट स्ट्रीट पेरीसन नारीमन स्ट्रीट फोर्ट, बंबई	अधिवक्ता	प्रिन्स नारीमन स्ट्रीट, फोर्ट बंबई
241.	श्रीमती रतन नागौरी	60, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	उदयपुर, राजस्थान
242.	वेद प्रकाश नाहर	106-बी, बाकेट-4, मयूर विहार, दिल्ली-91	अधिवक्ता	मयूर विहार, दिल्ली-91
243.	कु. बीना बक्शी	एस. एन. 250, बार्ड नं. 2, महरोली, नई दिल्ली-30	अधिवक्ता	दिल्ली और जिला कोर्टस, दिल्ली
244.	एन. आर. एस., अथर	10, ऊपरी मंजिल, कलिना चर्च, बंबई-19.	अधिवक्ता	ग्रेटर, बंबई
245.	प्रताप सिंह बहिया	रोहक रोड, नजदीक सूरि पेट्रोल पम्प, सोनीपत (हरियाणा)	अधिवक्ता	सोनीपत (हरियाणा)
246.	सी. शिवबासप्पा	कल्याण भवन, स्वयंराज रोड, मैसूर (कर्नाटक)	अधिवक्ता	मैसूर कर्नाटक
247.	राजेंद्र सिंह	18, डी-ब्लॉक, श्रीगंगानगर, (राजस्थान)	अधिवक्ता	श्रीगंगानगर (राजस्थान)

1	2	3	4	5
248.	अशोक कुमार बन्सु	कलोल क्लब भवन, राजा राममोहन राय रोड, हुकूम पुरा: सिलीगुड़ी, (प. बंगाल)	अधिवक्ता	सिलीगुड़ी
249.	विद्याधर भार्गव	ए. मसो नं. 2/282, राम भवन, प्रियम गली, हाथी-भहाटा, अजमेर	अधिवक्ता	अजमेर (राजस्थान)
250.	विनोद कुमार महलावत	वांतारामगढ़, जिला सीकर (राजस्थान)	अधिवक्ता	वांताराम गढ़
251.	राम रूप मेहता	मंडी डबवाली, सिरमा (हरियाणा)	अधिवक्ता	डबवाली सिरमा (हरियाणा)
252.	वी.के. अग्रवाल	443, क्लोथ मार्किट, विष्णु बाजार, देहली	अधिवक्ता	देहली
253.	श्रीमती मंजू भटनागर	2-ए, एच. पी. एल. स्टाफ कॉलोनी, नई दिल्ली	अधिवक्ता	देहली
254.	सी. एच. आचार्य	फाईन मेन्सन, तृतीय मंजिल, 203, डी एन रोड, फोर्ट, बंबई-23.	अधिवक्ता	ग्रेटर बंबई
255.	अनारख एम. शेख	लॉट नं. 476/2, से 29, गांधी नगर, (गुजरात)	अधिवक्ता	गांधी नगर मेहसाना, अहमदाबाद
256.	फैयाजुद्दीन,	4-1-70, अशोका रोड, रायचूर-पित कोड नं. 584101 (कर्नाटका)	अधिवक्ता	रायचूर-कर्नाटका
257.	गुरवेव सिंह मुर	7-ए/11, डब्ल्यू. ई. ए. करोलबाग, नई दिल्ली	अधिवक्ता	देहली
258.	भीम सिंह इन्दौरा	आर. जेड-36, पालम इक्लेब, नई दिल्ली	अधिवक्ता	देहली
259.	सतपाल सिंह सोढी	8, सहदेव मार्किट, पी. एण्ड टी, कालोनी, जालन्धर (पंजाब)	अधिवक्ता	जालंधर (पंजाब)
260.	पारश्वे कुमार नागौरी	मार्फत आर. सी. पुरोहित, एल. आई. सी., 31, आदर्श कालोनी, निवाहेड़ा (राजस्थान)	अधिवक्ता	निवाहेड़ा (राजस्थान)
261.	दलबीर सिंह पुनिया	म. नं. 311 (1)/74, आदर्श नगर, कैथल	अधिवक्ता	कैथल (हरियाणा)
262.	एन. कोटेश्वर राव,	सिन्धनूर, रायचूर जिला (कर्नाटक)	अधिवक्ता	सिन्धनूर, रायचूर (कर्नाटक)
263.	डी. ए. हलसमुदरा,	गंगावती, जिला-रायचूर कर्नाटक	अधिवक्ता	गंगावती और रायचूर कर्नाटक
264.	अमर सिंह कौशिक	हिण्डन, जिला-स्वाई माधोपुर (राजस्थान)	अधिवक्ता	हिण्डन-स्वाई माधोपुर, राजस्थान
265.	मुहम्मद इकबालखान,	मौ. मराय, मुर्तजा खान खुर्जा, जिला-बुलन्दशहर (उ. प्र.)	अधिवक्ता	खुर्जा बुलन्द-शहर (उ. प्र.)
266.	अनिल कुमार शर्मा	मं. नं. 373-ए/649, राम नगर, (कृष्ण मण्डी) गाजियाबाद (उ. प्र.)	अधिवक्ता	गाजियाबाद (उ. प्र.)

1	2	3	3
267.	कृष्ण लाल श्रोत्र	उप तहसील मलोद, फरीदकोट, (पंजाब)	अधिवक्ता उप-तहसील मलोद, फरीदकोट (पंजाब)
268.	मालीराम शय्याल,	विद्यानगर का रास्ता, महंतजी की हवेली के सामने, मं. नं. 706, जयपुर	अधिवक्ता जयपुर (राजस्थान)
269.	के. जी. राजपाल,	10 आर. आर. रोड, कोर्ट बंगलौर	अधिवक्ता बंगलौर
270.	टी. एस. नांदीमथ	गुरुवरपेड, गोकक तालुका, बेलगाम (कर्नाटक)	अधिवक्ता गोकक तालुका बेलगाम (कर्नाटक)
271.	कैलाश प्रकाश	113, दमना गली, नजदीक पुलिस चौकी गाजियाबाद, (उ.प्र.)	अधिवक्ता गाजियाबाद (उ.प्र.)
272.	हुसम चन्द मित्तल	न्यू क्रिश्चन कॉलोनी, नजदीक सिविल हस्पताल, जगाधरी (हरियाणा)	अधिवक्ता जगाधरी (हरियाणा)
273.	एम. पम्पनगोड़ा	गंगावती, जिला-रायचूर (कर्नाटक)	अधिवक्ता रायचूर जिला
274.	विक्रम चन्द्र, विश्नोई	4727, मौ. भौगियान, जगराव, लुधियाना	अधिवक्ता लुधियाना
275.	राकेश कुमार बाण्ये	21, तिलक मार्ग, अष्टिकेश, (उ.प्र.)	अधिवक्ता अष्टिकेश (उ.प्र.)
276.	राजीव कुमार बाण्ये	रामघाट रोड, विष्णुपुर अलीगढ़, (उत्तर प्रदेश)	अधिवक्ता अलीगढ़ (उ.प्र.)
277.	रुद्र नारायण झा	इशक-चक, नीयर बाटर टावर, जिला-भागलपुर, (बिहार)	अधिवक्ता भागलपुर जिला (बिहार)
278.	मणि भूषण पाठक	राजपूत मोहल्ला, अरगाघाट, जिला-गिरिडीह (बिहार)	अधिवक्ता गिरिडीह (बिहार)
279.	के. एल. सिंघल	129, बैंक एन्क्लेव, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92.	अधिवक्ता केन्द्र शासित दिल्ली
280.	दाताराम सिंह	बाया अलीपुर, जिला-सुनसुनु, (राजस्थान)	अधिवक्ता सुनसुनु राजस्थान
281.	तरुण मेहता	6047, जमानादास भवन, अम्बाला छावनी, हरियाणा	अधिवक्ता अम्बाला
282.	पी. वी. सुगुमार	48, न्यू स्टेट बैंक कॉलोनी, ताम्वरम, मद्रास	अधिवक्ता ताम्वरम (मद्रास)
283.	ए. एन. पाटिल	236, जैन टेम्पल रोड, हिन्दवाड़ी, बेलगाम (कर्नाटक)	अधिवक्ता बेलगाम जिला (कर्नाटक)
284.	दलीप कुमार भट्टाचार्य	109, कालीघाट रोड, कलकत्ता-700026.	अधिवक्ता कालीघाट कलकत्ता
285.	एकम सिंह	बी. पी. ओ. अलाचौर, त. नवां- गहर, जालन्धर (पंजाब)	अधिवक्ता नवांशहर (पंजाब)
286.	अशोक कुमार चौधरी	बिहारी मण्डी स्ट्रीट संगम कुतुब, अलीगढ़, (उ.प्र.)	अधिवक्ता अलीगढ़ (उ.प्र.)

1	2	3	4	5
287.	जोगीराम गुप्ता	कैथल-132027, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा	अधिवक्ता	कैथल (हरियाणा)
288.	रमेश कुमार मेहता	के-23, नीती नगर, सेक्टर -23, राजनगर गाजियाबाद (उ.प्र.)	अधिवक्ता	गाजियाबाद (उ.प्र.)
289.	राम सिंह सलुजा	27, मेवक कॉलोनी, पटियाला (पंजाब)	अधिवक्ता	पटियाला (पंजाब)
290.	भनवती प्रसाद "पीरूप"	रमानपुर, तहसील हाथरस, जिला-अलीगढ़, (उ.प्र.)	अधिवक्ता	हाथरस-अलीगढ़ (उ.प्र.)
291.	मुसाफ शर्मा	चैम्बर नं. 34, जिला न्यायालय, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	अधिवक्ता	कुरुक्षेत्र हरियाणा
292.	एस.के. सर्वमना	1-बी-34 तलवण्डी, (एम.एफ.एस.) अधिवक्ता (कोटा राजस्थान)	अधिवक्ता	कोटा (राजस्थान)
293.	जी.एस. डंकी	गिवाय, 5 बी ग्रुपड, राजाजी नगर, बंगलौर कार्यालय नं. 50, दूसरा तल, गामाडी मेन्सन, एवैस्यू रोड, बंगलौर-560002.	अधिवक्ता	बंगलौर (कर्नाटक)
294.	सी. श्रीपति राव	सूर्य राबेट, विजय नगर, विष्णु चर्वन राव स्ट्रीट, आंध्र प्रदेश	अधिवक्ता	विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)
295.	श्रीमती उमिला शर्मा	87/सी, न्यू मण्डी, मुजफ्फर नगर, (उ.प्र.)	अधिवक्ता	मुजफ्फर नगर (उ.प्र.)
296.	पवन कुमार जैन	पुराना डाकखाना वाली गली, रेलवे रोड, रोहतक (हरियाणा)	अधिवक्ता	रोहतक (हरियाणा)
297.	स्वराज मोहनधर	अलीपुर-द्वार कोर्ट डाकखाना अलीपुर जलपार्कगुड़ी (पश्चिम बंगाल)	अधिवक्ता	जलपार्कगुड़ी प. बंगाल
298.	पी.जे. कोशी	कार्यालय-चैम्बर नं. 66, न्यू कोर्ट, पटियाला हाउस, नई दिल्ली, निवास : -पू-214, विशाखा एन- क्लेब, प्रीतिमपुरा, नई दिल्ली-34,	अधिवक्ता	नई दिल्ली
299.	रविन्द्र नाथ मेनी	44/3, महात्मा गांधी रोड, कादकता (प. बंगाल)	अधिवक्ता	कादकता (प. बंगाल)
300.	वीर बहादुर जैन	मोहल्ला श्री मालों, धुनडुनु, राजस्थान	अधिवक्ता	धुनडुनु (राजस्थान)
301.	जितेन्द्र कुमार गुप्ता	पुलिस कन्ट्रोल रूम के पाम, अनवर, (राजस्थान)	अधिवक्ता	अनवर (राजस्थान)
302.	केशव धलूर	56, मेन्ट्रल माफिट बिल्डिंग, भवर्था स्ट्रीट, मंगलूर-575001.	अधिवक्ता	बंगलौर मिटी (कर्नाटक)
303.	के.पी. कृष्ण मूर्ति	हालेनरासीपुर, जिला हसन, कर्नाटक	अधिवक्ता	हालेन, रासीपुर (कर्नाटक)
304.	श्रीमती अमलता	पी. बरोट, 17, इन्द्रा पाके, मेटेलाईट, अहमदाबाद	अधिवक्ता	अहमदाबाद गुजरात

1	2	3	4	5
305.	राजेन्द्र कुमार अग्रवाल	4, एम.जी. रोड, ऊपरी मंजिल, फाटो एम्पोरियम, आगरा-282002, (उ०प्र०)	अधिवक्ता	आगरा (उ०)
306.	श्री वैजनाथ धर	केयर फ्लॉ, सेठी निवास 3/148, मुभाष नगर, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली
307.	श्री चन्द्रभान आर्य	डी.आई. ए-126, जनकपुरी,	अधिवक्ता	दिल्ली
308.	वागुदेव सिंह सोमर	ताजेन्द्रनाथ, दाल बाजार, ग्वालियर (म.प्र.)	अधिवक्ता	ग्वालियर (म.प्र.)
309.	अनिल कुमार शर्मा	निर्वाचन कार्यालय के सामने, कलक्ट्रेट, कम्पाउंड, मेरठ (उ.प्र.)	अधिवक्ता	मेरठ (उ.प्र.)
310.	सत्यनारायण शर्मा	2, अन्ना सागर, लिंक रोड, (राजस्थान)	अधिवक्ता	अजमेर (राजस्थान)
311.	बृज भूषण लाल गोयल	डींग, जिला भरतपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	डींग राजस्थान
312.	सी.जे. मोतवानी	बिल्डिंग नं. 102/3535, नेहरू नगर, पूर्वी कुर्ली, बंबई-44	अधिवक्ता	महाराष्ट्र
313.	के.सी. कीशिक	605 कंचनजंगा अपार्टमेंट, कौशम्भी गाजियाबाद (उ.प्र.)	अधिवक्ता	गाजियाबाद (उ.प्र.)
314.	गंगाधर नारायण शिंदे	मनिश हाऊसिंग सोसाइटी, 3/5, प्रथम मंजिल, न्यू पंडित कालोनी, नासिक-422002	अधिवक्ता	नासिक (महाराष्ट्र)
315.	एम.आई. हवा	दूसरा तल, स्वास्तिक सेंटर, 30-बी, स्वास्तिक सोसाइटी, नवरंग पुरा, अहमदाबाद-380009.	अधिवक्ता	अहमदाबाद (गुजरात)
316.	पी.एम. प्रधान	5-ए, मुलुन्द श्रिय मनिशा, कोआप- रेटिव, हाऊसिंग सोसाइटी, रोड नं. 1 पूर्वी मुलुन्द, बंबई-400081.	अधिवक्ता	बंबई (महाराष्ट्र)
317.	के. सिध्दिया	मुभाष नगर, लायर्स कालोनी, मान्डया सिटी, कर्नाटक, -571401.	अधिवक्ता	मान्डया (कर्नाटक)
318.	एस.ए. सुले	गोविंद भुवन, चिमनभाई रोड, नवसारी, जिला बलसाड़-396445, (गुजरात)	अधिवक्ता	नवसारी (गुजरात)
319.	बिबास चन्द्र मित्रा	3/4, श्रीबास दत्ता लेन, हावड़ा, (प. बंगाल)	अधिवक्ता	हावड़ा प. बंगाल
320.	नवजीत लाल शर्मा	लक्ष्मी मेडिकल स्टोर, धान मण्डी, रोड, उदयपुर (राजस्थान)	अधिवक्ता	उदयपुर (राजस्थान)
321.	ए.एम. गुप्ता	13, पार्क रोड, तास्कर टाउन, बंगलोर-560051.	अधिवक्ता	कर्नाटक
322.	बी.एस. गोड़ा	कमरा नं. 49, बसकाटिवागा संघ होस्टल, वी.एम. रोड, हसन-573201	अधिवक्ता	हसन (कर्नाटक)



1	2	3	4	5
323.	सुश्री सतवन्त कौर	385, माडल टाउन, जालंधर, (पंजाब)	अधिवक्ता	जालंधर (पंजाब)
324.	विक्रम सिंह बर्मा,	न्यायालय, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	अधिवक्ता	बुलन्दशहर (उ.प्र.)
325.	श्रीमति कमला तिवारी	पानी टंकी के पीछे, कबेरीपुरम, हीरा बाग सिविल-कोर्ट, आगरा	अधिवक्ता	आगरा (उ.प्र.)
326.	एस.के. त्रिवेदी	फ्लैट नं. 103, जयश्रज, मानेक कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, (लि.), संतोख सिनेमा के सामने, स्टेशन रोड, पश्चिम भयन्दर, महाराष्ट्र-401101.	अधिवक्ता	जिला थाणे महाराष्ट्र
327.	श्री हरीश चन्द्र चौधरी	213, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली
328.	किशन चन्द सैनी	39-ए. जंगपुरा, भोगल, नई दिल्ली-14.	अधिवक्ता	भोगल-जंगपुरा, नई दिल्ली
329.	जे.पी. गोयल	8828, पुल बंगला, नया माँहल्ला, दिल्ली-1.	अधिवक्ता	दिल्ली
330.	डी.के. प्रकाश	2722, बी.ई.एम.एल., मेन रोड, हाल स्ट्रीट, बंगलौर-75.	अधिवक्ता	बंगलौर सिटी कर्नाटक
331.	सुप्यन्त कुमार त्यागी	618/डी.डी. शंकर गली, पाण्डव रोड, विष्वास नगर, शाहबरा, दिल्ली।	अधिवक्ता	शाहबरा, दिल्ली-1
332.	नरसिम्हा आर्यंगर	289, लक्ष्मी विलास रोड, मैसूर।	अधिवक्ता	मैसूर
333.	एस.एल. सलूजा	30-ए, डबल स्टोरी, मेन रोड, वस स्टॉप के सामने, मयकागंज, दिल्ली।	अधिवक्ता	दिल्ली
334.	के. अशोक अश्वर्ती	226, साइडन, हास रोड, चुलाई मद्रास।	अधिवक्ता	चुलाई, मद्रास
335.	ए.पी. सूर्य प्रकाशम	47, आयर पेरुमल स्ट्रीट, रोयापेट्टाह, मद्रास।	अधिवक्ता	रोयापेट्टाह
336.	नरसिम्हा देव रायण	अनेगुण्डी हाऊस, रानी पेट, हास्पेट, कर्नाटक।	अधिवक्ता	बेल्लारी डिस्ट्रिक्ट कर्नाटक।
337.	एम.जे. हेगडे	10, पर्ण कुटीर, दूसरा माला, न्यू नागिन दास रोड, अंधेरी, (पू.) बम्बई-49.	अधिवक्ता	अंधेरी (पू.)
338.	डी.के.जी. रंजरस	3/बी-44, लोहिया नगर, बंबई, टैक्सी मेन कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी बंबई-70.	अधिवक्ता	कुर्ली (पू.)
339.	एच.डी. बैदी	मालवानी भिलेज, बंबई	अधिवक्ता	बंबई
340.	आई.एन. केसर	राजा बहादुर मैशा, कमरा नं. 5, ई, द्वितीय तल, 20, अम्बेनाल दोशी मार्ग, एवन स्ट्रीट, बम्बई-400023.	अधिवक्ता	फाउंटन एरिया, बम्बई
341.	महेश कांतीलाल पटेल	405, प्रगति शापिंग सेंटर, दफ्तरी रोड, मालाड (पू.) बम्बई-400007	अधिवक्ता	महाराष्ट्र

1	2	3	4	5
342.	जयनारायण शर्मा	डाकघर टी० बी, जिला गंगानगर हनुमानगढ़, उप प्रभाग	अधिवक्ता	हनुमानगढ़
343.	मुरारीलाल मिश्रा	वार्ड नं.-7, अनूपगढ़, जिला श्री गंगानगर, राजस्थान	अधिवक्ता	अनूपगढ़
344.	प्रेमचंद अग्रवाल	1033/5, ज्योति नगर, रेड रोड, कुरुक्षेत्र-132118, हरियाणा	अधिवक्ता	पेहवा, कुरुक्षेत्र
345.	प्रवीर कुमार चौधरी	मोहनबारी (नेताजी पल्ली, डाकघर-रायगंज, जिला उत्तर दीनाजपुर (प. बंगाल)	अधिवक्ता	रायगंज मदर
346.	जी. सी. राय कामिकर	विश्वसिंह रोड, कूच बिहार- 735101, पं. बंगाल,	अधिवक्ता	कूच बिहार
347.	मुभाष चंद गुप्ता	वार्ड नं.-8 मंडी डबवाली (सिरसा) हरियाणा	अधिवक्ता	डबवाली
348.	धर्मपाल राबिस	पेहोवा, कुरुक्षेत्र, हरियाणा	अधिवक्ता	पेहोवा
349.	प्रेम किशन	43-प्रार माडल टाउन रिवाड़ी, हरियाणा,	अधिवक्ता	रिवाड़ी
350.	गोबिंदपुरी	लाल बहादुर शास्त्री चौक, बालोवा- 344022, राजस्थान	अधिवक्ता	बालोवा
351.	पूरण सिंह	ग्राम बनसवाला, जींद - 126102 हरियाणा	अधिवक्ता	जींद
352.	अरुण विरण कलुसकर	ब्लॉक रो. 4-5184-ए, सदगुरु हाउसिंग सोसाइटी, शिवाजी नगर, पुणे, 16	अधिवक्ता	शिवाजी नगर, पुणे
353.	पां. के. रहटल	सिन्नर, जिला नासिक, महाराष्ट्र	अधिवक्ता	नासिक
354.	शान्ताराम दातार	आनंदी अपार्टमेंट, जोग कंवाउंड आगरा रोड, कल्याण	अधिवक्ता	कल्याण
355.	एन. एम. अगीत	35/बी, द्वितीय तल, 308, पी. करीमर स्ट्रीट, न. आर. बी. शार्ट. बम्बई, 400023,	अधिवक्ता	परेल, बम्बई
356.	पृथ्वीराज मल्होत्रा	35/ई, रोडवेज रोड, नीलोखेड़ी, जिला करनाल, हरियाणा	अधिवक्ता	करनाल जिला
357.	राकेश चंद भाटी	मिटी, कोर्ट, फरीदाबाद हरियाणा,	अधिवक्ता	फरीदाबाद
358.	आर. एल. आड्डी	रायल इम्पेरीयल बिल्डिंग, 5, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता - 700001.	अधिवक्ता	कलकत्ता, बम्बई, दिल्ली
359.	एस. बेंका रड्डी	अन्तर्पूर्णता निलम, नजदीक बन्नीकिटी, कोपल - 583031 कर्नाटक,	अधिवक्ता	कोपल
360.	एम. जी. ईनामदार	फोर्ट सी. डी. टी. हुबली, कर्नाटक	अधिवक्ता	हुबली

1	2	3	4	5
361.	एम. के. श्रीनिवास, आर्यंगर	7/1, चित्तपा मेशन, वेस्ट पार्क रोड, 8, वां कास रोड, माधवरज, मैसूर।	अधिवक्ता	बंगलोर
362.	रजोवि हुसैन भिद्दीकी	11, सा हाउस, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली - 110013.	अधिवक्ता	दिल्ली
363.	मुनील पंडित	सी-एन, 115, दयानंद कोलोनी, लाजपत नगर, दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली
364.	माला शर्मा	नं. 6547, लेन नं. 2 ब्लॉक नं. 9 देवनगर, नई दिल्ली - 110005.	अधिवक्ता	दिल्ली
365	प्रद्योत हुगार घांस	ग्राम हारा, डाकघर बहुमबाडी, थाना हरिपाल, जिला हुगली पश्चिम बंगाल	अधिवक्ता	चंद्रल नगर, पश्चिमी बंगाल
366.	एम. मोहनराम	8136, गली नं. 4, चिमनी मिल बाडा हिवूराव, दिल्ली - 210006,	अधिवक्ता	दिल्ली
367.	अरविंद गांगुली	निवास व. कार्यालय रोमा विला, 53. मिलन पार्क, गरिया, कलकत्ता, 700084	अधिवक्ता	गरिया पश्चिम बंगाल
368.	रवींद्र अड्डा	निवास व कार्यालय : 59 विवेकानंद पुरी, सराय रोहिल्ला, दिल्ली- 110007.	अधिवक्ता	दिल्ली
369.	प्रमोदपाल शर्मा	ग्राम दोननपुर बुर्द, डाकघर-बास जिला बुधंदनहर (उ. प्र.)	अधिवक्ता	अनूपशहर स्थाना उ. प्र.
370.	सुदनलाल चावला	डक्यू, जी- 255, मोहल्ला ईस्लामाबाद जलंधर सिटी, पंजाब	अधिवक्ता	जलंधर, पंजाब
371.	अशोक कुमार	तहसील रोड, गुरुनानक जी, फैक्टरी वाली गली, मलोट, जिला फरीदकोट, मलोट - 152107, पंजाब।	अधिवक्ता	मलोट जिला फरीदकोट पंजाब
372.	कैलाशनाथ धीर	80, गुजराल नगर, नजदीक टी. बी. सेंटर, जलंधर (पंजाब)	अधिवक्ता	जलंधर, पंजाब
373.	बृजेश कुमार अवस्थी	मकान नं. 638, मोहल्ला रोटी गोदाम, सीतापुर (उ. प्र.)	अधिवक्ता	सीतापुर (उ. प्र.)
374.	सुगंध जैन	49, प्रेम पुरी, मुजफ्फर नगर (उ. प्र.)	अधिवक्ता	मुजफ्फर पुर (उ. प्र.)
375.	कानि घोष	शरन बोस रोड, हाकिमाबाडा, डाकघर, सिलीगुडी, जिला दार्जिलिंग - 734401 पश्चिम बंगाल,	अधिवक्ता	सिलीगुडी (पं. बंगाल)

1	2	3	4	5
376.	श्री कांत जोशी	मित्तल काँचीनी, नजदीक पुरान बम स्टैंड झुलान 333001 राजस्थान	अधिवक्ता	हुअन राजस्थान
377.	आर. आर. डोगरा	पोकेट जी जी -1, फ्लैट नं. 90 विकास पुरी, नई दिल्ली-18	अधिवक्ता	दिल्ली
378.	चंद्रशेखर,	उप-तहसील-जलालाबाद, जिला- फिरोजपुर, पंजाब।	अधिवक्ता	जलालाबाद, जिला फिरोजपुर, पंजाब.
379.	राजकुमार सैय्यन,	जेड ./56 ए, सैक्टर 12, नोएडा, (उ. प्र.)	अधिवक्ता	नोएडा (उ. प्र.)
380.	सुभाष चंद्र मक्खेना.	466, नई बस्ती, शिकोहाबाद रोड, एटा-2070051 (उ. प्र.)	अधिवक्ता	एटा (उ. प्र.)
381.	व्याम सुन्दर सिंह.	तहसील कंठाऊड, गाजियाबाद 251001 (उ. प्र.)	अधिवक्ता	गाजियाबाद (उ. प्र.)
382.	बी. वाई जैकब,	के/19/एच, शेख सराय, फेस -II, नई दिल्ली -110017.	अधिवक्ता	दिल्ली
383.	डी. एस. मरीन,	सी ए-114/2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-110027	अधिवक्ता	दिल्ली
384.	अम्बरीश कुमार गर्ग,	45, धारिका तुरी, मुजफ्फरनगर, (उ. प्र.)	अधिवक्ता	मुजफ्फर नगर (उ. प्र.)
385.	अरविंद कुमार,	165, के. पी. रोड, बुलंदशहर (उ. प्र.)	अधिवक्ता	बुलंद शहर (उ. प्र.)
386.	महेन्द्रपाल सिंह,	150, शंकर कुटी, ए. के. रोड, मेरठ (उ. प्र.)	अधिवक्ता	मेरठ (उ. प्र.)
387.	लाल प्रताप सिंह,	ग्राम, नचिचिया, डाकघर- सतौली, जिला बहराईच (उ. प्र.)	अधिवक्ता	बहराईच (उ. प्र.)
388.	रमेशचंद्र मरीन,	1255, गली लालयान, नजदीक पुलिस चौकी, नवांशहर दोआबा, जिला जलंधर, पंजाब।	अधिवक्ता	जिला नवांशहर पंजाब
389.	श्री शिव लाल जैन,	रेलवे रोड, बन्ना जिला - जालंधर (पंजाब)	अधिवक्ता	नवांशहर पंजाब
390.	श्री राजेन्द्र सिंह, आनन्द,	450, आर-माडल टाउन, यमुना नगर (हरियाणा)	अधिवक्ता	यमुना नगर
391.	श्रीमती रत्ना भार्गव,	22 बैस्ट ईण्डिया हाउस, तृतीय मंजिल, नं. 17, सर पी. एन. रोड, फोर्ट बम्बई -400001.	अधिवक्ता	बम्बई
392.	श्री दर्शन सिंह.	गांव व डाकखाना राहुरीनवाला, तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (पंजाब)	अधिवक्ता	मुक्तसर (पंजाब)
393.	श्री रंजीत कुमार धोब,	7, विजय नगर (सेण्ट्रल पार्क) डाकखाना व पुलिस स्टेशन नई पटी, जिला नार्थ - 24. परगना, पं. बंगाल 574316.	अधिवक्ता	बैरकपार नार्थ 24, परगना (पं० बंगाल)

1	2	3	4	5
394.	श्री सरजीत सिंह,	अम्बाला रोड, कैथल (हरियाणा)	अधिवक्ता	जिला कुरुक्षेत्र, व जिला कैथल
395.	श्री सैयद आदिक हुसैन	मिन्धानूर 584128 जिला रायपुर (कर्नाटक)	अधिवक्ता	मिन्धानूर तालुक जिला रायपुर
396.	श्री अमर नाथ मनोचा	चैम्बर नं. 47, जिला कोर्ट, कुरुक्षेत्र 132118, (हरियाणा)	अधिवक्ता	जिला कुरुक्षेत्र व पंचकुला
397.	श्री जरनैल सिंह,	अमर भवन, रेलवे रोड, होशियारपुर (हरियाणा)	अधिवक्ता	होशियारपुर
398.	नरामुलहुसैन एम. टिरमीजी	अफ. एस. मालिक फेज, मोहम्मद सोसाईटी, नारायण नगर होड, पलड़ी, अहमदाबाद पिन कोड नं 380007.	अधिवक्ता	अहमदाबाद (गुजरात)
399.	श्रीमती अविनाश कौर	चैम्बर नं. 2 पटियाला हाउस, कोर्ट, नई दिल्ली।	अधिवक्ता	दिल्ली
400.	श्री सी. एल. शर्मा	सी 26, हीरामन को अपार्टेडिव हाउसिंग सोसाईटी, दादाभाई फ्रोम रोड, -2, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-400058	अधिवक्ता	ग्रेटर, बम्बई
401.	नपन दास	63, नेताजी कोलोनी, डा. सिन्धी, कलकत्ता - 700050.	अधिवक्ता	24-परगना कलकत्ता
402.	श्री कृष्ण भुरारी सिन्हा	पी. एण्ड डा. सोनहली जिला- खगड़िया, बिहार।	अधिवक्ता	जिला खगड़िया
403.	श्री रघुनाथ बन्धो, पाध्याय,	“बमाका” धर्मपुर छिनमरा डा. व पु. छिनमरा, जिला हुगली - 712101. (पूर्वी बंगाल)	अधिवक्ता	जिला हुगली
404.	श्री प्रशोकान्त गलहोत्रा	1719, स्ट्रीट नं. 12-13, जिला फिरोजपुर - 152116, (पंजाब)	अधिवक्ता	अबोहर जिला फिरोजपुर
405.	श्री मिहिर बनर्जी	डारा श्री हरीदास बनर्जी, नया बस्ती, जलपाईगुड़ी (प. बंगाल)	अधिवक्ता	जलपाईगुड़ी
406.	श्री सुरेश चन्द्र	324, गुरु हरगोबिन्द नगर, फगवाड़ा-144401, जिला, कपूरथला (पंजाब)	अधिवक्ता	फगवाड़ा
407.	श्री जिते सिंह	बील कोलोनी, हाँसी, जिला हिंसार (हरियाणा)	अधिवक्ता	जिला हिंसार
408.	श्री हरीश	105, रत्नदीप, डा. अमरीश पारेख हॉस्पिटल, के सामने हाई कोर्ट, के पास नवरंगपुरा, अहमदाबाद, 380009	अधिवक्ता	अहमदाबाद (गुजरात)
409.	श्री बी. रंगा राय	168, 19 मुख्य मार्ग, 1 ब्लॉक, राजाजी नगर बंगलौर - 560010	अधिवक्ता	विजय नगर, राजाजी नगर, बंगलौर,

1	2	3	4	5
410.	श्री नवकिशोर लाहा	जयपुर रोड, जिना कटक (उड़ीसा)	अधिवक्ता	जयपुर सब डिवीजन (उड़ीसा)
411.	श्री एन. एम. शाहपुरकर	448/28, मित्रार्थ नगर पुराना पुलिस स्टेशन रोड, गोरेगांव, (पूर्व) बम्बई - 400062	अधिवक्ता	ग्रेटर बम्बई
412.	नन्हापटी वेंकटा रत्ना	प्लॉट नं. 15, गायत्री नगर श्री निवास कालोनी पूर्व हैदराबाद 500038 (आन्ध्र प्रदेश)	अधिवक्ता	सिकन्दराबाद व हैदराबाद
413.	श्री एन. एस. बिलें गोडा	नं. 62, मुनिरम्मपा गार्डन, जिडलबली, संजय नगर, बंगलौर (कर्नाटक)	अधिवक्ता	बंगलौर
414.	श्री विजय एस. मसूरकर	205/8, अम्बर टावर रिजर्व बैंक कालोनी के पास, कन्वर पाडा, दहिसर (पूर्व) बम्बई - 400068	अधिवक्ता	बम्बई
415.	श्री एन. ए. मुकुमारन	15, रमैयया स्ट्रीट, शिनाय नगर, मद्रास - 600030	अधिवक्ता	शिनाय नगर (मद्रास)
416.	श्री के. रवीन्द्रा	छोरनाकल रोड, आंध्र बैंक के पास, वेंकटारत्नम स्ट्रीट यूरैराव पेड, विजयवाडा - 520002	अधिवक्ता	विजयवाडा
417.	श्री पी. के. सोलकी	प्रयास हाई स्कूल के पीछे, केसवजी नया चौक, खानपुर, अहमदाबाद - 380007	अधिवक्ता	अहमदाबाद
418.	श्री ए. वी. राधाकृष्ण मूर्ति	मुन्दीगोलनवरी स्ट्रीट, सत्यनारायण, पुरम, विजयवाडा - 520011	अधिवक्ता	विजयवाडा (आंध्र प्रदेश)
419.	श्री वाणेंकर	सिन्धानूर तालुका, सिन्धानूर जिला रायचूर, कर्नाटक	अधिवक्ता	रायचूर जिला
420.	श्री सिदना संतानी	म. नं. 146, सी. बी. आई. कोलानी, सैण्ट्रल बस स्टैंड के पीछे, गुलबर्गा-3 (कर्नाटक)	अधिवक्ता	गुलबर्गा जिला
421.	रमेश एस. अग्रवाल	33, अकान्ता अपार्टमेंट्स, डा. पन्त नगर के पीछे घटकोपर (पूर्व) बम्बई - 400075	अधिवक्ता	बम्बई
422.	श्री अब्दुल मुबान	30, सैकण्ड मेन स्ट्रीट, श्री नगर कालोनी, कुम्भाकोणम - 612001, मद्रास,	अधिवक्ता	कुम्भाकोणम
423.	श्री टी. पार्थसारथी	13 कोण्डापुरम स्ट्रीट, तिरुववलूर - 602001 (तमिलनाडु)	अधिवक्ता	तिरुवलूर (तमिलनाडु)

1	2	3	4	5
424.	श्री सुबोध मदन लाल शाह	124, मारुति चैम्बर कोर्ट, मारुति मन्दिर के पास, नासिक - 422002	अधिवक्ता	नासिक जिला (महा)
425.	श्रीमती सुलभा, गुलवे	24/12, रश्मिराज शिवाजी नगर पुणे, - 5 (महा.)	अधिवक्ता	पूणे जिला
426.	श्री निवास बी. तार्ते	पौष्ट बिल्डिंग, ननपडा रोड, डोनविली (ई०)-421201, (महा.)	अधिवक्ता	जिला थाणे व बम्बई (महा०)
427.	श्री यू. के. जाधव	403 शलाका, कूपरेज फुटबल मैदान के सामने महर्षि कोर्बे रोड, बम्बई-400021 (महा.)	अधिवक्ता	बम्बई
428.	श्री ए. एस. सुयाने	260/7 बी. ताराबाई पार्क कोल्हापुर-416003 (महा.)	अधिवक्ता	जिला कोल्हापुर
429.	श्री मेयनकरे जी. शुक्ला	2, सिन्धुी सदन, एस. बी. पी. बोरिवली (वैस्ट) बम्बई - 400103	अधिवक्ता	बम्बई
430.	श्री वी. नासयणन	39 गीतांजली, सिद्धार्थ नगर, गोरेगांव (वैस्ट) बम्बई - 400062	अधिवक्ता	बम्बई
431.	श्रीमती एस. एस. कोतसधाने	प्लॉट नं. 367, सेक्टर - 27-(ए) प्राधिकरण, पुणे (महा.)	अधिवक्ता	पिंपरी चिंचवड
432.	बाई० एन. लोखे	175/ए/जी/41, मुभाष नगर न्यू (किरकी) यरावडा जेल रोड पुणे - 411006	अधिवक्ता	जिला पूणे
433.	जी. एस. हेंगडे	चितलमर मनपाडा थाने (वैस्ट)- 400607 (महा.)	अधिवक्ता	जिला धाने
434.	श्रीमती रमा एस. पाडकालकर	रमा निवास एस. एस. - 4/245, सेक्टर - 2 बासी, नया बम्बई- 400703	अधिवक्ता	बम्बई
435.	बी. पाणिग्राही	ए - 202 शिवन-8 रहेजा कम्प्लेक्स, मलाद (वैस्ट) बम्बई - 400097 (महा.)	अधिवक्ता	बम्बई
436.	कान्तिनाल के संचेती	594, नारायण पेठ, उमाशंकर कम्प्लेक्स, कन्योशाला के पास, पूणे - 30 (महा.)	अधिवक्ता	जिला पूणे
437.	के. एम. भाटिया	24 ए, मोहता मार्किट, पहली मंजिल, पलटन रोड; बम्बई 400001	अधिवक्ता	बम्बई
438.	संजीव उपाध्याय	60, फेंडस कालोनी, अलवर (राज.)	अधिवक्ता	अलवर
439.	गजे सिंह तनवर	229- एल, माडल टाउन, पानीपत (हरियाणा)	अधिवक्ता	पानीपत

1	2	3	4	5
440.	इन्द्र जीत	3020, न्यू हाउसिंग बोर्ड, सैक्टर 11-12 पार्ट-II, पानीपत (हरियाणा)	अधिवक्ता	पानीपत
441.	कुण्ड कुमार कौशिक	महादेव स्टेटि, कुरुक्षेत्र - 132118 (हरि.)	अधिवक्ता	कुरुक्षेत्र
442.	नरेन्द्र सिंह यादव	नरेन्द्र सिंह यादव मुगुव श्री लक्ष्मन सिंह यादव पणु चिकित्सालय के पास, बीकानेर (राजस्थान)	अधिवक्ता	बीकानेर (राजस्थान)
443.	अरविन्द प्रकाश माथुर	304/1, अक्षयवन गंज, अजमेर (राजस्थान)	अधिवक्ता	अक्षयवन गंज (राजस्थान)
444.	एस. एन. सिखवाल	आनन्द नगर सीकर, (राज.)	अधिवक्ता	सीकर (राज.)
445.	प्रेम बीर चौहान	693/7, अमीन गेड, कुरुक्षेत्र (हरि.)	अधिवक्ता	थानेश्वर
446.	सुनील कुमार कल्याण	216-एल माडल टाउन, रोहतक (हरि.)	अधिवक्ता	रोहतक
447.	श्री हर्जी लाल जद,		अधिवक्ता	दिल्ली
448.	श्रीम शर्मा	सिविल कोर्ट, हापुड़, गाजियाबाद	अधिवक्ता	हापुड़
449.	अशोक कुमार गोयल	बस स्टैण्ड के सामने, जी. टी. रोड, पिपली, तहसील थानेश्वर जिला कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	अधिवक्ता	कुरुक्षेत्र
450.	श्रीमती पुष्पा गुप्ता	म. नं. 75, वीवर्स कालोनी, असरनव रेलवे फाटक के पास, पानीपत-132183 (हरि.)	अधिवक्ता	जिला पानीपत
451.	रंजीत सिंह सोनी	आर. ब्लॉक, वार्ड नं. 4, डा. रामसिंह नगर (राजस्थान)	अधिवक्ता	रायसिंह नगर
452.	जसबीर सिंह परमार	सिविल कोर्ट, फगवाडा 144401 (पंजाब)	अधिवक्ता	फगवाडा
453.	कुमारी पदमारानी	125/14, ओल्ड सब्जी मण्डी, सोनाली रोड, पानीपत (हरियाणा)	अधिवक्ता	जिला पानीपत
454.	मुकेश चन्द्र शर्मा	तहसील - गढ़मुक्तेश्वर, जिला - गाजियाबाद (यू. पी.)	अधिवक्ता	गढ़मुक्तेश्वर
455.	जगदीश चन्द्र जोशी	रायसिंह नगर, श्री गंगानगर (राजस्थान)	अधिवक्ता	रायसिंह नगर
456.	रतन लाल चौधरी	बलोला, जिला बाड़मेर (राजस्थान)	अधिवक्ता	बलोला
457.	नरेन्द्र सिंह	कोठी गुलजार बाग, राजस्थान हाई कोर्ट ; भरतपुर (राजस्थान)	अधिवक्ता	भरतपुर



1	2	3	4	5
458.	राम सिंह ढाका	5 एल.-29, जवाहर नगर, श्री गंगा नगर (राज.)	अधिवक्ता	श्री गंगानगर
459.	लाला राम वर्मा	बी जी-6/90 सी, परिषद बिहार, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली
460.	रवीन्द्र सहाय सक्सेना	बालचन्द्र पाण्डा, बून्दी (राजस्थान)	अधिवक्ता	बून्दी (राज.)
461.	ताराचन्द सिधवी	तिपरावती का बास, भोजट सिटी - 306104 (राजस्थान)	अधिवक्ता	सोजट
462.	धर्म सिंह पंजेठा	जिला कोट, जगाधरी, जिला यमुनानगर (हरियाणा)	अधिवक्ता	जगाधरी
463.	हुक्म चन्द खोकर	चैम्बर नं. -11 सिविल कोर्ट, रोहतक (हरियाणा)	अधिवक्ता	रोहतक
464.	केशव दयाल शर्मा	पुराना बाजार वरी, जिला धौलपुर (राजस्थान)	अधिवक्ता	धौलपुर
465.	भंवर लाल जैन	महल 732, शिमला सदन, मिश्रा राजाजी का रास्ता, इन्दिरा बाजार ; जयपुर-302001 (राजस्थान)	अधिवक्ता	जयपुर
466.	रतन लाल गुप्ता	3 ई/4, जवाहर नगर, श्रीगंगानगर-335009 राजस्थान	अधिवक्ता	श्रीगंगानगर
467.	श्रीमती आशा बिन्दलेश	कैथल (हरियाणा)	अधिवक्ता	कैथल
468.	एम. पी. मिहल	41-बी बल्लभनगर, कोटा-324007 (राज.)	अधिवक्ता	कोटा
469.	परमात्मा सरन गोंड	के-1-123, कवि नगर, गाजियाबाद (यू. पी.)	अधिवक्ता	गाजियाबाद
470.	श्रीम प्रकाश	82, आर्य भवन, प्रेम नगर, करनाल (हरियाणा)	अधिवक्ता	करनाल
471.	श्री. पी. गर्ग	कलनवली, जिला सिरसा (हरियाणा)	अधिवक्ता	सिरसा
472.	यशोधर शर्मा	1/325, बैंक कालोनी, सुरेन्द्र नगर, अलीगढ़ (यू. पी.)	अधिवक्ता	अलीगढ़
473.	श्रीमती सत्येन्द्र जीत चिन्ना	म. नं. 1540, गागरमल रोड, कटरा शेर सिंह, अमृतसर (पंजाब)	अधिवक्ता	अमृतसर
474.	रघुवीर सिंह	रेलवे रोड, फगवाड़ा, जिला कपूरथला (पंजाब)	अधिवक्ता	फगवाड़ा
475.	राम सूर्य	नगर परिसर भण्डार के पास, गजनेर रोड, बीकानेर (राज.)	अधिवक्ता	बीकानेर

1	2	3	4	5
476.	सतेनाम पाल कम्बोज,	जिला कोर्ट फिरोजपुर, इनसाईड मैगजीन गेट, फिरोजपुर सिटी (पंजाब)	अधिवक्ता	फिरोजपुर
477.	रतन सिंह	म. नं. 743, नेमारोड, गिद्ववाह-152101 (पंजाब)	अधिवक्ता	गिद्ववाह एवं भटिण्डा
478.	राम मोहन राय	203, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड, कालोनी, पानीपत (हरियाणा)	अधिवक्ता	पानीपत
479.	सरदार सिंह यादव	तहसील बागपत, जिला मेरठ (यू. पी.)	अधिवक्ता	बागपत
480.	विजय कुमार	म. नं. 248/4, गुरु नानक मार्किट, फगवाड़ा, जिला कपूरथला (पंजाब)	अधिवक्ता	फिरोजपुर फगवाड़ा
481.	अमृतबीर सिंह सोढ़ी	म. नं. 1, स्ट्रीट नं. 11, गुरु हर सहाय, जिला फिरोजपुर (पंजाब)	अधिवक्ता	फिरोजपुर
482.	बी. सिन्धवानी (बीरेन्द्र)	गोशाला रोड, फगवाड़ा (पंजाब)	अधिवक्ता	फगवाड़ा
483.	वेद प्रकाश चौहान	दादरी, गाजियाबाद (यू. पी.)	अधिवक्ता	बावरी
484.	चमन प्रकाश श्रीवास्तव	गांव खोजनपुर, जिला फैजाबाद (यू. पी.)	अधिवक्ता	फैजाबाद
485.	रणधीर ठाकुर	ठाकुर निवास, कृष्ण नगर-11, होशियार पुर - 146001. (पंजाब)	अधिवक्ता	होशियारपुर
486.	त्रिजलाल मखीजा	487, एल-मॉडल टाउन, जालंधर (पंजाब)	अधिवक्ता	जालंधर
487.	इकबाल सिंह गिल	गांव ब डा. सलोह, तहसील नवांशहर, जिला जालंधर (पंजाब)	अधिवक्ता	नवांशहर
488.	नरेश चन्द जैन	304, शिव शंकर पुरी, मेरठ (यू. पी.)	अधिवक्ता	मेरठ
489.	किरण चन्द शर्मा	120, अराजियट, बुलन्दशहर- 203001 (यू. पी.)	अधिवक्ता	बुलन्दशहर
490.	अशोक कुमार	4/93, मोति यागली, कच्छन घाट, आगरा (यू.पी.)	अधिवक्ता	आगरा
491.	सैरयद अनवर अब्बास हुसैन	बी/11/11, गोरी गंज; वाराणसी (यू. पी.)	अधिवक्ता	वाराणसी
492.	अरुण कुमार शर्मा	1142, राम कुटीर अर्बन इस्टेट- 1, जालंधर-144822	अधिवक्ता	जालंधर
493.	परमिन्दर सिंह	भंसूरबल चुंगी चौकी के पास जालंधर रोड, कपूरथला (पंजाब)	अधिवक्ता	कपूरथला

1	2	3	4	5
494.	कर्नेल एच के. शर्मा,	बंतकर बाजार, ग्वालियर- 474001, (म. प्र.)	अधिवक्ता	भोपाल
495.	निर्भल सिंह कालड़ा	297, उधम सिंह नगर, जालंधर सिटी (पंजाब)	अधिवक्ता	जालंधर
496.	गोविन्द प्रकाश महरोत्रा	भीहल्ला गाडियान, सीतापुर (यू. पी.)	अधिवक्ता	सीतापुर
497.	ज्ञान प्रकाश पाण्डे	सी के 8/158 गढ़वासी टोला, वाराणसी (यू. पी.)	अधिवक्ता	वाराणसी
498.	कु. रेखा महरोत्रा	67, अटल बिहारी नगर उन्नाव (यू. पी.)	अधिवक्ता	उन्नाव
499.	भिखारी दास शर्मा	गांव ऊंचागांव बंगर, डा. रामघाट, जिला बुलन्दशहर (यू. पी.)	अधिवक्ता	बुलन्दशहर
500.	कैलाश चन्द गुप्ता	3-ई-18, विकास नगर, बूंदी (राजस्थान)	अधिवक्ता	बूंदी
501.	महादेव प्रसाद वर्मा	गांव ब डा. सुलेहपुर, पी. एम. बीकापुर (कोतवाली) जिला फैजाबाद (यू. पी.)	अधिवक्ता	फैजाबाद
502.	आर चेल्लप्पा	ना० 1, एम. के. अमन कोयल, IV स्ट्रीट, मलेपोग, मद्रास- 600004	अधिवक्ता	मद्रास
503.	नरहरि आर देवराज	8, लता नगर, जामिया उल्मानिया, हैदराबाद-500044	अधिवक्ता	हैदराबाद
504.	अशोक कुमार शाह	48, गोल महल सदरबाजार, बैरक पुर, जिला 24 परगना (उ.) पं. बंगाल।	अधिवक्ता	24-परगना नार्थ
505.	ए. आर माधवराव	बी-4/158 सफदरजंग एन्क्लेव नई दिल्ली-110029	अधिवक्ता	सफदरजंग एन्क्लेव
506.	श्रीमती रजनी जैन	38, तहसील बिल्डिंग, तीस हजारी, दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली
507.	चन्द्र मोहन बवेजा	एम०-250, पंचशील पार्क, नई दिल्ली	अधिवक्ता	पंचशील पार्क
508.	आर एन जैन	आर ब्लॉक 69, एफ दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095	अधिवक्ता	दिलशाद गार्डन
509.	कुमारी रतन भटनागर	ए-2/166 बी, लारेंस रोड, दिल्ली-110035	अधिवक्ता	दिल्ली
510.	एन. एम. कालड़ा	109, जोरबाग रोड, बी. के. दत्त कॉलोनी, नई दिल्ली-110003,	अधिवक्ता	लोधी कालोनी
511.	मधुमिता कुन्डू	124, सालकिया स्कूल रोड, हावड़ा-6	अधिवक्ता	कलकत्ता

1	2	3	4	5
512.	राजेश कुमार	2586, शादीपुर, मन्दिर स्ट्रीट, नई दिल्ली-110008	अधिवक्ता	शादीपुर
513.	श्रीमती अंशोक भारद्वाज	चैम्बर नं. 56, पटियाला हाउस, नई दिल्ली -110001	अधिवक्ता	पेटियाला हाउस
514.	श्रीमती सुषमा भारद्वाज	चैम्बर नं. 147-148, नई दिल्ली कोर्ट, तिलक मार्क नई दिल्ली	अधिवक्ता	पटियाला हाउस
515.	के. सी. दीवान	एम.-104, धर्मा अपार्टमेंट, पटपडगंज दिल्ली-110092	अधिवक्ता	पश्चिम बिहार
516.	कु. सरोजिनी नय्यर	ई-11-102, लाजपत नगर, नई दिल्ली -110024	अधिवक्ता	दक्षिण दिल्ली
517.	विनाद कुमार शर्मा	एच-32, गली नं.-9, न्यू महावीर नगर, नई दिल्ली -110018	अधिवक्ता	महावीर नगर
518.	अमरनाथ चटर्जी	194, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता-700004,	अधिवक्ता	कलकत्ता
519.	धर्मन्द्र नाथ गोयल	बी-3/13, राजस्थानी, अपार्टमेंट, पितम्पुरा, दिल्ली-110034	अधिवक्ता	पितम्पुरा
520.	ज्ञान सिंह	ई ए-58, एस. एफ. एस., माया एन्क्लेव, नई दिल्ली- 110064,	अधिवक्ता	दिल्ली
521.	प्रेम कुमार खोसला	215, पश्चिमी विंग, तीस हजारी, दिल्ली -110054	अधिवक्ता	दिल्ली
522.	जगदीश चन्द्र त्रिखा	चैम्बर 316, सिविल साईड, तीस हजारी, दिल्ली -110054	अधिवक्ता	तिलक नगर
523.	अशोक कुमार सिन्हा	28 प्रताप अदित्य प्लेस, कलकत्ता - 700026	अधिवक्ता	24-परगना
524.	गिणु मोहन मेहरा	ई-47, कीर्तिनगर, नई दिल्ली - 110075	अधिवक्ता	कीर्ति नगर
525.	श्रीमती काशी कश्यप	116-ए, विकास मार्ग, शक्कर पुर, नई दिल्ली-110092	अधिवक्ता	दिल्ली
526.	कमल कान्ति घोष	पोर्ट ब्लेयर एक्सटेंशन, चिरीमोर, पो. बैरकपुर, जिला -24 परगना (एच) पं० बंगाल	अधिवक्ता	24-परगना
527.	आदित्य बनर्जी	अमल पाड़ा पो. पुरुलिया, जिला पुरुलिया, (पं. बंगाल)	अधिवक्ता	पुरुलिया
528.	मुधांशु विश्वास	352 नेताजी रोड, पो. खगगम पी. एस. बहरामपुर टाउन, जिला मुर्शिदाबाद (प. बंगाल)	अधिवक्ता	बहरामपुर (मुर्शिदाबाद)

1	2	3	4	5
529.	राम प्रकाश	3456, त्रीनगर, दिल्ली-1100035	अधिवक्ता	पटियाला हाउस
530.	एम. के. लाल	1 बी, ओल्ड पोस्ट आफिस, स्ट्रीट कलकत्ता-700001.	अधिवक्ता	कलकत्ता
531.	ए. के. विश्वास	चैम्बर 28-3810, 8/2 किरण शंकर राय रोड, कलकत्ता	अधिवक्ता	कलकत्ता
532.	दिनेश कुमार रावल	रावल हाउस बालिका हायर सैकण्डरी स्कूल के पास, श्री पुरा कोटा, जिला कोटा (राज.)	अधिवक्ता	कोटा (राज.)
533.	चन्द्र शेखर बाबु	चैम्बर नं० 1103, ओ. टी. सी. रोड, पाई बिहार के पास, बंगलौर 560002.	अधिवक्ता	बंगलौर
534.	श्रीमती बासव, दत्ता ए. भट्ट	मी/2 सुन्दर अपार्टमेंट, हाई कोर्ट के पीछे, अहमदाबाद-9.	अधिवक्ता	अहमदाबाद
535.	डी० मोहम्मद	109, 13 मेन रोड, 28 क्रॉस, (फोर - 4-ब्लाक, जयानगर, बंगलौर - 560011	अधिवक्ता	जयानगर
536.	एम. जी. उत्थामा	नं. 16, पहली मंजिल, 31 क्रॉस बिलेरी रोड, बंगलौर 560053	अधिवक्ता	बंगलौर
537.	के. नगराजा	120/ए पहली मंजिल, 5 मेन, 4 ब्लाक, राजाजी नगर बंगलौर 560010	अधिवक्ता	राजाजी नगर
538.	पी. सूर्यनारायण	11/26/24 ए, उप्पलूरियवासी, लेन, ब्राह्मण स्ट्रीट, विजयवाड़ा-1	अधिवक्ता	विजयवाड़ा
539.	रमन नारंग	130, हरगोबिन्द नगर, फगवाड़ा-144401 (पंजाब)	अधिवक्ता	फगवाड़ा
540.	बेजनाथ गुप्ता	8, आदर्श नगर, घन्ड रोड चोका, कैथल-132027 (हरियाणा)	अधिवक्ता	गुहवा
541.	महेश कुमार मंगल	मेन बाजार पुण्डरी जिला कैथल-132026	अधिवक्ता	पुण्डरी
542.	बलबीर कुमार मन्धवेवा	जिला कोर्ट परिसर, फिरोजपुर (पंजाब)	अधिवक्ता	फिरोजपुर
543.	मोहन लाल	जिला कोर्ट, यमुनानगर, जगाधरी, (हरियाणा)	अधिवक्ता	यमुनानगर
544.	विक्रम सिंह	सिविल कोर्ट सफीदों, जिला जीन्द, (हरियाणा)	अधिवक्ता	सफीदों
545.	कुलवन्त सिंह	मा. नं. 312, सरोजिनी कालोनी यमुना नगर-135001. (हरियाणा)	अधिवक्ता	जगाधरी

1	2	3	4	5
546.	सुभाष चन्द्र शर्मा,	म. नं. 671/8-सी खण्डीगढ़,	अधिवक्ता	संघ शासित क्षेत्र खण्डीगढ़,
547.	श्रीमती मधुबाला	म. नं. 515 महेश नगर, अम्बाला कैण्ट (हरियाणा)	अधिवक्ता	अम्बाला कैण्ट
548.	श्री कृष्ण	जिला कोर्ट कैथल, कैथल (हरियाणा)	अधिवक्ता	कैथल
549.	जय भगवान गोयल	चैम्बर नं. 21, जिला कोर्ट, पानीपत (हरियाणा)	अधिवक्ता	पानीपत
550.	कपूर सिंह मालिक	सीता राम कालोनी, सफीदों, जिला जीन्द (हरियाणा)-126112.	अधिवक्ता	जीन्द
551.	सुरेशदेव सिंह	म. नं. 5/375, नई आबादी, जैतू 151202 जिला फरीदकोट (पंजाब)	अधिवक्ता	जैतू (जिला फरीदकोट)
552.	गुरेन्द्र सिंह मालिक,	137 पटेल नगर नई मण्डी, मुजफ्फर नगर (यू. पी.)	अधिवक्ता	मुजफ्फर नगर
553.	सन्तोक सिंह गिल	5, जी. टी. बी. नगर, काखेज रोड, रोपड़ (पंजाब)	अधिवक्ता	रोपड़
554.	कृष्णबी लता	87/88, कमर्शियल स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलौर-560001	अधिवक्ता	बंगलौर
555.	सैयद मसूद अहमद	14 बैलिंगटन स्ट्रीट, रिचमण्ड, टाउन, बंगलौर-560025	अधिवक्ता	बंगलौर
556.	योध राजवसंत	चैम्बर नं. 50, जिला कोर्ट, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	अधिवक्ता	कुरुक्षेत्र
557.	छज्जु राम	गांव व डा० हट, तहसील सफीदों, जिला जीन्द, (हरियाणा)	अधिवक्ता	सफीदों
	रीवन्ध मोहन अग्रवाल	मलिक हास्पिटल के पास, बलसामण्ड रोड, हिसार (हरियाणा)	अधिवक्ता	हिसार
559.	नेम चन्द	24-डी, किषलू नगर, सिविल लाईन्स, लुधियाना (पंजाब)	अधिवक्ता	लुधियाना
560.	प्रशान्त जोरदार	बग्घा जतिन पार्क, सिलीगुड़ी कोर्ट, सिलीगुड़ी-734401, जिला वार्जसिंग	अधिवक्ता	सिलीगुड़ी (पं० बंगाल)
561.	सुन्दर लाल गौतम	35, नई बजीर चन्द कालोनी, करनाल (हरियाणा)	अधिवक्ता	करनाल
562.	कश्मीरी लाल शर्मा	बी-7/22, उम्मत स्ट्रीट, नवा शहर, जिला जलंधर, (पंजाब)	अधिवक्ता	नवा शहर

1	2	3	4	5
563.	मनिन्द्र कुमार कुहला	गांव चण्डीपुर, डा. झरग्राम जिला, मिदनापुर (पं. बंगाल)	अधिवक्ता	मिदनापुर
564.	असीत बर्न बसु	शंकपारा, महेशनती, डा. ब. जिला मालदा (पं. बंगाल)	अधिवक्ता	मालदा
565.	द्विजेन्द्र नाथ अश्वर्त्ती	505/8, अशोकनगर, डा. अशोक नगर, जिला नार्थ, 24, परगना (पं. बंगाल)	अधिवक्ता	बरासत नार्थ 24 परगना
566.	जगदीश चन्द्र	गांव ब. डा. जहीलूर (मजरी) जिला यमुना नगर-132133 (हरियाणा)	अधिवक्ता	यमुना नगर
567.	श्रीमती मिलाती अधिकारी	90/1 शशी भूषण मुखर्जी लाईन, डा. साकिया, थाना-मलिपन्चमुरा जिला हावड़ा (पं. बंगाल)	अधिवक्ता	हावड़ा
568.	प्रफुल्ल कुमार राउत	भद्रक एट कुआंस डा. जिला भद्रक - 756100, उड़ीसा	अधिवक्ता	भद्रक
569.	पी० आर० चौधरी	द्वारा एम. के. चौधरी 4 से 7 ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट बूसरी मंजिल, कलकत्ता-700001.	अधिवक्ता	कलकत्ता डलहौजी स्क्वायर
470.	वलश्रीत सिंह सेनी	म. नं. 5, स्ट्रीट नं. 1, मलहोत्रा कालोनी, रोपड़ (पंजाब)	अधिवक्ता	रोपड़
571.	बिनोद कुमार शर्मा	सिविल कोर्ट दसुया, जिला होशीयार पुर, (पंजाब)	अधिवक्ता	दसुया
572.	शेखर बत्ना	राम नगर रोड नं. 4, (वेस्टेण्ड) अगरतला, डा. रामनगर, वेस्ट त्रिपुरा - 799002.	अधिवक्ता	अगरतला (त्रिपुरा)
573.	गोतम देब	131 सी. बी. रमन सरनी, कालेज पुरा, डा. सिलीगुड़ी, जिला दार्जिलिंग	अधिवक्ता	सिलीगुड़ी
574.	बी. एम. सभरवाल	चै. नं. 355, वेस्टर्न विंग तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54	अधिवक्ता	दिल्ली

New Delhi, the 21st June, 1996

S.O. 2015.— In pursuance of the provisions of Section 6 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Central Government hereby published a list of Notaries appointed by it and in practice at the beginning of the year 1996.

S. No.	Name of Notary	Residential and professional address	Qualifications	Area in which he is authorised to practice
1.	2.	3.	4.	5.
S/Sl ri				
1.	Rustam Ardeshir Gagrai	Gagrai & Co., Alli Chamber, Nagindas Master Road, Meadows St. Fort, Bombay.	Advocate, Bombay	Whole of India
2.	Rabindra Krishna Deb	Temple Chambers, 6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India
3.	Himanshu Prakash Ganguli	4, Issur Dutt Lane, Howrah, (West Bengal).	Advocate Calcutta High Court.	Whole of India
4.	Sudhir Kumar Dey Mullick	C/o Martin Burn Ltd., 12, Mission Row Extension, Calcutta-1.	Attorney at Law Calcutta	Whole of India
5.	Bash Mohan Chatterjee	C/o M/s. Orr, Dignam and Co., Solicitors, 29, Netaji Subhas Road, Calcutta.	Solicitor Calcutta High Court	West Bengal, Assam Bihar UP & Punjab.
6.	Prabhudayal Himatsingha	6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India
7.	Victor Elias Moses	6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India
8.	Mulk Raj Wadhawan	Jullundar City, Punjab. Punjab.	Advocate, Punjab High Court.	Punjab & UP.
9.	Manoharlal Kapur	3/9, Patel Nagar (East), New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.
10.	Harpershad Mehra	No. 3060, Charkhewalan, Delhi.	Advocate, Punjab High Court	Union Territory of Delhi.
11.	Chamanlal Arora	10, New Court Road, Amritsar, Punjab.	Advocate	Amritsar Distt. (Punjab).
12.	Damodar Devji Damodar	C/o M/s. Kanga & Co., Solicitors, Readymoney Manions, 43, Veer Nariman Road, Bombay.	Solicitor	Maharashtra
13.	Deba Prasad Ghosh	C/o Fowler & Co. Solicitors & Advocates & Notaries, Regent House, 12 Government Place, East Calcutta-69.	Attorney	Whole of India
14.	Nathmal Himatsingha	6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney	Whole of India
15.	Ramkishan Garg	56, Old Vijay Nagar Colony, Agra (UP).	Vakil, Agra	Agra District
16.	C.H. Pardiwala	C/o M/s. Crawford Bayley & Col. Solicitor State Bank Buildings, Bank St., Bombay-1.		Whole of India
17.	Sachindra C. Sen	Attorney at Law Temple Chambers, 1st Floor, 6 Old Post Office St., Calcutta.	Attorney	Calcutta
18.	D.A. Mehta	Advocate, 43-B, Human Road, New Delhi.	Bar at Law	Union Territory of Delhi.



1	2	3	4	5
19. Durga Prasad Tulsyan	Advocate, Jhun Jhunu, Rajasthan.	Advocate	Jhun Jhunu District, (Rajasthan).	
20. M.G. Doshit	M/s. M.G. Doshit & Co., Solicitor 35-Embassy Market, Ashram Road, Ahmedabad.	Attorney	Gujarat & Maharashtra	
21. Noor Mohammad	Advocate, Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur, District (Rajasthan).	
22. P.C. Kurian	14, Kondichatty Street, II Floor, Madras-1.	Advocate	Madras & Kerala.	
23. C.S. Venkata-Subramanian	140-Cross Cut Road, Coimbatore.	Advocate	Coimbatore District.	
24. Pusbkar Lal Juneja	F-1, Sankar Market, Connaught Circus, New Delhi.	Advocate	Whole of India	
25. Jagan Nath	Civil Line, Moga District, Ferozpur, Punjab.	Advocate	Ferozpur Distt. with Head- quarter at Moga also autho- rised to practice in and throughout Faridkot Distt. with Headquarters at Moga.	
26. Ramji Das Singhal	Gurdwara Stree, Bhatinda, Punjab.	Advocate	Bhatinda District.	
27. Bal Krishan	Advocate, Hanumangarh Town, Distt. Ganganagar, (Rajasthan).	Advocate	District Ganganagar with Headquarters at Hanumana- garh (Rajasthan).	
28. G.C. Verma	Advocate-cum-Oath Commissioner, E-12, Green Park, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.	
29. P.L. Gandhi	Advocate, Opp : Gandhi Bagh, Surat.	Advocate	Surat District.	
30. A.R. Malkani	Advocate, BBZ-N-6, Gandhi Dham, (Kutch).	Advocate,	Whole of Gujarat.	
31. N.C. Shah	No. 1, Burdwan Road, Ist Floor, Alipore, Calcutta-27.	Advocate, Calcutta.	Calcutta & New Delhi.	
32. T. Dilip Singh	C/o M/s. King & Patridge, [ 2nd Floor, Catholic Centre, Armenian St., Box No. 121, Madras-1.	Advocate Madras	Whole of India	
33. J.R. Gagrati	C/o M/s Gagrati & Co., Alli Chambers, Negindas Master Rd., Fort, Bombay-1.	Advocate Bombay	Whole of India	
34. Brij Mohan Mehta	13A/2, Rajinder Nagar, New Delhi.	Advocate, New Delhi.	Union Territory of Delhi.	
35. Surjit Singh Sood	23, Netaji Park, Jullundur City, (Punjab).	Advocate, Jullundur.	Jullundur (Punjab)	
36. Jagit Singh Bains	376, L. Model Town, Jullundur City, (Punjab).	Advocate, Jullundur.	Jullundur (Punjab).	
37. Punamchand Somchand Shah.	35-Embassy Market, Near Dinesh Hall, Ashram Road, Ahmedabad.	Advocate	Gujarat.	
38. H.M. Bhagat	C/o Ambhubhai & Diwanji Solicitors & Advocates, Industries House, Ashram Road, Ahmedabad-9.	Advocate & Solicitors	Gujarat	

1	2	3	4	5
39.	H.V. Chatrapati	C/o M/s Bhai Shankar Kanga , Girdhari Lal Manakjiwadia Bldgs., Bell Lane, Fort, Bombay-1. and C/o M/s. Bhai Shankar Kanga & Girdhari Lal, Gujarat Samachar Bhavan, Khanpur, Ahmedabad.	Advocate & Solicitor	Whole of Guizat
40.	G.S. Vyas	35, Lavanyangar, Jivaraj Park Road, Ellis Bridge, Ahmedabad-7.	Advocate	City of Ahmedabad.
41.	Amar Singh	Jamiat Singh Road, Moga, District, Faridkot, Punjab.	Advocate	Moga District, Faridkot, Punjab.
42.	B.H. Antia	C/o M/s. Mulla & Griagne Plunt & Caroras, Solicitors & Notaries, Jehangir Wadie Bldgs., 51, Mahatma Gandhi Road, Bombay-1.	Attorney & Advocate	Whole of India
43.	B.P. Shukla	Rugnath Building Town Hall, Rajkot, (Gujarat).	Advocate	Rajkot & Junagadh District.
44.	B.K. Shah	Mansukh Niwas Nairi Chahipwad, Baroda-6.	Advocate	Baroda
45.	Ramesh J. Mehta	Nadiad District Kaira, Gujarat.	Advocate	Kaira Panchmal District.
46.	Vasant Lal D. Mehta	C/o Malvi Rancho Das & Co., Solicitors & Advocates, Yusuf Bldgs., Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay-1.	Solicitor	Maharashtra.
47.	Mohinder Singh	22, Guru Teg Bahadur Nagar, Near Mandir, Jullundur City, Punjab.	Pleader	Jullundur
48.	Rajendra Kumar Bhat	S-401, Greater Kailash, New Delhi-48.	Advocate	Union Territory of Delhi U.P. & Haryana.
49.	Narain Parshad Goyal	B-3/296, Paschim Vihar, New Delhi-63.	Advocate	Union Territory of Delhi.
50.	V. Hassan Koya	Chalayparam, Calicut Kerala.	Advocate	Calicut & Malappuram Dis- trict.
51.	Salil Kumar Ganguli	50, Ramtanu Bose Lane, Calcutta-6.	Attorney at Law	Calcutta
52.	Palav Kumar Banerjee	M/s. T. Banerjee & Co., Solicitors & Advocates 'Temple Chamber' No. 6, Old Post Office St., Calcutta.	Solicitor & Advocate	Calcutta.
53.	M.Y.S. Menon	M/s. Majumdar & Co., Ismail Bldg., 381, Dr. D.N. Road, (Floor Fountain), Bombay.	Advocate	Greater Bombay.
54.	Brij Bhushan Gupta	Kalal Majri, Ambala City.	Advocate	Ambala City
55.	Raghubir Singh Kulhar	Cirwa Tehsil, Rajasthan.	Advocate	Chirwa Tehsil.
56.	Salematri Gurbony	202, Kanwar Nagar, Rajmal-ka-talab, Jaipur.	Advocate	Jaipur
57.	Nand Kishore Pareek	321, Nahargarh, Gopal Halwaiki Gali, Jaipur.	Advocate	Jaipur

1	2	3	4	5
58.	Akhileshwar Das Badgal	Sharma Restaurant Nohari Bazar, Jaipur.	Advocate	Jaipur
59.	D.R. Zaiwalla	M/s D.R. Zaiwalla & Co., Solicitors 'Readymoney' Mansion, 43, Veer Nariman Road, Fort, Bombay.	Solicitor & Advocate	Whole of India
60.	Anthony Da Costa	Ms/ Da Costa & Da Costa Advocates & Tax Consultants, 21/12, G.M.G. Road, 1st Floor, Bangalore-1.	Advocate	Whole of India
61.	Mrs. Sumati Arawind Patil	236, Jain Temple, Rd., Gomesh Nagar Hindwadi, Belgaum, Karnataka.	Advocate	District Belgaum
62.	T.M. Sen	M/s Khaitan & Co. Solicitors & Advocates, Himalaya House, 7th Floor, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.	Attorney at Law	Whole of India
63.	Mrs. N. Anasooya Bai	4624/1, Shivaji Road., N.R. Mohalla, Mysore-7.	Advocate	Mysore City
64.	Padmanath Ganeshadhar Gokhale	504-Seaside Apartment, Prabha Nagar, P. Babu Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.	Advocate	Whole of India
65.	Ram Naresh Lal Gupta	'Bihari Dham', C-2B/70, Teliya Bagh, Varanasi Cantt., (UP).	Advocate	Varanasi (UP)
66.	Smoon Asgarali Poonawala	12-Ismail Bldg., 381-Dr. Dadabhoy, Naroji Road, Fort, Bombay-1.	Advocate	State of Maharashtra
67.	Awadesh Kumar Verma	C/o Sh. Raghoram Verma, Advocate, Civil Court, Varanasi (UP).	Advocate	Varanasi (UP).
68.	Gulam Tahir	D-50/29, Qazipura, Kalan, Varanasi (UP).	Advocate	Varanasi (UP).
69.	T.K. Shanmuganandam	8/8, Hauzur Road, Coimbatore-18.	Advocate	Coimbatore
70.	Ramendra Kumar Roy	37, South Kumar Para Lane, Calcutta-42.	Advocate	Calcutta & 24 Parganas.
71.	Raghubir Sahai Hitkari	Civil Courts, Kanpur.	Advocate	Kanpur & Delhi.
72.	Om Prakash Jain	A-5-B/126-B, Janakpuri, New Delhi-58.	Advocate	Delhi.
73.	Bimal Kumar Banerjee	3, Bankshall St., Calcutta-700 001.	Advocate	Calcutta & 24 Parganas.
74.	Padamsi Dabji Khona	45, Tamarind St., Fort, Bombay-23.	Advocate	Greater Bombay.
75.	M.A. Banatwala	M/s Banatwala & Co., Advocate & Solicitor & Notary, 34-A, Biry House 265, Perian Nariman Street, Fort, Bombay-1.	Advocate	Whole of India
76.	Leo Bendict Velho	Costa Pereira Bldg., 11nd Floor Margoa Salecte, Goa.	Advocate	Whole of India
77.	Miss Jaswant Kaur	H-21, Kailash Colony, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.

1	2	3	4	5
78.	Eruch Jalagur Balsara	M/s Payane & Co., Esplanade House Woudey Road, Fort, Bombay-1.	Advocate	Whole of India
79.	Bertram 'D Silva Shenoi	141, 'Atur Terraces' Cuffee Parade, Bombay-400 005.	Advocate	Whole of State of Maharashtra.
80.	Rameshwar Dayal Gupta	80, C. Shashtri Nagar, Jodhpur (Rajasthan).	Advocate	Jodhpur District.
81.	Dhul Chand	Muktsar Distt., Faridkot (Punjab).	Advocate	Union Territory of Chandigarh
82.	Ram Rattan Lekh	ES-553, Mohila, Awedoura, Jullundur City.	Advocate	Jullundur City
83.	M.I. Sethna	Fazalbhoy Bldg., 2nd Floor, 45/97, M. G. Road, Bombay-1.	Advocate	Walkeshwar and Fort area of Bombay.
84.	Durga Shankar Dave	Oswalwara, Rajasthan, Banswara-327 001.	Advocate	Banswara District (Rajasthan)
85.	Murlidhar Rao Naik.	Maktanpura, Gulbarga Karnataka.	Advocate	District & City of Gulbarga.
86.	Janaklal Aggarwal	9, Balenville Road, Darjeeling.	Advocate	Darjeeling.
87.	K.C. Sidhwa	Branch Secretariat, Bombay, Aayakar Bhavan Annexe, New Marine Lines, Bombay-400 020.	Central Govt. Advocate Advocate & Solicitor.	Whole of India
88.	Suraj Kumar Bhaskar	Khetri District Jhunjhunu, Rajasthan.	Advocate	Khetri, Rajathan
89.	Devi Saran Chopra	B-3, Two Roses Pali Road, Bombay.	Advocate	City of Bombay.
90.	Miss Manjula Sen	33, Venus Cuffee Parade, Bombay.	Advocate & Solicitor.	Whole of India
91.	Debabrata Basu	7, Devanarain Das Lane, Shyam Bazar, Calcutta.	Advocate	24, Parganas with HQ at Sealdha
92.	A. Syed Ali	53, Armeniah St., Madras.	Advocate	Whole of India
93.	G.C. Verma	Civil Courts, Jagadhri District, Ambala, Haryana..	Advocate	Jagadhri
94.	Gajendra Nath Chakraborty	9, Old Post Office Street, Clacutta.	Advocate	Calcutta
95.	Aditikumar Pramanick	10, Old Post Office Street, R. No. 110, Calcutta.	Advocate	State of West Bengal.
96.	Indra Chand Sancheti	12, Old Post Office Street, R. No. 110, Calcutta.	Advocate	Calcutta
97.	L. Mahalingappa	938/II, Indira Nagar, Mysore, Karnataka.	Advocate	Mysore City
98.	K. Gurudachar	'Sudarshana' Someswarapuram Tumkur, Karnataka.	Advocate	District & City of Tumkur, Karnataka.
99.	Trilok Chand Singhal	Dal Bazar, Gwalior, M.P.	Advocate	Gwalior (M.P.)

1	2	3	4	5
100.	Tribhuan Agarwal	P.O. Hanumangarh Town. District Sriganganagar, Rajasthan.	Advocate	Throughout the town of Hanumangarh, Rajasthan.
101.	B.S. Chandrasekhar	2694, Agrahara St., Hassan Post Office, Karnataka-573201.	Plender	Hassan City of Karnataka.
102.	Jagram Singh	Pili Kothi, Station Road. Rajasthan.	Advocate	District Jhunjhunu
103.	S N.S.C. Javeria	Javeria Niwas, Mochiwara, Udaipur.	Advocate	Udaipur, Rajasthan
104.	M.C. Jain	Sh. Parshwanath Jain Colony, Subhash Bagh, Ajmer, Rajasthan.	Advocate	Ajmer, Rajasthan.
105.	Ram Babu Srivastava	Advocate, Jail Rd., Sitapur, U.P.	Advocate	Sitapur District.
106.	K. Balakrishna	No. 4, 3rd Cross Rd., 4th Block, KPW Extension, Bangalore-20.	Advocate	Bangalore.
107.	Smt. Prem Lata Nigam	Sunder Bhawan, Naibasti, Sitapur-261001 U.P.	Advocate	Sitapur, U.P.
108.	Surjit Singh Mehta	181, Vishwakarma Nagar, Yamunanagar, District Ambala, Haryana.	Advocate	Jagadhari.
109.	Chander Kumar Mehta	212-D, Model Town, Yamunanagar, Haryana.	Advocate	Yamunanagar
110.	Jagdish Chandra Ghosh	19, Sarat Bose Road, (Hakimpara), Siliguri-734 401, Distt., Darjeeling, W.B.	Advocate	District Darjeeling with his HQ at Siliguri.
111.	Amarendra Nath Dawn	Temple Chamber, (First Floor), 6, Old Post Office St., Calcutta-1.	Advocate	Calcutta.
112.	Raja Ram Basu Ray	9, Old Post Office Street, Calcutta-1.	Advocate & Solicitors	State of West Bengal.
113.	Vinod Kant Verma	134, E/1, Mayur Vihar, Delhi-91.	Advocate	Delhi.
114.	Nand Lal Choudhry	J-4/15, Rajouri Garden, New Delhi-27.	Advocate	Union Territory of Delhi.
115.	Davendra Nath Mishra	328, Guru Ramdas Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-92.	Advocate	New Delhi.
116.	Man Mohan Singh Sethi	D-83, Ashok Vihar-I, New Delhi- 110052.	Advocate	Union Territory of Delhi.
117.	Jagdish Lal Batra	572, Jheel Kuranja, Delhi-110031.	Advocate	Delhi.
118.	Rajvir Singh	D-55/3, Main Rd., North Ghonda, Delhi-53.	Advocate	Delhi with HQ at Shahdara
119.	Dhirendra H. Shah	Flat No. 16, 4th Floor, Marina House, Opp. Liberty Cinema, 5 Sirvithaldas Thakersey Marg, Bombay-20. Office: 33, R.S. Sapre Marg (Picket Road), Near Small Cause Courts, Kalbadevi, Bombay-2.	Advocate	Whole of India
120.	B.S. Narasimhan	C/o King. and Patridge, Advocate 26/1, Lavelle Road, Bangalore-1.	Attorney at Law	State of Karnataka
121.	S.K. Shetty	1, Prakash Flat 8, First Floor Besant Street, Santacruz (West), Bombay- 400054.	Advocate	Whole of India
122.	Markand C. Gandhi	C/o Markand Gandhi and Co., Advocates & Solicitors, 2nd floor Bhaggadaya, 79, Meadows Street, Bagindas Master Road, Fort, Bombay-23.	Advocate.	Greater Bombay

123. Shiv Kumar Khanna	11, M.G. Road, Calcutta.	Advocate	Whole of India
124. Sukumar Ghosh	'Kanakalay' 7A, Prince Anwar Shah Lane (CIT Water Tank Opp. Navina Cinema) Calcutta-700003.	Advocate	24 Parganas.
125. Nand Gopal Khaitan	C/o Khaitan & Co. 1, Old Post Office St., Calcutta-1.	Advocate	Calcutta & New Delhi.
126. Prantosh Kumar Sen	8/2, K.S. Ray Rd., R. No. 16, (First Floor) Calcutta-700001.	Advocate	Calcutta & 24 Parganas.
127. Krishna Nand Mishra	109/6, Hazra Road, Calcutta-26.	Advocate	24 Parganas.
128. Triloki Sharan Upadhyay	178, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54.	Advocate	Noida Complex, (Ghaziabad) Distt. U.P.
129. Shetter Sangameshwar	H.No. 338, 12th Main Road, 6th Block, Rajaji Nagar, Bangalore-560010.	Advocate	Raichur & Bangalore
130. B.S. Chougule Kalonani	3543/A, Risoldar Galli, Belgaum-590002.	Advocate	Belgaum
131. Sundaram Ramasubramanian	C/o M/s King & Patridge, Advocate, 2nd Floor, Catholic Centre, 64, Armenian St., P.B. No. 121, Madras-1.	Advocate	Tamilnadu
132. Ram Nirajan Jhunjhunwala	8/2, Mandeville Gardens, Calcutta-19.	Advocate	Whole of India
133. Deb Kumar Sinha	18, Ritchie Road, Calcutta-700010.	Advocate	West Bengal
134. K.V. Sheshadri	1208, Ashoka Nagar, Mahila Samaj Road, Mandya-571401 Karnataka.	Advocate	Mandya City
135. Virendra Singh Badhwar	32-B, Manu Marg, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar
136. Rishikesh Aggarwal	Near Malik Hospital Palasmand Road, Hissar.	Advocate	Hissar
137. Ram Krishan Satya	2 Kh., 6 Pratap Nagar, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar
138. R. V. Bhokare	1284, Kasba Peth, Pune-411011.	Advocate	Pune
139. Chandrakant Mohan Lal Chhajed	52, Bopodi, Pune.	Advocate	Whole of India
140. Jagdish Prashad Mathur	Plot No. C-248, Dayanand Marg, Tilak Nagar, Jaipur, Rajasthan.	Advocate	Jaipur
141. Banwari Lal Gupta	14, Scheme No. 1, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar
142. B. S. Shaikh	B-43, H.A. Colony, Pimpri, Pune-411018	Advocate	Pune
143. Smt. Jayshree Vijayrao Mohite	'Tarangam' 23, Bhosale Nagar, Pune-411007.	Advocate	Pune
144. Hanuman Singh Beniwal	C/o M/s Amar Singh Ram Swaroop, Ad vocate Timber, Merchants, P.O. Bhandra, Distt. Sriganganagar, Rajasthan-335501.	Advocate	Nahar
145. Radhayshyam Jindal	P. No. 44, Road No. 5, Ashoka Nagar Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur
146. Ramesh Chandra Rati Lal Shah	5, Ajantha Commercial Centre, IInd Floor, Ashram Road, Ahmedabad-14.	Advocate	Ahmedabad
147. M.N. Deshmukh	Deshmukhwadi, P.K. Road, Mulund, Bombay-400080.	Advocate	Mulund West
148. Vindo J. Paymaster	151, Buena Vista, Gen. J. Bhosale Marg, Bombay-400021.	Solicitor	Greater Bombay
149. Kum. Kiranmayi Harshadray Mehta	Kiran Mahal Fategunj, Baroda-390002.	Advocate	Fategunj, Baroda
150. Mahendra Vyas	Aradhana Palace Rd., Baroda-390001.	Advocate	Baroda

151. S.Y. Rege	State Bank Bldg., N.G.N. Vaidya Marg, Bombay-23.	Advocate	Bombay
152. Visanji R. Bheda	DBZ-S-51, Gandhidham Kutch-370201.	Advocate	Kutch
153. Amal Krishna Dutt	Temple Chambers, 1st Floor, R. No. 39, Old Post Office Street, Calcutta-700001.	Advocate & Solicitors	Calcutta
154. A.N. Ganguli	1-Old Post Office Street, Pyne & Pyne, 1st Floor, R.No. 7, Calcutta-700001.	Advocate	Whole of India
155. Shankar Prasad Varma	Moh. Damuchak Muzaffarpur, Bihar.	Advocate	Muzaffarpur
156. Prabha Kant Chaudhary	Balbhadrapur P.O. Laheria Sarai, Bihar-846001.	Advocate	Darbhanga
157. Raj Kumar Khattry	118, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.	Advocate	Calcutta
158. Narayan Chandran De	123/C, Narkel Danga, Rly. Colony, Calcutta.	Advocate	Calcutta
159. Pandit Rao Mahagaonkar	H.No. 1-14/3, Near Dr. Manthalkar's Eye Hospital, Station Court Road, Gulbarga-585102.	Advocate	Gulbarga
160. Kewal Krishan Sharma	Muktesar, Distt. Faridkot, Punjab.	Advocate	Muktesar
161. Abdul Hafiz Khan	Virajpet, South Kodagu, Karnataka,	Advocate	Kodagu
162. Sodhi Ramnik Singh	Moh-Pandia Distt. Ferozpur, Pinjab-142047.	Advocate	Zira
163. Mrs. Primla	C/o Shri D.C. Khanna, Advocate, Jauri Bhattian Rd., Patiala, Punjab.	Advocate	Patiala and Delhi
164. Ramesh Abaji Wagholikar	415, Shanwar Peth, Pune-411030.	Advocate	Whole of India
165. Mahendra K. Ghelani	101-A, Paradise Apartments, 44-A, L. Jagmohan Marg, Bombay-36.	Advocate	Whole of India
166. B. Mohan Krishna	2/4, Arundelpet, Guntur-2 (A.P).	Advocate	Guntur Dt.
167. Mr. Jyoti Dharmadhikari	101-102, Anand Bhavan Deptts. Plot No. 3, Behind Giri Peth, Post: Giripet, Nagpur.	Advocate	Nagpur
168. N. Raja	'Zaver Vihar' 2/18, K.A. Subramaniam Road, Matunga, Bombay-400019.	Advocate	Greater Bombay
169. Parmatma Saran Pandey	Old 262/New 10/12/104, Siva Rasik Bhawan, Moh-Rajkot City, P.O. Ayodhya, Distt. Faizabad, U.P.	Advocate	Faizabad (UP)
170. Ramesh P. Makhija	14-B, Sunder Mahal, 1st Floor, 141, Marine Drive, Bombay-400020.	Advocate	Whole of India
171. B. Seshagiri Rao	Opp. Naaz Theatre, Chirala, (AP), Pin-523155.	Advocate	Prakasam District
172. N.B. Agarwal	489/3, Old Bazar, Kirkee, Pune-411003.	Advocate	Kirkee, Pune
173. Miss Suvedita I. Shah	PWD Building, Ground Floor, Opp. C.T.O. Bombay-400032.	Advocate	Greater Bombay
174. Mohinder Pal Singh	5123, Mohalla Telian, Near Subhas Gate, Jagraon Pin-142026, Distt. Ludhiana.	Advocate	Jagraon Tehsil
175. G.D. Dahiya	1/12, Roop Nagar, Delhi.	Advocate	Delhi.
176. Parminder Singh Uppal	G-165, Naraina Vihar, New Delhi-28.	Advocate	U.T. of Delhi or any part thereof.
177. Pratap Singh Bhardwaj	R/o Cill. P.O. Bijwasan, New Delhi-61.	Advocate	West Delhi
178. G.S. Abrol	Plot No. 380, WZ-152, Mandiwali, Gali, Chand Nagar, New Delhi-110018.	Advocate	Rajinder Nagar
179. Satya Pal	C-2/92, D. MIG Flat, Lawrence Rd., Delhi.	Advocate	U.T. of Delhi

1	2	3	4	5
180.	Mrs. Nirmal Singh Nayyar	C-78, Neeti Bagh, New Delhi-110049.	Advocate	New Delhi
181.	Rameshwar Dutt	6/5771, New Chandrawal, Jawahar Nagar, Delhi-110007.	Advocate	U.T. of Delhi
182.	Janeshwar Das Jain	C-4/145, Safdarjung, Development Area, Opp. Hauz Khas, New Delhi-110016.	Advocate	Hauz Khas Area, Safdarjung Development Area, Niti Bagh, Gulmohar Park, Vasaht Vihar, Panchsheel & Supreme Court of India.
183.	Suresh Kumar Agarwal	4312, Gali Bahuji, Bahadurgarh Road, Delhi-6.	Advocate	U.T. of Delhi and Bombay.
184.	Iqbal Singh	Rai Singh Nagar, Distt. Srigangana-gar, Rajasthan.	Advocate	Rai Singh Nagar
185.	G.L. Nanda	Vishnu Kripa, Kundan Nagar, Ajmer, Rajasthan-305001.	Advocate	Ajmer
186.	Sher Singh Kulhar	Station Road, Chirawa (Jhunjhunu), Rajasthan-333024.	Advocate	Chirawa
187.	Syed Aijaz Ahmed Nagvi	302, Sharma Buildings, Ramganj, Anan Mandi, Jaipur-302003.	Advocate	Rajasthan
188.	Kailash Chandra Sogani	21, Parshwanath Colony, Ajmer.	Advocate	Ajmer
189.	Vikramjit Singh Vishnoi	Shital Bhawan, Near Sadul Sports School, Gajner Rd., Bikaner-330001.	Advocate	Bikaner
190.	Karan Singh Kothari	432, Bhupalpura Udaipur, Rajasthan, Pin-313001.	Advocate	Udaipur
191.	Anand Behari Lal	32, Mount Road, Jagdish Colony, Opp. Ramgarh Town, Jaipur-302002.	Advocate	Jaipur
192.	S.L. Agarwalla	Mahatma Gandhi Rd., Siliguri, West Bengal.	Advocate	Sub-Division of Siliguri, Darjeeling District.
193.	Nek Singh	Hanumangarh Jun. Distt., Sriganga-nagar, Rajasthan.	Advocate	Hanumangarh
194.	Anil Kumar Sharma	1/1B, Roy Lane, Calcutta.	Advocate	Burrabazar, Jorasanko & Jorabagan areas of Calcutta.
195.	Ramesh Chandra Agrawal	Near Nahargarh Rd. 430, Chandpole Bazar, Jaipur-4.	Advocate	Jaipur
196.	Dilip Kumar Majumdar	44, Milam Palli Deshpapriya Nagar, Calcutta-56.	Advocate	In Seeldah & City Civil Courts, Calcutta.
197.	Shankarlal Gahlot	Gangashahr Road, Bikaner-334001.	Advocate	Bikaner
198.	Naresh Chand Mittal	57, Devi Bhawan Bazar, Jagadhri Pin : 135003, Haryana.	Advocate	Chhachhrauli, Haryana, and Jamuna Nagar.
199.	Surinder Pal Sharma	134/15, Railway Road, Kaithal, Haryana.	Advocate	Kaithal, Haryana.
200.	Nihal Ahmad Siddiqui	H. No. 53, Behind State Bank of India, Chhatarpur, M.P.-471001.	Advocate	Chhatarpur, M.P.
201.	Smt. K. Radhamani Amma	'Radhika' Amulia St. Near Madhava Pharmacy Jn. Cochin-682018.	Advocate	Ernakulam
202.	Jariwala Asgharali Abdulhusain	Off: 44A, Nesbit Road, Mazagapm, Bombay-400010.	Advocate	State of Maharashtra.
203.	Arjan Narayan Khurpe	680, Baboot St., Pune-1.	Advocate	Pune
204.	Promode J. Dalal	Devraj, E-3/3, S.V. Road (West), Bombay-400062.	Advocate	State of Maharashtra
205.	Miss Shobha Vadhavdas Chhabria	308, Rajshila, 597, Jagannath Shankar Seth Road, Near Princes Street Singal, Bombay-2.	Advocate	Bombay
206.	Vinayak Ramchandra Vaze	1204/11, Vivek Ghole Road, Poona-411004.	Advocate	Pune City
207.	Kazi Dadasahab Husainasahdi	'Aman', Girnar Colony, Hindwadi, Belgaum-590001, Karnataka.	Advocate	Belgaum Distt.
208.	S. A. Bhalwal	Off: 218/220, Vardhaman Chambers, IInd Floor, Cowasji Patel Street, Fort, Bombay-1. Res: E-3/0 I Sector-1, Washi, New Bombay, Pin-400703.	Advocate	Whole of India



1	2	3	4	5
209.	Gurnam Singh	Civil Courts Near B.D.O. Office, Jagadhari, Haryana.	Advocate	Jagadhari Ambala District.
210.	M.C. Chaturvedi	78, Lohar Biagh, Sitapur, U.P.	Advocate,	Sitapur.
211.	H.S. Renuka Prasad	64, Ist Main Road, Lower Palace, Orchards, Bangalore.	Advocate	Bangalore City and Rural Dt.,
212.	Lt. Col. Charanjit Singh (Rtd.)	118, New Jawahar Nagar, Jalandhar City (Punjab).	Advocate	Jalandhar City Punjab.
213.	Ram Chandra Shankar Purandare	815, Raviwar Peth, Pune, Maharashtra.	Advocate	Throughout Pune.
214.	Navnitrai H. Boghani	43/1304, Adarsh Nagar, Worli, Bombay.	Advocate	Bombay.
215.	Rameshwar Dass Ahluwalia.	7791/4, Nadi Mohalla, Ambala City, Haryana.	Advocate	Ambala City, Haryana.
216.	Suresh Kumar Sharma	Via G.P.O. Pusana Tehsil Budhana, Distt. Muzaffarnagar, (U.P.)	Advocate	Budhana Muzaffarnagar, U.P.
217.	Raghubir Singh Yadav.	Vill. & PO., Behror, Distt. Alwar, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Beror Distt., Alwar Rajasthan.
218.	Hari Dutt Sharma	15, Govind Nagar Saket Colony, Shahgang Agra (UP)	Advocate	Agra., U.P. .
219.	Ram Prasad Nayar	NC-24/27, Old Railway Road, Jalandhar, Punjab.	Advocate	Jalandhar & Delhi.
220.	Shiv Charan Singh	Allaband Distt. Bharatpur, Rajasthan.	Advocate	Bharatpur, Rajasthan.
221.	Inder Paul Bansal	566, Sadar Bazar, Muktsar, Punjab	Advocate	Muktsar, Punjab.
222.	Man Singh Naruka	Kishangarh, Fort, Vill. & PO. Kishangarh Bass, Distt. Alwar, Rajasthan.	Advocate	Kishangarh, Bass-Distt. Alwar, Rajasthan.
223.	Rajwant Rai Wadhawan	R/o 12/3, Preet Nagar, Ladewall Road, Jalandhar.	Advocate	Jalandhar, Punjab.
224.	S.R. Kharana	H.No. 229, P.O. Dakoha, Jalandhar, Punjab.	Advocate	Jalandhar, Punjab
225.	N.R. Basantani	11-W (Mahesh Bharna) Near State Bank of Juhi, Gaushalla, Kanpur, U.P.	Advocate	Kanpur, U.P.
226.	M.P. Mishra	Bansi, PO., Jansoki-Marai-Distt. Varanasi (U.P.)	Advocate	Varanasi, U.P.
227.	J.K. Jagiasi	Flat No. 703, 7th Floor, 'Bhima Building' Worli Sagar Society, 68-69/Sir Pochhkamwali Road, Worli, Bombay-400021.	Advocate	Bombay & Delhi.
228.	Madanlal Agarwala	Keranitora, PO., & District Midnapore, West Bengal.	Advocate	Midnapore Distt., Town, West Bengal.
229.	Syama Prasad Sen	17, Harisava Road, Barrackpore, Anandpur Distt., North, 24, Parganas, West Bengal.	Advocate	Alipore, Civil Course, Calcutta
230.	Tek Chand Kaushik	R/o 191, Sector-4-R, Faridabad, Haryana.	Advocate	Faridabad, Distt.
231.	Nath Mal Sharma	R/o 3875, K.G.B. Ka-Rasta, Johari Bazar, Jaipur, Rajasthan.	Advocate	Jaipur, Rajasthan
232.	K.N. Vahkarimwala	R/o Saifee Society, Near Shardaaben Hospital, Saraspur, Ahmedabad, Gujarat.	Advocate	Ahmedabad, Gujarat State.

1	2	3	4	5
233.	Vasant J. Desai	R/o 5, Bharat Colony, Stadium Road, Ahmedabad-9.	Advocate	Gujarat State.
234.	Jawahar Lal Bansilal Dugad	Near Nigdi Bus Stop, Nigdi, Pune-44.	Advocate	Poona & Pimpri, Chinchwed, Maharashtra.
235.	Om Prakash Gupta	R/o Warrenganj Sipri Bazar, Jhansi (UP).	Advocate	Jhansi
236.	Ahmed K. Hirani	Ismail Bldgs., 381, Dr. D.N. Road, Flora, Fountain, Bombay.	Advocate	Greater Bombay.
237.	Uday N. Ghosh	HUDCO Housing Estate, 95, Bidhan Nagar Road, Block No. 13, Flat No. 171-1st Floor, Calcutta-54.	Advocate	24, Parganas, West Bengal.
238.	Jayanta Sengupta	25, Old Ballygunge Place, Calcutta-19.	Advocate	Park Circus Chowringhee Part
239.	Sadhan S. Roy	51-B, Rash Behari Avenuc, Calcutta-28.	Advocate	Southern Calcutta.
240.	Sanjeev Kanchan	4, Milan Bldgs., 189/93, Bazar Gate St., Perlman Nariman St., Fort, Bombay	Advocate	Perin Nariaman St., Fort, Bombay
241.	Smt. Ratan Nagori	166, Bapu Bazar, Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur, Rajasthan
242.	Sh. Ved Prakash Nahar	106-B, Pocket-IV, Mayur Vihar, Delhi-110 091.	Advocate	Mayur Vihar, Delhi-91.
243.	Miss. Veena Bakshi.	H.No. 250, Ward No. 2, Mehrauli, New Delhi.	Advocate	Delhi & Distt. Courts, Delhi.
244.	N.R.S. Iyer	10, Omar Manzil Kalina Church, Bombay-29.	Advocate	Greater Bombay.
245.	Pratap Singh Dahiya	Rohtak Road, Near Suri Petrol Pump, Sonipat, Haryana.	Advocate	Sonepat, Haryana.
246.	C. Shivabasappa	Kalyan Bhavan, Thyagaraja Road, Mysore, Karnataka.	Advocate	Mysore, Karnataka.
247.	Rajendra Singh	18D, Block, Sriganganagar, Rajasthan.	Advocate	Sriganganagar, Rajasthan.
248.	Ashok Kumar Basu	Kallol Club Bldg., Raja Ram Mohan Roy Road, Hakim Pura, Siliguri (W.B.)	Advocate	Siliguri West Bengal.
249.	Vaidya Dhar Bhargava	A.M.C. No. 2/282, Ram Bhavan, Shyam Gali, Hathi-Bahata, Ajmer.	Advocate	Ajmer, Rajasthan
250.	Vinod Kumar Mahlavat	P.O. Danta Ramgarh, District Sikar, Rajasthan	Advocate	Danta Ramgarh Dist. Sikar Rajasthan
251.	Ram Sarup Mehta	Mandi Dabwali, Sirsa, Haryana	Advocate	Dabwali, Sirsa, Haryana.
252.	V.K. Aggarwal	442, Cloth Market Vishnu Bazar, Delhi.	Advocate	Delhi.
253.	Mrs. Manju Bhatnagar	2-A, H.P.L. Staff Colony, New Delhi.	Advocate	Delhi.
254.	Allarkh M. Shaikh	Plot No. 476/2, Sector 29, Gandhinagar, Gujarat.	Advocate	Gandhinagar Mehshana & Ahmedabad.
255.	C.H. Acharaya	Fine Mansion, 3rd Floor, 203, L.N. Road, Fort, Bombay-24.	Advocate	Greater Bombay
256.	Faiyazuddin	4-1-70, Ashoka Road, Raichur-1. Karnataka.	Advocate	Raichur, Karnataka.
257.	Gurdev Singh Sur	7A/11, W.E.A. Karol Bag, New Delhi.	Advocate	Delhi.
258.	Bhim Singh Indora	RZ-36, Palam Enclave, New Delhi.	Advocate	Delhi.

1	2	3	4	5
259.	Satpal Singh Sodhi.	8, Sehdev Market, Opp: R&T Colony, Jalandhar.	Advocate	Jalandhar, Punjab.
260.	Parshara Kumar Nagori	C/o R.C. Purohit, Dev., Office, LIC 31, Adarsh Colony, Nimbahera (Rajasthan)	Advocate	Nimbahera, Rajasthan.
261.	Dalbir Singh Punia	H.No. 313 (1)/74, Adarsh Nagar, Kaithal, Haryana.	Advocate	Kaithal, Haryana.
262.	N. Koteswar Rao	Sindhanur, Raichur, District, Karnataka.	Advocate	Sindhanur, Raichur District.
263.	D.A. Halasmudra	Gangawati, Raichur Distt., Karnataka.	Advocate	Throughout Gangawati & Raichur Distt.
264.	Amar Singh Kaushik	PO, Hindan, Distt. Swai Madhopur, Rajasthan.	Advocate	Hindan, Swai Madhopur, Raj.
265.	Mohd. Iqbal Khan	Mohalla Sarai, Murtaza Khan, Khurja Distt. Bullandshahar (U.P.).	Advocate	Khurja Tehsil Bullandshahar (U.P.)
266.	Anil Kumar Sharma	H.No. 373-A/649 Ram Nagar, (Kirana Mandhi), Ghaziabad, (U.P.)	Advocate	Ghaziabad (U.P.)
267.	Krishan Lal Grover	Sub-Tehsil Malout Faridkot (Punjab)	Advocate	Sub-Tehsil Malout Faridkot (Punjab)
268.	Mali Ram Aggarwal	Vidyadhar Ka Rasta, Opp: Mahantji-ki, Haveli, H.No. 706, Jaipur.	Advocate	Jaipur (Rajasthan)
269.	K.G. Rajpal	10, R.R. Road, Fort, Bangalore.	Advocate	Bangalore.
270.	T.S. Nandimath	Guruwarpeth, Gokak Taluka, Belgaum (Karnataka).	Advocate	Gokak Taluka, Karnataka.
271.	Kailash Prakash	113, Dasna Gali, Near Police Chowki, Ghaziabad, U.P.	Advocate	Ghaziabad (U.P.)
272.	Hukum Chand Mittal	New Christian Colony, Near Civil Hospital, Jagadhari.	Advocate	Jagadhari, Haryana.
273.	M. Pampangouda	Resident of Gangawati Distt., Raichur (Karnataka).	Advocate	Raichur Distt., Karnataka.
274.	Bikram Chander	4727, Mohalla Bhogian, Jagraon, Distt., Ludhiana, Punjab.	Advocate	Ludhiana (Punjab).
275.	Rakesh Kumar Varshney	21, Tilak Marg, Rishikesh (U.P.)	Advocate	Rishikesh, U.P.
276.	Rajeev Kumar Varshney	Ramghat Road, Vishnugpur, Aligarh, U.P.	Advocate	Aligarh, U.P.
277.	Rudra Narayan Jha	Ishak-Chak, Near Water Tower, Distt., Bhagalpur (Bihar).	Advocate	Bhagalpur Distt.,
278.	Phani Bhushan Patnaik	Rajpur Mohalla, Agra-Ghat, Distt., Girdhi (Bihar).	Advocate	Girdhi Distt., and Deopghar, Dumka (Bihar).
279.	K.L. Singhal	129, Bank Enclave Laxmi Nagar, Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.
280.	Data Ram Singh	Via Alipur, Distt. Jhunjhunu, Rajasthan).	Advocate	Jhunjhunu & Chirawa (Rajasthan)
281.	Tarun Mehta	6047, Jamna Dass Bldg., Ambala Cantt. Haryana.	Advocate	Ambala, Haryana.
282.	P.B. Sugumar	48, New State Bank Colony, Tambaram, Madras.	Advocate	Tambaram, Madras.
283.	A.N. Patil	236, Jain Temple Road, Hindwadi, Belgaum, Karnataka.	Advocate	Belgaum Distt., Karnataka.
284.	Dalip Kumar Bhattacharya.	109, Kalighat Road, Calcutta-26.	Advocate	Kalighat, Calcutta.
285.	Ekam Singh	Vill. & PO. Alachaur, Tehsil Nawanshahar, Jalandhar, Punjab.	Advocate	Nawanshahar, Distt. Jalandhar, Hoshiarpur (Punjab)

1	2	3	4	5
286.	Ashok Kumar Chaudhary	Behari Mandi St., Sarai Kutub, Aligarh, U.P.	Advocate	Aligarh, U.P.
287.	Jogi Ram Gupta	Kaithal-132027, Distt. Kurukshetra, Haryana.	Advocate	Kaithal, Haryana.
288.	Ramesh Kumar Mehta	K-23, Necti Nagar, Sector-23, Raj Nagar, Ghaziabad.	Advocate	Ghaziabad, U.P.
289.	Ram Singh Saluja	27, Scwak Colony, Patiala, (Punjab)	Advocate	Patiala, Punjab
290.	Bhagwati Prasad "Paurush"	Ramanpur, Tehsil Hathras, Distt., Aligarh, U.P.	Advocate	Hathras-Aligarh, U.P.
291.	Subhash Sharma	Chamber No. 34, Dt., Courts, Kurukshetra, Haryana.	Advocate	Kurukshetra, Haryana.
292.	S.K. Saxena	1-B-34, Talwandi, (SFS) Kota, Rajasthan.	Advocate	Kota, Rajasthan.
293.	G.S. Donki	Res: 1187, 5th Block, Rajaji Nagar, Bangalore. Off: R.No. 50, 2nd Floor, Pamadi Mension Avenue Road, Bangalore-2.	Advocate	Bangalore, Karnataka.
294.	C. Sripathi Rao	Vishnuvardhan Rao, Suryaraopet St., Andhra Pradesh.	Advocate	Vijayawada, A.P.
295.	Smt. Urmila Sharma	87/C, New Mandi Mujaffar Nagar, U. P.	Advocate	Mujaffarnagar, U.P.
296.	Pawan Kumar Jain	Old Post Office Street, Railway Road, Rohtak, Haryana	Advocate	Rohtak, Haryana.
297.	Swaraj Mohan Dhar	Alipur-Duar Court, P.O. Alipur, Jalpaiguri (W.B.)	Advocate	Jalpaiuri (West Bengal).
298.	P.J. Koshy	Off: Chamber No. 66, New Courts, Patiala House, New Delhi. Res: VV-214, Visaka Enclave, Pitampura, New Delhi-34.	Advocate	New Delhi.
299.	Rabindra Nath Maiti	44/3, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-9.	Advocate	Calcutta, West Bengal
300.	Veer Bahadur Jain	Mohalla Srimalon Jhunjhunu, Rajasthan.	Advocate	Jhunjhunu, Rajasthan.
301.	Jitendra Kumar Gupta	Near Police Control Room, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar, Rajasthan.
302.	Keshav Baloor	56, Cnetral Market Building, Bhavanthi Street, Mangalore-1.	Advocate	Mangalore City, Karnataka.
303.	K.P. Krishnamurthy	Holenrassipur Hassan District, Karnataka.	Advocate	Holenrassipur, Karnataka.
304.	Smt. Hemlata P. Barot	17, Indira Park Sattelite Road, Ahmedabad.	Advocate	Ahmedabad, Gujarat
305.	Rajinder Kumar Aggarwal	4, M.G. Road, Upper Storey, Photo Empoium, Agra-282 002 Uttar Pradesh	Advocate	Agra, U.P.
306.	Baljnath Dhar	C/o Sethi Niwas, 3/148, Subhash Nagar, New Delhi.	Advocate	Delhi
307.	Chandra Bhan Arya	DIA-126, Janakpuri, New Delhi	Advocate	Delhi
308.	Vasudeo Singh Tomar	Tejender Nath Dal Bazar, Gwalior, M.P.	Advocate	Gwalior, M.P.
309.	Anil Kumar Shirma	Opp: Election Off. Collectorate Compound, Meetut, (U.P.)	Advocate	Meerut, U.P.
310.	Satyanarain Aggarwal	2, Anna Sagar, Link Road, Ajmer, Rajasthan.	Advocate	Ajmer, Rajasthan
311.	Brij Bhushan Lal Goel	Deeg, Distt. Bharatpur, Rajasthan.	Advocate	Deeg, Rajasthan

1	2	3	4	5
312.	C.J. Motwani	Building No. 102/3535, Nehru Nagar, Kurla East, Bombay-24.	Advocate	Maharashtra.
313.	K.C. Kaushik	605, Kanchanjunga Apartment, Kaushambhi, Ghaziabad, U.P.	Advocate	Ghaziabad, U.P. & Delhi
314.	Gangadhar Narayan Shinde	Manisha Housing Society, 3/5, 1st Floor, New Pandit Colony, Nasik-422002	Advocate	Nasik, Maharashtra
315.	M.I. Have	2nd Floor, Swastic Centre, 30-B, Sastic Society, Narrangpura, Ahmedabad-9.	Advocate	Ahmedabad, Gujarat
316.	P.M. Pradhan	5-A, Mulund, Om Mansisha, Cooperative Housing Society, G.V. Scheme, Road, No.1, Mulund (E), Bombay -400 081.	Advocate	Bombay, Maharashtra.
317.	K. Siddaiah	Subhash Nagar, Lawyers Colony, Mandya City, Karnataka-571401.	Advocate	Mandya, Karnataka
318.	S.A. Sule	Govind Bhavan, Chimanbai Road, Navasari Distt., Bular-396 445, Gujarat.	Advocate	Navasari, Gujarat
319.	Bibas Chandra Mitra	3/4, Srihas Dulta Lane, Howrah, West Bengal.	Advocate	Howrah
320.	Navneet Lal Verma	Laxmi Medical Store, Dhanmandi Road, Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur
321.	A.S. Gupta	13, Park Road, Tasker Town, Bangalore-560 051.	Advocate	Bangalore, Kar.
322.	B.L. Gowda	R.No. 49, 'Vakkatiyara', Sangha Hostel, B.M. Road, Hassan.	Advocate	Hassan, Karnataka
323.	Ms. Satwant Kaur	385, Model Town Jalandhar Punjab	Advocate	Jalandhar, Punjab
324.	Vikram Singh Varma	Collectorate, Bulandshahar Uttar Pradesh.	Advocate	Bulandshahar (U.P.)
325.	Smt. Kamla Tewari	Behind Water Tank Kaberipuram, Heera Bagh, Civil Courts, Agra.	Advocate	Agra (U.P.)
326.	S.K. Trivedi	Flat No. 103, Jay Braj Manck. Co-op. Housing Society Ltd., Opp. to Santokh Cinema, Station Road, Bhayander (W)-401 101 Maharashtra.	Advocate	Dist. Thane & State of Mah.
327.	Harish Chandra Chaudhuri	213, Anand Prabat, New Delhi-110 005.	Advocate	Delhi
328.	Kishan Chand Saini	39-A, Jangpura Lane, Bhogal, New Delhi-110 014.	Advocate	Bhogal-Jangpura, New Delhi
329.	J.P. Goel	8828, Pul Bangesh, Naya Mohalla, Delhi.	Advocate	Delhi
330.	D.K. Prakash	2722, BEML, Main Road, HAL Street, Bangalore-25.	Advocate	Bangalore City
331.	Dushyant Kumar Tyagi	618/D/8D, Shanker Late, Pandav Road, Viswas Nagar, Shahadara, Delhi-32.	Advocate	Shahadara/Delhi.
332.	Narsimha Iyengar	289, Lakshmi Vilas Road, Mysore-570 024	Advocate	Mysore
333.	S.L. Saluja	30-A, Double Storey, Main Road, Opp. Bus Stop, Mullkaganj, Delhi-110 007.	Advocate	Delhi

1	2	3	4	5
334.	K. Ashok Chakravarthy	226, Syden Rams Road, Choolai, Madras-112.	Advocate	Choolai
335.	A.P. Surya Prakasam	47, Iyer Perumal Street, Madras-4.	Advocate	Royapettah, Madras.
336.	Narasimha Deva Rayulu	Aregundi House Ranipet, Hospet Karnataka.	Advocate	Bellary District.
337.	M.J. Hegde	10, Parna Cutir 2nd Floor, New Najindas Road, Andheri (East) Bombay-49	Advocate	Andher East
338.	D.K.G. Rangras	3/B-44, Lohia Nagar, Bombay Taximen's Co., opp. Group Housing Society, Bombay-70	Advocate	Kuala (West).
339.	H.L. Vaithy	Malwani Village, Bombay	Advocate	Bombay
340.	I.N. Kayser	Raj Bahadur Mansion, R.N. 5E, 11nd Floor, 20, Ambelal Doshi Marg, Hawan Street, Bombay-400 023.	Advocate	Fountain Area Bombay
341.	Mahesh Kantila IPatel	405, Pragati Shopping Centre, Daftari Road, Malad (East), Bombay 400 097.	Advocate	Maharashtra
342.	Jai Narayan Sharma	P.O. Ti-Bi- Distt., Ganganagar, Hanumangarh Sub-Div.,	Advocate	Hanumangarh
343.	Murari Lal Midha	Ward No. 7, Anupgarh, Distt. Sriganganagar, Rajasthan.	Advocate	Anupgarh
344.	Prem Chand Agarwal	1033/5-Jyoti Nagar, Red Road, Kurukshetra-132118, Haryana.	Advocate	Pehowa, Kurukshetra
345.	Prabir Kumar Chowdhury	Mohanbati (Netaji Pally), P.O. Raiganj Distt. North, Dinajpur (WB).	Advocate	Raiganj Sadar, Dinajpur North
346.	G.C. Roy Karmakar	Biswa Singha Road, Cooch Behar, 735101 West Bengal.	Advocate	Cooch-Bihar
347.	Subhash Chandra Gupta	Ward No. 8, Mandi Dabwali (Sirso), Haryana.	Advocate	Dabwali
348.	Dharam Pal Rawis	Pehowa, Kurukshetra, Haryana.	Advocate	Pehowa
349.	Prem Kishan	43-R, Model Town, Rewari, Haryana.	Advocate	Rewari
350.	Govind Puri	Lal Bahadur Shastri Chowk, Baloba-344022	Advocate	Baloda
351.	Puran Singh	Vill : Bohatwala, Jind 126102, Haryana.	Advocate	Jind
352.	Arun Kirari Kaluskar	Block No. 4-5104-A, Sadguru Housing Society, Shivaji Nagar, Pune-16.	Advocate	Shivaji Nagar, Pune
353.	P.K. Rahatal	Sinnar, Distt. Nasik, Maharashtra	Advocate	Nasik

1	2	3	4	5
354.	Shantaram Datar	Anandi Apartment, Jog Compound, Agra Road, Kalyan.	Advocate	Kalyan
355.	N.M. Amin	35/B, II Floor, 308, P. Nariman Street, Near R.B.I., Bombay-400023.	Advocate	Parel, Bombay
356.	Prithvi Raj Malhotra	35/E, Roadways Road, Nilokhari, Dist. Karnal, Haryana.	Advocate	Karnal District
357.	Ramesh Chand Bhati	City Courts, Faridabad, Haryana.	Advocate	Faridabad.
358.	R.L. Auddy	Royal Insurance Building, 5, Netaji Subhas Road, Calcutta-700 001.	Advocate	Calcutta & New Delhi.
359.	S. Venka Reddy	Annapurna Nilaya, Near Bannikatti Kopal-583 031. Karnataka	Advocate	Koppal
360.	H.G. Inamdar	Fort C.B.T., Hubli Karnataka.	Advocate	Hubli
361.	M.K. Srinivas Iyengar	7/1 Chlnappa Mansion, West Park Road, 8th Cross Road, Makeswaran, Mysore-3.	Advocate	Bangalore
362.	Rashid Hussain Siddiquie	11, Jha House, Nizamuddin West, New Delhi-110 013.	Advocate	Delhi
363.	Sunil Pundit	C-N, 115, Dayanand Colony, Lajpat Nagar, Delhi.	Advocate	Delhi
364.	B.M. Sabharwal	Chamber No. 355, Western Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-11054.	Advocate	Delhi
365.	Mala Sharma	6547, Lane No 2, Block No. 9, Dev Nagar, New Delhi-9.	Advocate	Delhi
366.	Prodyut Kumar Ghosh	Vill : Hara P. O. : Brahampara, P.S. Haripal, Distt. Hoogly, West Bengal	Advocate	Chandan Nagar, West Bengal
367.	M. Mohtram	8136, Gali No. 4, Chimni Mill, Bara Hindu Rao, Delhi-110006.	Advocate	Delhi,
368.	Arobinda Gangully	Res & Camber: Roma Villa, 53, Milan Park, Garia, Calcutta-700084.	Advocate	Garia, West Bengal
369.	Ravinder Chadha	Res-cum-Office: 59, Vivekanandpuri Sarai Rohilla, Delhi-110 007	Advocate	Delhi
370.	Prabhu Dayal Sharma	Vill: Daulatpur Khurd, P. O. Khas, Distt. Bulandshahar (U.P.)	Advocate	Anupshahar, Sayana (UP)
371.	Madan Lal Chawla	WG-255* Mohala Islamabad, Jalandhar City, Punjab.	Advocate	Jalandhar, Punjab
372.	Ashok Kumar	Tehsil Road, Gurunanakajee Factory Wali Gali, Malout Dist. Faridkot, Malout-152107. Punjab.	Advocate	Malout, District Faridkot, Punjab.

1	2	3	4	5
373.	Kailash Nath Dheer	80, Gujral Nagar, Near T.V. Centre, Jalandhar (Punjab)	Advocate	Jalandhar, Punjab,
374.	Bijendra Kumar Awasthi	House No. 638, Mohalla Roti Godam, Sitapur (U.P.)	Advocate	Sitapur, U.P.
375.	Sugandh Jain	49, Prem Puri, Muzaffarnagar (U.P.)	Advocate	Muzaffarnagar (U.P.)
376.	Pijush Kanti Ghosh	Sarat Bose Road, Hakimpura, P. O. Siliguri, Distt Darjeeling-734401. West Bengal.	Advocate	Siliguri, West Bengal
377.	Srikant Joshi	Mittal Colony, Near Old Bus Stand, Jhunjhunu-333001. Rajasthan.	Advocate	Jhunjhunu, Rajasthan.
378.	R.R. Dogra	PKT-GG-1, Flat No. 90-B Vikaspuri, New Delhi-18.	Advocate	Delhi
379.	Chander Shekhar	Sub-Tehsil, Jalalabad and Dist. Ferozepur, Punjab.	Advocate	Jalalabad & Dist. Ferozepur, Punjab
380.	Raj Kumar Sampson	Z/56A, Sector-12, Noida (U.P.)	Advocate	NOIDA (U.P.)
381.	Subhash Chandra Saxena	466, Nai Basti Shikohabad Road, Etah-207001 (U.P.)	Advocate	Etah (U.P.)
382.	Shyam Sunder Singh	Tehsil Compound, Ghaziabad-201001 (U.P.)	Advocate	Ghaziabad and Delhi
383.	B.Y. Jacob	K-19/H, Sheikh Sarai Phast-II, New Delhi-110 027	Advocat	Delhi
384.	D.S. Sareen	CA-114/2, Tagore Garden, New Delhi-110017	Advocate	Delhi
385.	Ambrish Kumar Garg	45, Dwarakapuri, Muzaffar Nagar (U.P.)	Advocate	Muzaffarnagar (UP)
386.	Arvind Kumar	165, K.P. Road, Bulandshahar (U.P.)	Advocate	Bulandshahar (U.P.)
387.	Mahendrapal Singh	105, Shanker Kuti S.K. Road, Meerut (U.P.)	Advocate	Merrut (U.P.)
388.	Lal Pratap Singh	Vill : Machhia, P. O. Sutaui, Dist. Bahraich (U.P.)	Advocate	Baharaich, U.P.
389.	Ramesh Chandra	1255, Lalian Street, Near Police Post, Nawanshahar Doaba, Dist. Jalandhar, Punjab.	Advocate	Nawanshahar District, Punjab
390.	Shiv Lal Jain	Railway Road, Banga Dist., Jalandhar, (Punjab)	Advocate	Nawanshahar Punjab.
391.	Rajender Singh Anand	450-R, Model Town, Yamunanagar, Haryana.	Advocate	Yamunanagar
392.	Smt. Ratna Bharghavan	22, West India House, 3rd Floor, No. 17, Sir P.M. Road, Fort, Bombay-400001.	Advocate	Bombay



393. Darshan Singh	V & P.O. Rahurinwala, Tehsil-Muktsar, Distt Faridkot, Punjab.	Advocate	Muktsar, Punjab.
394. Ranjit Kumar Ghosh	7, Bijaynagar (Central Park), P. O. & P. S. Naipati, Distt-North 24, Parganas, W.B.-743165.	Advocate	Barrackpore, North 24 Parganas (W.B.)
395. Sarjit Singh	Ambala Road, Kaithal, Kaithal (Haryana)	Advocate	Distt Kurukshetra Dist. Kaiathal
396. Syed Sadiq Hussain	Sindhanoor-584128, Distt. Raichur, Karnataka.	Advocate	Sindhanoor-Taluka, Raichur Distt.
397. Amarnath Manocha	Chamber No. 47, Distt. Court, Kurukshetra-132118 (Haryana).	Advocate	Distt. Kurukshetra and Panchkula
398. Jarnail Singh	Amar Bhavan, Railway Road, Hoshiarpur.	Advocate	Hoshiarpur, Punjab.
399. Najamulhussain S. Tirmizi	F.A. Malik Faiz, Mohamed Society, Narayan Nagar Road, Paldi, Ahmedabad-380007.	Advocate	Ahmedabad, Gujarat
400. Smt. Avinash Kaur	Chamber No. 2, Patiala House Court, New Delhi	Advocate	Delhi
401. C.L. Sharma	C-26, Hiranagar Co-operative Housing Society, Dadabhai Cross Road-2, Andheri (West), Bombay-400058.	Advocate	Greater Bombay
402. Tapan Dass	63, Netaji Colony, Dr. Sinthee, Calcutta-700050.	Advocate	24-Parganas (W.B.)
403. Krishna Murari Sinha	P & P.O. Sanhauli, Distt. Khagaria (Bihar)	Advocate	Distt. Khagaria
404. Raghunath Bandhopadhyay	'Balaka', Dharmapur, Chinsurah, PO & PS Chinsurah, Distt : Hoogly-712101 (West Bengal)	Advocate	Distt. Hoogly.
405. Shashi Kant Galhotra	1719, Street No. 12-13, Distt Ferozepur-152116, Punjab.	Advocate	Abhoar, District Ferozepur
406. Mihir Banerjee	C/o Sh. Haridas Banerjee, Naya Basti, Jalpaiguri (W.B.)	Advocate	Jalpaiguri
407. Suresh Chander	324, Guru Hargovind Nagar, Phagwara, 144401, Distt. Kapurthala, Punjab.	Advocate	Phagwara
408. Zile Singh	Vakil Colony, Hansi Distt. Hissar (Haryana)	Advocate	Distt. Hissar
409. Harish Nanavaty	105, Ratandeepp, Opp, Dr. Amrish Parikh's Hospital, Near High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380009.	Advocate	Ahmedabad, Gujarat
410. V. Ranga Ramu	168, 19th Main Road, 1st Block, Rajaji Nagar, Bangalore-10.	Advocate	Vijay Nagar, Rajaji Nagar, Bangalore

411.	Nab Kishore Laha	Jaipur Road, Distt. Cuttack (Orissa)	Advocate	Jaipur Sub Div. (Orissa)
412.	N.S. Shahapurkar	448/28, Siddarth Nagar, Old Police Station Road, Goregaon (West), Bombay-400 062.	Advocate	Greater Bombay.
413.	Nathulapati Venkata Ramana	Plot No. 15, Gayatri Nagar, Srinivas Colony, East, Hyderabad-500 038.	Advocate	Secunderabad and Hyderabad.
414.	N.S. Bisso Gowda	No. 62, Muniramappa Garden, Geddalbally, Sanjaya Nagar, Bangalore (Karnataka)	Advocate	Bangalore
415.	Vijay S. Masurkar	205/8, Ambar Tower, Near R.B.I. Colony, Kandarpada, Dahisar (West), Bombay-68.	Advocate	Bombay
416.	N.A. Sukumaran	15, Ramaiah Street, Shenoy Nagar, Madras-600 030.	Advocate	Shenoy Nagar, Madras
417.	K. Rabindra Kumar	Dornakal Road, Near Andhra Bank Venkataratnam Street, Suryarao Pet, Vijayawada-520 002.	Advocate	Vijayawada
418.	P.K. Solanki	Behind Preyas High School, Kesavji's New Chowk, Khanpur, Ahmedabad-380007	Advocate	Ahmedabad City.
419.	A.V. Radhakrisnan Moorthy	Nundigonelanvari Street, Satyanarayanapuram, Vijayawada-520 0011.	Advocate	Vijayawada
420.	Varnekar Ganesh	Sindhanur Taluka Sindhanur, Distt., Raichur, Karnataka.	Advocate	Raichur Distt.
421.	Siddana Sangani	H.No. 146, CBI Colony, Behind Central Bus Stand, Gulbarga-3, Karnataka.	Advocate	Gulbarga Distt.
422.	Ramesh M. Agrawal	33, Akanta Apts., Behind Pant Nagar, Post Office, Ghatkopar (East), Bombay-75.	Advocate	Bombay
423.	Abdul Subhan	30, Second Main Street, Sri Nagar Colony, Kumbakonam-1 Madras.	Advocate	Kumbakonam
424.	T. Parthasarthy	13, Kondapuram Street, Tiruvellur-602 001 Tamil Nadu.	Advocate	Tiruvallur
425.	Subodh Madan Lal Shah	124, Maruti Chamber Court, Near Maruti Temple, Nasik-422002.	Advocate	Nasik Distt.,
426.	Smt. Sulbha Gulve	24/12, Rashmiraj Shivaji Nagar, Nagar, Pune-5 (Maharashtra).	Advocate	Pune Distt.,
427.	Srinivas V. Tarte	Vaishav Building Manapada Road, Dombirli (E)-421 201, Maharashtra.	Advocate	Distt. Thane & Bombay (Mah)
428.	U.K. Jadhav	403, Shalaka, Opp: Cooperage Football Ground, Maharishi Karve Road, Bombay-400 021.	Advocate	Bombay
429.	A.S. Muthane	260/7, B, Tarabai Park, Kolhapur-416 003, Maharashtra.	Advocate	Distt. Kolhapur.
430.	Mayankray G. Shukla	2, Siddhisadan, S.V.P. Road, Boriyli (West), Bombay-400 013.	Advocate	Bombay
431.	V. Narayanan	39, Gitanjali, Sidharth Nagar, Goregaon (West), Bombay-400 062.	Advocate	Bombay

1	2	3	4	5
432.	Smt. S.S. Kotasthane	Plot No. 367, Sector-27-A, Pardhikarau, Pune.	Advocate	Pimpri Chinchwad.
433.	Y.N. Londhe	175 /A/G/41, Subhash Nagar, New (Kirkee) Yerawada Jail Road, Pune-411 006.	Advocate	Pune District.
434.	G.S. Hegde	Chitalsar-Manapada Thane (West)-400 607.	Advocate	Thana District.
435.	Smt. Rama S. Pendkalkar	Rama Niwas SS-4/245, Sector-2, Vashi, New Bombay-400 703.	Advocate	Bombay
436.	B. Panigrahi	A-202, Shivam-2, Raheja Complex, Malad (E), Bombay-97.	Advocate	Bombay
437.	Kantilal K. Sancheti	594, Narayan Peta, Uma Shankar Complex Near Kanya Shala, Pune-30 (Maharashtra)	Advocate	District Pune.
438.	K.M. Bhatia	24-A' Mohhta Market, Ist Floor, Patlan Road, Bombay-400 001.	Advocate	Bombay
439.	Sanjeev Upadhyay	60, Friends Colony, Alwar, (Rajasthan).	Advocate	Alwar
440.	Gaje Singh Tanvar	229-L, Model Town, Panipat, (Haryana).	Advocate	Panipat
441.	Inderjit	3020, New Housing Sector, 11-12, Part-11, Panipat, (Haryana).	Advocate	Panipat
442.	Krishan Kumar Kasuhik	Mahadev Street, Kurukshetra-132 118, Haryana.	Advocate	Kurukshetra
443.	Narendra Singh Yadav	Narendra Singh Yadav, S/o Sh. Lakshman Singh Yadav, Near Veterinary Hospital, Bikaner (Raj.)	Advocate	Bikaner (Raj.)
444.	Arvind Prakash Mathur	304/1, Christian Ganj, Ajmer, Rajasthan.	Advocate	Christian Ganj Rajasthan.
445.	S.N. Sikhwal	Anand Nagar, Sikar (Rajasthan)	Advocate	Sikar (Rajasthan)
446.	Premvir Chauhan	693/7, Amin Road, Kurukshetra (Haryana)	Advocate	Thaneswar
447.	Sunil Kumar Katyal	216-L, Model Town, Rohtak, Haryana.	Advocate	Rohtak
448.	Harji Lal Jad	—	Advocate	Delhi
449.	Om Sharma	Civil Court Hpur, Distt. Ghaziabad.	Advocate	Hapur
450.	Ashok Kumar Goyal	Opp: Bus Stand, G.T. Road, Pipli, Teh. Thaneswar, Distt. Kurukshetra (Haryana).	Advocate	Kurukshetra
451.	Smt. Pushpa Gupta	H.No. 75, Weavers Near Asrand Railway Phatak, Panipat-132 103, (Haryana).	Advocate	Distt. Panipat
452.	Ranjit Singh Soni	R-Block, Ward No. 4, P.O. Raisingh Nagar, Distt. Sriganaganagar, Rajasthan.	Advocate	Raisingh Nagar
453.	Jasbir Singh Parmar	Civil Court, Phagwara-144 401. (Punjab).	Advocate	Phagwara
454.	Ms. Padma Rani	125/14, Old Subzi Mandi, Sonali Road, Panipat, Haryana.	Advocate	Distt. Panipat
455.	Mukesh Chand Sharma	Teh. Garh Mukteshwar, Distt. Ghaziabad (UP).	Advocate	Garh Mukteshwar.

1	2	3	4	5
456.	Jagdish Chandra Joshi	Raisingh Nagar Sriganga Nagar (Rajasthan).	Advocate	Rai Singh Nagar
457.	Ratan Lal Choudhary	Balotara, Distt. Barmer (Rajasthan).	Advocate	Balotra
458.	Narendra Singh	Kothi Guljar Bagh, Rajasthan High Court, Bharatpur, (Rajasthan).	Advocate	Bharatpur
459.	Ram Singh Dhaka	5-L-29, Jawahar Nagar, Sriganganagar (Raj.)	Advocate	Sriganganagar
460.	Lala Ram Verma	B-G6/90-C, Pachim Vihar, New Delhi.	Advocate	Delhi
461.	Ravindra Sahai Saxena	Balchand Pada, Bundi (Raj.)	Advocate	Bundi (Raj.)
462.	Tarachand Singhvi	Tipravati-ka-Baas, Sojat City-4, (Rajasthan).	Advocate	Sojat
463.	Dharam Singh Panjeta	Distt. Courts, Jagadhari Distt. Yamuna Nagar (Haryana)	Advocate	Jagadhari
464.	Hukam Chand Khokar	Chamber No. 11, Civil Courts, Rohtak (Haryana).	Advocate	Rohtak
465.	Keshav Dayal Sharma	Purana Bazar, BARI, Dist. Dolpur, Rajasthan.	Advocate	Dholpur
466.	Bhanwar Lal Jain	House No. 732, Shimla Sadan, Mishra Rajaji Ka-Rasta, Indira Bazar, Jaipur-302 001 (Rajasthan).	Advocate	Jaipur
467.	Ratna Lal Gupta	3-E/4, Jawahar Nagar Sriganganagar-335009 (Rajasthan)	Advocate	Sriganganagar
468.	Smt. Asha Bindlesh	Kaithan (Haryana)	Advocate	Kaithal
469.	M.P. Mittal	41-B, Vallabh Nagar Kota-324007 (Rajasthan).	Advocate	Kota
470.	Parmatma Saran Gaur	K-1-123, Kavi Nagar, Ghaziabad (UP.)	Advocate	Ghaziabad
471.	Om Prakash	82, Arya Nagar, Prem Nagar, Karnal (Haryana)	Advocate	Karnal
472.	O.P. Garg	Kalanwali, Distt. Sirsa, (Haryana).	Advocate	Sirsa
473.	Yashodhar Sharma	1/325, Bank Colony, Surrender Nagar, Aligarh (UP).	Advocate	Aligarh
474.	Smt. Satinderjit Chinnu	H.No. 1504, Gagarmal Road, Katra Sher Singh, Amritsar (Punjab)	Advocate	Amritsar
475.	Raghubir Singh	Railway Road, Phagwara, Distt. Kapurthala (Pb.)	Advocate	Phagwara
476.	Ram Swaroop	Near Nagar Parishad Bhandar, Gajnar Road, Bikaner (Rajasthan)	Advocate	Bikaner
477.	Satan Paul Kamboj	Distt. Courts, Ferozepur Inside Magazine Gate, Ferozepur City Punjab.	Advocate	Ferozepur
478.	Rattan Singh	House No. 743, Cinema Road, Gidderbha-152101, Distt. Faridkot Punjab	Advocate	Gidderbha & Bhatinda
479.	Ram Mohan Rai	203, Old Housing Board Colony, Panipat (Haryana).	Advocate	Panipat
480.	Sardar Singh Yadav	Tehsil Bagat, Distt. Meerut Uttar Pradesh	Advocate	Bhagpat
481.	Vijay Kumar	H.No. 284/4, Guru-1, Nanak Market, Phagwara, Distt. Kapurthala (Pb.)	Advocate	Phagwara
482.	Amritbir Singh Sodhi	H.No. 1, Street No. 21, Guru Har Sahai, Distt. Ferozepur, Punjab.	Advocate	Ferozepur

1	2	3	4	5
483.	V. Sindhiwani (Virendra)	Gaushala Road, Phagwara, Punjab.	Advocate	Phagwara
484.	Ved Prakash Chouhan	Dadri, Ghaziabd (U.P.)	Advocate	Dadri
485.	Chaman Prakash Srivastava	Village Khojanpur, Distt. Faizabad (U.P.)	Advocate	Faizabad
486.	Randhir Thakur	Thakur Nivas, Krishan Nagar-II, Hoshiarpur-1461001 (Punjab)	Advocate	Hoshiarpur
487.	Brij Lal Mukhija	487, L, Model Town Jalandhar, (Punjab).	Advocate	Jalandhar
488.	Iqbal Singh Gill	V & PO. Saloh, Teh. Nawanshahar, Distt. Jalandhar (Pb.)	Advocate	Nawanshahar
489.	Naresh Chand Jain	304, Shiv Shankar Puri, Meerut (UP).	Advocate	Meerut
490.	Kiran Chand Sharma	120, Araziat, Bulandshahar-203 001 (U.P.).	Advocate	Bulandshahar
491.	Ashok Kumar	4/93, Motia Gali, Kachahan Ghat, Agra (U.P.).	Advocate	Agra
492.	Saiyad Anwar Abbas Hussain	B/11/11, Gauri Ganj Varansi (U.P.)	Advocate	Varanasi
493.	Arun Kumar Sharma	1142, Ram Kutir, Urban Estate-I, Jalandhar-144 022 (Pb.)	Advocate	Jalandhar
494.	Parminder Singh	Near Mansurwal Octroi Post, Jalandhar Road, Kapurthala, Punjab.	Advocate	Kapurthala.
495.	Col. H.K. Sharma	Patankar Bazar, Gwalior-474001 Madhya Pradesh	Advocate	Bhopal
496.	Nirmal Singh Kalra	297, Udham Singh Nagar, Jalandhar City (Punjab).	Advocate	Jalandhar
497.	Govind Prakash Mehrotra	Mohalla Gadian, Sitapur, Uttar Pradesh	Advocate	Sitapur
498.	Gyan Prakash Pandey	C.K. 8/150, Gadvasi, Tola, Varanasi (UP).	Advocate	Varanasi
499.	Ms. Rekha Mehrotra	67, Atal Behari Nagar, Unnao, Uttar Pradesh	Advocate	Unnao
500.	Bhikhari Das Sharma	Vill. Unchagaon, Bangar, P.O. Ramghat, Distt. Bulandshahar, Uttar Pradesh.	Advocate	Bulandshahar
501.	Kailash Chand Gupta	3-E-18, Vilas Nagar, Bundi (Rajasthan)	Advocate	Bundi
502.	Mahadev Prasad Verma	Vill. & PO. Sulepur, P.S. Bikapur (Kotwali), Distt. Faizabad (U.P.)	Advocate	Faizabad (U.P.)
503.	R. Chellappa	No. 1, N.K. Amman Liol, IVth Street, Mylapore, Madras-94.	Advocate	Madras
504.	Narhari R. Devraj	8, Latha Nagar, Jamia Osmania, Hyderabad-500 044.	Advocate	Hyderabad
505.	Ashok Kumar Saha	48, Gole Mahal Sadar Bazar, Barrackpore, Distt. 24 Parganas (N), West Bengal.	Advocate	24 Parganas North
506.	A.R. Madhav Rao	B-4/158, Safdarjung Enclave, New Delhi-29.	Advocate	Safdarjung Enclave
507.	Smt. Rajni Jain	38, Tehsil Building, Tis Hazari, Delhi.	Advocate	Delhi
508.	Chander Mohan Baweja	S-258, Panchshila Park, New Delhi.	Advocate	Panchshila Park.
509.	R.N. Jain	R-Block, 69-F, Dilshad Garden, Delhi-110095.	Advocate	Dilshad Garden
510.	Km. Ratan Bhatnagar	A-2/166-B, Lawrance Road, Delhi-110035.	Advocate	Delhi
511.	N.S. Kalra	109, Jor Bagh Road, B.K. Dutt Colony, New Delhi-110003.	Advocate	Lodi Colony

1	2	3	4	5
512.	Ms. Madhumita Kundu	124, Salkia School Road, Howrah-6.	Advocate	Calcutta
513.	Rakesh Kumar	2586, Shadipur, Main Street, New Delhi-110008.	Advocate	Shadipur
514.	Smt. Asok Bhardwaj	Chamber No. 56, Patiala House, New Delhi-110001.	Advocate	Shaikh Sarai
515.	Smt. Sushma Bhardwaj	Chamber No. 147-148, New Delhi Court Patiala House, Tilak Marg, New Delhi.	Advocate	Patiala House
516.	K.C. Diwan	M-104, Dharma Apartment, Patparganj, Delhi-110092	Advocate	Pachim Vihar
517.	Ms. Sarojini Nair	C-II-102, Lajpat Nagar, New Delhi-110024.	Advocate	South Delhi
518.	Vinod Kumar Sharma	H-32, Gali No. 9, New Mahabir Nagar, New Delhi-110018.	Advocate	Mahabir Nagar
519.	Amarnath Chatterjee	194, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta-700004	Advocate	Calcutta
520.	Dharminder Nath Goyal	B-3/13, Rajasthani Apartment, Pitampura, Delhi-110034.	Advocate	Pitampura
521.	Gian Singh	EA-58, SFS, Maya Enclave, New Delhi-110064.	Advocate	Delhi
522.	Prem Kumar Khosla	215, Western Wing, Tis Hazari, Delhi-110054.	Advocate	Delhi
523.	Jagdish Chandra Tripathi	Chamber No. 316, Civil Side, Tis Hazari, Delhi-110054.	Advocate	Tilak Nagar.
524.	Aloke Kumar Sinha	28, Pratap Aditya Place, Calcutta-700026	Advocate	24 Pargana
525.	Shishu Mohan Mehra	E-47, Kirti Nagar, New Delhi-15.	Advocate	Kirti Nagar
526.	Smt. Kashi Kashyap	116-A, Vikas Marg, Shakarpur, Delhi-92.	Advocate	Delhi
527.	Kamal Kanti Ghosh	Port Blair Extn., Chirimore, PO Barrackpore, Distt. 24 Parganas (N), West Bengal.	Advocate	24 Pargana
528.	Aditya Banerjee	Amalpara, PO. Purulia, Distt. Purulia, West Bengal.	Advocate	Purulia
529.	Sudhansu Biswas	352, Netaji Road, PO Khagram, PS. Behrampore, Town, Distt. Murshidabad (W. Bengal).	Advocate	Behrampore Murshidabad
530.	Ram Prakash	3456, Tri Nagar, Delhi-110035.	Advocate	Patiala House
531.	S.K. Lath	1B, Old Post Office Street, Calcutta-1.	Advocate	Calcutta
532.	A.K. Biswas	Chamber 28, 3610, 8/2, Kiran Sankar Roy Road, Calcutta.	Advocate	Calcutta
533.	Dinesh Kumar Rawal	Rawal House, Near Girls Higher Secondary School, Shripura, Kota, Distt. Kota (Raj.)	Advocate	Kota (Raj.)
534.	Chandrasekhara Babau	Chamber No. 1103, O.T.C. Road, Near Pai Vihar, Bangalore-560002.	Advocate	Bangalore.
535.	Smt. Vasavdatta A. Bhatt	C/2, Sunder Apartment, Behind High Court, Ahmedabad-9	Advocate	Ahmedabad
536.	D. Mohadin	109, 13th Main Road, 28th cross, IV Block, Jayanagar, Bangalore-560011.	Advocate	Jayanagar
537.	M.G. Uthappa	No. 16, 1st Floor, 31st Cross, Kilari Road, Bangalore-560053.	Advocate	Bangalore

1	2	3	4	5
538.	K. Nagaraja	120/A, 1st floor, 5th Main, 4th Block, Rajaji Nagar, Bangalore.	Advocate	Rajaji Nagar
539.	P. Suryanarayana	11-26/24/A, Uppulvrisasi, Lane Brahmin Street, Vijayawada-1.	Advocate	Vijayawada
540.	Raman Narang	130, Hargobind Nagar, Phagwara-144401 (Punjab).	Advocate	Phagwara
541.	B.N. Gupta	8/Adarsh Nagar, Dhand Road, Cheeka, Kaithal-132027 (Haryana)	Advocate	Ghula
542.	Mahesh Kumar Mangal	Main Bazar Pundri, Distt. Kaithal- 132026. Haryana.	Advocate	Pundri
543.	Balbir Kumar Sachdeva	Distt. Court Complex Ferozepur (Punjab)	Advocate	Ferozepur
544.	Mohan Lal	Distt. Court, Yamuna Nagar Jagadhri (Haryana)	Advocate	Yamuna Nagar
545.	Bikram Singh	Civil Court, Safidon, Distt. Jind, Haryana.	Advocate	Safidon
546.	Kulwant Singh	H.No. 312, Sarojini Colony, Yamuna Nagar, 135001 (Haryana)	Advocate	Jagadhri
547.	Subhash Chandra Sharma	House No. 671/8-B, Chandigarh	Advocate	Union Territory, Chandigarh.
548.	Smt. Madhu Bala	H.No. 515, Mahesh Nagar, Ambala Cantt. (Haryana).	Advocate	Ambala Cantt.
549.	Shri Krishan	Distt. Courts, Kaithal, Kaithal, (Haryana)	Advocate	Kaithal
550.	Jai Bhagwan Goyal	Chamber No. 21, Distt. Courts, Panipat, (Haryana.)	Advocate	Panipat
551.	Kapoor Singh Malik	Sita Sham Colony, Safidon, Distt. Jind, Haryana.	Advocate	Jind
552.	Sukhdev Singh	H.No. 5/3/75, Nai Abadi, Jaitu-151202, Distt. Faridkot (Pb.)	Advocate	Jaitu (Distt. Faridkot)
553.	Surendra Singh Malik	137, Patel Nagar, New Mandi, Muzaffar Nagar (U.P.)	Advocate	Muzaffarnagar
554.	Santok Singh Gill	5, G.T.B. Nagar, College Road, Ropar (Punjab)	Advocate	Ropar
555.	Ms. V. Latha	87/88, Commercial Street, Civil Station, Bangalore-560001.	Advocate	Bangalore
556.	Syed Masood Ahmed	14, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-560025.	Advocate	Bangalore
557.	Yod Raj Bansal	Chamber No. 50, Distt. Court, Kurukshetra (Haryana.)	Advocate	Kurukshetra
558.	Chhaju Ram	V & PO Hatt, Tehsil Safidon, Distt. Jind (Haryana)	Advocate	Safidon
559.	Ravinder Mohan Aggarwal	Near Malik Hospital Balsemand Road, Hissar, Haryana	Advocate	Hissar
560.	Nem Chand	24-D, Kitchlu Nagar, Civil Lines, Ludhiana (Punjab).	Advocate	Ludhiana
561.	Prasant Joradar	Bagha Jatin Park, Siliguri Court, Siliguri-734401, Distt. Darjeeling (W. Bengal).	Advocate	Siliguri (W.B.)
562.	Sunder Lal Gautam	35, New Vazir Chand Colony, Karnal (Haryana).	Advocate	Karnal
563.	Kashmiri Lal Sharma	B-7/22, Ummat Street, Nawan Shahar, Distt. Jallandhar (Pb.)	Advocate	Nawanshahar

1	2	3	4	5
564.	Manindra Kumar Kuila	Village. Chandipur, P.O. Jhargram, Distt. Midnapore (W. Bengal).	Advocate	Midnapore
565.	Ait Karan Basu	Sanka para, Mahesmati, PO & Distt. Malda (West Bengal)	Advocate	Malda
566.	Dwijendra Nath Chakraborti	505/8, Ashok Nagar, P.O. Ashok Nagar Distt. North 24 Parganas, West Bengal.	Advocate	Barasat North 24 Paraganas
567.	Jagdish Chandra	V. & PO Chillaur (Majri) Distt. Yamuna Nagar (Haryana).	Advocate	Yamuna Nagar
568.	Smt. Minati Adhikari	90/1, Shashi Bhushan Mukherjee Line, P.O. Salkia, P.S. Malipanchgura, Distt. Howrah (W.B.)	Advocate	Howrah
569.	Prafulla Kumar Raut	Bhadrak at Kuansh, P.O. & Distt. Bhadrak-756100 Orissa	Advocate	Bhadrak
570.	P.K. Chowdhuri	C/o. M.K. Chowdhuri, 4 to 7 Old Post Office Street, 2nd floor, Calcutta-700001.	Advocate	Calcutta Dalhousie Square.
571.	Daljit Singh Saini	House No. 5, Street No. 1, Malhotra Colony, Ropar (Punjab).	Advocate	Ropar
572.	Vinod Kumar Sharma	Civil Court, Dasuya, Distt. Hoshiarpur, Punjab.	Advocate	Dasuya
573.	Shekhar Dutta	Ram Nagar, Road No. 4, (West End) Agartala, P.O. Ram Nagar, West Tripura-799002.	Advocate	Agartala (Tripura)
574.	Gautam Deb	131, C.V. Raman Sarni, Collegepara, P.O. Silliguri, Distt. Darjeling (West Bengal).	Advocate	Silliguri

[No. F-5(68)/96-Judl.]

P.C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 जून, 1996

का.आ. 2016.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तमिलनाडु राज्य सरकार की अधिमूचना सं. 555/96, पब्लिक (स्पेशल-ए) विभाग दिनांक 18-6-1996 द्वारा प्राप्त तमिलनाडु राज्य सरकार की सहमति में श्री ए.एन. दयानेश्वरन्, आई.ए. एस. (निलम्बनाधीन) के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (1988 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 49) के अन्तर्गत दंडनीय अपराधों तथा उन्हीं तथ्यों में उद्भूत वेरो ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए उक्त अपराधों में संबंधित अथवा संसक्त प्रयत्नों, दुरूपेणों और पड़ोसों अथवा किसी अन्य अपराध अथवा अपराधों के अन्वेषण के

लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण तमिलनाडु राज्य पर करती है।

[संख्या 104/7/96-ए.वी.डी.-1]

मनीष चन्द्र तिवारी, उप सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel &amp; Training)

ORDER

New Delhi, the 26th June, 1996

S.O. 2016.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Tamil Nadu vide notification No. 555/96, Public (Special-A) Department dated 18-6-1996, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Tamil Nadu for investigation of the offences punishable under the Prevention of Corruption Act, 1988 (Central Act No. 49 of 1988) against Shri A. N. Dyaneswaran, IAS (Under suspension) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and



any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 104/7/96-AVD.I]

S. C. TEWARY, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1995

(आयकर)

का.आ. 2017 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसे आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9837/फा.सं. 197/54/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

New Delhi, the 11th August, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2017.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India Trade Promotion Organisation, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9837/F. No. 197/54/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1995

(आयकर)

का.आ. 2018 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "युग निर्माण योजना ट्रस्ट, मधुरा, यूपी." को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9850/फा.सं. 197/105/95-आयकर नि-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 30th August, 1995

(INCOME-TAX)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

(आयकर)

S.O. 2018.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Yug Nirman Yojana Trust, Mathura, U.P." for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9850/F. No. 197/105/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

संशोधन

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2019.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रतशक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अपने दिनांक 25-5-1995 की अधिसूचना सं. 9772 (फा.सं. 197/97/94-आयकर नि-1) में निम्नलिखित संशोधन करती है :

“कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98” के स्थान पर

“कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1997-98” प्रति स्थापित किया जाएगा ।

[अधिसूचना सं. 9851/फा.सं. 197/97/94-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2019.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following modifications in its Notification No. 9772 (F. No. 197/97/94-ITA-I) dated 25-5-1995.

“Assessment Years 1995-96 to 1997-98” shall be substituted by “Assessment Years 1996-97 to 1997-98.”

[Notification No. 9851/F. No. 197/97/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

का.आ. 2020 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “ज्ञान प्रबोधिनी संशोधन संस्था, पुणे” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 तथा 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तमाल अथवा इसकी आय का हस्तमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों की संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेषर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उगे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9852/फा.सं. 197/103/94-आयकर नि-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 4th September, 1995

INCOME-TAX)

S.O. 2020.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Jnana Prabodhini Samshodhan Sanstha, Pune” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 and 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of

the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9852/F. No. 197/103/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2021 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “द एसोसिएशन फार द वेलफेयर आफ परसन्स विथ ए मेन्टल हैंडीकैप इन महाराष्ट्र, बम्बई” को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेल-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसे आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के सबब में अलग में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9853/फा.सं. 197/87/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 4th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2021.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Association for the Welfare of Persons with a Mental Handicap in Maharashtra, Bombay” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.)

for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9853/F. No. 197/87/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2022 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “केरल फिशरमैन वेलफेयर फण्ड बोर्ड, त्रिचूर” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेल-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसे आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9856/फा.सं. 197/94/95-आयकर नि.-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 6th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2022.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Kerala Fishermen's Welfare Fund Board, Trichur”

for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9856]F. No. 197/94/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

गुडिपत्र

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2023.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री रामचन्द्र मिशन, उत्तर प्रदेश" को अधिसूचित करने वाली दिनांक 27-6-1995 की अपनी अधिसूचना सं. 9791 (फा.सं. 197/167/94-आयकर नि.-1) में निम्नलिखित आशोधन करती है :—

"कर निर्धारण वर्ष 1995 से 1996" तक के लिए शब्द और संख्या के स्थान पर "कर-निर्धारण वर्ष 1995-96" प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[अधिसूचना सं. 9861/फा.सं. 197/167/94-आयकर नि.-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2023.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following modification in its Notification Number 9791 (F. No. 197/167/94-ITA-I) dated 27-6-1995 notifying,

"Shri Ram Chandra Mission, Uttar Pradesh" :—

the words and figures for "Assessment Years 1995 to 1996" shall be substituted as "Assessment Years 1995-96"

[Notification No. 9861]F. No. 197/167/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2024—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

"स्पैस्टिक्स सोसाइटी आफ ईस्टर्न इंडिया, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिणी इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिणी उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरान, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाष के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर निर्धारिणी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9863/फा.सं. 197/108/95-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 18th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2024.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Spastics Society of Eastern India, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 and 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9863]F. No. 197/108/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2025.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “श्री सत्य साई मन्दल ट्रस्ट, व्हाइट फ़िल्ड, बंगलौर” को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9865/फा.सं. 197/126/95-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2025.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Sathya Sai Central Trust, White Field, Bangalore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9865/F. No. 197/126/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2026.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “आर्म्ड फोर्स फ्लैग डे फंड, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा।
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9867-ए/फा.सं. 197/18/94-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 25th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2026.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Armed Forces Flag Day Fund, New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9867-A/F. No. 197/18/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली 25 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का. आ. 2027.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट बंधई” को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

New Delhi, the 25th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2027.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “National Institute of Bank Management, Bombay” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9868/F. No. 100/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर 1995

(आयकर)

का. आ. 2028.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “सेवा मन्दिर उदयपुर राजस्थान” को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि

[अधिसूचना सं. 9868/फा. सं. 197/100/95-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रार्थनिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9869/फा. सं. 197/46/95-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 25th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2028.--In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Seva Mandir, Udaipur, Rajasthan" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :--

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9869]F. No. 197/46/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मितंबर, 1995

( आयकर )

का. आ. 2029. ---आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खण्ड ( 23-ग ) के उपखण्ड ( 4 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मद्रास फाउंडेशन, मद्रास" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात् :--

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा ( 5 ) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में

प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रार्थनिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9870/फा. सं. 197/103/95-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 25th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2029.--In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madras Craft Foundation, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :--

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9870]F. No. 197/103/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 मितंबर, 1995

( आयकर )

का. आ. 2030. ---आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड ( 23-ग ) के उपखंड ( 4 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मराठा मंदिर, बंबई" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :--

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिता ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9377/फा.सं. 197/104/95-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2030.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maratha Mandir, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in the relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9877/F. No. 197/104/95 ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली 28 सितम्बर, 1995

(आयकर)

फा.आ. 2031:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री जैन श्वेताम्बर भंडार तीरथ, बिहार" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 के लिए

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोगार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9878/फा.सं. 197/124/95-आ.क.नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2031.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Jain Svetamber Bhondar Tirth, Bihar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9878/F. No. 197/124/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.



नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2032:- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "फ्रेंड्स ऑफ मोरल रीआर्मेन्ट (इंडिया), बंबई" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेल-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9879/फा.सं. 197/104/94-आय कर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2032.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Friends of Moral Re-Armament (India), Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9879/F. No. 197/104 94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2033:- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कैंसर पैशेंट्स एंड एसोसिएशन, बंबई" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेल-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9880/फा.सं. 197/144/94-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2033.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Cancer Patients Aid Association, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9880/F. No. 197/144/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2034:- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "पीपल्स एक्शन फार डिवलपमेंट, बंबई" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से मंगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9881/फा.सं. 197/99/95-आ.क. नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2034.-In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "People's Action for Development, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9881/F. No. 197/99/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अक्तूबर, 1995

(आयकर)

का. आ. 2035 :- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "अश्विनी रूल कौंसिल रिसर्च फण्ड रिलीफ सोसाइटी, बारसी, महाराष्ट्र" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में मंगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के

उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9888/फा. सं. 197/179/94-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th October, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2035.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Ashwini Rural Cancer Research and Relief Society, Barshi, Maharashtra" for the purpose of the said clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9888/F. No. 197/179/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1995

( आयकर )

का. आ. 2036 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "टेगोर सोसाइटी फार डिवेलपमेंट, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 199-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिता ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से

भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9890/फा. सं. 197/117/95-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th October, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2036.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Tagore Society for Rural Development, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9890/F. No. 197/117/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1995

( आयकर )

का. आ. 2037 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंस्टीट्यूट आफ मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों

के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है—;

- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9891/फा. सं. 197/153/89-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th October, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2037.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Marketing and Management, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9891/F. No. 197/153/89-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1995

( आयकर )

फा. आ. 2038 :—आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड ( 23-ग ) के उपखंड ( 4 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्रीमानन्द महिलाश्रम, बम्बई

कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9899/फा. सं. 197/42/95-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 26th October, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2038.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shradhanand Mahilashram, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9899/F. No. 197/42/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2039 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "खेल घर शिशु निवास और शिक्षा केन्द्र, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसे आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9902/फा.सं. 197/123/95-आयकर नि-I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 26th October, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2039.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Khelaghar Sishu Nivas O Shiksha Kendra, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books

1594 GI/96—10.

of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9902/F. No. 197/123/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2040 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनन्द" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9903/फा.सं. 197/122/95-आयकर नि-I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 26th October, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2040.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Rural Management, Anand" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

-(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9903/F. No. 197/122/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1995

(आयकर)

का.प्रा. 2041 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सेन्टर फोर रिसर्च इन रूरल एण्ड इण्डस्ट्रीयल डिवेलपमेंट फण्डिंग" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों की संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9909/फा.सं. 197/127/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd November, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2041.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Centre for Research in Rural and Industrial Development, Chandigarh for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and

maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9909/F. No. 197/127/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1995

(आयकर)

का.प्रा. 2042 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सोसाइटी फोर सर्विस टू वाल्यन्टरी एजेंसिज, पुणे" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9910/फा.सं. 197/127/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2042.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Society for Service to Voluntary Agencies, Pune for

the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9910/F. No. 197/47/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24, नवम्बर, 1995

(आयकर)

का. आ. 2043:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडियन एसोसिएशन आफ पार्लियामेंटीज आन पोपुलेशन एंड डवलपमेंट, नई दिल्ली को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9913/फा. सं. 197/131/94-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 24th November, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2043.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Indian Association of Parliamentaries on Population and Development, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9913/F. No. 197/131/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27, नवम्बर, 1995

(आयकर)

का. आ. 2044:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एसोसिएशन आफ स्टेट रोड ट्रान्सपोर्ट अंडरटेकिंग, नई दिल्ली को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्य

की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हों तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9914/फा. सं. 197/92/95-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 27th November, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2044.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Association of State Road Transport Undertaking, (ASRTU), New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years, 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9914/F. No. 197/92/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1995

( आयकर )

का. आ. 2045 :—आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) धारा 10 के खण्ड ( 23-ग ) के उपखण्ड ( 4 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “जहांगीर आर्ट गैलरी, मुम्बई” को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9915/फा. सं. 197/59/95-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 27th November, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2045.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Jahangir Art Gallery, Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9915/F. No. 197/59/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1995

( आयकर )

का. आ. 2046 :—आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड ( 23-ग ) के उपखंड ( 4 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अग्री “स्माल फार्मर्स बिजनेस कंजोर्टियम, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसको आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग



अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इगली निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिणी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9919/फा. सं. 197/41/95-आयकर नि. -I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th December, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2046.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Small Farmers Agri-Business Consortium, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9919/F. No. 197/41/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2047.— आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंस्टीट्यूट आफ रेल ट्रांसपोर्ट (पंजीकृत) नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिणी इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के

लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

- (ii) कर-निर्धारिणी उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ठग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिणी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9927/फा. सं. 197/175/94-आ. क. नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd December, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2047.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Rail Transport (Regd.) New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9927/F. No. 197/175/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली 27 दिसम्बर, 1995

आयकर

का.आ. 2048.— आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दी सीसाइटी आफ सिस्टर्स बैरिटी आफ मेट डी. कैपिटलियाँ एंड डी. जीरोसा, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए, इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारित उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाष के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9928/फा.सं. 197/88/95-आयकर-नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd December, 1995

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2048.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Society of Sisters of Charity of Saint B. Capitanio and V. Gerosa" Calcutta for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9928/F. No. 197/88/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1995

(आयकर)

क्र.आ. 2049.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "आर्य वैद्यशाला कोट्टाक्कल, केरल" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधेधीन रहते हुए, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए, इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारित उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाष के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9929/फा.सं. 197/135/95-आ.कर नि-I]

आणुतोष चन्द्र, उप सचिव

New Delhi, the 22nd December, 1995

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2049.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arya Vaidya-Sala, Kottakkal, Kerala" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the

objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9929/F. No. 197/135/95-ITA-I]

ASHUTOSH CHANDRA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2050.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “नार्थ जोन कल्चरल सेंटर, पटियाला” को कर निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9934/का.सं. 197/141/95-आ.कर.नि.]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 10th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2050.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies North Zone Cultural Centre, Patiala for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 and 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant

to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9934/F. No. 197/141/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2051.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “नार्थ जोन कल्चरल सेंटर, पटियाला” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9935/का.सं. 197/141/95-आ.क.नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 10th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2051.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies North Zone Cultural Centre, Patiala for the purpose

of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9935/F. No. 197/141/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2052:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “गुरुदेव सिद्ध पीठ, महाराष्ट्र” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9940/फा.सं. 197/50/95-आयकर नि-I]

एच. के. चौधरी, अधर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2052:—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies ‘Gurudev Siddha Peeth’, Maharashtra for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 9940/F. No. 197/50/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2053:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “द ट्रिब्यून ट्रस्ट, चण्डीगढ़” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (iii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा

कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9941/फा.सं. 197/157/95-आयकर नि-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2053.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Tribune Trust", Chandigarh for the purpose of the said sub-clause for the assessment years, 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9941/F. No. 197/157/95-IT-AI]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2054:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री नासिक पंचवटी पंजारपोल, नासिक" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से निम्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्थायिक अंशदान से निम्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9942/फा.सं. 197/161/95-आयकर नि-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2054.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Nasik Panchavati Panjarapole, Nasik", for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9942/F. No. 197/161/95-IT-AI]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1996

(आयकर)

का. आ. 2055 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडिया इन्टर-नेशनल ट्रेड मशीनरी एक्जीबिशन सोसाइटी, बंबई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग

अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9943/फा. सं. 197/146/95-आयकर-नि-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2055.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies India International Trade Machinery Exhibition Society, Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9943/F. No. 197/146/95-IT-AI]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

(आयकर)

का. आ. 2056 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “वेव रक्षण निधि ट्रस्ट, मद्रास” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के

लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

- (ii) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9944/फा. सं. 197/158/95-आयकर-नि-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2056.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Veda Rakshana Nidhi Trust, Madras for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9944/F. No. 197/158/95-IT-AI]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

(आयकर)

का. आ. 2057 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “विवेकानन्द निधि, कलकत्ता” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के

लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

( आयकर )

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9951/फा. सं. 197/2/96-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2057.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Vivakananda Nidhi, Calcutta for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9951/F. No. 197/2/96-IT-AI]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

का. आ. 2058 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजीशियन्स ऑफ इंडिया बंबई” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात् :—

(1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9952/फा. सं. 197/155/95-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2058.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Association of Medical Physicists of India, Bombay” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the

objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9952/F. No. 197/153/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2059 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “विवेकानन्द मिशन आश्रम, पश्चिम बंगाल”, को कर निर्धारण वर्ष 1988-89 से 1990-91 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने हेतु इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9953/फा.सं. 197/160/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2059.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Vivekanand Mission Ashram, West Bengal for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 to 1990-91 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in

any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9953/F. No. 197/160/95-IT-AI]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2060 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “विवेकानन्द मिशन आश्रम, पश्चिम बंगाल” को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने हेतु इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9954/फा.सं. 197/160/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2060.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Vivekanand Mission Ashram, West Bengal for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;



- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9954/F. No. 197/160/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2061. —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "तुतीकोरिन मल्टीपुर्पज सोशल सर्विस सोसाइटी, तुतीकोरिन" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने हेतु इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेल-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9955/फा.सं. 197/144/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2061.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies Tuticorin Multipurpose Social Service Society, Tuticorin for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9955/F. No. 197/144/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2062. —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री परम हंस अश्वेत मत पब्लिकेशन सोसाइटी, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 1997-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेल-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसे आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9957/फा.सं. 197/143/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2062.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Shri Param Hans Advit Mat Publication Society, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9957/F. No. 197/143/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1996

(आयकर)

का.आ.2063:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “मुनिवर आबाद चैरिटेबल ट्रस्ट, बम्बई” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोग-नार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे

कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9958/फा.सं. 197/61/95-आ.क.नि. I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th January, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2063.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Muniwar Abad Charitable Trust, Bombay, for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9958/F. No. 197/61/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2064:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “सेन्टर फोर पब्लिक स्टडीज, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9966/फा.सं. 197/21/96-आय. नि. आई.]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 8th February, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2064.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Public Sector Studies, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9966/F. No. 197/21/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2065:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "नेशनल एसोसिएशन फॉर दि ब्लाइन्ड, बम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा II की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा

तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9967/फा.सं. 197/15/96-आ. कर-नि-आई]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th February, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2065.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Sections 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies National Association for the Blind, Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9967/F. No. 197/15/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 2066:— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "भारतीय विद्या भवन, बम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेरा-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9968/फा.सं. 197/19/96-आ. कर. नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th February, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2066.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9968/F. No. 197/19/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई-दिल्ली, 3 जून, 1996

(आयकर)

का. आ. 2067 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडियन गोल्फ यूनियन, कलकत्ता" को 1994-95 से 1996-97 तक के कर-

निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर उक्त खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन इस प्रकार के संचयन हेतु उक्त खंड (23) द्वारा यथा-संशोधित धारा 11 की उपधारा (2) तथा (3) के उपबंधों के अनुरूप पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (ज्वेरा-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु, जिसे उपर्युक्त खंड (23) के तीसरे परन्तुक के अधीन बोर्ड द्वारा अधिसूचित किया जाए, के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) कर-निर्धारिती अपने सदस्यों को किसी भी तरीके से अपनी आय के किसी भाग का वितरण अपने से संबद्ध किसी एसोसिएशन अथवा संस्थान को अनुदान के अलावा नहीं करेगा; और

(iv) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10101/फा.सं. 196/9/94-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd June, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2067.—In exercise of the powers conferred by clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Indian Golf Union, Calcutta" for the purpose of the said clause for assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, in consonance with the provisions of sub-section (2) and (3) of Section 11 as modified by the said clause (23) for such accumulation wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture or any other article as may be notified by the Board under the third provision to the aforesaid clause (23) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) the assessee will not distribute any part of its income in any manner to its members except as grants to any association or institution affiliated to it; and

- (iv) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10101/F. No. 196/9/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जून, 1996

(आयकर)

का.आ. 2068.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "रत्नागिरि जिला मित्र एसोसिएशन" को 1996-97 से 1998-99 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन इस प्रकार के संचयन हेतु उक्त खंड (23) द्वारा यथा संशोधित धारा 10 की उपधारा (2) तथा (3) के उपबंधों के अनुरूप पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेबर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु, जिसे उपयुक्त खंड (23) के तीसरे परन्तुक के अधीन बोर्ड द्वारा अधिसूचित किया जाए, के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) कर-निर्धारिती अपने सदस्यों को किसी भी तरीके से अपनी आय के किसी भाग का संवितरण अपने से संबद्ध किसी एसोसिएशन अथवा संस्था को अनुदान के अलावा नहीं करेगा; और
- (iv) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10130/फा.सं. 196/4/96-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 25th June, 1996

(INCOME-TAX)

S.O. 2068.—In exercise of the powers conferred by clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), 1594 GI/96—12.

the Central Government hereby notifies the "Ratnagiri Zilla Bridge Association" for the purpose of the said clause for assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, in consonance with the provisions of sub-section (2) and (3) of Section 11 as modified by the said clause (23) for such accumulation wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture or any other article as may be notified by the Board under the third provision to the aforesaid clause (23) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) the assessee will not distribute any part of its income in any manner to its members except as grants to any association or institution affiliated to it; and
- (iv) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10130/F. No. 196/4/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मितम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 2069.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड 5(V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कलकत्ता जोरोस्ट्रियन कम्युनिटीज रिलीजियस एंड चैरिटी फंडस, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेबर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति

के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[प्रति सूचना सं. 9862/फा.सं. 197/107/95-आयकर(न.1)]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 18th September, 1995  
(INCOME-TAX)

S.O. 2069.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Zoroastrian Community's Religious and Charitable Funds, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9862/F. No. 197/107/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 जून, 1996

का.प्र. 2070. — भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/8/96-सी. ग.-8 दिनांक 3-4-96 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री धीरज लाल नाम जी शाह पुत्र, स्व. नान जी शाह प्लेट नं. 204 महवीर 99 लाजपतराय रोड, बिते पाले (पश्चिम) मुंबई 56 को निरुद्ध कर दिया जाए और केन्द्रीय कारागार, पुना (महाराष्ट्र) में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा संसाधनों के संवर्धन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले किसी भी तरह के कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस मुंबई के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/8/96-सी.ग.-8/

प्रकाश चन्द्र, अवसर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 26th June, 1996

S.O. 2070.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F.No. 673/8/96 CUS. VIII dated 3-4-96 under the said sub-section directing that Shri Dhiraj Lal Nanji Shah @ Dhirubhai S/o late Nanji Shah, flat no. 204, Mahavir, 99, Lalpat Raj Road, Vile Parle (West), Mumbai 56 be detained and kept in custody in the Central Prison Pune with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7, of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Mumbai within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/8/96-CUS. VIII]

PRAKASH CHANDRA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 जून, 1996

का.प्र. 2071. — भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/150/95-सी.ग.-8 दिनांक 26-12-95 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री विनोद दीवान, निवासी डी.जी.-11/199-सी, विकासपुरी, नई दिल्ली को निरुद्ध कर दिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा संसाधनों के संवर्धन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले किसी भी तरह के कार्य करने से रोका जा सके।

1. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पुलिस आयुक्त/डायरेक्टर जनरल पुलिस नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[(फा.सं. 673/150/95-सी.ग.-8)]

प्रकाश चन्द्र, अवसर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 26th June, 1996

S.O. 2071.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/150/95-CUS. VIII dated 26-12-95 under the said sub-section directing that Shri Vinod Devan R/O D/G H/199C Vikas Puri, New Delhi, be detained and kept in custody in the Central Prison Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed,

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673 150/95-CUS. VII]  
PRAKASH CHANDRA, Under Secy.

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जून, 1996

का.प्रा. 2072.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता महतारी संघ, नई दिल्ली का जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कार्यकारीयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एस.डू.आर. अधिसूचित करती है।

[संख्या ई-11012/6/96-हिंदी]

राम शिलक पाण्डेय, निदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 17th June, 1996

S.O. 2072—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for official

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 25th June, 1996

S.O. 2073.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (use of official purposes of the Union) Rule 1976, the Central Government hereby notifies the following office of Nehru Yuva Kendra Sangthan the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

S.No.	Nehru Yuva Kendra	State	Region
1.	Nehru Yuva Kendra, Jhansi	Uttar Pradesh	"A"

[F. No. 3-7 96 H.U.]

ASHA SWAROOP, Jt. Secy.

परमाणु ऊर्जा विभाग

मुम्बई, 2 जून, 1996

का.प्रा. 2074.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिवासियों की देखभाल) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के

purposes of the union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the National Co-operative Consumers' Federation of India, New Delhi under the Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution, where more than 80% of the staff have acquired working knowledge of Hindi.

(No. E-11012/6/96-Hindi)

R. T. PANDEY, Director

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 25 जून, 1996

का.प्रा. 2073.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग नियम 10(4) के अनुसरण में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के निम्नलिखित कार्यालय को जिनके कार्यकारीयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:

क्रम. सं०	नेहरू युवा केन्द्र	राज्य	क्षेत्र
1.	नेहरू युवा केन्द्र, जहसी	उत्तर प्रदेश	"क"

[मि. संख्या 3-7/96-हि. ए.]

शाशा स्वरूप, संयुक्त सचिव

सरकारी निर्माण, आवास और पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना का. प्रा. सं. 1899, तारीख 25 मई, 1967 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी के तहत पर निम्नलिखित सारणी

रखी जायेगी अर्थात् :—

सारणी		टिप्पण :- मूल अधिगूचना, अधिगूचना सं. का.आ. 1899, तारीख 25-5-1967 द्वारा सारणी के सारणी में प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसमें निम्नलिखित द्वार संशोधन किया गया :-
अधिकारी का पदनाम	सारणी स्थलों और अधिकारिता को स्थानीय सीमाओं के प्रयोग	
(1)	(2)	
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, निर्माण और सेवा मण्डल, विक्रम साराभाई भवन अणुशक्तिनगर, मुंबई 400094	वृद्धार मन्त्री में परमाणु ऊर्जा विभाग का या उसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान	1. स्वास्थ्य, परिवार योजना, निर्माण, आवास और गृहरी विकास मंत्रालय की अधिगूचना सं. का.आ. 4271 तारीख 17-10-69
	[सं. 5/1/(2)/91-एनएन] एस. कृष्णन, डी. सचिव	2. परमाणु ऊर्जा विभाग की अधिगूचना सं. का.आ. 3433, तारीख 18-12-1974

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Mumbai, the 2nd June, 1996

S.O. 2074.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Works, Housing and Supply S.O. number 1899, dated the 25th May, 1967 namely :—

In the said notification, for the Table, the following Table shall be substituted, namely :—

“TABLE

Designation of the Officer	Categories of Public Premises and local limits of
1	2
Chief Administrative Officer, Construction & Services Group, Vikram Sarabhai Bhavan, Anushaktinagar, Mumbai-400 094.	Premises belonging to or under the administrative control of the Department of Atomic Energy in Greater Mumbai”.

[No. 5/1(2)/92—SS]

S. KRISHNAN, Dy. Secy.

Note :—The original notification was published in the Gazette of India vide notification number SO 1899, dated 25-5-1967 and subsequently amended by :—

- Ministry of Health, Family Planning, Works, Housing and Urban Development, notification number SO 4271, dated 17-10-1969.
- Department of Atomic Energy notification number SO 3433, dated 18-12-1974.



## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.आ. 2075. —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 1347 तारीख 23-4-96 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित किया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार ने निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

विजयपुर-बावरी गैस पाइप लाइन परियोजना

ग्राम : नेपरी तहसील : कैलासम जिला : मुरना

क्रमांक	असरानं.	सर्जें का वह क्षेत्रफल जिसमें आर.आ.पू. अध्यापित किया जाता है (हेक्टेयर में)
01.	1049	00.0210

[नं. एन-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM  
AND NATURAL GAS

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2075.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 1347 dated 23-4-96 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

AND FURTHER whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

AND FURTHER in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## SCHEDULE

## Vijapur-Dadri Gas Pipeline Project

Village : Naipri, Tehsil : Kailasas, Distt. : Morena

Sr. Survey No. No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1. 1049	00.0210

[No. 1-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.आ. 2075. —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 1347 तारीख 23-4-96 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित किया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार में निहित होने के अन्तर्गत भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, वायुणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

विजयपुर-दादरी गैस पाईप लाईन परियोजना

ग्राम : धोंधा तहसील : जौरा जिला : मुरेना

क्रमांक	खसरा नं.	सर्वे का वह क्षेत्रफल जिसमें आर.आ.पू. अध्यापित किया जाता है। (हेक्टेयर)
01.	167	00 0150

[सं. एन-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2076.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 134 Dated 23-4-96 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

AND FURTHER whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

AND FURTHER in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

Vijaipur-Dadri Gas Pipeline Project

Village :	Dhondha	Tehsil :	Jaura	Distt :	Morena
Sr. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare			
01.	167	00.0156			

[No.-L-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.आ.0077:—यतः पेट्रो लिमिटेड और खनिज पाईप लाइन (लूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा की 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार के पेट्रो लिमिटेड एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 1348 तारीख 23-4-96 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में उल्लेख अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित किया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तथाञ्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना के समस्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उल्लेख का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में उल्लेख अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार में निहित होने के अन्तर्गत भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, वायुणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

विजयपुर-दादरी गैस पाईप लाईन परियोजना

ग्राम : धोंधा तहसील : जौरा जिला : मुरेना

क्रमांक	खसरा नं.	सर्वे का वह क्षेत्रफल जिसमें आर.आ.पू. अध्यापित किया जाता है (हेक्टेयर में)
01.	961	00.0630

[सं. एन-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2077.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 1347, dated 23-4-96 under sub-section (1) of section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

AND FURTHER whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

AND FURTHER in exercise of the powers conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

##### Vijaipur-Dadri Gas Pipeline Project

Village : Brijgarhi Tehsil : Jaura Distt : Morena

Sr. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
01.	961	00.0630

[No. L-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

संशोधन

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.प्रा. 2978 .—भारत के राजपत्र दिनांक 28-3-95 के भाग-II—खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के का.प्रा. संख्या 255 (अ), दिनांक 24-3-95 से पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम रक्षेरा तहसील जौरा जिला मुरैना के संबंध में थी, जो निम्नानुसार पढ़ा जाये :—

क्र.सं.	राजपत्र के अनुसार	निम्न संशोधन के अनुसार पढ़ा जाये		
क्र.सं.	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
36.	07	0.7050	04	0.0300
	—	—	08	0.2190
	—	—	09	0.0950
	—	—	10	0.3610
37.	01	01.5432	02	0.0625
	—	—	03	0.1150
	—	—	01	1.3657

[संख्या एल-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th June, 1996

स.प्रा. 2078.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 255(E), dated 24-3-95 published on 28-3-95 under sub section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Rakhera, Tehsil Jaura, Distt. Morena be read as follows:—

As per Gazette		Be read as corrected below		
Sr. No.	No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
36.		00.7050	4	00.0300
		—	8	00.2190
		—	9	00.0950
			10	00.3610
37.		01.5432	2	00.0625
			3	00.1150
		—	1	01.3657

[No. L-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

संशोधन

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.प्रा. 2079 .—भारत के राजपत्र दिनांक 28-3-95 के भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के का.प्रा. संख्या 257 (अ), दिनांक 24-3-95 से पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम बिलीषा, तहसील कैलारम, जिला-मुरैना के संबंध में थी, जो निम्नानुसार पढ़ा जाये।

राजपत्र के अनुसार		निम्न संशोधन के अनुसार पढ़ा जाये		
क्र.सं.	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
21.	131	00.4740	130/1	00.1920
			130/2	00.2820
31.	16	00.3175	16/2	00.0100
			16/3	00.0630
			16/4	00.2445

[संख्या एल-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2079.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 257(E), dated 23-3-95 published on 28-3-95 under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land)

Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Bilauwa, Tehsil Kailaras, Distt. Morena be read as follows:—

As per Gazette			Be read as Corrected below	
Sr. No.	Survey No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
21.	131	00.4740	130/1	00.1920
	—	—	130/2	00.2820
31.	16	00.3175	16/2	00.0100
	—	—	16/3	00.0630
	—	—	16/4	00.2445

[No. L-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

संशोधन

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.घा. 2080. — भारत के राजपत्र दिनांक 28-3-95 के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के का.घा. संख्या 992 दिनांक 24-3-95 से पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम भुरावली तहसील कैलारस जिला मुरैना के संबंध में थी, को निम्नानुसार पढ़ा जाये :—

राजपत्र के अनुसार		निम्न संशोधन के अनुसार पढ़ा जाये	
क्र. सं.	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
08.	50	0.2365	50/1 50/2
			0.2365

[संख्या एल-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2080.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 257(E) dated 24-3-95 published on 28-3-95 under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land)

Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Bhurawali, Tehsil Kailaras, District Morena be read as follows:—

As per Gazette			Be read as corrected below	
Sr. No.	Survey No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
08.	50	0.2365	50/1 50/2	00.2365

[No. L-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

संशोधन

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.घा. 2081. — भारत के राजपत्र दिनांक 28-3-95 के भाग II, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के का.घा. संख्या 256 (अ), दिनांक 24-3-95 से पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 (1) के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम गोपालपुरा, तहसील जोरा, जिला मुरैना के संबंध में थी, को निम्नानुसार पढ़ा जाये —

राजपत्र के अनुसार		निम्न संशोधन के अनुसार पढ़ा जाये	
क्र. सं.	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
6.	417/2	0.1227	417/2
	—	—	418
	—	—	420
	—	—	421
10.	422	0.0936	422
15.	400	0.1439	400
	—	—	399
60	516/1	06.7785	516/1
62.	516/19	0.2355	516/20क
	—	—	516/21ख
	—	—	516/20ख
	—	—	516/21ग

[संख्या एल-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2081.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.No. 256(E) dated 24-3-1995 published on 28-3-95 under sub section (i) of section 6 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition

of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Gopalpura, Tehsil Jaura, District Morena be read as follows :—

As Per Gazettee			Be Read as Corrected Below	
Sr. No.	Survey No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
6.	417/2	0.1227	417/2	0.2670
	—	—	418	
	—	—	420	
	—	—	421	
			Combined survey No.	
10.	422	0.0936	422	
15.	400	0.1439	400	0.1229
	—	—	399	0.0210
60.	516/1	06.7785	516/1	06.1770
62.	516/19	0.2355	516/20 K	0.3020
	—	—	516/21 Kh	0.4490
	—	—	516/20 Kh	0.0210
	—	—	516/21 G	0.1490

[No. L-14016/8/95-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.आ. 2082.—चूँकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है ए.डी.बी. डोम से नीपको पावर प्लान्ट (तृतीय चरण) अगरतला, बिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूँकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उममें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हस्तबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभय नगर, अगरतला-799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइपलाइन परियोजना ए.डी.बी. डोम से नीपको पावर प्लान्ट (तृतीय चरण)

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़ में)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	देब्रीपुर	कोनाबन	893	0.01	
			894	0.16	
			895	0.10	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं०	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा (जारी)	देवीपुर	कोलाबम	898	0.02	
			892	0.02 रोड	
			940	0.20	
			943	0.04	
			945	0.01	
			946	0.01	
			948	0.01	
			758	0.01	
			757	0.01	
			722	0.03	
			721	0.03	
			720	0.04	
			718	0.08	
			717	0.01	
			719	0.10	
			728	0.02	
			653	0.03	
			650	0.05	
			651	0.08	
			648	0.04	
			647	0.02	
			649	0.10	
			713	0.04	
			639	0.10	
			712	0.26	
			711	0.01	
			671	0.08	
			670	0.04	
			672	0.01	
			790	0.04	
			674	0.26	
			675	0.22	
			962	0.32	
			963	0.08	
			978	0.12	
			961	0.02	
			985	0.14	
			984	0.20	
			982	0.02	
			981	0.24	
			980	0.01	
			995	0.16	
			996	0.02	
			997	0.05	
			998	0.07	
			999	0.08	
			1000	0.05	
			1007	0.04	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा (जारी)	देवीपुर	कोनाबन (जारी)	1008	0.05	
			1012	0.08	
			1013	0.22	
			1015	0.10	
			1006	0.01	
			1016	0.01	
			1017	0.01	
			994	0.34	
			993	0.09	
			1076	0.10	
			1077	0.15	
			1078	0.12	
			1079	0.16	
			1080	0.48	
			1090	0.05	
			1081	0.06	
			1075	0.20	
			1086	0.01	
			1088	0.45	
			1320	0.28	
			1319	0.01	
			1318	0.03	
			1317	0.01	
			1167	0.32	
			1361	0.15 रोड़	
			1315	0.20	
			1170	0.10	
			1168	1.10	
			1073	0.03	
			1557	0.01	
			2269	0.01	
			1558	0.12	
			1592	0.22	
			1647	0.04 रोड़	
			2326	0.04 पी. डब्ल्यू. डी.	
			1588	0.06	
			1599	0.02	
			1596	0.32	
			2247	0.08	
			1605	0.09	
			1606	0.08	
			1607	0.03	
			1615	0.04	
			1614	0.08	
			1616	0.02	
			1624	0.01	
			1625	0.08	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	देवीपुर	कोनाबन	1626	0.06	
			1613	0.18	
			1538	0.02	
			1542	0.14	
			1539	0.04	
			1540	0.10	
			1541	0.02	
			1464	0.10	
			1465	0.15	
			2242	0.04	
			1466	0.10	
			1467	0.14	
			1463	0.12	
			1462	0.04	
			1459	0.02	
			1468	0.09	
			1453	0.14	
			1469	0.04	
			1454	0.02	
			1452	0.14	
			1380	0.14	
			1381	0.03	
			1379	0.03	
			1378	0.05	
			1377	0.30	
			1376	0.22	
			1363	0.14	
			1563	0.01	
			1589	0.12	

[सं. एल-14016/03/96-जी पी]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2082.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from A.D.B. DOME to NEEFCO Power Plant (3rd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines

(Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Post Office Abhay Nagar, Agartala-799 005.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal petitionr..



## SCHEDULE

Pipeline Project : ADB DOME to NEEPCO Power Plant (3rd Phase)

Distt.	Tehsil	Village	Plot No.	(Area in Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Tripura	Debipur	Konaban	893	0.01	
			894	0.16	
			895	0.10	
			898	0.02	
			892	0.02	— Road
			940	0.20	
			943	0.04	
			945	0.01	
			946	0.01	
			948	0.01	
			758	0.01	
			757	0.01	
			722	0.03	
			721	0.03	
			720	0.04	
			718	0.08	
			717	0.01	
			719	0.10	
			728	0.02	
			653	0.03	
			650	0.05	
			651	0.08	
			648	0.04	
			647	0.02	
			649	0.10	
			713	0.04	
			639	0.10	
			712	0.26	
			711	0.01	
			671	0.08	
			670	0.04	
			672	0.01	
			790	0.04	
			674	0.26	
			675	2.22	
			962	0.32	
			963	0.08	
			978	0.12	
			961	0.02	
			985	0.14	
			984	0.20	
			982	0.02	
			981	0.24	
			980	0.01	
			995	0.16	
			996	0.02	
			997	0.05	
			998	0.07	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Debipur	Konaban	999	0.08	
			1000	0.05	
			1007	0.04	
			1008	0.05	
			1012	0.08	
			1013	0.22	
			1015	0.10	
			1006	0.01	
			1016	0.01	
			1017	0.01	
			994	0.34	
			993	0.09	
			1076	0.10	
			1077	0.15	
			1078	0.12	
			1079	0.16	
			1080	0.48	
			1090	0.05	
			1081	0.06	
			1075	0.20	
			1086	0.01	
			1088	0.45	
			1320	0.28	
			1319	0.01	
			1318	0.03	
			1317	0.01	
			1167	0.32	
			1361	0.15—Road	
			1315	0.20	
			1170	0.10	
			1168	1.10	
			1073	0.03	
			1557	0.01	
			2269	0.01	
			1558	0.12	
			1592	0.22	
			1647	0.04—Road	
			2326	0.04—PWD	
			1588	0.06	
			1599	0.02	
			1596	0.32	
			2247	0.08	
			1605	0.09	
			1606	0.08	
			1607	0.03	
			1615	0.04	
			1614	0.08	
			1616	0.02	
			1624	0.01	
			1625	0.08	
			1626	0.06	
			1613	0.18	
			1538	0.02	
			1542	0.14	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Debipur	Konaban	1539	0.04	
			1540	0.10	
			1541	0.02	
			1464	0.10	
			1465	0.15	
			2242	0.04	
			1466	0.10	
			1467	0.14	
			1463	0.12	
			1462	0.04	
			1459	0.02	
			1468	0.09	
			1453	0.14	
			1469	0.04	
			1454	0.02	
			1452	0.14	
			1380	0.14	
			1381	0.03	
			1379	0.03	
			1378	0.05	
			1377	0.30	
			1376	0.22	
			1363	0.14	
			1563	0.01	
			1589	0.12	

[No. L-14016/03/96-GP]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.आ. 2083.—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि ए.डी.बी. डोम से नीपको पावर प्लान्ट (तृतीय चरण) अगरतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड पोस्ट ओ. अभयनगर, अगरतला-799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

पाइपलाइन परियोजना : ए. डी. बी. डाम से नीपको पावर प्लान्ट (तृतीय चरण)

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	विक्रम नगर	विक्रम नगर	6062	0.16	
			6061	0.05	
			659	0.05—रोड़	
			658	0.21	
			657	0.22	
			655	0.10	
			656	0.08	
			650	0.10	
			689	0.05	
			651	0.01—नाला	
			652	0.01	
			439	0.04	
			6235	0.02	
			649	0.04	
			691	0.01	
			648	0.04	
			434	0.05—नाला	
			647	0.01	
			440	0.12	
			446	0.10	
			445	0.03	
			447	0.06	
			444	0.01 रोड़	
			449	0.15	
			448	0.01	
			451	0.01	
			453	0.04	
			454	0.08	
			455	0.01	
			450	0.04	
			458	0.11	
			459	0.05	
			460	0.12	
			463	0.01	
			461	0.05	
			462	0.14	
			473	0.13	
			626	0.01	
			475	0.08—नाला	
			474	0.22	
			476	0.05	
			482	0.07	
			483	0.05	

1	2	3	4	5
पश्चिम त्रिपुरा	विक्रम नगर	विक्रम नगर	485	0.06
			487	0.10
			491	0.08
			492	0.09
			496	0.10
			499	0.05
			500	0.03
			501	0.03
			502	0.04
			508	0.10
			512	0.18
			516	0.09
			518	0.12
			519	0.14
			520	0.16
			521	0.02
			524	0.09
			525	0.15
			526	0.02
			527	0.02
			543	0.01—नाला
			528	0.06
			529	0.10
			535	0.01
			534	0.04
			531	0.01
			533	0.06
			552	0.07
			551	0.06
			550	0.10
			6026	0.18
			549	0.02
			560	0.12
			561	0.01

[(सं. एल-14016/03/96-जी.पी.)]

अर्घेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2083.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from A.D.B. DOME to NEFPCO Power Plant (3rd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Sec-1594 GI/96—14

tion 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Post Office Abhay Nagar, Agartala-799 005.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline Project ; ADB DOME to NEEPCO Power Plant (3rd phase)

Distt.	Tehsil	Village	Plot No.	Area (in Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Tripura	Bikramnagar	Bikramnagar	6062	0.16	
			6061	0.05	
			659	0.05	— Road
			658	0.21	
			657	0.22	
			655	0.10	
			656	0.08	
			650	0.10	
			689	0.05	
			651	0.01	— Nala
			652	0.01	
			439	0.04	
			6235	0.02	
			649	0.04	
			691	0.01	
			648	0.04	
			434	0.05	— Nala
			647	0.01	
			440	0.12	
			446	0.10	
			445	0.03	
			447	0.06	
			444	0.01	— Road.
			449	0.15	
			448	0.01	
			451	0.01	
			453	0.04	
			454	0.08	
			455	0.01	
			450	0.04	
			458	0.11	
			459	0.05	
			460	0.12	
			463	0.01	
			461	0.05	
			462	0.14	
			473	0.13	
			626	0.01	
			475	0.08	— Nala
			474	0.22	
			476	0.05	
			482	0.07	
			433	0.05	
			485	0.06	
			487	0.10	
			491	0.08	
			492	0.09	
			496	0.10	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Bikramnagar	Bikramnagar	499	0.05	
			500	0.03	
			501	0.03	
			502	0.04	
			508	0.10	
			512	0.18	
			516	0.09	
			518	0.12	
			519	0.14	
			520	0.16	
			521	0.02	
			524	0.09	
			525	0.15	
			526	0.02	
			527	0.02	
			543	0.01	— Nala.
			528	0.06	
			529	0.10	
			535	0.01	
			534	0.04	
			531	0.01	
			533	0.06	
			552	0.07	
			551	0.06	
			550	0.10	
			6026	0.18	
			549	0.02	
			560	0.12	
			561	0.01	

[No. L-14016/03/96-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का.आ. 2084.—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि ए.डी.बी. डोम से नीपको पावर प्लांट (तृतीय चरण) अग्रतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नोवे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, पोस्ट ओ. अभयनगर, अग्रतला 799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

**अनुसूची**  
**पाइपलाइन परियोजना ए. डी. बी. डेम से तीपको पावर प्लान्ट**  
**(तृतीय चरण)**

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	दिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	तहसिल नगर	पान्दबपुर	6892	0.11	नाला
			6887	0.14	
			6046	0.05	
			6047	0.01	
			6045	0.04	
			6044	0.04	
			6048	0.05	
			6052	0.06	
			6053	0.01	
			8996	0.12	
			6013	0.18	
			5981	0.13	
			5982	0.01	
			5980	0.12	
			5972	0.15	
			5966	0.01	
			5967	0.03	
			5971	0.07	
			5970	0.14	
			5957	0.08	
			5956	0.07	
			9355	0.01	
			5947	0.08	
			5946	0.05	
			5943	0.04	
			5944	0.03	
			5942	0.08	
			5940	0.03	
			5938	0.02	
			5939	0.01	
			5937	0.01	
			5936	0.01	
			5935	0.01	
			5933	0.01	
			5932	0.05	
			5931	0.01	
			5830	0.08	
			5829	0.04	
			5831	0.12	
			5832	0.12	
			5811	0.02	
			5819	0.12	



जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	तहलचन्द्र नगर	पान्छबपुर	5812	0.12	
			5813	0.18	
			5814	0.07	
			5815	0.02	
			5789	0.02	
			5790	0.05	
			8991	0.23	
			5783	0.01	
			5784	0.05	
			5779	0.01	
			5780	0.08	
			5782	0.02	
			5735	0.03	
			5729	0.08	राड
			6234	0.11	
			6232	0.01	
			8712	0.02	
			6235	0.07	
			6236	0.03	
			6237	0.04	नाला
			6346	0.02	
			6244	0.01	
			6347	0.18	
			6345	0.01	
			6351	0.03	
			6352	0.01	
			6350	0.07	
			6358	0.10	
			6359	0.08	
			6362	0.05	
			6516	0.12	
			6517	0.16	
			6518	0.14	
			6500	0.06	नाला
			6501	0.10	
			6499	0.02	
			6363	0.14	
			6364	0.02	
			6365	0.01	
			8826	0.02	
			6377	0.10	
			6376	0.10	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	नहलचन्द्र नगर	पान्डवनगर	6381	0.04	नाला
			6375	0.09	
			6380	0.08	
			6382	0.14	
			6383	0.01	
			6384	0.05	
			6385	0.03	
			6386	0.01	
			6628	0.05	
			6627	0.14	
			6626	0.10	
			6624	0.10	
			6618	0.05	
			6619	0.02	
			6622	0.14	रोड
			6620	0.01	
			6621	0.12	
			6545	0.10	
			6462	0.05	
			6544	0.10	
			6542	0.26	
			8263	0.01	
			6539	0.18	
			6535	0.01	
			6538	0.20	
			8262	0.14	
			6530	0.04	
			6513	0.13	
			6520	0.08	
			6515	0.06	
			3878	0.28	
			3884	0.01	
			3885	0.03	
			3883	0.02	
			3881	0.07	
			3882	0.04	
			8281	0.05	
			3897	0.22	
			3898	0.02	
			3918	0.02	
			3919	0.01	
			3917	0.12	
			3916	0.01	

जिल्हा	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	नहलचन्द्र नगर	पान्डीवपुर	3921	0.12	
			3856	0.04	
			3855	0.04	
			3848	0.02	
			3851	0.04	
			3852	0.01	
			3853	0.02	
			3854	0.10	
			3777	0.04	
			3832	0.01	
			3836	0.01	
			3830	0.10	
			3831	0.04	
			3799	0.02	
			3829	0.01	
			3798	0.05	
			3800	0.12	
			3796	0.01	
			3701	0.14	
			3794	0.01	
			3802	0.04	
			3713	0.04	
			8358	0.01	
			3714	0.05	
			3720	0.02	
			3716	0.04	
			3715	0.04	
			3711	0.06	
			3721	0.01	
			3707	0.02	
			3708	0.01	
			3710	0.05	
			8681	0.04	
			3684	0.08	
			3685	0.10	
			3700	0.01	
			3699	0.01	
			3686	0.15	
			3695	0.01	
			2694	0.22	
			3652	0.04	
			3693	0.01	
			3655	0.05	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	नहल चन्द्र नगर	पान्दवपुर	3656	0.02	
			3654	0.12	
			3584	0.08	
			3585	0.08	
			3586	0.07	
			3587	0.07	
			3579	0.02	
			3577	0.07	
			3578	0.05	
			4436	0.04	माला
			4438	0.18	
			4439	0.02	
			4437	0.01	
			4444	0.10	
			4445	0.09	
			4449	0.12	
			4448	0.18	
			3393	0.22	
			3392	0.02	
			3391	0.08	
			3389	0.10	
			3385	0.20	
			3387	0.25	
			3388	0.01	
			3374	0.10	
			3373	0.10	
			3372	0.06	
			3371	0.07	
			3404	0.13	
			3370	0.01	
			3369	0.12	
			3405	0.02	
			3415	0.04	
			3416	0.02	
			3368	0.16	
			3417	0.01	
			3367	0.15	
			3366	0.02	
			3363	0.05	
			3361	0.04	
			3360	0.04	
			3358	0.10	
			3357	0.10	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	नहल चन्द्र नगर	पान्डवपुर	3356	0.14	
			8884	0.01	
			3353	0.10	
			3352	0.04	
			3424	0.07	
			3348	0.01	
			3346	0.03	नाला
			3341	0.10	
			3345	0.01	
			3342	0.04	
			3338	0.12	
			3339	0.10	
			3337	0.06	
			3336	0.02	
			8553	0.01	
			3335	0.12	
			9064	0.05	
			3333	0.06	
			2670	0.01	
			9065	0.01	
			9066	0.01	
			3328	0.02	
			3330	0.05	
			3329	0.04	
			3327	0.03	
			2671	0.06	
			3322	0.05	
			3321	0.05	
			3320	0.02	
			2672	0.08	
			3318	0.01	
			3319	0.01	
			9068	0.08	
			2673	0.06	
			9069	0.03	रोड (पी. डब्ल्यू. डी.)
			3446	0.03	रोड
			3314	0.20	
			3311	0.02	
			3313	0.01	
			3309	0.10	
			3308	0.06	
			3307	0.20	
			3451	0.01	

[मं. एल-14016/03/96-जी पी]

रविन्द्र सेन, निदेश

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2084.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from A.D.B. DOME to NEEPCO Power Plant (3rd Phase) Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire State pipeline should be paid by the Gas Authority of India Ltd. the schedule annexed hereto.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines

(Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Post Office Abhay Nagar, Agartala-799 005.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline Project : ADB Dome to Neepeco Power Plant (3rd phase)

Distt.	Tehsil	Village	Plot No.	Area (in acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Tripura	Nehal Chandra Nagar.	Pandabpur	6892	0.11	Nala.
			6887	0.14	
			6046	0.05	
			6047	0.01	
			6045	0.04	
			6044	0.04	
			6048	0.05	
			6052	0.06	
			6053	0.01	
			8996	0.12	
			6013	0.18	
			5981	0.13	
			5892	0.01	
			5980	0.12	
			5972	0.15	
			5966	0.01	
			5967	0.03	
			5971	0.07	
			5970	0.14	
			5957	0.08	
			5956	0.07	
			5955	0.01	
			5947	0.08	
			5946	0.05	
			5943	0.04	
			5944	0.03	
			5942	0.08	
			5940	0.03	
			5938	0.02	
			5939	0.01	
			5937	0.01	
			5936	0.01	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Nehal Chandra Nagar	Pandabpur	5935	0.01	
			5933	0.01	
			5932	0.05	
			5931	0.01	
			5830	0.08	
			5829	0.04	
			5831	0.12	
			5832	0.12	
			5811	0.02	
			5819	0.12	
			5812	0.12	
			5813	0.18	
			5814	0.07	
			5815	0.02	
			5789	0.02	
			5790	0.05	
			8991	0.23	
			5783	0.01	
			5784	0.05	
			5779	0.01	
			5780	0.08	
			5782	0.02	
			5735	0.03	
			5729	0.08	— Road.
			6234	0.11	
			6232	0.01	
			8712	0.02	
			6235	0.07	
			6236	0.03	
			6237	0.04	— Nala.
			6246	0.02	
			6244	0.01	
			6347	0.18	
			6345	0.01	
			6351	0.03	
			6352	0.01	
			6350	0.07	
			6358	0.10	
			6359	0.08	
			6362	0.05	
			6516	0.12	
			6517	0.16	
			6518	0.14	
			6500	0.06	— Nala.
			6501	0.10	
			6499	0.02	
			6363	0.14	
			6364	0.02	
			6365	0.04	
			8826	0.02	
			6377	0.10	
			6376	0.10	
			6381	0.04	—Nala.
			6375	0.09	
			6380	0.08	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Nchal Chandranagar	Pandabpur	6382	0.14	
			6383	0.01	
			6384	0.05	
			6385	0.03	
			6386	0.01	
			6628	0.05	
			6627	0.14	
			6626	0.10	
			6624	0.10	
			6618	0.05	
			6619	0.02	
			6622	0.14	
			6620	0.01	
			6621	0.12	
			6545	0.10	
			6462	0.05	
			6544	0.10	
			6542	0.26	
			8263	0.01	
			6539	0.18	
			6535	0.01	
			6538	0.20	
			8262	0.14	
			6530	0.04	— Road.
			6513	0.13	
			6520	0.08	
			6515	0.06	
			3878	0.28	
			3884	0.01	
			3885	0.03	
			3883	0.02	
			3881	0.07	
			3882	0.04	
			8281	0.05	
			3897	0.22	
			3898	0.02	
			3918	0.02	
			3919	0.01	
			3917	0.12	
			3916	0.01	
			3921	0.12	
			3856	0.04	
			3855	0.04	
			3848	0.02	
			3851	0.04	
			3852	0.01	
			3853	0.02	
			3854	0.10	
			3777	0.04	
			3832	0.01	
			3836	0.01	
			3830	0.10	
			3831	0.04	
			3799	0.02	
			3829	0.01	



1	2	3	4	5	6
West Tripura	Nehal Chandranagar	Pandabpur	3798	0.05	
			3800	0.12	
			3796	0.01	
			3801	0.14	
			3794	0.01	
			3802	0.04	
			3713	0.04	
			8358	0.01	
			3714	0.05	
			3720	0.02	
			3716	0.04	
			3715	0.04	
			3711	0.06	
			3721	0.01	
			3707	0.02	
			3708	0.01	
			3710	0.05	
			8681	0.04	
			3684	0.08	
			3685	0.10	
			3700	0.01	
			3699	0.01	
			3686	0.13	
			3695	0.01	
			3694	0.22	
			3652	0.04	
			3693	0.01	
			3655	0.05	
			3656	0.02	
			3654	0.12	
			3584	0.08	
			3585	0.08	
			3586	0.07	
			3587	0.07	
			3579	0.02	
			3577	0.07	
			3578	0.05	
			4436	0.04	— Nala
			4438	0.18	
			4439	0.02	
			4437	0.01	
			4444	0.10	
			4445	0.09	
			4449	0.12	
			4448	0.18	
			3393	0.22	
			3392	0.02	
			3391	0.08	
			3389	0.10	
			3385	0.20	
			3387	0.25	
			3388	0.01	
			3374	0.10	
			3373	0.10	
			3372	0.06	
			3371	0.07	

1	2	3	4	5	6
West Tripura	Nehal char- dramagar	Pandabpur	3404	0.13	
			3370	0.01	
			3369	0.12	
			3405	0.02	
			3415	0.04	
			3416	0.02	
			3368	0.16	
			3417	0.01	
			3367	0.15	
			3366	0.02	
			3363	0.05	
			3361	0.04	
			3360	0.04	
			3358	0.10	
			3357	0.10	
			3356	0.14	
			8884	0.01	
			3353	0.10	
			3352	0.04	
			3424	0.07	
			3348	0.01	
			3346	0.03	Nala
			3341	0.10	
			3345	0.01	
			3342	0.04	
			3338	0.12	
			3339	0.10	
			3337	0.06	
			3336	0.02	
			8553	0.01	
			3335	0.12	
			9064	0.05	
			3333	0.06	
			2670	0.01	
			9065	0.01	
			9066	0.01	
			3328	0.02	
			3330	0.05	
			3329	0.04	
			3327	0.03	
			2671	0.06	
			3322	0.05	
			3321	0.05	
			3320	0.02	
			2672	0.08	
			3318	0.01	
			3319	0.01	
			9068	0.08	
			2673	0.06	
			9069	0.03	— Road (P.W.D.)
			3446	0.03	— Road
			3314	0.20	
			3311	0.02	
			3313	0.01	

	2	3	4	5	6
West Tripura Nehal Chandranagar Panlabpur			3309	0.10	
			3308	0.06	
			3307	0.20	
			3451	0.01	

[No. L-14016/03/96—G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का. आ. 2085 :—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि ए. डी. बी. डोम से नीपको पावर प्लांट (तृतीय चरण) अगरतला, त्रिपुरा राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आक्षेप एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उस भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, जैसे अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, पोस्ट ओ. अभयनगर, अगरतला-799005 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि इसको मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

पाइपलाइन परियोजना ए. डी. बी. डोम से नीपको पावर प्लांट

(तृतीय चरण)

जिला]	तहसील	गांव	प्लान्ट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	मधुपुर	मधुपुर	863	0.10	
			864	0.01	
			867	0.07	
			866	0.07	
			868	0.03	
			912	0.18	
			911	0.10	
			903	0.12	
			902	0.06	
			893	0.02	
			894	0.08	
			895	0.02	
			896	0.01	
			778	0.04	—रोड
			706	0.04	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा-जारी	मधुपुर-जारी	मधुपुर —जारी	704	0.05	
			705	0.12	
			696	0.01	
			695	0.12	
			4329	0.03	
			671	0.02	
			670	0.04	
			4326	0.04	
			676	0.05	
			688	0.05	
			682	0.04	
			684	0.04	
			685	0.01	
			616	0.03	—रोड
			989	0.12	
			988	0.06	
			1072	0.05	
			1073	0.05	
			1071	0.03	
			1001	0.06	
			1002	0.01	
			1013	0.22	
			1023	0.14	
			1522	0.04	
			1021	0.08	
			1020	0.05	
			1029	0.01	
			1019	0.03	
			1744	0.08	
			1745	0.08	
			1747	0.08	
			1761	0.08	
			1762	0.03	
			1764	0.12	
			1765	0.01	
			1766	0.01	
			1767	0.14	
			1790	0.12	
			1785	0.04	
			1786	0.08	
			1784	0.05	
			1859	0.10	
			2488	0.04	—रोड
			1866	0.14	
			1867	0.01	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम बिरुवा-जारी	मधुपुर-जारी	मधुपुर-जारी	2214	0.06	
			2679	0.06	
			2213	0.07	
			2212	0.12	
			2211	0.03	
			2210	0.10	
			2187	0.25	--नावा
			2207	0.10	
			2199	0.05	
			2194	0.14	
			1881	0.01	
			1882	0.01	
			2188	0.18	
			2170	0.05	
			2169	0.04	
			2168	0.03	
			2167	0.03	
			2166	0.07	
			2157	0.02	
			2156	0.06	
			2147	0.10	
			2144	0.06	
			2138	0.05	
			2145	0.04	
			2137	0.07	
			2136	0.07	
			2125	0.02	
			2124	0.08	
			2123	0.10	
			2119	0.03	
			2120	0.12	
			2121	0.04	
			2108	0.07	
			2107	0.04	
			2103	0.14	
			2105	0.01	
			2104	0.01	
			2102	0.10	
			2100	0.08	
			2098	0.12	
			2099	0.01	
			2063	0.14	
			2062	0.01	
			2061	0.22	
			2058	0.12	

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम त्रिपुरा	मधुपुर	मधुपुर	2060	0.01	
			2059	0.05	
			2056	0.12	
			2051	0.17	
			2052	0.04	
			3137	0.16	
			3139	0.10	
			3135	0.22	
			3141	0.01	
			3163	0.40	
			3133	0.45	
			3132	0.01	
			3125	0.25	
			3063	0.12	
			3124	0.22	
			3116	0.16	
			4277	0.05	
			3115	0.05	
			3114	0.16	
			3113	0.14	
			3111	0.01	
			3112	0.12	
			3086	0.14	
			3085	0.15	
			3084	0.54	
			3077	0.03	
			3076	0.04	
			3072	0.03	
			3075	0.25	
			3074	0.40	
			3073	0.06	
			3064	0.04	---रोड
			4258	0.11	
			3065	0.22	
			3071	0.14	
			4029	5.06	
			4026	0.14	
			4024	0.10	
			4022	0.08	
			4018	0.12	
			4017	0.05	
			4016	0.08	
			4015	0.07	
			4014	0.04	
			4013	0.02	
			4031	0.08	---नाला

जिला	तहसील	गांव	प्लॉट नं०	क्षेत्रफल (एकड़)	टिप्पणी
पश्चिम विपरा	मधुपुर	मधुपुर	4048	0.01	
			4066	0.10	
			4065	0.01	
			4067	0.07	
			4068	0.05	
			4069	0.02	
			4070	0.08	
			4071	0.01	
			4072	0.34	
			4075	0.10	
			4076	0.06	
			3889	0.07	
			3390	0.16	
			3891	0.06	
			3892	0.02	
			3894	0.10	
			3893	0.06	
			3897	0.34	
			3898	0.28	
			2907	0.04	
			3917	0.06	--नाला
			3929	0.12	
			3928	0.12	
			3919	0.01	
			3920	0.18	
			3921	0.03	
			3459	0.25	
			3461	0.04	--नाला
			3462	0.16	
			3463	0.03	
			3464	0.13	--रोड
			3457	0.02	--रोड
			3458	0.05	--रोड (पी डब्ल्यू. डी.)
			3465	0.05	
			3466	0.03	
			3472	0.03	
			3473	0.06	--रोड (पी डब्ल्यू. डी.)
			3474	0.04	
			3476	0.06	
			3477	0.02	
			3478	0.02	
			3479	0.18	
			3483	0.03	
			3482	0.04	
			3484	0.05	

1	2	3	4	5	6
पश्चिम त्रिपुरा	मधुपुर	मधुपुर	3490	0.08	
			3489	0.22	
			3487	0.08	—रोड (पी, डलम, डी)
			3486	0.04	—रोड (")
			3488	0.16	
			1000	0.02	
		कैयाधीपा	46	0.12	
			45	0.14	
			42	0.34	
			41	0.26	
			43	0.24	
			56	0.12	
			40	0.13	
			57	0.56	
			61	0.14	
			62	0.02	
			64	0.46	
			65	0.03	
			67	0.02	
			71	0.04	
			72	0.15	
			140	0.02	
			137	0.32	
			13	0.01	
			4832	0.01	
			152	0.14	
			153	0.58	
			154	0.25	
			155	0.03	
			156	0.24	
			157	0.12	
			162	0.18	
			163	0.14	
			164	0.18	
			170	0.14	
			175	0.06	
			176	0.08	
			177	0.10	
			180	0.16	
			182	0.32	
			183	0.12	
			194	0.08	
			195	0.08	
			207	0.01	
			196	0.08	
			198	0.14	
			200	0.06	
			199	0.10	
			4668	0.22	



New Delhi, the 27th June, 1996

(Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

S.O. 2085.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from A.D.B. DOME to NEEPCO Power Plant (Third Phase), Agartala in Tripura State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

PROVIDED THAT any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Post Office Abhay Nagar, Agartala 799 005.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines

## SCHEDULE

Pipeline Project : ADB Dome to Neepeco Power Plant (3rd Phase)

Distt.	Tahsil	Village	Plot No.	Area (in Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Tripura	Madhupur	Madhupur	863	0.10	
			864	0.01	
			867	0.07	
			866	0.07	
			868	0.03	
			912	0.18	
			911	0.10	
			903	0.12	
			902	0.06	
			893	0.02	
			894	0.08	
			895	0.02	
			896	0.01	
			778	0.04	— Road
			706	0.04	
			704	0.05	
			705	0.12	
			696	0.10	
			695	0.12	
			4329	0.03	
			671	0.02	
			670	0.04	
			4326	0.04	
			676	0.05	
			688	0.05	
			682	0.04	
			684	0.04	
			685	0.01	
			616	0.03	— Road.
			989	0.12	
			988	0.06	
			1072	0.05	
			1073	0.05	

1	2	3	4	5	6
West Tripura — (Contd.)	Madhupur	Madhupur	1071	0.03	
			1001	0.06	
			1002	0.01	
			1013	0.22	
			1023	0.14	
			1022	0.04	
			1021	0.08	
			1020	0.05	
			1029	0.01	
			1019	0.03	
			1744	0.08	
			1745	0.08	
			1747	0.08	
			1761	0.08	
			1762	0.03	
			1764	0.12	
			1765	0.01	
			1766	0.01	
			1767	0.14	
			1790	0.12	
			1785	0.05	
			1786	0.08	
			1784	0.05	
			2488	0.04	— Road.
			1859	0.10	
			1866	0.14	
			1867	0.01	
			2214	0.06	
			2674	0.06	
			2213	0.07	
			2212	0.12	
			2211	0.03	
			2210	0.10	
			2187	0.25	— Nala
			2207	0.10	
			2199	0.05	
			2194	0.14	
			1881	0.01	
			1882	0.01	
			2188	0.18	
			2170	0.05	
			2169	0.04	
			2168	0.03	
			2167	0.03	
			2166	0.07	
			2157	0.02	
			2156	0.06	
			2147	0.10	
			2144	0.06	
			2138	0.05	
			2145	0.04	
			2137	0.07	
			2136	0.07	
			2125	0.02	

1	2	3	4	5	6
West Tripura— (Contd.)	Madhupur	Madhupur	2124	0.08	
			2123	0.10	
			2119	0.03	
			2120	0.12	
			2121	0.04	
			2108	0.07	
			2107	0.04	
			2103	0.14	
			2105	0.01	
			2104	0.01	
			2102	0.10	
			2100	0.08	
			2098	0.12	
			2099	0.01	
			2063	0.14	
			2062	0.01	
			2061	0.22	
			2058	0.12	
			2060	0.01	
			2059	0.05	
			2056	0.12	
			2051	0.17	
			2052	0.04	
			3137	0.16	
			3139	0.10	
			3135	0.22	
			3141	0.01	
			3163	0.40	
			3133	0.45	
			3132	0.01	
			3125	0.25	
			3063	0.12	
			3124	0.22	
			3116	0.16	
			4277	0.05	
			3115	0.05	
			3114	0.16	
			3113	0.14	
			3111	0.01	
			3112	0.12	
			3086	0.14	
			3085	0.15	
			3084	0.54	
			3077	0.03	
			3076	0.04	
			3072	0.03	
			3075	0.25	
			3074	0.40	
			3073	0.06	
			3064	0.04	— Road
			4258	0.11	
			3065	0.22	
			3071	0.14	
			4029	0.06	
			4026	0.14	

1	2	3	4	5	6
West Tripura— (Contd.)	Madhupur	Madhupur	4024	0.10	
			4022	0.08	
			4018	0.12	
			4017	0.05	
			4016	0.08	
			4015	0.07	
			4014	0.04	
			4013	0.02	
			4031	0.08	— Nala
			4048	0.01	
			4066	0.10	
			4065	0.01	
			4067	0.07	
			4068	0.05	
			4069	0.02	
			4070	0.08	
			4071	1.01	
			4072	0.34	
			4075	0.10	
			4076	0.06	
			3889	0.07	
			3890	0.16	
			3891	0.06	
			3892	0.02	
			3984	0.10	
			3893	0.06	
			3897	0.34	
			3898	0.28	
			2907	0.04	
			3917	0.06	— Nala
			3929	0.12	
			3928	0.12	
			3919	0.01	
			3920	0.18	
			3921	0.03	
			3459	0.25	
			3461	0.04	— Nala
			3462	0.16	
			3463	0.03	
			3464	0.13	
			3457	0.02	— Road
			3458	0.05	— Road (PWD)
			3465	0.05	
			3466	0.03	
			3472	0.03	
			3473	0.06	— Road (PWD)
			3474	0.04	
			3476	0.06	
			3477	0.02	
			3478	0.02	
			3479	0.18	
			3483	0.03	
			3482	0.04	
			3484	0.05	

1	2	3	4	5	6
West Tripura— (Concl'd.)	Madhupur	Madhupur	3490 3489 3487 3486 3488 1000 Kiayadhegpa 46 45 42 41 43 56 40 57 61 62 64 65 67 71 72 140 137 13 4832 152 153 154 155 156 157 162 163 164 170 175 176 177 180 182 183 194 195 207 196 198 200 199 4668	0.08 0.22 0.08 0.04 0.16 0.02 0.12 0.14 0.34 0.26 0.24 0.12 0.13 0.56 0.44 0.02 0.46 0.03 0.02 0.04 0.15 0.02 0.32 0.01 0.01 0.14 0.58 0.25 0.03 0.24 0.12 0.18 0.14 0.18 0.14 0.06 0.08 0.10 0.16 0.32 0.12 0.08 0.08 0.01 0.08 0.14 0.06 0.10 0.22	— Road (PWD) — Road (PWD)

[No. L-14016/03/96—G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1996

का. आ. 2086:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3328 तारीख 21-11-94 और का. आ. सं. 3206 तारीख 01-12-95 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय रीलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड में, सभी बाधाओं से मुक्त में रूप घोषणा प्रकाशन की हम तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

लेन्ड फॉल पोइन्ट सुवाली से रीलायन्स इन्डस्ट्रीज लि. हज़िरा प्रोजेक्ट, सूरत तक पाईपलाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : सूरत तालुक : चोर्यासी

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टर	आरे	प्रतिआरे
1	2	3	4	5
सुवाली	63	00	25	29
	67	00	34	20
	68	00	62	20
	76/ए/1/1/ए	02	72	00
	76/ए/1/1/पी	00	14	00

1	2	3	4	5
	76/ए/1/1/पी	00	48	00
	76/ए/1/1/ + 176/बी/1	00	16	48
	466/ए	00	15	00
	498/पी	02	24	40

[सं. ओ.—12016/4(i)/94-ओ. एन. जी. डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9 July, 1996

S.O.2086.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3328 dated 21-11-94 and amendment Notification S.O. No. 3206 dated 1-12-95 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1952 (5) of 1962 the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ; And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Reliance Industries Ltd. free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Land fall Point Suvali to Reliance Industries Ltd., Hazira Project, Surat.

State : Gujarat District : Surat Taluka : Choryasi

Village	Survey No	H.	Are.	prat Are.
Suvali	63	00	25	29
	67	00	34	20
	68	00	62	20
	76/A/1/1/A	02	72	00
	76/A/1/1/P	00	14	00
	76/A/1/1/1/P	00	48	00
	76/A/1/1/1-176/B/1	00	16	48
	446/A	00	15	00
	498/P	02	24	40

[No. O-12016/4(i)/94-ONG/D-4]

M. MARTIN, Desk Officer

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 जून, 1996

का.पा. 2087.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबन्धों के अनुवर्ण में, डा.एस.एन. देशमुख, सदस्य, आयुर्विज्ञान संकाय, मुम्बई विश्वविद्यालय को मुम्बई विश्वविद्यालय की बोर्ड द्वारा 14 मार्च, 1996 से 18 जुलाई, 1999 तक भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग और परिवार कल्याण मंत्रालय को अधिसूचना सं. का.पा. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित” शीर्षक के अधीन, क्रम सं. 7 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित सम सं. और प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात् :—

“7. डा.एस.एन. देशमुख                      मुम्बई विश्वविद्यालय”  
सदस्य,  
आयुर्विज्ञान संकाय,  
मुम्बई विश्वविद्यालय,  
मुम्बई ।

[सं. बी-11013/9/96-एम.ई. (यू.जी.)]

आर. राममूर्ति, डेप्ट. अधिकारी

टिप्पण :— मूल अधिसूचना, अधिसूचना सं. का.पा 138, तारीख 9 जनवरी, 60 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

(1) अधिसूचना सं.                      भारतीय

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY  
WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 24th June, 1996

S.O. 2087.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of Section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. S. N. Deshmukh, Member, Faculty of Medicine, University of Bombay, has been elected by the Senate of the University of Bombay to be a member of the Medical Council of India with effect from 14th March, 1996 to 18th July, 1999.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare number S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of Section 3”, for serial number 7 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

“7. Dr. S. N. Deshmukh, University of Bombay”  
Member.  
Faculty of Medicine,  
University of Bombay,  
Mumbai.

[No. V. 11013/9/96-ME(UG)]

R. RAMAMURTHY, Desk Officer

Note :—The principal notification was published in the Gazette of India vide notification number S.O. 138, dated the 9th January, 1960.

आदेश

नई दिल्ली, 14 जून, 1996

का.पा. 2088.—भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, (स्वास्थ्य विभाग) को अधिसूचना सं. बी-11016/5/95-एम.ई. (यू.जी.), दिनांक 13 जून, 1996 के संदर्भ में, जिसके तहत सेंट जार्ज यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा प्रदान की गई एम.बी. आयुर्विज्ञान अर्हता को भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रावधानों के लिये मान्यता प्रदान की गई है, भारत सरकार, धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है कि अनुरोधित नागरिक डा. राहुल मलहोत्रा जो उक्त अर्हता रखते हैं, का ईम्प्लॉय्ड और मलहोत्रा हाई इम्प्लॉय्ड एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर, प्राइवेट लिमिटेड 40, रिंग रोड, लाजपत नगर IV, नई दिल्ली में चिकित्सा व्यवसाय इस आदेश की तारीख से एक वर्ष का प्रयोग तक अथवा जब तक डा. राहुल मलहोत्रा अध्ययन, अनुसंधान अथवा पूर्ण कार्य के प्रयोजन हेतु उक्त संस्थान में कार्य करना जारी रखते हैं, जो भी कम हो, मितित होगा ।

[सं. बी-11016/5/95-एम.ई. (यू.जी.)]

एम.के. मिश्रा, डेप्ट. अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 14th June, 1996

S.O. 2088.—With reference to the notification of the Government of India, Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. V. 11016/5/95-ME(UG), dated the 13th June, 1996, according recognition of the medical qualification M.D. granted by the St. George's University School of Medicine, Grenada, West Indies for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 56), the Central Government, in exercise of the powers conferred by proviso to sub-section (1) of section 14, directs that the medical practice by Dr. Rahul Malhotra, an American citizen, possessing the said qualification, shall be limited to the institution of Malhotra Heart Institute and Medical Research Centre, Private Limited, 40, Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi for

a period of one year with effect from the date of this Order or so long as Dr. Rahul Malhotra continues to work in the said institution for purposes of teaching, research or charitable work, whichever is shorter.

[No. V. 11016/5/95-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 13 जून, 1996

का.आ. 2089.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श के पश्चात् यह निर्देश देती है कि "सन्ट जार्ज यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मेडीसिन, ग्रेनेडा, वेस्ट इंडीज द्वार। प्रदान की गई एम.डी. आयुर्विज्ञान अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता होगी।

[सं.वी.-11016/5/95-एमई(यूजी)]

एम.के. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th June, 1996

S.O. 2089.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the medical qualification M.D. granted by the St. George's University School of Medicine, Grenada, West Indies shall be a recognised medical qualification for the purposes of the said Act.

[No. V. 11016/5/95-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

अन्तरिक्ष विभाग

नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का.आ. 2090.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में अन्तरिक्ष विभाग के निम्नलिखित कार्यालय, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है:

इव नोदन प्रणाली केन्द्र

बलियावाला आकषर

तिरुवनन्तपुरम-695547

[सं. 13(41)/96-अ.वि.]

रतन लाल, अवर सचिव

DEPARTMENT OF SPACE

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2090.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central

Government hereby notifies the following office of the Department of Space, whereof more than 80 per cent of the staff have acquired the working knowledge of Hindi :

Liquid Propulsion Systems Centre, Valimala  
P.O., Thiruvananthapuram-695547.

[No. 13(41)/96-DS]

RATTAN LAL, Under Secy.

अरम संस्थालय

नई दिल्ली, 10 जून, 1996

का.आ. 2091.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मध्य रेल के प्रबन्धन के संबंध निवोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 5-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-41012/96/91-आईआरबीआई]

पी.जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th June, 1996

S.O. 2091.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway and their workman, which was received by the Central Government on the 5-6-1996.

[No. L-41012/96/91-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer  
ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING  
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT IN-  
DUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR  
COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 109 of 1992

In the matter of dispute between :

Sri Surendra Singh,

President,

Rashtriya Chaturth Shreni Rail Mazdoor  
Congress,

4 Hirapura Nagra,  
Jhansi.

AND

Divisional Railway Manager (P),  
Central Railway,  
Jhansi.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour,  
New Delhi vide its notification No. L-41012/96-



91-I.R.(D.U.) dt. 7-9-92 has referred the following dispute for adjudication :

Whether the action of the management of Central Railway Jhansi in not employing on compassionate grounds Sri Kalicharan, son of Sri Tulsi, ex-employee of Central Railways (retired on medical grounds and not paying Sri Tulsi his dues is legal and justified? If not, what relief the workman are entitled to?

2. Tulsi was the father of the applicant Kalicharan. He worked as R.R. Bearer for 30 years. On 20-12-82, his medical examination took place in which he was declared medically unfit. His services were brought to an end. Thereafter, his son Kalicharan has claimed appointment in place of his father on compassionate ground in view of letter No. 11/85-AC-1/46 dated 28-2-86, but he was not taken in service on the ground that his date of birth was 12-8-85. In other words, he was not eligible, being underage. It is alleged that in 1983, he had become 18 years old as such he was entitled for appointment on compassionate ground.

3. Railway has not filed written statement inspite of sufficient service. The applicant has filed his affidavit.

4. From the pleadings of the applicant it becomes clear that the applicant was not given job as he was underage at the material time. In my opinion that he was not 18 years when claim was staked. Proper course was to have filed school leaving certificate or birth certificate from Municipal Board or Gram Panchayat etc. In the absence of these material, in my opinion, the case of the applicant is not proved that he was agewise eligible at the time of his claim for appointment in place of his father. In this way first part of the reference is answered against the applicant and he will not be entitled for any relief.

5. As regards the claim for dues of Tulsi nothing has been pleaded nor proved, hence this part of the reference is also answered against the applicant. Consequently, it is held that the applicant is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Date : 21-5-1996.

नई दिल्ली, 10 जून, 1996

का.प्र. 2092.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रसूचन में, केन्द्रीय सरकार राज्य रेलवे के प्रबंधकत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-41011/44/92-आईआर की आई]

पी. जे. माइकल, ईएफ अधिकारी

New Delhi, the 10th June, 1996

S.O. 2092.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, and their workman, which was received by the Central Government on the 5-6-1996.

[No. L-41011/44/92-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 99 of 1993

In the matter of dispute between :

PRESIDENT

Rashtriya Chaturth Shreni Rail Mazdoor Congress (INTUC),  
2/236 Namneir Agra.

AND

Divisional Railway Manager,  
Central Railway Jhansi.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its notification No. L-41011/44/92-I.R. (DU) dated 25-11-1993, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Kya Chaturth Shreni Rail Mazdoor Congress (Intuc) Agra dwara Sri Sunder Singh Putra Sardar Singh MRCL Runkuta Rly. Station ko dinank 29-7-89 se bait-haki ke wetan ke sath yathawat sewa me lete huyein use niymit karne ke mang uchit avam vaidya hai? Yedi nahi to karmkar kis rahat ko pane ka haq-dar hai?

2. In his claim statement the concerned workman has alleged that he was appointed as M.R. C.L. Khalasi from 19-12-78 and continued to work upto 12-3-80 thefreby completing more than 120 days. In this way he had acququired temporary status. Consequently his medical examination was also taken place but subsequently his services were brought to an end w.e.f. 29-2-89 without any ryhm and reason which is bad in law as his services could not be terminated without any inquiry or without compliance of provisions of Sec. 25F I.D. Act.

3. The opposite party has failed to put in appearance inspite of sufficient service.

4. In support of his case, the concerned workman has filed his affidavit which has been supported by his service card as well.

5. As there is no rebuttal, I have no hesitation in accepting the same. From this evidence, the case of the concerned workman has been proved to the hilt.

6. Hence, my award is that termination of Sunder Singh w.e.f. 21-7-89 is bad in law. As such he is entitled for reinstatement with back wages.

21-5-1996

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 जून, 1996

क्र.सं. 2093- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वये, केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित और उनके तत्कालीन के बीच, अन्तर्गत में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, कानपुर के पंचपट को प्रभावित करता है, जो केन्द्रीय सरकार का 5-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[न. एन-41012/134/92-आई]

प. ज. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th June, 1996

S.O. 2093.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, and their workman, which was received by the Central Government on 5-6-1996.

[No. L-41012/134/92-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 98 of 1993

In the matter of dispute between :

#### PRESIDENT

Rashtriya Chaturth Shreni Rail Mazdoor Congress,  
4 Hirapura Nagra,  
Jhansi.

#### AND

Executive Engineer (V & M),  
Central Railway,  
Jhansi.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-41012/134/92-I.R., (D.U.) dated 25-11-1993, has referred the following disputes for adjudication to this Tribunal:—

Whether the action of the Executive Engg. (W&P) Central Railway Manmad and Asstt. Engg. (P&F) Central Railway Jhansi in terminating the services of Sri Mani Ram S/o Sri Ganga Ram is legal, proper and justified if not to what relief the workman was entitled to?

2. Earlier in I.D. Case No. 94/88 my learned predecessor had given an award on 5-2-92 in favour of the present concerned workman Maniram regarding his illegal termination of services against the opposite party Central Railway. In the award the name of father of Maniram was mentioned as Janki Dass. On the basis of this award the concerned workman was taken in service on 7-7-92. Therein the concerned workman had mentioned his father's name as Gangadin. Finding variance in the father's name of Maniram the opposite party dispensed with the services of the concerned workman by order dated 31-7-92. Feeling aggrieved by this termination the concerned workman had again sought this reference. In the claim statement it has been alleged that the correct name of his father is Gangadin and because of typing error his father name was wrongly typed as Janki-das. Thus there was no dispute regarding identity of the concerned workman. Hence his termination on this score was wrong.

The opposite party has filed reply in which it is alleged that the concerned workman had obtained appointment on the basis of fake service card. Any how he was reinstated as per order of the award. It has not specifically disputed that father's name of Mani Ram was wrongly typed in the previous proceedings. To be precised the Central Railway has not set up any case regarding the name of concerned workman that his father's name was wrongly typed as Janki Dass in the previous award whereas correct name of his father is Ganga Din.

4. In support of his version the concerned workman has filed his affidavit. There is no counter affidavit. Further as has been observed earlier the railway has not specifically denied that the correct name of the father of the concerned workman is Gangadin. It is also not the case of the opposite party railway that there is actually any workman by the name of Maniram son of Janki Dass. In

ts absence I am of the view that the correct name of the father of the concerned workman is Ganga lin and it has been wrongly typed as Jankidass. As such on the basis of all this the termination of the concerned workman is not justified.

5. Hence, my award is that his termination of the concerned workman is not justified as such he is entitled for reinstatement.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 जून, 1996

का.पा. 2094.—प्रयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंदोर के प्रबंधक के संबंध विवादों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट प्रयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रयोगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को, 17-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल 13012/166/88-इएआरआई]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th June, 1996

S.O. 2094.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workman, which was received by the Central Government on 17-6-1996.

[No. L-12012/166/88-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR  
COURT, JABALPUR (M.P.)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(61)/1989

#### BETWEEN

Shri Kailash Prasad Namdeo S/o Sh. Jayram-  
das Ramdeo, R/o Baragarh Kala, Distt.  
Bhopal (M.P.).

#### AND

The Regional Manager, II, State Bank of  
Indore, Zonal Officer, Reer House, 4,  
Maharana Pratap Nagar II, Bhopal  
(M.P.)-462 006.

#### PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy

#### APPEARANCES :

For Workman—Shri A. S. Gaharwar, Advoca-  
cate

For Management—Shri Pethia, Advocate

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Bhopal  
(M.P.)

#### AWARD

Dated, March, 12th, 1996

This is a reference made by the Central Govern-  
ment, Ministry of Labour, New Delhi, vide its  
Notification No. L-12012/(166)/86-D.III(A),  
dated Nil (received on 16-3-89) for adjudication  
of the following industrial dispute :—

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of  
State Bank of Indore, Bhopal (M.P.) in  
not considering Shri Kailash Prasad  
Namdeo, Waterman, Ex-temporary em-  
ployee for further employment while re-  
cruiting fresh hands in violation of Sec-  
tion 25-H of the I.D. Act is (justified ?  
If not, to what relief, is the concerned  
workman entitled to ?"

2. The case of the workman is that he was per-  
manently appointed as a Peon w.e.f. 2-5-83; that  
the services of the workman was terminated with  
effect from 27-7-87 without giving him the retren-  
chment compensation or the notice & without com-  
plying with the provisions of first come last go.  
Workman has claimed reinstatement with back  
wages.

3. The case of the management is that the work-  
man was appointed on temporary basis to sprinkle  
the water on Khas-taties for summer season only;  
that the workman was a daily wage employee and  
he has not worked for 240 days in a calendar year;  
that the workman was appointed temporarily for  
temporary work and as such his termination is not  
illegal.

4. Terms of reference was made the issue in the  
case.

5. Workman has not examined any witness.  
Workman has failed to prove that he has continu-  
ously worked for 240 days in a calendar year.

6. Consequently, it is not proved that the termi-  
nation of the service of the workman was unjusti-  
fied and it also not proved that the management  
has violated the provisions of Section 25-H of the  
I.D. Act. Reference is answered in favour of the  
management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 जून, 1996

का.पा. 2095:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार छत्रसाल ग्रामिन बैंक के प्रबंधन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल 12012/99/94 आईआरबीआई]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th June, 1996

S.O. 2095.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chatrasal Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on the 17-6-96.

[No. L-12012/99/94-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 119 of 1995

Harkishan,  
C/o B. P. Saxena,  
426-W-11, Basant Bihar, Kanpur

AND

Chairman,  
Chatrasal Gramin Bank,  
Rath Road, Orai.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. 12012/99/94-I.R.(B-D), dated 20-10-95, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Kya Prabandhtantra Chatrasal Gramin Bank Orai dwara Sri Harkishan Messenger ko dinank 30-8-86 se sewa se nishkashit karna nyayoshit hai ? Ydi nahi to sambindhit karamkar kis anutosh ka hakdar hai ?”

2. In spite of repeated opportunities, having been given to the concerned workman, he neither filed any claim statement nor put in appearance in the

Tribunal. It appears that he is not interested in the case.

3. Hence my answer to the reference is in the affirmative and against the concerned workman want of proof. He is not entitled to my relief.

4. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 जून, 1996

का.पा. 2096:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कोटा, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41011/18/90-आईआरबीआई]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th June, 1996

S.O. 2096.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kota as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, and their workman, which was received by the Central Government on the 17-6-96.

[No. L-41011/18/90-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

## अनुबंध

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय) कोटा/राज.

निर्देश प्रकरण क्रमांक : औ.न्या. (केन्द्रीय)-9/94

दिनांक स्थापित : 28-9-94

प्रसंग : भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के

आदेश क्रमांक एल-41011/18/90/आई.आर.

(डी.यू.) दि. 21-10-90

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

## मध्य

डिविजनल सैफ्टरी, पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद्  
भीमगंज मण्डी, कोटा।

—प्रार्थी यूनियन

## एवं

डिविजनल रेलवे मैनेजर, पश्चिम रेलवे, कोटा।

प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थिति :

श्री आर.के. चाचान, आर.एच.जे.एस.

प्रार्थी यूनियन की ओर से प्रतिनिधि : श्री ए.डी. ग़ोबर  
प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से : श्री सी.एम. शर्मा, एल.ए.

अधिनिर्णय दिनांक : 9/4/96

: अधिनिर्णय :

सूची का दि. 3/7/95 को प्रकाशन किया है जिसको भी पेश किया है।

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (जिसे तदुपरान्त "अधिनियम" से सम्बोधित किया जावेगा) की धारा 10(1) (घ) व उपधारा (2-क) के तहत निम्न निर्देश पूर्व में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली को अधिनिर्णयार्थ सम्प्रेषित किया गया था जो निम्न प्रकार है:—

"Whether the action of Division Railway Manager Western Railway Kota in not changing the designation of all SPAs of electrical department as electrical fitter (Pump) w.e.f. 1-8-78 and not merging their seniority with the ELF from said date is justified? If not to what relief the workmen are entitled to?"

2. यह निर्देश प्रकरण, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय के आदेश क्रमांक एल-41011/11/87-डी/II (डी) दिनांक 20-7-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली से स्थानान्तरित होकर दिनांक 28-9-94 को प्राप्त हुआ जिसे दर्ज रजिस्टर कर न्यायाधिकरण द्वारा पक्षकारों को सूचना भिजवाई गई जिन पर दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी उपस्थिति न्यायाधिकरण में दी।

3. प्रार्थी यूनियन की ओर से प्रस्तुत क्लेम स्टेटमेंट के अनुसार संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि रेलवे बोर्ड के पत्र दि. 13-11-82, 1-12-82 एवं 15-12-82 के अन्तर्गत विद्युत विभाग के एस.पी.एज. का पदनाम व वेतन श्रृंखला ई.एल.एफ. (पम्प) के तनौर परिवर्तित नहीं की गयी व न ही इनकी वरिष्ठता सूची उक्त आदेशों के अनुसार बनायी गयी जिससे प्रार्थीगण की पदोन्नति नहीं हो पा रही है एवं उनसे कनिष्ठ पदोन्नत हो रहे हैं। इस प्रकार की विसंगति को अन्य जोन दूर कर चुके हैं परन्तु प्रतिपक्षी नियोजक द्वारा इस प्रकार की विसंगति को दूर करने हुए वरिष्ठता सूची एवं पदोन्नति का पुनर्निर्धारण नहीं किया गया है, अतः उक्त प्राथना अनुसार आदेश दिया जाये।

4. प्रतिपक्षी नियोजक के अपने जवाब में यह अंकित किया है कि रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13-11-82 के अनुसार केवल मौखिक लाभ दिया गया है, अन्य पदोन्नति के लिए ट्रेड टेस्ट पास करने के बाद ही पदोन्नति दी जाएगी। जितने भी एस. पी.एज. ट्रेड टेस्ट के अनुसार योग्य थे उन्हें ई. एल.एफ. ग्रेड-III, II व I दिया जा चुका है, अतः जिसने ट्रेड टेस्ट पास नहीं किया है उन्हें ही पदोन्नति नहीं दी गयी है इसलिए प्रार्थीगण का क्लेम खारिज किया जावे।

5. प्रतिपक्षी ने अपनी साक्ष्य में इसी बिन्दु पर केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, नई दिल्ली द्वारा दिये गये निर्णय दिनांक 10-5-94 की फाँटप्राप्ति प्रस्तुत की है एवं उसी के अनुसार प्रतिपक्षी ने एस.पी.एज./विद्युत फिटर की वरिष्ठता

6. प्रार्थी पक्ष की ओर से कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गयी। बहस अन्तिम सुनी गयी व पदोन्नति का अवलोकन किया गया।

7. चूंकि प्रार्थी पक्ष की ओर से अपने क्लेम व बहस की साईद में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गयी है व इसके विपरीत प्रतिपक्षी की ओर से इसी सन्दर्भ में केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, नई दिल्ली द्वारा दिये गये निर्णय दिनांक 10-5-94 व वरिष्ठता सूची दिनांक 3-7-95 उसी निर्णय के अनुरूप प्रतिपक्षी द्वारा जारी की गयी प्रस्तुत की गयी है, अतः ऐसी स्थिति में प्रार्थी पक्ष अपना क्लेम साबित नहीं कर पाये हैं। अन्ततः प्रार्थी पक्ष इस प्रकरण में कोई राहत प्राप्त करने के अधिकारी नहीं पाये जाते और भारत सरकार, श्रम मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा सम्प्रेषित निर्देश को इसी प्रकार उत्तरित किया जाता है।

इस अधिनिर्णय को समुचित सरकार को नियमाुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जावे।

आर. के. चाचान, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 17 जून, 1996

का.आ.2097.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17/6/96 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल-12012/186/91-आईआरबीआई]

पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th June, 1996

S.O. 2097.—In pursuance of Section 11 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI and their workman, which was received by the Central Government on the 17-6-1996.

[No. L-12012/186/91-I R B I]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL—I  
AT HYDERABAD

## PRESENT :

Sri A. Hanumanthu, M.A., LL.B., Industrial  
Tribunal-I

Dated : 20th day of April, 199

INDUSTRIAL DISPUTE No. 36 OF 1993  
BETWEENThe General Secretary, State Bank  
Employees Union, Peddibhattavari Street,  
Vijayawada—500002. .. PETITIONER

## AND

The Regional Manager, Region-II,  
State Bank of India, Zonal Office,  
Tirupathi 517501. .. RESPONDENT

## APPEARANCES :

M/s. C. Suryanarayana, R. Yogender Singh &  
N.R. Srinivasan, Advocate for the Petitioner  
Sri B.G. Ravinder Reddy, Advocate for the  
Respondent.

## AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/186/91-IR.B.III, Dt. 5-10-1993 under Section 10(1) (d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called as the Act) for adjudication of the Industrial Dispute annexed in its Schedule which reads as follows :—

"Whether the action of the management of State Bank of India in terminating the services of Sri R. Sivakumar w.e.f. 6-2-1990 is legal and justified ? If so, to what relief the workman is entitled to ?"

This reference has been registered as Industrial Dispute No. 36 of 1993 on the file of this Tribunal. After receipt of notices issued to them, the parties have put in their appearance through their counsel.

The facts leading for making this reference are as follows : Sri R. Sivakumar, workman under this reference, was appointed as Cashier-cum-Clerk in the Respondent-Bank i.e. State Bank of India on 11-8-1982 under Ex. W1 and he was posted to work in Kaligiri Branch. He was confirmed in the Bank's Service w.e.f. 11-2-1983 under Ex. W2. He was served with the order dt. 19-7-1984 terminating his services with immediate effect in accordance with Para 522(1) of Sastry Award by making payment of three months' wages in lieu of termination notice. The workman challenged that order through W. P. No. 11880/84 on the file of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh. The Hon'ble High Court granted interim direction under Ex. W3 to continue the workman in service pending disposal of that Writ Petition. subsequently that Writ Petition was finally disposed of on 14-4-1988 and the impugned order of termination

of the workman was quashed as illegal and in violation of principles of natural justice, as no charge sheet was issued and no enquiry was conducted before terminating his services. While disposing of that Writ Petition, the Hon'ble High Court gave liberty to the Respondent Bank to initiate disciplinary action against the workman for the alleged misconduct. Accordingly, the Respondent Bank initiated disciplinary proceedings by issuing charge sheet dt. 27-5-1988 (Ex. M1) against the workman alleging that the workman made entry into Respondent Bank service by suppressing the facts deliberately about his previous employment in the State Bank of Hyderabad which discharged him for misconduct, in the bio-data Form dt. 22-2-1982 and also in the attestation form dt. 18-8-1992 and it amounts to misconduct in terms of the para 522(4)(f) of Sastry Award read with para 18.28 of Desai Award. The workman submitted his explanation to the said charge sheet under Exs. M2 and M3. The Management not satisfied with the explanation submitted by the workman, initiated enquiry and appointed Sri J. Shyam Rao, Officer, SBI Nellore Town as the Enquiry Officer by its Order Ex. M4 dt. 23-7-1988. The Management also appointed one Sri T.R. Rama Rao as the Presenting Officer. Ex. M7 is the domestic enquiry Proceedings. During the domestic enquiry, no oral evidence was adduced, but eight documents were marked on behalf of the Management. Ex. M6 are the documents filed on behalf of the Management. No evidence was adduced on behalf of the workman. On a consideration of the said documents and after hearing the representative of the workman and the presenting Officer, the Enquiry Officer submitted his enquiry report Ex. M8 holding that the charges levelled against the workman are proved. Thereafter the Management issued second show cause notice Ex. M9 proposing the punishment of dismissal from service. Personal hearing was also given to the workman. Thereafter the Regional Manager by his order Ex. M12 dt. 17-1-1990 imposed the punishment of dismissal from Bank's Service on the workman. The appeal preferred by the workman to the Deputy General Manager was also dismissed on 14-8-1990 under Ex. M17. Thereafter the workman raised a dispute before the Assistant Commissioner of Labour (Central) Vijayawada. The conciliation efforts failed and the Assistant Labour Commissioner submitted his failure report to the Government of India and it resulted in making this reference.

3. On behalf of the Petitioner-workman a claim statement has been filed alleging that during the course of domestic enquiry, the principles of natural justice were grossly violated, that the Enquiry Officer had relied on un-attested documents which are of no value, that the punishment of dismissal imposed on the workman is not based on any evidence and it was imposed because of bias and prejudicial against the workman, that the order of disciplinary and Appellate Authorities are perverse, that the Management is relying on pseudonymus complain and the workman prays to set aside the order of dismissal and to reinstate him into service with back wages and other consequential benefits.

4. On behalf of the Respondent-Management a counter has been filed to the following effect. In November, 1983 it came to the notice of the Respondent-Bank that the workman R. Sivakumar had earlier worked in State Bank of Hyderabad, where from he was discharged on 10-8-1982 on being found guilty of charges of tampering with the currency note packets and misappropriating an amount of Rs. 3,500.00. The fact of his earlier appointment in the State Bank of Hyderabad and the reasons for leaving it were not mentioned by him as required in the application submitted to the Respondent-Bank for appointment. Thus the workman secured a job in the Respondent Bank by not disclosing full information about himself. The workman was given full and fair opportunity during the course of domestic enquiry as per the principles of natural justice and he was permitted to represent his case by a co-employee Sri G. Sheshagiri Rao. The Enquiry Officer submitted his findings to the Respondent. The Respondent has gone through the entire records and proceedings and applied its mind and issued second show cause notice on 11-8-1989 proposing the punishment of dismissal from Bank's service without notice as provided in para 521(5)(g) of Sastry Award read with paragraph 18.28 of Desai Award and also gave opportunity of personal hearing against the proposed punishment. The second show cause notice was acknowledged by the workman on 12-8-1989. At the time of personal hearing on 27-12-1989 the workman was permitted to give representation on 28-12-1989. The Respondent has carefully examined the matter in detail. The Petitioner workman has not denied the charges levelled against him in the charge sheet dt. 27-5-1988 and has not replied to the points emerged in the case and communicated to him under the second show cause notice. Therefore on 7-1-1990 the Disciplinary Authority passed the punishment order. The appeal preferred against the said order was also dismissed by the Appellate Authority after giving personal hearing on 14-5-1990. The act of misconduct of not disclosing (suppressing) full facts about the previous employment on the part of the workman was prejudicial to the Bank's interest in as much as, had he given full information to the Bank in regard to his previous employment (where from he was discharged for the reason that he was found guilty of charges of tampering the currency note packets and mis-appropriating an amount of Rs. 3,500.00) he would not have been appointed at all in the Respondent Bank. Needless to add, no employer will take, in its employment, a person who was earlier discharged for misappropriating funds. The suppression of the information in the biodata form and attestation form suppressed by the workman was deliberate with a view to secure employment in the Respondent-Bank. Therefore, the proceedings against the workman held in para 521(4)(j) of the Sastry Award is appropriate. The workman himself admitted in writing his guilt to the State Bank of Hyderabad and he had deliberately suppressed the facts of his previous employment in the State Bank of Hyderabad in the Biodata and attestation form furnished to the Respondent-Bank. When the genuineness of the documents produced before the enquiry is not denied, it is unnecessary to examine the

person to whom it is addressed. The genuineness of the documents presented before the Enquiry Officer was neither questioned nor challenged. The allegation that the documents were concocted does not hold any water because of the fact that the provisions of the Evidence Act and more particularly with respect to the proof of documents, do not apply to departmental proceedings. The Biodata and attestation form are submitted to the Respondent-Bank by the workman without disclosing the facts of his previous employment in the State Bank of Hyderabad. The defence counsel has admitted that Biodata and Attestation Form are filled up and signed by the workman in his own handwriting having admitted these documents it would automatically prove that the charge of suppressing of previous employment of the workman in State Bank of Hyderabad. Those documents were never denied at during the course of enquiry. Keeping in view the gravity of misconduct committed by the workman, the punishment of dismissal awarded to him is just and appropriate. The workman never denied about his previous employment in the State Bank of Hyderabad. He deliberately stated 'No' under the relevant column regarding his previous employment in the Bio-data dt. 22-2-1982 as well as the Attestation Form dt. 11-8-1982. The relief prayed for by the workman tantamounts to legal approval of his illegal acts. Hence the workman is not entitled for any relief in this reference.

5. On behalf of the workman a rejoinder has been filed to the following effect. The motive attributed to workman that he secured a job in the Respondent-Bank by not disclosing full information about himself is incorrect. The allegation that the workman never contradicted the allegation against him is false. In his reply dt. 23-3-88 and 26-7-88 the workman denied the allegation charges made against him. In the second show cause notice dt. 11-8-1989 the Disciplinary Authority informed the workman that he will not be permitted at the time of personal hearing to be represented by a representative of any registered Union of Bank or any body else and this is against the principles of natural justice. The misconduct alleged against the workman is based on pseudonamous complaint and evidence has been obtained behind the back of the workman. None from the State Bank of Hyderabad was brought to give evidence that the workman herein submitted the alleged letter. Hence the alleged letter cannot be treated as legal evidence. The validity of the domestic enquiry may be decided as a preliminary issue.

6. In view of the submission of the learned counsel for the Petitioner-Workman that the domestic enquiry held in this case is defective and as such invalid, the validity of the domestic enquiry has been taken up as a preliminary issue. On behalf of the workman Exs. W1 to W10 are marked and on behalf of the Respondent-Management Exs. M1 to M17 are marked by consent. No oral evidence has been adduced on either side.

7. On a consideration of the documents filed on behalf of the workman and the Respondent-Management, this Tribunal by its order dt. 28-9-1995 held

on the preliminary issue that the domestic enquiry held in this case is defective and as such void and the Respondent-Bank has been given an opportunity to prove the alleged misconduct on the part of the workman. Thereafter Sri P. Ch. Sriramachandra Murthy, Chief Manager, Administration, State Bank College, Hyderabad is examined as M.W1 and further documents Exs. M6(a) to (h) and M18 are marked. No oral or further documentary evidence has been adduced on behalf of the Petitioner-workman. The details of the documents Exs. W1 to W10 and Exs. M1 to M6(a) to (h) and M7 to M18 marked on behalf of the Respondent-Management are appended to this Award.

8. The points for consideration are as follows :

(1) Whether the action of the Respondent-Management of State Bank of India, Zonal Office, Hyderabad in terminating the services of Sri R. Sivakumar w.e.f. 6-2-1990 is legal and justified ?

(2) To what relief the workman is entitled ?

9. Point (1):—Admittedly the workman Sri R. Sivakumar was appointed as Cashier-cum-Clerk in the Respondent-Bank i.e. State Bank of India on 11-8-1992 under Ex. W1. He was posted to work at Kaligiri Branch. Prior to his appointment he submitted his Biodata form [Ex. M6(a)] to the Regional Recruitment Board, State Bank of India, Hyderabad Circle on 1-3-1982 at the time of his recruitment to the clerical cadre in the State Bank of India and its associate Banks. He also submitted Attestation Form Ex. M6(b) duly filled in on 11-8-1982 at the time of his appointment. He was confirmed in the Bank's Service w.e.f. 11-2-1983 under Ex. W2. The Respondent Bank issued the charge sheet dt. 27-5-1988 (Ex. M1) against the said workman R. Sivakumar and he was asked to submit his explanation to the charges within 7 days from the date of its receipt and it was received by him on 14-6-1988 as seen from his endorsement on Ex. M1. The misconduct alleged against the workman in the charge sheet is as follows : "You were in service of State Bank of Hyderabad at Jagtial Branch as Clerk-cum-Cashier from 5-7-1980 to 10-8-1982. You had not disclosed about your employment with State Bank of Hyderabad either in the Biodata Form dt. 22-2-1982 or in the Attestation Form (Annexure IV) dt. 11-8-1982 submitted to us by you. Later it came to light that your services were discharged by State Bank of Hyderabad w.e.f. 10-8-1982 as you had involved in fraud case and found guilty of the charge. Thus you have gained entry into Bank's Service (State Bank of India) by suppressing the facts deliberately about your previous employment in State Bank of Hyderabad and the reasons for leaving bank in the Biodata form dt. 22-2-1982 and in the Attestation Form date 11-8/82. The above alleged acts of yours is highly prejudicial to the interest of the Bank. The act of gross misconduct in terms of paragraph 521(4)(j) of Sastry Award read with Paragraph 18.28 of Desai Award". The workman submitted his explanation to the said charge sheet under Exs. M2 and M3. As seen from Exs. M2 and M3 the workman submitted his explanation stating that the allegation of suppression of

facts in the Biodata form and in the Attestation form were constituted as misconduct for the first time under Clause 14.1(n) of the Settlement dt. 17-9-1984 and the allegation of the said suppression was not a misconduct during the period of pre-settlement and as such it is not a misconduct under para 521(4)(j) of Sastry Award and that he was not convicted by any criminal court of the offences involving moral turpitude and that his appointment in State Bank of India did not and does not raise any question regarding prejudicial to the interest of the Bank. In para 1.4 of Ex. M2 the workman pleaded thus "It is obvious for the reasons stated above that the allegation made against me does not constitute misconduct : It does not fall within para 521(4)(j) and it is not prejudicial to the interest of the Bank." It is significant to note the workman did not specifically deny the allegation in the charge sheet that he was in service of State Bank of Hyderabad at Jagtial Branch during 1980 and 1982 and termination of this services on 10-8-82 on proving a charge of fraud, he did not specifically deny the allegation in the charge sheet, but he admits, indirectly, about the suppression of these facts in his Biodata form and attestation form submitted by him by pleading that such suppression of facts does not constitute misconduct within paragraph 521(4)(j) of Sastry Award. As earlier stated, the Management, not satisfied with the explanation submitted by the workman, initiated departmental enquiry and one J. Shyam Rao, Officer, S.B.I. Nellore Town conducted the said enquiry. Ex. M7 is the domestic enquiry proceedings. During the domestic enquiry no oral evidence was adduced but eight documents were marked on behalf of the Management. Ex. M6 are the documents filed on behalf of the Respondent Management. As seen from the enquiry proceedings the workman and his representative gave consent for marking four documents but they did not give consent for marking the remaining four documents. The Enquiry Officer over-ruled the objection of the workman and marked those documents. The said eight documents are now marked through M.W1 as Exs. M6 (a), (b), (c), (d), (e), (f), (g) and (h). As seen from Ex. M7 the workman objected for making the document Ex. M6 (c) xerox copy of pseudonomus complaint against the workman. Ex. M6(f) xerox copy of the charge sheet dt. 25-9-1981 issued to the workman R. Sivakumar by State Bank of Hyderabad alleging that he had misappropriated a sum of Rs. 3,500.00 from out of the soiled notes packets; Ex. M6(g) the xerox copy of the explanation dt. 10-8-1982 submitted by the workman R. Sivakumar to the Regional Manager, State Bank of Hyderabad, Hanumakonda, Warangal with regard to the show cause notice for removal from service and Ex. M6 (h) the xerox copy of the order dt. 4-8-1982 issued by the Regional Officer, State Bank of Hyderabad, Hanumakonda imposing the punishment of discharge from Bank's Service on the workman Sri R. Sivakumar. The workman did not object for marking the documents Ex. M6(a) original Biodata form submitted by the workman dt. 1-3-1982, Ex. W6(b) the original Attestation Form dt. 11-8-1982 submitted by the workman; Ex. M6(d) xerox copy of the order dt. 19-7-1984 issued by the Respondent-Bank terminating the services of the workman Sri R. Sivakumar



and Ex. M6(e) xerox copy of the order in Writ Petition No. 11880/84 on the file of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh quashing the order of termination of service of the workman and permitting the Respondent Bank to initiate disciplinary action against the workman according to law and principles of natural justice. It is in pursuance of this order, the Respondent-Management issued the charge sheet against the workman under Ex. M1. While deciding the validity of the domestic enquiry held in this case as a preliminary issue, this Tribunal held that inspite of the objection of the delinquent workman for marking the documents items 3, 6, 7 and 8 [Exs. M6(c) (f)(g) and (h)] the Enquiry Officer marked the said documents without any witness proving the said documents and as such the said documents are un-tested as they are not proved by any witness and the findings based on those documents cannot be accepted and therefore this Tribunal held that the domestic enquiry held in this case is defective and void and the Management has been given an opportunity for adducing evidence to prove the misconduct alleged against the workman Sri R. Sivakumar. Thereafter the management examined M.W.1 who worked as Officer In-charge for Disciplinary Proceedings Cell State Bank of India, Zonal Office, Tirupathi during the period from July, 1988 to July, 1990. It is through him Exs. M6(a) to M6(h) have been marked.

10. The learned counsel for the Petitioner submits that this Tribunal held that the domestic enquiry conducted is defective and void. Therefore this Tribunal ought not to have given an opportunity for the Respondent-Management to adduce further evidence to sustain the charge against the workman as there was no request or prayer on behalf of the Management and therefore, the opportunity given to the Respondent-Management to adduce further evidence is erroneous and unsustainable and the evidence adduced by the Management is vitiated ab initio and invalid and no reliance can be placed on such evidence. The learned counsel for the petitioner further submits that even assuming for arguments sake, that further evidence adduced by the Management is valid, it has not improved the case of the Respondent and the documents marked through M.W.1 are not proved and the original documents are not produced and the persons who are connected with those documents are not summoned to prove those documents and thus further evidence adduced before this Tribunal does not lead to the conclusion that the charge against workman has been established. Therefore the learned counsel for the petitioner argued that the dismissal order passed against the workman may be set aside and the workman is entitled for reinstatement with continuity of service and back wages as well as protection of his seniority.

11. The learned counsel for the Respondent-Management, on the other hand, submits that it was represented to this Tribunal that the issue of domestic enquiry may be decided as a preliminary issue and in case the domestic enquiry is held invalid, an opportunity may be given to the Respondent for adducing evidence to justify the dismissal

order and when that order was pronounced an oral request was made in the open Court for granting an opportunity to adduce evidence to justify the dismissal order and that oral request has been accepted and in compliance with the orders of this Tribunal, the Respondent adduced further evidence and the petitioner has fully participated in it and therefore it is not open to the petitioner to go back on his own conduct and make unfounded allegations and that an oral request for granting an opportunity to adduce evidence is sufficient as per the judgement of our High Court reported in J. B. SANJEEVA RAO v. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT & ANR. (1995 (II) LLJ, Page 872). The learned counsel for the Respondent further submits that M.W.1 is the concerned officer and he has proved all the documents that are filed into Court and the Respondent-Management established the misconduct alleged against the workman Sri R. Sivakumar and the workman is not entitled for any relief as he is guilty of fraudulent misrepresentation.

12. Admittedly, this Tribunal by its order dt. 28-9-1995 held that the domestic enquiry held in this case is defective and as such void, and at the same time an opportunity was given to the Management to prove its case against the workman Sri R. Sivakumar. It is in pursuance of that order, the Management examined M. W.1 and marked Exs. M6(a) to (h) and M18 in addition to the documents that were already marked i.e. Exs. M1 to M6 and Ex. M7 to M17. The petitioner participated in the said enquiry. The Petitioner did not choose to raise an objection for the said order of this Tribunal giving an opportunity for the Management to adduce further evidence to prove its case. Having participated in further enquiry, it is not open for the Petitioner now to contend that the said order is vitiated and that no request was made on behalf of the Respondent. It is true that there is no specific averment in the counter filed on behalf of the Respondent-Management that it may be given an opportunity to adduce evidence if in case the domestic enquiry is held void. But it is at the oral request made on behalf of the Management, an opportunity has been given to the Respondent-Management to adduce further evidence to prove the charge alleged against the workman. The learned counsel for the Petitioner is relying on the decisions in SHANKAR CHAKRAVARTI v. BRITANIA BISCUITS COMPANY AND ORS. (1979 II-LLJ, Page 194), SHAMBUNATH GOYAL v. BANK OF BARODA (1983 (II) LLJ Page 415), JORHAT INDUSTRIES v. PRESIDING OFFICER INDUSTRIAL TRIBUNAL AND ORS. (1995 (I) LLJ, Page 747) and J. B. SANJEEVA RAO v. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT & ANR. (1995 (II) LLJ, Page 872) for the proposition of law that the Labour Court, after holding that the domestic enquiry is invalid and vitiated, should not suo moto direct the Management to adduce further evidence to substantiate the charges without there being any request in that behalf. There is no dispute with regard to this proposition of law. Even in these decisions, it is held that even an oral request in that behalf can be made to adduce

further evidence on behalf of the Management. In **J. B. SANJEEVA RAO v. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT & ANR** (1995 (II) LLJ Page 872) quoted above, it is observed in para 6 as follows :

“Accordingly it is to be held that the Labour Court cannot suo moto direct the Management to adduce evidence in the absence of any request, either oral or written on its behalf”.

Therefore, the objection raised by the learned counsel for the Petitioner cannot be sustained.

13. The Respondent-Management examined M.W.1 and marked Exs. M6(a) to (h) and M13 as further evidence to prove the charge against the workman herein. M.W.1 deposed in his examination in chief thus : “I know the facts of this case. The workman under reference by name R. Sivakumar was appointed in the State Bank of India as Clerk-cum-Cashier on 11-3-1982. In 1983 there was unanimous complaint against him to the effect that he worked as Cashier in the State Bank of Hyderabad, Jagtial Branch and there he was dismissed from service on the charge of misappropriation. R. Sivakumar was terminated from service by the order dated 19-7-1984 without conducting any enquiry as the complaint against him is found to be correct and also that he at the time of seeking appointment in the Bank has not disclosed the fact that he had earlier worked in the State Bank of Hyderabad in the Bio-data supplied to the State Bank of India. . . . . Ex.M6(a) is the Bio-data form submitted by the workman on 22-2-1982 seeking appointment in the State Bank of India. In columns 16 and 17 of Ex.M6(a) the workman R. Sivakumar has indicated only “No” indicating that he has not worked previously anywhere. In column No. 16 the employee is supposed to give the details of his present employment as on the date of application. In column No. 17 he has to give particulars of previous experience in any Bank and in particular in State Bank Group. At the end of his application, he has declared that the above statements are true and correct and he is understood that employment if any is based upon the truthfulness of the statement made in the application form and in the event of any information being found false or incorrect his appointment is liable to be terminated. This shows that he has consciously suppressed a vital fact to the Respondent at the time of seeking appointment. Ex.M6(b) is the Attestation Form submitted by the workman on 11-8-1982. In column No. 11 of Attestation form, it reads that if the employee has at any time been employed he should give details in that column. There also the workman consciously stated ‘no’ at the end of the attestation form. He also gave a declaration that the information furnished by him is correct and complete and that to the best of his knowledge and belief and that he will have ‘no objection’ to the Bank making enquiries at any time immediately or in the near future regarding the statement made by him in the application in any manner the Bank may decide to do so inclusive of Police enquiry into his antecedents. Ex.M6(c) is a xerox copy of the anonymous complaint dated Nil received in the month of November, 1983. Ex.M6(d) is the

xerox copy of dismissal order dated 19-7-1984 passed earlier before conducting the enquiry. Ex.M6(e) is the xerox copy of the order dated 14-4-1988 in W.P. No. 11880/84. Ex.M6(f) is the xerox copy of the letter dated 25-9-1981 issued to R. Sivakumar by the State Bank of Hyderabad levelling charge of misappropriation of Rs. 3,500.00 against the workman. Ex.M6(g) is the xerox copy of the reply dated 10-8-1982 submitted by Sivakumar to the Regional Manager, State Bank of Hyderabad admitting that charge sheet was served on him. He also stated that in the said reply that he admitted the entire issue and that he may be executed and discharged from service on obtaining his explanation. Ex.M6(h) is the xerox copy of the letter dated 4-8-1982 by the Regional Manager State Bank of Hyderabad imposing the punishment of discharge from Bank's service which was acknowledged by him on 10-8-1982. Ex. M9 is the show cause notice dated 11-8-1989 issued to R. Sivakumar by the Respondent Bank. Ex.M11 is the explanation submitted by the workman. Ex.M9 is the show cause notice wherein he has admitted for the lapse committed by him. Ex.M10 is the proceedings of the disciplinary authority dated 11-8-1989. Ex.M12 is the letter dated 17-1-1990 issued by the Disciplinary Authority imposing the punishment of dismissal from service.” In his cross examination M.W.1 stated thus : “The petitioner has submitted Ex.M6(a) to the Regional Recruitment Board directly and not to the Bank. Ex.M6(b) was submitted to the Bank by the petitioner on the date of his joining i.e. 11-8-1982. . . . . The original of Ex.M6(f) is available in the State Bank of Hyderabad office and it is not available in the State Bank of India Office. The original of Ex.M6(g) was not produced at the time of domestic enquiry. The original of Ex.M6(g) is also available in the State Bank of Hyderabad and not in State Bank of India. The original of Ex.M6(g) was not produced at the time of domestic enquiry. The original of Ex.M6(g) is also available in the State Bank of Hyderabad and not in State Bank of India. The original of Ex.M6(g) was not produced at the time of domestic enquiry. The original of Ex.M6(h) is not available with us and it is available in the State Bank of Hyderabad. Ex.M6(h) is the xerox copy of the second notice issued to the workman calling for his explanation for the proposed punishment of discharge from service. That the name of the Bank or Officer who issued that notice is not there in Ex. M6(h)”. M.W.1 further stated in cross examination thus : “Q. Are you aware of any rule or order or instruction from the Bank that investigation can be made and action can be taken on any anonymous or pseudonymous complaint ? Ans. I am not aware of any such order or rule. Q. Who directed the enquiry into the anonymous complaint Ex.M6(g) ? Ans. Disciplinary Authority i.e. Regional Manager. The original of Ex.M6(c) might be available in the disciplinary authority of State Bank of India. I do not remember whether the original was produced during the domestic enquiry. There is no endorsement on Ex.M6(c) by the disciplinary authority that it should be enquired into. The Regional Manager issued instructions by separate order to enquire into the allegations in Ex.M6(c). That order is not produced before this Tribunal.”

14. The learned counsel for the petitioner submits that M.W.1 has no personal knowledge with regard to the facts in this case, that Ex.M6(c), M6(e), M6(f) M6(g) and Ex.M6(h) are only exrox copies relating to State Bank of Hyderabad, that the originals of these documents are not produced, that the officers of State Bank of Hyderabad who are connected with these documents were not examined and that M.W.1 is not competent to speak with regard to these documents and therefore, these documents should be eschewed from consideration, Admittedly M.W.1 who is now working as Chief Manager, Administration, State Bank College, Hyderabad worked as Officer Incharge in Disciplinary Proceedings Cell, Tirupathi during July, 1988 to 1990 and he is connected with the enquiry against this workman R. Sivakumar. He has categorically stated on oath as quoted above that Ex.M6(c) was received in November 1983 and that complaint was enquired into and found to be correct and therefore the workman R. Sivakumar was discharged from service under the original of Ex.M6(d). M.W.1 has also spoken to Ex.M6(f), M6(g) and M6(h) which relate to the enquiry against the workman R. Sivakumar while working in State Bank of Hyderabad. Ex.M6(f) is the xerox copy of the letter dated 25-5-1981 issued to the workman R. Sivakumar by the State Bank of Hyderabad levelling charges of misappropriation of Rs. 3,500.00 Ex.M6(g) is the xerox copy of the reply dated 10-8-1982 submitted by the workman R. Sivakumar admitting the charge levelled against him and he pleaded for excuse and discharge from service and Ex.M6(h) is the xerox copy of the show cause notice dated 4-8-1982 issued to R. Sivakumar calling for his explanation for the proposed punishment of discharge from service. As seen from the Endorsement on Ex.M6(h) it was received by R. Sivakumar on 10-8-1982 and in reply to that R. Sivakumar issued the original of Ex.M6(g) on 10-8-1982. It is no doubt true that these documents are xerox copies but they have come into possession of the Disciplinary Authority during the course of investigation into the unanimous complaint against this workman R. Sivakumar. M.W.1 has categorically stated that under Ex.M6(f) charge sheet has been issued against the workman R. Sivakumar by the State Bank of Hyderabad with the allegation of misappropriation of Rs. 3,500.00 M.W.1 also categorically stated in his evidence that under the original of Ex.M6(h) second show cause notice dated 4-8-1982 was issued to the workman R. Sivakumar proposing the punishment of discharge from service and the same was acknowledged by him on 10-8-1982. M.W.1 also categorically stated on oath that under the original of Ex.M6(g) the workman R. Sivakumar submitted his reply dated 10-8-1982 admitting his guilt and pleaded for excuse and discharge from service. As seen from the cross examination of M.W.1 no suggestion has been made denying all these allegations. It is not even suggested to M.W.1 that no charge sheet as alleged under Ex.M6(f) was issued to the workman and that workman R. Sivakumar did not issue any reply under the original of Ex.M6(g). There is also no suggestion that the original of Ex.M6(h) was not served on the workman R. Sivakumar. M.W.1 is competent to speak with regard to these documents as they were produced at the time of disciplinary enquiry against

the workman R. Sivakumar. Though M.W.1 is subjected to lengthy cross examination, nothing has been elicited to dis-credit his testimony. He is an officer of the Bank placed in high position and a disinterested witness and I do not find any reason to disbelieve his testimony. It is clear from the evidence of M.W.1 that the workman suppressed his earlier service in State Bank of Hyderabad and his discharge from that service in his Bio-data form Ex.M6(a) and Attestation Form Ex.M6(b) submitted by the workman R. Sivakumar while seeking employment in the State Bank of India. It is the evidence of M.W.1 that R. Sivakumar filled up the concerned columns with the word 'no' in both Bio data form as well as Attestation Form indicating thereby that he did not serve in any bank earlier though actually he was in service of State Bank of Hyderabad and he was discharged from service on 10-8-1982 on being found guilty of the charges of tampering with the currency note packets and misappropriation of sum of Rs. 3,500.00.

15. The oral testimony of M.W.1 and the recitals in the documents Exs. M6(c), M6(f), M6(g) and M6(h) have been amply corroborated by the statement of the accused himself under Ex. M11 dt. 28-12-1989. Ex. M11 is the representation submitted by the workman R. Sivakumar to the Disciplinary Authority at the time of personal hearing granted while considering the proposal to impose the punishment of dismissal from service. In this representation (Ex. M-11), the workman R. Sivakumar has categorically admitted his earlier service in State Bank of Hyderabad and also the termination from that service. In Ex. M11 the workman R. Sivakumar stated thus : I have joined State Bank of Hyderabad on 5-7-1980 as Clerk/Cashier. During my probation period the Branch Manager was harassing me as I did not oblige his personal obligations. Day by day, it was increasing. He even threatened me that he will see that I am sent out of the Bank. After 11 months of service our Bank currency Chest was inspected by officials. In currency chest the officials found shortage of Rs. 3,500.00 in soiled currency packets. Then the Branch Manager told me that the shortage was found in note packets prepared by me. He also compelled me to reimburse the amount, otherwise I have to face service consequences in my job. As I was very young, then just 20 years old, and having a very small experience in employment i.e. 11 months service, I reimbursed the said amount partly by cash and partly by cheque on 29th June, 1981 to the credit of sundry deposit amount. After about 3 months, i.e. on 25th September 1981 the Bank issued a memo stating the particulars of shortage amount and the packets prepared by other cashiers. Simultaneously, they suspended me. There in the said Memo, I found that the shortage was occurred in the soil note packets which were neither prepared by me nor recounted by me. Then, I could understand the mischief done by the Branch Manager throwing the blame upon me. Immediately I rushed to the Regional Manager and explained everything to him. I also requested him to conduct an enquiry into the matter. Accordingly an enquiry was ordered. During the pendency of enquiry I got selection in State Bank of India. As State Bank of India was having

better working conditions and also pension facilities and due to the increasing harassment of the Branch Manager day by day, I have decided to join in State Bank of India. Hence I have tendered my resignation to State Bank of Hyderabad. After coming to know that I was selected in State Bank of India, then the Branch Manager has told me that the resignation will not be accepted unless I confess and accept the charges. Then, without knowing the implications and also in my anxiety to get out of State Bank of Hyderabad and join the State Bank of India, I was forced to accept the charges. But unfortunately I was again deceived by the vindictive Branch Manager, whose sole aim was to discharge me from the Bank on some pretext or other. As a result I was served with discharge notice.....I have joined in our Bank on 11-8-1982. Later I was served with termination order dt. 19th July 1984. From the day of my joining in the Bank I was serving in the Bank with all sincerely and to the best satisfaction of my superiors. Excepting this unfortunate event i.e. suppression of facts which was done out of ignorance/inexperience there is no other remark in my career in State Bank of India, right from my joining into the Bank till date.....As I am in depressed mood with State Bank of Hyderabad incident, I could not understand the implications and consequences for improper filling up of bio-data and attestation form. Actually, I am not aware that they are such important documents for my career. Accordingly, I filled the bio-data and attestation form without proper care and attention. I have not given wrong statements with a fraudulent view....I deeply regret for the lapse on my part and not to discharge my duties carefully in future. I assure you sir, I will not give scope for recurrence of any type of mistake in future. Taking into account my above submission, I request your good selves to view the matter sympathetically and keep me in Bank's Service and save my family and children from starving for food." This document Ex. M11 forms part of enquiry proceedings in this case. This is an explanation submitted by the workman R. Sivakumar for the proposed punishment of dismissal from service issued to him by the Disciplinary Authority i.e. The Regional Manager. This document has been spoken to by M.W.1. But there is no cross examination with regard to this document. The workman has not disputed the submission of this document to the Disciplinary Authority. As seen from this document, the workman, in unequivocal terms, has admitted his earlier service in State Bank of Hyderabad as Clerk/Cashier and also his discharge from that service on the charge of misappropriation of Rs. 3,500.00. The workman also admitted as quoted above that he has suppressed this fact in his bio-data form and also Attestation Form submitted by him while joining the service in State Bank of India. He claims that he has suppressed these facts out of ignorance or inexperience, and he deeply regretted for this lapse on his part. Therefore, this document Ex. M11 is proof positive of the misconduct alleged against the workman R. Sivakumar.

16. It is also significant to note that the workman has not adduced any rebuttal evidence. He did not

choose to enter into the witness box to deny the allegations made against him by M.W.1 and the recitals in the documents. Probably it may be due to fear of being confronted with his own documents given to the Bank, the workman has deliberately suppressed the material information and gained an illegal entry into the service of State Bank of India. The suppression of material intentional on his part and it is an act prejudicial to the interest of the Respondent Bank. The charges alleged against the workman R. Sivakumar is proved beyond doubt and he is guilty of fraudulent misrepresentation.

17. The learned counsel for the Petitioner submits that the suppression of facts in the Biodata form and in the Attestation Form was constituted as misconduct for the first time under Clause 14.1 (n) by the Bipartite Settlement dt. 17-9-1984 and the allegation of the said suppression was not a misconduct during the period of pre-settlement and as such it does not fall as misconduct within para 521(4)(j) of Sastry Award and the said suppression of fact is not prejudicial to the interest of State Bank of India and therefore, the workman has not committed the misconduct under para 521(4)(j) of the Sastry Award as alleged against him. It is true that the workman Shri R. Sivakumar has been charged under para 521(4)(j) of Sastry Award which reads as follows :

"Doing any act prejudicial to the interest of the Bank or gross negligence involving or likely to involve the Bank in serious loss".

The misconduct alleged against the workman is that he has suppressed the facts of his previously employment and it is prejudicial to the Bank's interest. There cannot be any doubt that if the workman had given the full information about his previous employment with the State Bank of Hyderabad and his discharge from service for the reason that he was found guilty of charges of tempering with the currency note packets and misappropriating an amount of Rs. 3,500.00 he would not have been appointed at all in the Respondent-Bank. No employer will take in its employment a person who was earlier discharged for misappropriating fund in a Bank. But suppression of this information in the Biodata form and attestation form submitted by the workman was deliberate with a view to secure employment in the Respondent-Bank. Thus this action on the part of the workman in suppressing his previous employment amounts to doing an act prejudicial to the interest of the Respondent-Bank, as contained under para 521 (4)(j) of the Sastry Award. Hence the contention of the learned counsel for the petitioner is rejected.

18. The oral and documentary evidence on record conclusively establish the guilty of the workman Sri R. Sivakumar of the charge alleged against him in the charge sheet Ex. M1. The punishment imposed on the workman also cannot be said to be disproportionate to the gravity of the misconduct proved against him. The Respondent is a banking institution wherein confidence alone counts. The Respondent Bank cannot afford to keep the people like the workman R. Sivakumar herein employment who are detrimental to the very existence of the financial institution and

its good will and the Respondent Bank will lose the confidence of the public if the workman R. Sivakumar is continued in service.

19. In the light of my above discussion, I hold on point (1) that the action of the Respondent-Management of State Bank of India in terminating the services of workman R. Sivakumar w.e.f. 6-2-1990 is legal and justified. The point is thus decided in favour of the respondent-Bank and against the Petitioner-workman.

20. Point (2):—This point relates to the relief to be granted to the workman R. Sivakumar. In view of my finding on Point (1) the workman R. Sivakumar is not entitled for any relief in this reference.

21. In the result, Award is passed stating that the action of the Respondent-Management of State Bank of India, Zonal Office, Hyderabad in terminating the service of R. Sivakumar w.e.f. 6-2-1990 is legal and justified and that the workman R. Sivakumar is not entitled for any relief in this reference. The reference is thus answered. The parties are directed to bear their costs.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 20th day of April, 1996.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I

#### Appendix of evidence

Witnesses examined  
for the petitioner

Witnesses examined  
for the Respondent

NIL M.W.1 V. Ch. Sriramachandra Murty

#### Documents marked for the Petitioner by consent

- Ex. W1 11-08-82—Order appointing the workman as Clerk-cum-Cashier at Kaligiri Branch.
- Ex. W-2 11-08-83—Lr. No. 25 confirming the workman in the Bank's Service.
- Ex. W3 06-08-84 Stay order of the High Court in W.P. No. 15472/84 in W.P. No. 11880/84 staying operation of impugned termination notice dt. 19-7-1984.
- Ex. W4 20-08-84—Contempt case No. 185 of 1984 in the above W.P. to punish respondents for non-implementation of stay order.
- Ex. W5 10-09-84—Order reinstating the workman.
- Ex. W6 14-08-85—Kaligiri Branch Manager's letter 'to stop marking attendance register' by the workman even after high Court's directions.
- Ex. W7 23-07-90—Industrial Dispute raised before ALC(C) Vijayawada by the Petitioner-Union.

Ex. W8-13-10-90—Written statement filed by the RM Tirupathi before the ALC(C), Vijayawada.

Ex. W9 26-11-90—Reply to Ex. W8.

Ex. W10 26-11-90—Proforma Biodata form prescribed by the Regional Recruitment Board of 1986.

#### Documents marked for the respondent by consent

- Ex. M1 27-5-1988—Charge Sheet.
- Ex. M 2 23-7-1988—Explanation.
- Ex. M 3—26-7-198—Letter dt. 26-7-1988.
- Ex. M4 8-8-1988—Notice.
- Ex. M5 8-8-1988—Letter dt. 8-8-1988.
- Ex. M6 8-8-1988 Prosecution exhibits P1 to P8.
- Ex. M6(a) Bio data form of R. Sivakumar.
- Ex. M6(b) 8-8-1988—Attestation form of the petitioner.
- Ex. M 6(c) 8-8-1988—Xerox copy of letter.
- Ex. M 6(d) 8-8-1988—Lr. dt. 19-7-84 issued to Sivakumar.
- Ex. M 6(e) 8-8-1988—Xerox copy of the order WP No. 11880/84.
- Ex. M 6(f) 8-8-1988—Xerox copy of order of Disciplinary Authority.
- Ex. M16(g) 8-8-1988—Xerox copy of letter dt. 10-8-82.
- Ex. M 6(h) 8-8-1988—Disciplinary Action proceedings-enquiry.
- Ex. M 7 8-8-1988—Enquiry Proceedings.
- Ex. M 8 8-8-1988—Findings of the Enquiry Officer.
- Ex. M9 8-8-1988—Memo dt. 11-8-1989.
- Ex. M10 27-12-89—Proceedings of Personnel hearing.
- Ex. M11 28-12-89—Representation.
- Ex. M12 17-01-90—Letter of disciplinary proceedings.
- Ex. M13 17-03-90—Appeal.
- Ex. M14 17-03-90—Proceedings of personal hearing before Appellate Authority.
- Ex. M15 17-03-90—Representation.
- Ex. M16 14-05-90—Letter.
- Ex. M17 06-08-90—Order.
- Ex. M18 06-08-90—Staff Circular No. 105 dt. 31-10-1977 recruitment of clerical and subordinate cadres verification of antecedents.
- Exs. M6 (a) (b) (c) (d) (e) (f) (g) and (h) and Ex. M18 are marked through M.W.1.

नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का.आ. 2098 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[मंड्या एल-12012/239/91-आई.आर. (बी.-II)]  
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2098.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-96.

[No. L-12012/239/91-IR(B-II)]  
P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING  
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUS-  
TRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT  
PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 186 of 1991

In the matter of dispute between:

Smt. Anita Chandra Jog  
House No. EC 2/4 Sufirola  
Shyamganj Bareilly.

AND

Regional Manager  
Bank of Baroda  
Regional Office  
Bareilly.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/239/91-I.R.B-1 dt. 14-11-1991, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Bank of Baroda in treating Smt. Anita Nandra-jog as deemed to have voluntarily retired from the services w.e.f. 25-8-89 is legal and justified? If not what relief she is entitled to?

2. Following facts are undisputed.

3. The concerned workman Smt. Anita Nandra jog (hereinafter referred to as Smt. Jog) was working as accounts clerk with the opposite party Bank of Baroda, Bareilly City Branch, since 21-7-80. Her

husband was living at Libea. She applied for 60 days leave vide application dt. 2-8-88. The same was rejected. She again applied for leave on 16-8-88. Thereafter she applied for leave on 6-1-89, 6-3-89 6-4-89 and 6-7-89 from Libea. Each time her application rejected. Invoking the provisions of clause 17 of Bipartite Settlement dt. 10-4-89, the opposite party issued notice on 26-6-89 at Libea address of the concerned workman asking her to join within 30 days failing which it would be treated as voluntarily cessation of work. Smt. Jog sent a reply informing that she would be joining in the last week of August. Before she could be allowed to join the management passed the impugned order dt. 25-8-89 treating it a case of voluntarily cessation of work. Feeling aggrieved by this kind of termination the concerned workman has raised the instant industrial dispute.

4. In her claim statement she has alleged that although termination letter purports to be dt. 26-7-89 but actually it was dated 1-7-89 and it was served on her on 26-7-89. In reply she had intimated on 27-7-89 that she would join in the last week of August, 1989. As regards termination letter dt. 25-8-89 it is alleged that it has not been passed by competent authority having been issued by Branch Manager who had no authority. It is further alleged that in this case provisions of clause 17 of Bipartite Settlement dt. 10-4-89 were not applicable.

4. The opposite party has filed reply in which the entire correspondence, the provisions of clause 17 of Bipartite Settlement have been set out in extenso. It is alleged that Smt. Jog is not a workman as envisaged by section 2(s) of I.D. Act. It is further alleged that the management had powers to invoke powers of clause 17 of Bipartite Settlement. This letter has been issued by an incompetent person as it was issued by Senior Manager on instruction of Regional Manager.

5. In this case Smt. Jog has filed ext. W.1 to W.11 and further has examined herself as P.W.1. Paper relate to details of correspondence between the parties. Whereas management has filed Ext. M.1 to M.19. Further their Regional Manager K. N. Pandey D.W.1 has examined.

6. In my opinion, in view of admitted case of parties there was hardly any need for any type of evidence. It is obvious that the result of this case would turn upon interpretation of clause 17 of Bipartite Settlement dt. 10-4-89 and further letter issued by the authorities of the opposite parties.

7. As has been pointed out earlier the management has set out the contents of clause 17 in para 29 of written statement. It inter alia says that when an employee absent himself from work for a period of 90 days or more consecutive days without submitting any application for leave or for its extension and further there is satisfactory evidence that the employee has taken employment elsewhere as a result of which he has no intention to join the duties, the management has been given right to issue a notice to the employee at the last known address, requiring him to report for duty within 30 days of the date of

notice. In case the employee reports for duty within stipulated time, the matter would and there if satisfactory explanation is shown for the absence. Otherwise it will be deemed to be a case of voluntarily cessation of work. Thus the crucial point which requires applicability of this provision is as to whether the employee had remained absent for 90 or more days consecutive days without submitting any application or getting extended. In this instant case it is admitted to management that Smt. Jog had applied for leave but the same was rejected for want of medical certificate. In my opinion when Smt. Jog had already applied for leave, the provisions of clause 17 of Bipartite Settlement could not have been invoked. Instead if Smt. Jog had remained absent without grant of casual leave she could have been chargesheeted for the same treating to be a case of 'Misconduct'. As such my view is that in this case the management was clearly in error in invoking the provisions of clause 17 of Bipartite Settlement. In any case this letter has been issued by Senior Branch Manager whereas the punishing authority is Regional Manager. To meet this lacuna it has been alleged in para 26 of written statement that Regional Manager had authorised Senior Branch Manager to issue this letter. There is no documentary evidence worth the name and even in the oral evidence of D.W.1 that Senior Branch Manager was authorised to issue dt. 26-6-89 purporting to be in exercise of powers under clause 17 of Bipartite Settlement. I have also gone through this letter dt. 26-6-89 in which the branch manager has endorsed the copy to Regional Manager for intimation only. Had it been a case delegated authority Sr. Branch Manager in this letter would have informed that this letter was issued under Regional Manager's instructions. Hence my irresistible conclusion is that Senior Branch Manager had issued this letter of his own. He had no authority to issue it as the same can be issued by Regional Manager, alone. Hence on this score too this letter by which the services of Smt. Jog have been terminated is without jurisdiction, and bad in law.

8. Lastly, it has been urged on behalf of the management that Smt. Jog was not a workman I do not agree with this contention. There can be no manner of doubt that opposite party bank is an industry and all the members of clerical cadre are treated as workman. Smt. Jog also falls in this category. Hence she is held to be a workman under sec. 2(s) of I.D. Act.

9. In the end in my opinion, it is held that the action of the management of Bank of Baroda in treating Smt. Anita Nandra jog as deemed to have voluntarily retired from the services w.e.f. 25-8-89 is illegal and unjustified. As such she will be entitled for reinstatement. However, she will not be entitled for any back wages as the entire problem is the creation of her own. She will be entitled for back wages after one month from the date of publication of award if the opposite party bank fails to take her in service within one month from the date of publication of award.

10. It is further awarded that the period of absence from the date of termination upto the date of reinstatement shall be treated as period spent on duty for the purposes of future promotion and retiral benefits.

11. Reference is answered accordingly.  
5-6-1996.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का.आ. 2099. --औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब एण्ड सिंध बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/444/89/डी-II-ए/आई.आर. (बी.-II)]  
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2099.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab & Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-96.

[No. L-12012/444/89-D-II-A/IR(B-II)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer  
ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 112 of 1990

In the matter of dispute :

BETWEEN

Ram Kumar,  
S/o Shri Rajendra Bahadur,  
C/o, Shri V. N. Sehri,  
26/104, Birhana Road, Kanpur.

AND

The Regional Manager,  
Punjab & Sind Bank,  
Lal Bagh, Lucknow.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L



12012/444/89-D-2-A, dated 16-4-90 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the management of Punjab & Sind Bank, Lucknow was justified in terminating the service of Shri Ram Kumar w.e.f. 17-2-88 ? If not, what relief the workman was entitled to ?”

2. The concerned workman Ram Kumar in his claim statement has alleged that he was appointed as peon on 4-1-85 in the Alam Bagh Branch Lucknow of the opposite party Punjab & Sindh Bank. He continuously worked upto 17-9-88 when his services were terminated. There has been breach of Section 25-F, G & H I.D. Act. As such termination order is bad in law.

3. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that the appointment was for fixed period from time to time. As a matter of fact he has worked even after 17th February, 1988 in fixed periods till May, 1989. Hence it cannot be said that his services were terminated on 17-2-89. It is denied that the management had flouted any provision of law.

4. A rejoinder has been filed but nothing new has been alleged.

5. It appears that after the filing of papers the management informed that they had taken place settlement on 17-10-92 between the Bank and the Union by virtue of which after passing test the concerned workman will be taken in service. Thereafter the management failed to turn up. Hence ex-parte proceeding were initiated against them.

6. In support of his case Ram Kumar has lead evidence in which he has stated that he has continuously worked for more than 240 days. He has further stated that he was called for interview. He was told that he will be given employment on the condition he withdraw the case and that he did not agree.

7. From the above it is clear that the case of concerned workman un rebutted. In this way it is proved that he had completed more than 240 days in a year. No retrenchment compensation and notice pay has been paid to him. Hence his termination is bad in law.

8. Accordingly my award is that the termination of the services of Ram Kumar w.e.f. 17-2-88 is not justified. Hence he is entitled for reinstatement with back wages. Workman shall also get Rs. 100 as cost from the management.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का.आ. 2100.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलाहाबाद बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/393/88/डी-II ए/आई.आर. (बी.-II)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2100.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-96.

[No. L-12012/393/88/D-II-A/IR(B-II)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer  
ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 165 of 1988

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shirish Tewari,  
S/o Shri C. P. Tewari,  
D-47/250, Rampura,  
Varanasi.

AND

Asstt. General Manager,  
Allahabad Bank, Nadeshar,  
Near Taksal Cinema,  
Varanasi.  
Varanasi.

Shri M. K. Verma—for the management  
None—for the workman



## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-12012/393/88-D-2(A), dated 30-11-88 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Allahabad Bank in terminating the services of Shri Shrish Tiwari, Peon-cum-Daftari is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. On 27-9-81 a new branch was opened at Markundi branch of opposite party of Allahabad Bank was opened in Mirzapur. One D. Bhushan Tewari who has appeared as witness on behalf of the Bank in the case was posted as Branch Manager. He is real uncle of the concerned workman Shrish Tewari. This Branch Manager got concerned workman employed as peon-cum-farrash at his branch from the date of opening of branch, although he was graduate at that time and as per policy decision he could not be appointed, having such a degree. The concerned workman continued upto 22-8-92 and thereby he worked for 329 days. It is alleged that the concerned workman was doing the work of permanent nature and he had completed 240 days in a year. Therefore his services could not be terminated without compliance of Section 25-F I.D. Act. Further there has been breach of 25-G and H I.D. Act.

3. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that the concerned workman had obtained employment by fraud by concealing the fact that he was over qualified. Further his employment was without sponsoring by employment exchange and interview. In any case it was a casual employment. It was further alleged that subsequently test was held for absorbing such workers but the concerned workman failed to appear. Hence he is not entitled for any employment. It has not been denied that the concerned workman had completed 240 days in a year.

4. In the rejoinder nothing new has been said.

5. It has been admitted by the concerned workman in his evidence that his name was not sponsored by employment exchange. He has admitted that his real uncle was Branch Manager at Markundi Branch and got him employed orally. It is also admitted to him that he was graduate at that time. There is no dispute about the fact according to the policy graduates were not to be employed at the post of peon. In this way it becomes a clearing example of nepotism as one uncle had manipulated engagement of his nephew on post for which nephew was not entitled. In this way chance of suitable candidate was also mared.

6. From the pleadings of the parties and the statement of Shrish Tiwari it is fully established that he had completed 240 days in a calendar year. Even if the employment of concerned workman was irregular it could have been a good ground for retrenchment but there was necessity of paying notice pay and retrenchment compensation as it has not been done the termination would be had under Section 25-F I.D. Act.

7. There is no evidence to show that Juniors to concerned workman retain in the service. Further the name of person who has employed subsequently has also not been given. In its absence it is held that there is no breach of Section 25-G and H I.D. Act.

8. It is admitted to the concerned workman that a notification for test was issued but he did not appear. The opposite party has filed the copy of that notification. From this it becomes clear that Bank had given opportunity to the concerned workman but he failed to avail it. In view of this matter concerned workman will not be entitled for reinstatement.

9. I am also not inclined to grant reinstatement to the concerned workman because of breach of Section 25-F I.D. Act, as reference is belated and further his employment was clandestine. Instead ends of justice will be met if he awarded retrenchment compensation and notice pay. I Award accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का. प्रा. 2001:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलहाबाद बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उन के कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निबिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/13/95-आई. आर. (बी.-II)]

पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2101.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the

management of Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-96,

[No. L-12012/13/95-IR(B-II)]  
P. J. MICHAEL, Desk Officer

# ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA,  
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 42 of 1996

In the matter of dispute :

# BETWEEN

Shri Ram Gopal,  
C/o Sri O. P. Nigam,  
295/287, Deen Dayal Road,  
Ashrafabad,  
Lucknow

# AND

Assistant General Manager,  
Allahabad Bank,  
U.P. Central Zone,  
Hazratganj,  
Lucknow.

# AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its Notification No. L-12012/13/95-I.R. (B-2), dated 2-4-96, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

“Whether the action of Shri Ram Gopal that he was an employee (Sub-Staff) of the Allahabad Bank, Gramin Vikas Sans-than, Lucknow from August, 1991 to November, 1993 is justified? If so, whether the action of the Bank Management in terminating his services w.e.f. November, 1993 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?”

2. In spite of repeated opportunities, having been given to the concerned workman, he neither filed any claim statement nor put in appearance in the Tribunal. It appears that he is not interested in the case.

3. Hence my answer to the reference is in the affirmative and against the concerned workman for want of proof. He is not entitled to my relief.

4. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 जून, 1996

का. आ. 2102 :—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ठ) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3420 दिनांक 12 दिसम्बर, 1995 द्वारा लोह श्रयस्क खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जनवरी, 1996 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ठ) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जुलाई, 1996 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एड्स—11017/12/85—डी-1 (ए)]

एच. सी. गुप्ता, श्रम सचिव

New Delhi, the 25th June, 1996

S.O. 2102.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 3420 dated 12th December, 1995, the iron ore mining industry to be public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 10th January, 1996;

And, whereas, the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 10th July, 1996.

[No. S-11017/12/85-D.I(A)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2013.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल रेलवे के प्रबन्धतन्त्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/4/90-आईआरबीआई]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2103.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Rly. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-96.

[No. L-41012/4/90-IRBI]  
BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 239 of 1990

In the matter of dispute between :

PRESENT :

Rashtriya Chaturtha Shreni Rail Mazdoor Congress INTUC, 2/236 Namneir Agra.

AND

Divisional Railway Manager (P)  
Central Railway, Jhansi.

## AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-41012/4/90-IR.DU dt. 21-10-90, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

Whether the action of the Divisional Railway Manager, Central Railway, Jhansi is justified in not regularising Sri Praveen Kumar Sharma as Lineman? If not, what relief the workman is entitled to?

2. The concerned workman in his claim statement has alleged that he was working as Lineman which is skilled job since 28-5-84 under opposite party Central Railway Jhansi. He has completed more than 6 years of his services yet his services have not been regularised. Although he is a diploma holder, hence he is entitled for his regularisation.

3. The opposite party in his reply has taken only legal objection. It has not been alleged as to why concerned workman should not be regularised. Any how copy of Comments as given by the opposite party has also been filed in which it has not been denied that the concerned workman has been working as skilled lineman since 28-5-84. His case has not been considered by Selection Committee.

4. In the rejoinder the concerned workman has alleged that he is entitled for regularisation. In support of his case the concerned workman has filed his affidavit. Further he has filed papers showing that he was worked as skilled line man. Reference to this papers has not been made and this fact has not been disputed. The management has also not given any evidence.

5. From the above it becomes established fact that the concerned workman is working as skilled lineman for more than last six years. No rule or regulations have been brought to my notice which may deny regularisation to such a workman in this state of affairs. Further the railway has also not given any reason so far as to why selection committee has not taken this case of regularisation. Any how since the concerned workman is working as skilled line man for the last six years. I see no reason as to why he should not be regularised.

6. Hence my award is that he should be regularised as line man from the date of publication of award.

7. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2014—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्थन रेलवे के प्रबन्धतन्त्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/36/95-आईआरबीआई]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2104.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Rly. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-96.

[No. L-41012/36/95-IRBI]  
BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

New Delhi, the 19th June, 1996

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR.

Industrial Dispute No. 29 of 1996

In the matter of dispute between :  
Mandal Karyakari Adhyaksh,  
U. R. K. Union,  
96-196 Roshanganj, Ganeshganj,  
Lucknow-226001.

AND

Deputy Chief Engineer (Const. I)  
Northern Railway,  
Charbagh,  
Lucknow-226001.

## AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-41012/36/96-IR (B-I) dated 19-3-96, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

Whether the action of the management of Dy. Chief Engineer (Const. I), Northern Railway, Lucknow not to consider the case of Shri Tek Chand S/o Shri Ram Adhar for the appointment on compassionate grounds in the event of declaring Sh. Ram Adhar as medically unfit in all categories on medical grounds, prior to his date of superannuation i.e. 31-3-1993, is legal and justified ? If not to what relief he is entitled to ?

2. In spite of repeated opportunities, having been given to the concerned workman, he neither filed any claim statement nor put in appearance in the Tribunal. It appears that he is not interested in the case.

3. Hence my answer to the reference is in the affirmative and against the concerned workman for want of proof. He is not entitled to any relief.

4. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2105.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्थ ईस्टर्न रेलवे के प्रबन्धतन्त्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18/6/96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/51/94-आई आर बी आई]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

S.O. 2105.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Eastern Rly. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-96.

[No. L-41012/51/94-IRBI]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR.

Industrial Dispute No. 31 of 1996

In the matter of dispute between :

Mandal Adhyaksh,  
Purvottar Railway Shrimik Sangh,  
96/196, Roshan Bazar Lane,  
Ganeshganj,  
Lucknow-226001.

AND

Mandal Rail Prabandhak.  
Purvottar Railway,  
Varanasi-221001.

## AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its notification No. L-41012/51/94-I.R. (B-I) dated 19-3-96, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

Whether the action the management of N. E. Rly., Varanasi in changing the designation of 14 workmen whose lien were initially kept as Khalasi vide their office order No. 480 dt. 30-5-1988 (featuring at Sl. No. 4, 5, 7 to 12 to 19) to Trolleyman vide their Office order No. 80 dated 28-7-1992 (featuring at Sl. No. 4 to 17) is justified ? If not, what relief the workmen are entitled to ?

2. In spite of repeated opportunities, having been given to the concerned workman, he neither filed any claim statement nor put in appearance in the Tribunal. It appears that he is not interested in the case.

3. Hence my answer to the reference is in the affirmative and against the concerned workmen for want of proof. He is not entitled to any relief.

4. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.अ.2106.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भोवरा एरिया आफ मैन्समी बी.सी.सी.एल. के प्रबंधन और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचवट को प्रकृति करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/340/94-आई.आर. (बी. II)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2106.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra Area of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central Government on the 18-6-96.

[No. L-20012/340/94-IR(B-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

Reference No. 159 of 1995

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhowra Area of M/s. BCCL and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.  
On behalf of the workmen : Shri A. Khan, Member  
Executive Committee  
B.P.C.M.C.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 10th June, 1996

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/340/94-I. R. (Coal-I), dated, the 22nd November, 1995.

SCHEDULE

“Whether the management of Bhowra Area of M/s. BCCL is justified in not regularising

Shri Subhash Singh, Clerk Gr. III as U/G Munshi w.e.f. 10-3-89 ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. Soon after the receipt of the order of reference notices were duly served upon the parties. Both the parties appeared but did not file the W.S. Subsequently when the case was fixed both the parties appeared before me and filed a Joint petition of Compromise. I heard both the parties on the said joint petition of compromise and do find that the terms of compromise are fair, proper and beneficial to both of them. Accordingly I accept the said joint petition of compromise and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 DHANBAD.

Ref. No. 159/95

BETWEEN :

Employers in relation to the management of Bhowra(N) UG. Mines of M/s. B. C. C. Ltd.

AND

Their workmen.

Joint Petition of Compromise :

The humble joint petition of Compromise on behalf of the Parties of :

(i) Management of Bhowra (N) UG, Mines

AND

(ii) Shri Subhash Singh, UG. Munshi.

Most respectfully sheweth :—

That, the parties to the Industrial dispute have entered into an Agreement to settle the aforesaid reference on the following Terms & Conditions :—

TERMS &amp; CONDITIONS

1. That, Sri Subhash Singh, Munshi, working as a Munshi at Bhowra (N) UG. Mines, will be paid the wages of clerical Grade-II w.e.f. 10-3-1989 instead of 10-9-1993.

2. That, Sri Subhash Singh will get the difference of clerical Grade-III to clerical Grade-II w.e.f. 10-3-89 to 9-9-93.

3. That, the seniority of Sri Singh in clerical Grade-II will be considered w.e.f. 10-3-89.

4. That, parties will approach the Hon'ble Tribunal to record the compromise and pass an Award in terms of the Settlement.

5. That, Sri Singh will be paid the difference of wages within (three) months from the date compromise petition is filed.

6. That, this settlement fully and finally resolves the aforesaid Reference pending for adjudication before the Hon'ble Tribunal.

7. That, the workmen concerned and the Union of the workman shall have no other claim.

8. That, the Settlement is fair and proper.

It is, therefore, prayed that your honour may be pleased to accept the settlement and pass an Award in terms of the Settlement. And for this act of kindness, the employer & the employee shall every pray.

Representing Workmen :

Sd/-  
(A. Khan)  
Member Executive  
Committee,  
B.P.C.M.C.

Sd/-  
(Subhash Singh)  
Representing Employer :

Sd/-  
(S. R. Singh)  
Dy. C.M.E. Project Officer,  
Bhowra (N) UG. Mines

Sd/-  
Dy. C.P.M./P.M.,  
Bhowra Area.

23-5-96

Sd/-  
Advocate.

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2107.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीग्राफ के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवादों में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/160/91-आई.आर.-डी.यू.]  
ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2107.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telegraph and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-96.

[No. L-40012/160/91-IR-DU]  
BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 259 of 1990

In the matter of dispute between :

Sri Mahesh Chandra  
C/o Bhola Nath Agrawal,  
252/10 Shastri Nagar,  
Kanpur.

AND

Up Mandal Adhikari,  
Telegraph,  
Mainpuri, Uttar Pradesh.

## AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-40012/160/91/I.R. D.U. dt. 30-9-92 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Kya upmandal Telegraph, Mainpuri, Uttar Pradesh ke prabandhak dwara Sri Mahesh Chandra se Sri Deo Narain bhootpurva Mazdoor ki sewayein dinank 1-5-90 se samapta karne ki karawahi nyayochit avam nyayasangat hai? Yadi nahi to sambandhit karmkar kis anutosh ke haqdar hai?

2. The concerned workman Mahesh Chandra has alleged that earlier he was appointed as casual worker on 1-7-79 by Divisional Engineer, Mainpuri and worked upto 1-8-1979. Thereafter, he worked from 13-4-89, and worked upto 30-4-90 for 339 days. The services of the concerned workman were brought to an end w.e.f. 1-5-90 without compliance of sec. 25F of I.D. Act. Hence his termination is bad in law.

3. The opposite party has filed reply in which it is alleged that he was a casual labour for short period and when the working under Divisional Engineer came to an end his services were brought to an end. It has not been specifically denied that the concerned workman had not worked between 13-4-89 to 30-4-90 for 339 days continuously.

4. In the rejoinder nothing new has been said.

5. In support of his case the concerned workman Mahesh Chandra has filed his affidavit. Opportunity was given to the opposite party to give evidence in rebuttal but they failed to adduce any evidence. There is un rebutted evidence of Mahesh Chandra. Further there is copy of certificate issued by the sub divisional officer of the opposite party which lends support to this fact.

6. Hence, I believe it and hold that the concerned workman had continuously worked from 13-4-89 upto 30-4-90 as casual worker and as such he is entitled for reinstatement w.e.f. 30-4-90 as casual

worker. He was entitled for retrenchment compensation and notice pay before his retrenchment if his services were not required. Since this has not been done there has been breach of section 25F I.D. Act. In this way the termination is bad in law.

7. Hence my award is that the action of the opposite party in terminating the services of the concerned workman is bad in law and accordingly he is entitled for reinstatement with back wages. He shall also get Rs. 100/- as costs of the case.

8. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का. आ. 2108.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वन संस्थान के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या 42012/191/93-आई.आर. (डी.यू.)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2108.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Van Sansthan and their workman, which was received by the Central Government on 18-6-96.

[No. L-42012/191/93-IR(DU)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR  
COURT, JABALPUR (M.P.)

Case Rep. No. CGIT/LC(R)(22)/1995

#### BETWEEN

Shri Ganesh Prasad Rajak, Dr. M. P. Thakur  
Compound, Civil Lines, Panchpedi, Post  
University, Jabalpur (M.P.)-482001

#### AND

The Director, Parnpeti Wan Sansthan Kendra,  
Mandla Road, Minkhera, Post RFRC  
Jabalpur (M.P.)-482001.

#### PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy

#### APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—Shri S. K. Mukherjee

INDUSTRY : Wan Sansthan

DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

#### AWARD

Dated, March 12th, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-42012/191/93-IR(DU), dated 17-1-1995, for adjudication of the following industrial dispute :—

#### SCHEDULE

“क्या प्रबंधन पर्यपति वन संस्थान केन्द्र जबलपुर (म.प्र.) के प्रबंधकों द्वारा श्री गणेश प्रसाद राजक, भू.पू. चौकीदार की सेवाएँ दिनांक 21/3/91 से समाप्त किये जाने को कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस धारा-तोष का हकदार है?”

2. Parties have not filed the statement of claims inspite of notice workman never put his appearance not filed the statement inspite of various adjournments granted for the same. It appears that he is not interested in pursuing the dispute. As such, no dispute award is passed. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2109.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आर्डिनेन्स फैक्ट्री के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/8/90-आई.आर. (डी.यू.)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2109.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to

the management of Ordnance Factory and their workman, which was received by the Central Government on 18-6-96.

[No. L-14012/8/90-IR(DU)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case Ref. No. CGIT/LC(196)/1990

#### BETWEEN

Shri Marshal Hiwale S/o Shri L. J. Hiwale  
C/o Shri Girwar Ray, S. K. P. Colony,  
169, R.B. 2, Railway Quarter, New  
Katni, Katni, District Jabalpur (M.P.)-  
482001.

#### AND

The General Manager, Ordnance Factory,  
Khamaria, Jabalpur (M.P.)

#### PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy

#### APPEARANCES :

For Workman—Shri R. C. Srivastava,  
Advocate.

For Management—Shri S.S. Jha, Advocate

INDUSTRY : OFK DISTRICT : Jabalpur (MP)

#### AWARD

Dated, March 18th, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-13012/8/90-IR(DU), dated 28-9-1990, for adjudication of the following industrial dispute :—

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Ordnance Factory, Khamaria, Jabalpur (M.P.) in terminating the services of Shri Marshal Hiwale w.e.f. 9-9-77 is justified ? If not, what relief he is entitled to ?”

2. Admitted facts of the case are that the workman, Marshal Hiwale, was appointed on 5-7-63 as a Labour ‘B’ in Ordnance Factory, Khamaria. It is also the common ground that the charge-sheet was served on the workman on the allegation of his unauthorised absence from duty from 10-8-76 to 17-1-77; that the Enquiry Officer proceeded ex parte against the workman and on the basis of the enquiry report, the workman was dismissed from service from 9-9-1977.

3. The case of the management is that the Enquiry Officer made several attempts so that the workman appear in the departmental enquiry; that the workman remained absent without permission and the workman is a habitual absentee.

4. Following are the issues in the case :—

#### ISSUES

1. Whether the departmental/domestic enquiry is proper and legal ?
2. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
3. Whether the charges of misconduct are proved on the facts of the case ?
4. Whether the punishment awarded is proper and legal ?
5. Relief and costs ?

5. Issues No. 1 to 5.—From the statement of the management witness, Shri M. L. Rajput, and the Muster Roll it is clear that the workman was absent from the duty from 10-8-76 to 17-1-77. The workman has not given any explanation either in his statement of claim or otherwise regarding his absence from the duty. Following penalty have been imposed on the workman in the past :—

1. On 18-1-64—Warned for unauthorised absence from duty without permission.
2. On 26-2-64—Warned for Late attendance.
3. On 2-3-65—Once again finally warned for habitual late attendance.
4. On 29-3-65—Finally warned for unauthorised absence from duty without permission.
5. On 3-12-65—Increment withheld for one year with cumulative effect for unauthorised absence from duty without permission.
6. On 15-10-68—Fined Rs. 1 for loss of Brass token.
7. On 10-7-72—Pay reduced by 2 stages from Rs. 80 p.m. to Rs. 78 p.m. with cumulative effect for unauthorised absence from duty without permission w.e.f. 17-1-71 to 10-2-72.

6. Departmental enquiry was held proper and legal vide order dated 12-7-95.

7. Consequently, the action of the management in terminating the services of the workman on the ground of long and habitual absenteeism is just and proper. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer



नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2110.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम फैक्ट्री के प्रबन्धनत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/167/93-आईआरडीयू]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2110.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Factory and their workman, which was received by the Central Government on 18-6-96.

[No. L-40012/167/93-IR (DU)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR  
COURT, JABALPUR (M.P.)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(224).1994

## BETWEEN

Shri R. D. Khamparia represented through  
Shri R. R. Paras, Secretary, All India  
Post and Telegraph Industries Workers  
Union, Or. No. 329-D-Type, Telecom  
Factory Estate, Jabalpur (M.P.).

## AND

The Chief General Manager, Telecom Fac-  
tory, Jabalpur (M.P.)

## PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy

## APPEARANCES :

For Workman—None

For Management—Shri O. P. Namdeo, Ad-  
vocate

INDUSTRY : P&amp;T DISTRICT : Jabalpur (MP)

## AWARD

Dated, the March 11th 1996

This is a reference made by the Central Govern-  
ment, Ministry of Labour, vide its Notification No.

L-40012/167/93-IR(DU), dated 16-11-94, for  
adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

"क्या प्रबन्धनत्व टेलीकाम फैक्ट्री जबलपुर के प्रबन्धकों द्वारा श्री श्री. श्री. खम्परिया, स्टाफ नं. 2058 फिटर मास्टर ग्रेड-II टावर शिफ्ट को आदेश दिनांक 24-12-90 द्वारा एक वार्षिक वेतन वृद्धि तीन वर्ष के लिये रोकें जाने को कार्यवाही न्यायोचित है। यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।"

2. Parties were noticed to file the statement of claim. The workman was to file the statement of claim first, but neither the workman nor anyone on behalf of the workman appeared or filed statement of claim. As many as ten opportunities were given to the workman, but he did not even put his appearance on the dates so fixed. It appears that he is not interested in pursuing the case. As such no dispute is hereby passed without any order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2111 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पी एण्ड टी के प्रबन्धनत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/125/89-आरआईडीयू]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2111.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure in the industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post & Telegraph and their workman, which was received by the Central Government on 18-6-96.

[No. L-40012/125/89-IR(DU)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPAT SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 92/90

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Vinod Kumar S/o Shri Devi Dass, through General Secretary, Delhi Labour Union, Aggarwal Bhawan, G. T. Road, Tis Hazari, Delhi-54.

Versus

Senior Superintendent of Post Office (North), P&T Department, Zila Court Post Office, Tis Hazari, Delhi-54.

## APPEARANCES :

Shri C. P. Aggarwal—for the workman

AND

Shri M. K. Sharma—for the Management

## AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-40012/125/89-I.R. (D.U.) dated 13-8-90 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of P&T (Sr. Superintendent of Post Office, North, Distt. Court Post Office, Tis Hazari, Delhi) in not regularising the services of Shri Vinod Kumar, Packer is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. The case was fixed for workman evidence when the representative for the workman made statement that the claim of the workman has since been settled up. He further stated that he wanted to withdraw the dispute.

3. In view of this statement the dispute stands settled and no dispute award in this case is given leaving the parties to bear their own costs.  
24th May, 1996

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2112 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लैब के प्रबन्धन के संबंध में निजीजों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट

औद्योगिक विवाद में, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंच-पत्र को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल-14011/8/93-आईआर (डीयू)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2112.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Defence Metallurgical Research Lab. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-96.

[No. L-14011/8/92-I.R.(D.U.)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

Present :—

Shri A. Hanumanthi, M.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated, 26th day of April, 1996

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 2 OF 1994

Between :

The General Secretary, Defmetlab Works  
National Union, D.M.R.L. Union,  
Kanchanbagh, Hyderabad-500258.

— PETITIONER

AND

The Director,  
D.M.R.L., P.O. Kanchanbagh,  
Hyderabad-500 253. — RESPONDENT.

Appearances :—

Sarvasri G. Vidyasagar & G. Ravi Mohan,  
Advocates for the Petitioner.

Sri S. V. Gopal Rao, Addl. Standing Counsel  
Central Government for Respondent.

## AWARD

This is a reference made under Section 10(1) (d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called the Act) by the Government of India, Ministry of Labour, by its order No. L-14011/8/92-IR(DU) dated 15-12-1993 for

adjudication of the Industrial Dispute mentioned in its schedule which reads as follows :

"Whether the management of Defence Metallurgical Research Lab., Hyderabad is justified in denying the protective clothing and shoes to certain member of employees, if not what relief the workmen are entitled to ?"

The said reference has been taken on file as Industrial Dispute No. 2 of 1994. After receipt of the notices, the parties have put in their appearance through their counsel and filed their statements.

The material averments in the claims statement filed on behalf of the Petitioner-Union are as follows:—The Petitioner Union is a registered Union under the Trade Unions Act and all the workmen working in the Respondent establishment are members of the Petitioner-Union. The Respondent-establishment came into existence in the year 1963 and it is registered under the Factories Act. Ever since the establishment came into operation, its management has been extending the facilities under various labour laws including the Factories Act. Ever since 1980 all the employees were being provided with protective clothing and shoes. In 1990 the Management unilaterally withdrew the facility of protective shoes to certain category of workmen contrary to the recommendations made by the Inspector of Factories. The Petitioner Union had taken up the matter with the management, and after negotiations failed, the Union, by its letter dt. 6-9-1990, raised a dispute before the Regional Labour Commissioner (Central) and the conciliation proceedings also ended in failure and thereafter this reference has been made. All the employees working in the Respondent-establishment are being provided with one pair of protective shoes approved by the Chief Inspector of Factories. While matters stood thus, the Respondent has withdrawn the facility of protective shoes to workmen belonging to the categories of Draftsman, Photographers, Store Keeper, Clerks, Stenographer, Pharmacists, M. T. Supervisors, non-technical Supervisors, non-technical Chergeman and Canteen Supervisors and other group C&D Staff. At the intervention of the Union, a Station Coordination Committee was formed as required by the Government of India by its letter dt. 7-4-1992. The Committee has recommended for providing safety shoes to Draftsman, Photographer, Store Keeper, Clerks and Stenographer, Pharmacists, M. T. Supervisors, non-Technical Supervisors, non-technical Chergemen and Canteen Supervisors only. In pursuance of the recommendation of that Committee, the above categories of workmen are provided with protective shoes in the year 1992 onwards. But in respect of Group C and D categories namely M. T. Drivers Grade I and II, Fire Supervisors, Leading Hand Fire, Fire Engine Drivers, Foreman Grade I

& II, Nursing Assistant, Gestetner Operators (Senior & Junior) Record Keepers, Daftry, Messengers, Gardeners, Cooks, Canteen bearers, Washerman, Lab. Attendants, Safaiwala, Watchman, Jamadar Watchman and Security Assistants they were not provided with protective shoes since 1990 onwards. The action of the Respondent Management in not providing protective shoes from 1990 onwards is wholly illegal and contrary to Factories Act. All the employees in the Respondent Establishment are working in the same premises, which is notified under the Factories Act. Therefore denying protective shoes facility to certain categories of workmen who are equally exposed to hazards of laboratories is wholly illegal and discriminatory. They have been enjoying the said facility since 1980 onwards. Withdrawing the said facility without complying with Section 9-A of the Act is illegal and void. No notice as required under Section 9-A has been issued either to the Union or to the workmen concerned. The privilege which is being enjoyed since 1980 cannot be withdrawn except under due process of law. The Management and the Union have not entered into Settlement for withdrawal of that benefit. Therefore, the action is arbitrary and discriminatory. The Inspector of the Factories has also not recommended for withdrawal of the said facility to certain categories. On the otherhand, he has advised the Management to continue the same facility to all the workmen as there is no change in the manufacturing process or service conditions in the premises through its letter dt. 1-12-1989. Therefore, withdrawing the said facility of protective shoes is contrary to the instructions of the Inspector of factories. There are about 965 employees in the Respondent-Establishment. Out of them, only 130 employees are being denied the facility of safety shoes since 1990. By extending the facility of protective shoes, there will not be much financial burden on the Establishment. On the other hand, it will be in the interests of workmen who are exposed to hazardous conditions. The employees who are denied safety shoes from 1990 are mentioned in the Annexure 'A' and the employees who are denied the facility of safety shoes from 1990 to 1992 are mentioned in the Annexure 'B' of the claims statement. Therefore the Union prays to declare that the action of the Respondent in denying the protective shoes facility to certain categories of employees as illegal, arbitrary and discriminatory and also to pass an Award directing the Respondent to issue the protective shoes on par with other employees from 1994 onwards and giving cash-equivalent for the years 1990—1993 for which they have been denied.

3. On behalf of the Respondent-Management, a counter has been filed to the following effect. The Respondent is one of the Research and Development Organisations and it is only executing research activities. The Management has been maintaining very cordial and frindly relations with the members

of the Petitioner-Union. The present dispute relating to non-providing of certain protective equipment and things to certain categories of workmen is solely attributable owing to the audit objections raised, in providing the protective equipment indiscriminately and pointing a finger against the Management that they were not careful or diligent enough to protect the interests of the monetary involvement. It is also alleged that protective clothing and shoes were given indiscriminately and mis-used and not accounted for by the workmen by not delivering back the used protective clothing or things that were provided for them. The Audit has questioned the bonafides of involvement of expenditure towards such facilities of providing protective clothing and shoes to the workmen of the Petitioner Union. In the audit objection dt. 2-5-1989 the Audit authorities have advised the Respondent-Management to adhere to the Government orders of 1963 and 1971 in regard to issue of protective clothing. Thus the financial control of the Audit authorities has come as a hurdle for continuance of the labour welfare policy hithertofore carried out by the Management. The Provisions of the Factories Act do not provide for supply of protective clothings and shoes to all the employees. The employees who are engaged and exposed to risk and hazardous factors alone are entitled for the said facility. The Respondent Management is not an industry. The claim of the petitioner Union that cash equivalent for the years 1990 to 1992 and for that matter for any year cannot be entertained as the very object of providing protective clothing etc., is defeated as it cannot be measured in terms of money. The management has been providing the said facility to those categories of staff who are actually entitled to and that on the recommendation of the Factories Inspectors to enable the head of the Respondent to arrange for their procurement, maintenance, condemnation, retrieval, disposal and re-issue of fresh items in lieu of the un-serviceable items. Hence the reference may be dismissed.

4. On behalf of the Petitioner-Union two witnesses are examined and Exs. W1 to W5 are marked. On behalf of the Respondent-Management one witness is examined and Exs. M1 to M18 are marked. The President of the Petitioner Union is examined as W.W1 and a member of the Petitioner-Union is examined as W.W2 and they deposed to the averments in the claim statement. The Store Officer of the Respondent is examined as M.W1 and he deposed to the averments in the counter. The details of the documents marked on behalf of the Petitioner Union and the Respondent are appended to this Award.

5. The points for consideration are as follows:—

(1) Whether the Respondent-Management of Defence Metallurgical Research Lab.,

Hyderabad is justified in denying the protective clothing and shoes to some of its employees?

(2) To what relief the workmen under this reference are entitled?"

6. POINT (1)—The admitted facts as revealed from the evidence on record are as follows.—The Petitioner Union is registered under the Trade Union Act and all the workmen working in the Respondent-Establishment are members of the Petitioner Union. The Respondent-establishment has been established in the year 1963 and it is registered under the Factories Act. It is a research laboratory working under the control of Ministry of Defence, Government of India. In its research work the Respondent-establishment will be using hazardous material including acids. Excluding the officers, there are about 960 workers working in the Respondent-Establishment. As per the recommendation of Chief Inspector of Factories, Hyderabad, the Respondent-Management had been providing protective clothing and shoes to all its employees since 1980 till an objection was raised by the Audit authorities by their letter dated 2-5-1988 (Ex. M15) wherein they advised the Director of the Respondent-Management to adhere to the Government Order dated 15-2-1963 (Ex. M14) and dated 1-9-1971 (Ex. M13) in regard to the issue of protective materials. In view of the said objection by the Audit Authorities, under Ex. M15 the Respondent-Management has withdrawn the facility of providing protective shoes to the categories of Draftsman, Photographer, Store Keeper, Stenographer, Pharmacists M.T. Supervisor, non-technical Supervisor, non-technical Chargeman, Canteen Supervisor and Group 'C' and 'D' staff. At the intervention of Employees Union a Committee was constituted as required by the Government of India under its letter dated 13-3-1993 to review the existing orders, instructions on the subject of issuing protective clothings and other items to the staff employed in the Research and Development Establishment and that the Committee recommended applicability of provisions to the categories which are directly or otherwise exposed to the hazardous conditions. As seen from Ex. M5 that Committee found that the industrial categories mentioned in the Government of India letter dated 15-2-1963 (Ex. M14) are no longer relevant since this have been categories as Tradesmen 'A' to 'E'. In pursuance of the recommendations of the said Committee, the Respondent-Management started providing protective shoes to all the categories except Group 'C' and 'D' staff from the year 1992 onwards. Thus the staff relating to Group 'C' and 'D' categories namely M.T. Drivers Grade I and II, Fire-Supervisor, Leading hand Fire, Fire Engine Driver Foreman Grade I and II Nursing Assistant, Gestetner Operation, Record Keeper, Daffry, Messengers, Gardeners, Cooks, Canteen Bearers, Washerman, Lab. Attendants, Safaiwala,

Watchman, Jamedar Watchman and Security Assistants are not provided with protective shoes since 1990 onwards. Exs. M1, M2 and M3 are the registers maintained in the office of the Respondent with regard to issuance of protective shoes to some of its employees for the years 1989, 1990, 1991, 1992 and 1993.

7. As the Respondent Management unilaterally had withdrawn the facility of protective shoes to certain categories of its workmen, the Petitioner Union raised an industrial dispute before the Regional Labour Commissioner (Central) through its letter dated 6-9-1990. The conciliation proceedings ended in failure and it resulted in this reference. Ex. W5 is the minutes of conciliation proceedings held on 14-7-1992 between the representative of the Petitioner-Union and the Management.

8. The learned counsel for the Petitioner Union submits that the Respondent-establishment is registered under the Factories Act, that all the employees working in the Respondent-establishment are exposed to hazardous conditions, that in compliance of the provisions of Factories Act and Rules the Respondent-Management had been Providing protective shoes freely to all its employees since 1980, that in the year 1990 the Respondent-Management unilaterally stopped the said facility without following Section 9-A of the Act and as such the said action is illegal and void. The learned counsel for the Petitioner further submits that there is no settlement between the Management and the Union for withdrawal of the said benefit, and that there is no change in the manufacturing or service conditions in the premises of the Respondent-establishment, and therefore withdrawing the privilege of protective shoes facility is contrary to the instructions of the Chief Inspector of Factories and as such it is arbitrary and the same is liable to be set aside. The learned counsel for the Petitioner further submits that the action of Respondent Management in denying the protective shoes facility to certain categories of employees is arbitrary and discriminatory and that the deprived categories of employees may be compensated in cash for depriving the said facilities since 1990. The learned counsel for the Petitioner further submits that on behalf of the Respondent-Management a vague counter has been filed without any denial of the allegations made in the claims statement, that no reasons are given either in the counter or in the evidence adduced on behalf of the Management, and no records are produced to justify the action of the Respondent-Management in withdrawing the protective shoes to some categories of employees. There is much truth in this statement of the learned counsel for the petitioner. The averments in the counter filed on behalf of the Respondent-Management are very vague. There is no specific denial or admission of the allegations pleaded in the claim statement. The oral

testimony of M.W1 examined on behalf of the Respondent Management, is contradictory.

9. It is not disputed that the Respondent Establishment is registered under the Factories Act, 1948. It is also not disputed that it is a research laboratory and it will be using hazardous material and the employees are exposed to hazardous substances. W.W1 the President of the Petitioner Union, stated in his cross examination that the entire factory premises is hazardous area. W.W2 a Member of the Petitioner-Union, stated in his cross-examination thus: "Q. How do you say your conditions of service are hazardous and dangerous? Ans. Acid is a dangerous substance. It will be kept in Stores and we had to carry to the sections. It is dangerous to carry it. In the Forging Units, there will be one stroke consists of 2000 pressure and we had to work in that forging unit and as such it is hazardous. We had to carry the metal to the furnace and rolling and as such that work is also dangerous. To work in Building Section also it is hazardous. Ours is a research work. It comes under the Factories Act as such the nature of work is dangerous and hazardous under the Factories Act." Under Section 87-D read with Section 100 of Factories Act, the occupier of a factory has to provide protection to all the persons engaged in the dangerous or hazardous operations of the factory. As seen from Ex. M14 the Government of India, Ministry of Defence, New Delhi by its letter dt. 15-2-1963 permitted to issue protective clothing and other items as detailed in the annexure to that letter. Under Ex. M13 dt. 1-9-1971 the Government of India, Ministry of Defence, New Delhi authorised the Head of the Establishments/Laboratories to issue protective clothing to all the employees as per the recommendations of the Chief Inspector of Factories. As seen from Ex. W2 the Deputy Chief Inspector of Factories by his letter dt. 1-12-1989 directed the Respondent-Management to continue the issuance of safety personal equipment to its workers as per the previous recommendations as the manufacturing process and unsafe conditions are not changed in its premises. It is clear from these documents that the Respondent-Management has been issuing protective clothing, including shoes, to its employees on the basis of the recommendations of the Chief Inspector of Factories and in compliance of the provisions of Factories Act.

10. Admittedly, on receipt of the objection letter dt. 2-5-1989 (Ex. M15) from the Audit authorities, the Respondent Management unilaterally stopped providing protective shoes to all its employees. As seen from this letter Ex. M15 the objection of the Audit authorities is that the protective shoes have been issued to the persons not covered under Government Order dt. 15-2-1962 (Ex. M14 and Ex. M13). The Respondent Management issued a reply under Ex. M16 dated 30-6-1989 justifying

the issue of protective shoes to all its employees. As seen from Ex. W3 the Respondent Management made out a case for issuance of protective clothing and shoes to its employees. The relevant portion in Ex. W3 read as follows: "This laboratory has been issuing protective clothing including shoes to the employees on the basis of the recommendations by the Boards constituted for the purpose. The Chief Inspector of Factories of Government of Andhra Pradesh has been associated with the Boards and the specific recommendations were obtained before action to procure and supply the same items is taken (Enclosures 3, 4, 5 & 6). The CDA's representative has also been consulted through Tender Purchase Committee Meetings before placement of Orders for the said items. The Test Audit as well as Internal Audit have, however, viewed the provision of protective shoes to the employees as irregular in as much as the employees are not covered under the listed categories appearing in the Government letter dated 15-2-1963 (Enclosures 7, 8, 9 and 10). In this context, it may be stated that the categories of employees shown in the Annexure to Government letter dt. 15-2-1963 do not exist, as such in DRDO, while the provision of the protective item is job/work oriented rather than strictly related to the categories/designations. Further DMRL was registered under the Factories Act, 1948 and that was subject to the provisions of the factories Act/Rules. The "Ferrous and Non-Ferrous Metallurgical Industry" has been specified and declared to be an activity involving hazardous processes. "vide First Schedule appended to Section (2cb) of the Factories Amended Act of 1987 (Enclosure 11). The activities to DMRL inter alia include Handling of large quantities of High Temperature Molten Liquid Metals, Processing of Explosion Prone Magnesium in liquid or powder form, Heat Treatment of Heavy Alloy Type Materials in the Hazardous Atmosphere of Hydrogen, Handling of Toxic and Hazardous Chemicals etc. The Factory Rules, hence call upon the 'Occupier' (in the case of Factory belonging to Central Government, the person appointed to manage the affairs of the Factory vide Section 100 of the Factories Act viz. the Director, DMRL) to supply to all persons employed in 'hazardous processes' suitable protective equipment including foot-wear (Enclosure 12). The implementation of the Factory Rules in an Establishment is verified by the Chief Inspector/Dy. Chief Inspector of Factories of the State vested with powers under the Factories Act. It, therefore, follows the recommendations made by the Inspector of Factories in relation to the provision of protective equipment to the employees are sacrosanct and binding upon the 'Occupier' (Director of the Lab). Incidentally, it is stated that both M/s. Midhani and M/s. Nuclear Fuel Complex associated with Metallurgical operations have provided protective shoes to all their employees as a measure of safety in

compliance of the Factory Laws in the State of Andhra Pradesh (Enclosures 13 & 14). In the light of the position explained above, it will be agreed that implementation of the statutory provisions/mandatory recommendations of the Chief Inspector of Factories by the Employer (Occupier) may not constitute an irregularity." As seen from Ex. W1 dt. 25-4-1990 the Respondent-Management pleaded for permission to issue protective shoes to its employees. The relevant portion in Ex. W1 reads as follows: "As already highlighted in our Statement of case, the Director of the Laboratory, as "Occupier" is under a statutory obligation to provide protective items to the workers employed on hazardous processes, on the recommendations of the Chief Inspector of Factories of Government of A. P. This statutory obligation in providing protective shoes as a measure of safety in compliance of the factory laws, having already been delayed. The Director is facing unavoidable administrative problems. In order to control the present critical situation it is necessary to take immediate action to procure and issue the protective shoes without further delay. In view of the position explained above, pending receipt of Government Orders, it is requested that concurrence of your office may kindly be accorded for initiation of procurement action for shoes on the basis of the recommendations of the Chief Inspector of Factories. ....". It is clear from these documents that the Respondent-Management is fully aware that all its employees are exposed to hazardous conditions and they require suitable protective equipment including footwear and there is also a recommendation to that effect by the Chief Inspector of Factories, Government of Andhra Pradesh and it is in pursuance of that recommendation and in compliance with the provisions of the Factories Act, the Management had been providing protective clothing and shoes to all its employees with effect from 1980.

11. Admittedly this privilege of having free protective shoes has been unilaterally put an end by the Respondent-Management in 1990 on receipt of Audit objection under Ex. M15. The learned counsel for the Petitioner submits that this unilateral discontinuance of the said privilege of free protective shoes to the employees amount to violation of Section 9-A of the Act and as such it is illegal. Section 9A of the Act prohibits an employer from giving effect to any change in the conditions of service applicable to any workman in respect of any matter specified in the IV Schedule without giving to the workman, likely to be affected by such change, a notice in the prescribed manner of the nature of change proposed to be effected. Further the employer is enjoined not to effect the proposed change within 21 days of giving of the notice. The next aspect to be considered is whether providing free protective shoes

amounts to condition of service of the workmen and withdrawal of that privilege amounts to change in service condition. As discussed above, the employees are entitled for free issue of protective shoes in view of their exposure to hazardous conditions in the premises of the Respondent as per the provisions under the Factories Act and on account of the recommendations made by the Chief Inspector of Factories. Further it is a privilege enjoyed by the employees over a long stretch of time i.e. for more than a decade. Therefore due to efflux of time, it has become "implied conditions of service" so as to attract the mandatory provisions of Section 9A of the Act. Therefore, the Respondent-Management contravened Section 9A of the Act in unilaterally withdrawing the said privilege in 1990. Admittedly no notice for such withdrawal has been issued to the workmen who are affected by such withdrawal. There is no settlement or award between the workmen and the management for withdrawal of that privilege and there is no change in the working conditions in the premises of the Respondent as seen from Ex. W2.

12. The industrial dispute as referred by the Government of India, relates to withdrawal of protective clothing and shoes to the employees of the Respondent-Establishment. As seen from the claim statement filed on behalf of the Petitioner Union and the evidence of W.W1 and W.W2 examined on behalf of the Petitioner-Union, there is no dispute relating to supply of protective clothing. W.W1 in his examination in chief stated thus : "Including Officers the total number of workmen are 1,200. Excluding officers there are 960 workers. All the workers are the Union Members. The Company provides shoes and clothing every year to all the workers since 1980. The Management is providing shoes and clothing. As on today only some of the workers are given shoes but cloths are given to all the workers. Particular Class IV employees like Darwans, Safaiwala, Jamedar Safaiwala, Messengers, Dairies, Junior Gestetner Operators, Senior Gestetner Operators. Non-technical Supervisors are not provided with shoes. They are provided with dress only. Prior to 1990 shoes were also provided to the above said categories of workmen. The Management stopped providing shoes to these categories of workers since 1990.....The Management formed a Committee for making recommendations to which categories of workers shoes should be provided. That Committee was formed in 1992. As per the recommendations of that Committee the Management provided shoes to Lower Division Clerks, Upper Division Clerks, Store Staff, Security Assistants, M. T. Supervisors from out of the above said categories." In his cross-examination W.W1 stated thus : "In 1990 the management provided safety shoes to only

629 workers. I deny your suggestion that the management is not providing safety shoes to the workers who are in non-hazardous area. Witness volunteers, the entire factory premises is hazardous area." W.W2 stated on this aspect thus : "Since 1980 the Respondent-Management is providing clothing and shoes to all the employees. Till 1990 the management provided clothes and shoes to the employees. Suddenly without any notice, the Respondent-Management stopped providing shoes to the employees. The Management was not providing shoes to the Class IV employees namely Record keeper, Dairies, Messengers, Safaiwala, Watchmen, Lab. Assistants, Drivers, Cook, Canteen Bearer, Waterman, Medical Assistants, Fire Staff. All these workmen are about 125. The total strength of our Company is 980 excluding the managerial staff. All the workmen who were not provided with shoes perform their duties inside the factory premises in Forging Section, Rolling Section, Chemical Labs, Stores, Administration Section, Fire Section, Security. I am working in the Forging Section. My superiors are Stenos and Jr. Scientific Assistants. My seniors are being provided with shoes. The Firemen who are working in the Fire Department in Grades I, II, Leading hand Fire men are not provided with shoes. But the Management is providing shoes to the seniors. In Security Department, the Class IV employees are not provided with shoes. But however the Management is providing to their Superiors. In the same way, the persons who are working in the Stores Department as Class IV employees are not being provided with shoes but whereas the superiors are being provided with shoes. The shoes will be provided once in a year. No notice was given to us before they withdrew the provisions of providing shoes. Presently I am not being provided with shoes." M.W1 Stores Officers of the Respondent Establishment deposed in his examination in chief thus : "All the categories, as per their entitlement, have been issued protective clothing. The shoes in question were not issued for only one year as per the instructions issued by Ministry of Defence, New Delhi. And again from 1991 onwards all the employees have been issued with protective clothing and shoes. In return we have obtained signatures in Stores Issue Register." At a later stage, in his examination in chief itself M.W1 further stated thus : "From 1990 onwards we have issued protective shoes to all the employees of our company. All the employees of our establishment are entitled for protective shoes and we have provided them. In 1989 the categories of Clerical, Stores Keepers and Security Assistants were not entitled for protective clothing hence we did not provide them during that year. From 1990 onwards all the categories were provided protective shoes in view of the orders of Ministry of Defence, Government of India, New Delhi. Every year we are providing protective shoes to



our employees. We are not asking the return of old shoes while providing them with new shoes every year as a welfare measure." In his cross-examination M.W1 stated thus; "We are issuing safety shoes based on the instructions of the Defence Ministry since 1963 to the entitled categories. It is true that the Respondent has supplied safety shoes to M. T. Drivers Grade I and, M. T. Drivers Grade II, Fire Supervisor, Leading-hand fire, Fire Engine Driver, Daftry, Record Keepers, Messengers, Gardeners till 1990. In 1991 the above said persons were provided with shoes but not safety shoes. Prior to 1991 they were provided with safety shoes but not with ordinary shoes." To the end of his cross-examination M.W1 further stated thus : "I am not aware of the duties performed by the Daftry, Messenger, M. T. Grade Driver I and M. T. Grade Driver II and Fire Engine Drivers. Except Class IV C & D Employees i.e. Daftry, Messenger, Safaiwala, M. T. Driver, Fire Fighting Staff all other staff has been issued with protective shoes." Ex. M1 is the Register for the year 1988-89 relating to the issue of protective shoes to the employees of the Respondent and it bears the signatures of the employees to whom the protective shoes were issued. Ex. M2 is the register relating to the issue of protective shoes to the employees for the year 1989-90 and Ex. M3 is the Register for the year 1990-91 and 1991-92 and 1992-93 relating to the issuance of protective shoes to the employees. They bear the signatures of the employees to whom shoes were issued. Except filing those documents into Court, M.W1 did not specifically say which category of employees were provided with shoes during the said years. Further, as seen from the evidence of W.W1 and W.W2 except the categories of Class IV C & D Groups employees all others are being provided with protective shoes from the year 1992. But M.W1 as quoted earlier, states in his examination is chief that from 1990 onwards all the employees of the Respondent-Establishment were given protective shoes. But in his cross-examination as quoted earlier, except Class IV 'C' and 'D' employees, all other staff have been issued with protective shoes. Thus the testimony of M.W1 is not consistent, it varies from stage to stage. It is clear from the evidence of record that the Management had unilaterally withdrawn the facility of protective shoes to certain categories of workmen from the year 1990. At the intervention of the Petitioner-Union, a Committee was constituted and as per the recommendations of that Committee, except the category of Class IV 'C' and 'D' employees, all other employees are provided with protective shoes from the year 1992 onwards. Thus Class IV 'C' and 'D' employees are being deprived of the privilege of protective shoes w.e.f. 1990 onwards though they are entitled for the same. The Respondent-Management is bound to supply protective shoes, free of cost, to all its employees.

The action of the Management in unilaterally withdrawing the supply of protective shoes is not justified.

13. As seen from the claim statement the Petitioner-Union is claiming compensation in cash for the employees who are not provided with protective shoes since 1990. But how much amount they are claiming towards compensation is not mentioned. W.W1 and W.W2 examined on behalf of the Petitioner-Union also have not spoken to anything on this aspect. No evidence has been adduced with regard to the claim for compensation for non-supply of protective shoes for the period 1990 onwards. In the absence of positive evidence, no compensation can be awarded to the employees of the Petitioner-Union who are deprived of protective shoes to them.

14. In the light of my above discussion, I hold on Point (1) that the action of the Respondent-Management in denying the protective shoes to its employees is not justified. The Respondent-Management has not denied the protective clothings to its employees as seen from the evidence on record, and there is no dispute on that aspect. Thus the point is decided in favour of the Petitioner-Union and against the Respondent-Management.

15. POINT (2).—This point relates to the relief to be granted to the employees of the Petitioner-Union. In view of my finding on Point (1), I hold on this point that all the employees of the Respondent-Management are entitled for protective shoes and the Respondent-Management is directed to provide protective shoes forth with to all the categories of employees who are deprived of the said facility since 1990 and the workmen are not entitled for any compensation in cash as claimed.

16. In the result, Award is passed stating that the action of the Management of Defence Metallurgical Research Lab., Hyderabad is not justified in denying the protective shoes to certain categories of its employees and that no finding need be given with regard to protective clothing as the Petitioner-Union has not disputed the same and that all the employees of the Respondent-Establishment are entitled for protective shoes and that the Respondent-Management is directed to supply the same i.e. protective shoes forthwith to all the categories of workmen who are denied the same since 1990 and 1992 and that the workmen are not entitled for any monetary compensation as claimed by them. The reference is thus answered. The parties are directed to bear their own costs.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 26th day of April, 1996.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I



## APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined  
for the Petitioner :

W.W1 M. Sailu  
W.W2 R. Rammaya

Witnesses Examined  
for the Respondent

M.W1 Keval Ramani

DOCUMENTS MARKED FOR THE  
PETITIONER

- Ex. W1 25-4-90 Letter issued to J.C.D.A. (R&D) D.R.D.L. Complex by the Sr. Administrative Officer Grade-I for Director.
- Ex. W2 1-12-89 Letter issued to the Management by the Dy. Chief Inspector of Factories regarding providing shoes.
- Ex. W3 1-12-89 Recommendation dated 9-5-90 issued by the Director of the Management for providing shoes to all the workmen.
- Ex. W4 1-12-89 Recommendation of Station Co-ordination Committee dated 13-5-94 (xerox copy).
- Ex. W5 1-12-89 Xerox copy of Conciliation proceedings.

DOCUMENTS MARKED FOR THE  
RESPONDENT

- Ex. M1 1-12-89 Stores Register 1988-89
- Ex. M2 1-12-89 Stores Register 1990.
- Ex. M3 1-12-89 Registers for the years 1991, 1992, 1993 regarding the issue of protective shoes to employees.
- Ex. M4 10-9-90 Circular Policy matter issued by Ministry of Defence, New Delhi.
- Ex. M5 7-4-92 Circular Policy matter issued by the Ministry of Defence, New Delhi.
- Ex. M6 10-4-90 Instructions received from Ministry of Defence, Government of India, New Delhi.
- Ex. M7 15-11-81 Letter regarding Audit objection for issue of shoes.
- Ex. M8 15-11-91 Letter dated 16-7-1990.
- Ex. M9 2/10-6-86 Letter by Ministry of Defence regarding shoes to its Drivers.
- Ex. M10 25-11-91 Letter of Ministry of Defence regarding uniforms to Security Staff.

Ex. M11 3-5-78 Letter of Ministry of Defence regarding uniform to Fire Fighting Staff.

Ex. M12 20-9-95 Certificate issued by Chief Administrative Officer regarding issue of protective uniforms.

Ex. M13 1-9-71 Letter regarding authorising the Head of the Establishment to issue protective clothings.

Ex. M14 15-2-63—Letter regarding authorising the Head of the Establishment to issue protective clothings.

Ex. M15 2-5-89—Xerox copy of the Audit Letter.

Ex. M16 30-6-89 Xerox copy of the reply to Ex. M15.

Ex. M17 7-8-81 Xerox copy of S.R.O. dated 7-8-81.

Ex. M18 30-7-93 Xerox copy of the letter dated 30-7-93 relating to uniforms to canteen employees.

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2113 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन.सी.पी.एल. के प्रबन्धन तथा संबद्ध नियोजकों और उनके कार्यकारी के बीच, अत्युच्च में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक आर्बिट्रेशन, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एन-22012/356/95-ग्राईआर (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2113.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on the 12-6-96.

[No. L-22012-356/95-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I  
AT HYDERABAD

## PRESENT :

Sri A. Hanumanthu, M.A., L.L.B., Industrial  
Tribunal-I

Dated : 13th day of May, 1996

Industrial Dispute No. 20 of 1996

## BETWEEN

Secretary,  
S.C. Workers Union,  
Ramakrishnapuram,  
A.P.-504301.

—Petitioner

## AND

The General Manager,  
S.C.C.L., Mandamarri,  
Kalyanikhani Post,  
Adilabad District,  
A.P.-504231.

—Respondent

## APPEARANCES :

None—for both the parties.

## AWARD

The Government of India Ministry of Labour, New Delhi in its Order No. L-22012/356/95-IR (C-II) dated 13-3-1996 under Section 10(1)(d) and 2A of the Industrial Disputes Act, 1947, made the reference to this Tribunal for adjudication of Industrial Dispute mentioned in its schedule which reads as follows :—

“Whether Mr. Rayalingn, General Mazdoor of KK-I, SCP (Employed with G.M. M/s. S.C.C.L. Mandamarri is entitled for confirmation as sampling mazdoor since he is being utilised as sampling mazdoor irrespective of his qualifications ? or not of what relief he is entitled to ?”

The said reference has been taken on file as I.D. No. 20/96.

2. After the receipt of the reference this Tribunal issued the notices to both the parties, both the parties have received the notices, but when the matter is called both the parties are absent and no representation is made on their behalf though notices are served on them. Hence this Tribunal set them ex parte. As both remained ex parte there are no triable issues, and both the parties are not evincing any interest to prosecute the matter in this case. Hence there is no option for this Tribunal except to close the reference.

The reference therefore closed. The parties are not entitled to any relief.

Typed to my dictation given under my hand and the seal of this Tribunal this the 13th day of May, 1996.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2114 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धन के संबंध में नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निषिद्ध औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एल-22012/591/94-आईआर सी-II]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2114.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-96.

[No. L-22012/591/94-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT, INDUS-  
TRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(118)/1995

## BETWEEN

Shri Bhagwan Singh S/o. Ganga Singh re-  
presented through the President, MPKS  
(HMS) Navin Nagar, Post Amlai Col-  
liery, District Shahdol (MP).

## AND

The Sub-Area Manager, Amlai Sub-Area of  
SECL, Post Amlai Colliery, District  
Shahdol (MP).

## PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

## APPEARANCES :

For Workman.—In person.

For Management.—Shri B. B. Singh.

INDUSTRY :

Coal Mines.

DISTRICT :

Shahdol (M.P.).

## AWARD

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

Dated : March, 11th 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012/591/94-IR C-II Dated 22-6-1995, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

"Whether the action of the Sub-Area, Amlai sub-Area of SECL Sohagpur Area, in dismissing Sri Bhagwan Singh S/o. Ganga Singh T. No. 1072, Overman (T) Amlai colliery from company services w.e.f. 13-3-1993 is legal and justified ? If not, what relief the workman is entitled to ?"

2. Instead of filing the statement of claim etc. parties have arrived at a mutual settlement and filed the Memorandum of Settlement dated 11-4-1995. Parties have also verified the terms of Settlement before this Tribunal. Terms of Settlement are as under :—

## TERMS OF SETTLEMENT

1. S/Shri Bhagwan Singh, Dalpat Yadav: Dadni Baiga are re-employed as general Mazdoor, Cat-I with initial pay in the pay scale of Rs. 38.47 -0.70 .47-27 NCWA-IV and will be posted at Rajendra Project for underground jobs only.
  2. The absence from duty i.e. from the date of dismissal to the date of re-employment will be treated as 'Dies non'.
  3. Continuity of service will be given for the purpose of Gratuity only.
  4. Union or the workman concerned will not raise the issue again before any forum or Court of Law.
  5. If the above ex-workmen repeat such misconduct in future their services will be terminated without any notice/departamental enquiry.
3. The above terms of settlement with respect to Shri Bhagwan Singh, workman concerned under reference is accepted being just and fair and award is given in terms of the Settlement. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

का.आ. 2115 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धनत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एल-22012/403/94-आईआर (सी-II)]

राजलाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2115.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 12-6-96.

[No. L-22012/403/94-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(47)/1995

BETWEEN :

Shri Kanhaiyalal represented through the President, Koyla Mazdoor Sabha (UTUC), Post Dhanpuri, District Shahdol (MP).

AND

The General Manager, Sohagpur Area of SECL, Post Dhanpur, District Shahdol (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman.—Shri Jagdish Singh.

For Management.—Shri B. B. Singh.

INDUSTRY :

Coal Mines.

DISTRICT :

Shahdol (MP).

## AWARD

Dated : March 11th, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notifica-

tion No. 22012(403)|94-JR.C-II Dated 2-3-1995, for adjudication of the following industrial dispute :—

### SCHEDULE

“Whether the action of Sub-Area Manager, Bangwar Project of SECL in dismissing Sri Kanhaiyalal, Clipman from company services w.e.f. 4-7-93 is legal & justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. Parties instead of filing their respective pleadings in the case have filed and verified the Settlement duly arrived at between them. Terms of the Settlement are as under :—

### TERMS OF SETTLEMENT

1. Shri Kanhaiyalal will be reinstated after being found medically fit by the Colliery Medical Officer and posting will be done as per requirement in the Area.
2. The period of absence i.e. from the date of dismissal till the date of reinstatement will be treated as ‘Dies non’ on the principle of ‘No work—No Pay’.
3. The continuity of service will be given for the purpose of Gratuity only.
4. Shri Kanhaiyalal will submit an undertaking that he will not repeat such misconduct in future and will not raise any dispute over above the issue, individually or through any Union before any forum/Court of Law.
5. Both the parties agreed to request the Tribunal to pass consent award accordingly.
6. This is full and final settlement of the dispute.

3. The above terms of Settlement are just and fair and as such they are accepted. Award is passed in terms of the settlement. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2116 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर

के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-22012/(169)/89-आईआर (सी-II)]

राजलाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2116.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-6-96.

[No. L-22012|(169)|89-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT|LC(R)(244)|1989

BETWEEN :

Shri Mahangoo Mistry represented through the Asstt. Secretary, S.K.M. IS. (AITUC), J.O.C.M. Branch, Post Jamuna Colliery, District Shahdol (MP).

AND

The General Manager, Jamuna and Kotma Area of M/s. S.E.C.L. Post Jamuna Colliery, Distt. Shahdol (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman.—Shri Jagdish Singh.  
For Management—Shri A. K. Shasi, Advocate.

INDUSTRY :

Coal Mines.

DISTRICT :

Shahdol (MP).

### AWARD

Dated : March 12th, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-22012(169)|89-IR(Coal-II)

Dated 20-11-1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

### SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Jamuna & Kotma Areas of M/s. S.E.C. Ltd. (Jamuna Open Cast Mines) in retiring their workman Sri Mahangoo Mistry, Mechanical Fitter, JOCM w.e.f. 14-6-89 is legal and justified? If not, what relief the workman concerned is entitled?"

2. Admitted facts of the case are that the workman, Shri Mahangoo Mistry, was working as Asstt. Foreman at Jamuna Open Cast Mine (OCM).

3. The case of the workman is that the date of his birth is 1-2-1934 and that the management prematurely retired the workman from 14-6-89 alleging that he has completed the prescribed age of superannuation on 13-6-89. Workman has claimed for his reinstatement and incidental benefits.

4. The case of the management is that the workman has accepted in Form B Register that his date of birth was 14-6-29; that the workman again accepted his date of birth in his service as 14-6-29; that the workman, has never raised the dispute that his date of birth was not 14-6-29. Management has stated that there is no basis whatsoever for the workman as claimed therein i.e. 14-6-29 but it was 1-2-1934.

5. Terms of reference was made the issue in the case.

6. Workman has not led any evidence or examined himself to show that his actual date of birth was 1-2-1934.

7. From the Service Book of the workman and Form B Register it is clear that the date of birth of the workman was 14-6-29 and the workman has accepted therein that his date of birth was 14-6-29.

8. In case of Union of India Vs. Harnam Singh (AIR 1993 SC 162) it is held that if the employee approaches at the fag end of his career for the correction of his age then there should be very strong evidence and explanation why the attempt was not made by the workman to correct his date of birth at the earlier stage. The workman has not given any explanation that why and how he has accepted earlier that his date of birth was 14-6-29. Consequently, it is held that the averment of the workman that his actual date of birth was 1-2-34 is an after thought, and it made without any evidence on record.

1594 GI/96—22.

### TERMS OF SETTLEMENT

9. The action of the management of Jamuna & Kotma Area of M/s. SECL in retiring Sri Mahangoo Mistry, Mechanical Fitter, w.e.f. 14-6-89 is held legal and justified. Workman is not entitled for any relief. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHIY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2117:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एल-22012/304/94-आईआर(सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2117.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1996.

[No. L-22012/304/94-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(213)/1994

BETWEEN :

Shri J. P. Verma, represented through the Secretary, Rashtriya Koyala Khadan Mazdoor Sangh, Post Chirimiri Colliery, District Surguja (MP)-49773.

AND

The General Manager Chirimiri Area S.E.C.L., Post West Chirimiri Colliery, District Surguja (MP)-497773.

## PRESIDED IN :

Bv Shri Arvind Kumar Awasthy.

## APPEARANCES :

For Workman.—None.

For Management.—Shri R. Mukhyopadhyaya.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Surguja (MP).

## AWARD

Dated : March 12, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-22012(304)/94-IR-C. II Dated 17-11-1994, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

“Whether the action of the management of Chirimiri Area of SECL in not promoting Sri J. P. Verma, Pharmacist, Chirimiri Colliery in the pay scale of Pharmacist, Tech., Gr. C. w.e.f. 1-3-1983 (as has been done in case of non-disploma-pharmacist, merged with Coal India Ltd. consequent upon CMWO (COIM/O Labour) with CIL is legal and justified? If not to what relief is the workman concerned entitled to ?”

2. After the reference was received by the workman, the workman sent some papers by post which was received in this Tribunal on 19-12-1994, but he has not filed the statement of claim as required under the I.D. Act and as directed by the Ministry of Labour in the reference order. The workman concerned appeared only once on 9-3-1995. Thereafter he did not appear on the dates fixed i.e. 4-5-95, 5-7-95, 11-9-95, 10-11-95, 12-2-95 and 20-2-96. Consequently, it appears that he is not interested in pursuing the dispute. As such, no dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2118 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.ई.सी.एल. के प्रबन्धतंत्र के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एल-22012/254/94-आईआर(सी-II)]

राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2118.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1996.

[No. L-22012/254/94-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)/207/1994

## BETWEEN :

Shri Uttam Singh, represented through the Secretary, Koyla Mazdoor Sabha, P.O. Dhanpuri, District Shahdol (MP).

## AND

Dv. General Manager/Sub Area Manager, Burhar Group of Mines, PO Dhanpuri, District Shahdol (MP).

## PRESIDED IN :

Bv Shri Arvind Kumar Awasthy.

## APPEARANCES :

For Workman.—Shri Jagdish Singh.

For Management.—Shri B. B. Singh.

INDUSTRIAL : Coal Mines DISTRICT : Shahdol (MP).

## AWARD

Dated, March 11, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-22012/254/94-IR-C-II Dated 15-11-1994, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

“Whether the action of the Manager, Subhash Mines of Burhar Group of Mines of SECL in terminating Sri Uttam Singh, General Mazdoor T. No. 295 from company services w.e.f. 9-6-1990 is legal

and justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. Union has filed the statement of claim. Parties have filed the settlement duly arrived at between them and verified the same before this Tribunal. Terms of settlement are as under :—

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That Shri Uttam Singh will be given re-employment as General Mazdoor, Cat.I in the initial basic after being found fit by our Colliery Medical Officer and will be posted at Rajendra Project.
2. The period of absence i.e. from the date of dismissal to the date of reinstatement will be treated as Dies non on the basis of No work No Pay.
3. Continuity of service will be given for the purpose of Gratuity only.
4. That Shri Uttam Singh will submit an undertaking that he will not repeat such misconduct in future and will not raise any dispute over the above issue individually or through any Union before any Forum on Court of Law.
5. This is full and final settlement of the above issue.

3. The aforementioned terms of Settlement are just and proper. As such award is recorded in terms of Settlement. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.आ. 2119 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एन-22012/257/42-आईआर (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2119.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of F.C.I. and their work-

man, which was received by the Central Government on 10-6-96.

[No. L-22012/257/92-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, MUMBAI

#### PRESENT :

Shri Justice R. S. Verma, Presiding Officer.  
Reference No. CGIT-1/2 of 1993

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India.

#### AND

Their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management : Ms. Srivastava,  
Advocate.  
For the Workman : Mr. M. B. Anchan,  
Advocate.

INDUSTRY : Food Corporation

STATE : Maharashtra

Mumbai, the 24th May, 1996

#### AWARD

Shri M. B. Anchan for union.  
Ms. Shrivastava for management.  
Heard the parties at length.

The appropriate Government referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, Bombay in relation to its Zonal Manager (W) Mistry Bhawan Bombay in denying stepping up of pay of Sri N. R. Kamble Assistant Grade I at par with his junior Shri Ramesh Rajpal is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. The facts giving rise to the dispute are not in challenge on material aspects and hence I may state straight away the undisputed facts, which have given rise to this list.

3. The workman before me Shri N. R. Kamble was working as Assistant Grade II (Depot) at godowns in Bombay Office at the relevant period Shri Ramesh Rajpal, who is not before me and was admittedly junior to Shri N. R. Kamble was also working as Assistant Grade II (Depot) at Docks in Bombay office on the relevant date. Both

these persons, including a large number of other Assistants Grade II were promoted to the post of Assistant Grade I by common office order dated 30th July, 1985. This office order has been placed on record as Annexure IV. In this Annexure IV, the name of Shri Kamble appears at S. No. 46 while name of Shri Rajpal appears at S. No. 52. By this promotion order, both Shri Kamble and Rajpal were transferred and deputed to M.P. Region. This transfer order *inter alia* contained a clause (clause No. 3) as follows :

“Their promotion will be effective from the date they assume charge of the post at the stations where they are posted on promotion.”

4. It appears that Shri Ramesh Rajpal did not carry out this order and the order appears to have modified by another order dated 5th September, 1985, whereby he was allowed to be retained at Bombay and was directed to report to Sr. Regional Manager (Mah.) Bombay for further deployment. The result was that he got promoted at Bombay itself in pursuance of the promotion order as modified. As pleaded in the statement of claim, Shri Rajpal got promoted to the higher post w.e.f. 10-9-85 (Page 2—Lines 26-27). This promotion was not challenged at any stage and became final and Mr. Ramesh Rajpal stated drawing higher emoluments on a higher post w.e.f. 10-9-85. The finality of this order has not been questioned before and as stated already Shri Ramesh Rajpal is not before me and is not a party to this dispute.

5. The case of the present workman took a slightly different turn. On account of his frail health, he could not carry out his transfer to M.P. Region and moved a representation for cancelling his transfer on grounds of health.

6. Annexure I is the representation moved by him in this behalf. He put a footnote to this representation :

“If my request is not considered favourably then this may be treated as refusal of promotion, I may be retained as A.G.II.”

7. This representation of the workman Shri Kamble was not acceded to Shri Kamble has admitted in his cross-examination of his affidavit :

“After passing of Ex. M1, I did not join at my new posting. Vol. I was not relieved of the management. I continued to serve in the same position in which I stood prior to promotion. I continued to serve on the lower post till 10-3-87 when new and fresh promotion orders were issued.”

8. I may add that the workman Shri Kamble did not, on refusal of his request to be retained

at Bombay, challenge the order of the management. He did not at that time challenge his non-promotion to higher grade, when he declined to move to higher post in Madhya Pradesh. Thus, Mr. Ramesh Rajpal irrevocably became senior to Mr. Kamble on the higher post of Assistant Grade I, which was admittedly a promotional post and carried a higher scale.

9. The workman Shri Kamble, however made a grievance that his pay should have been stepped up so as to bring it at par with that of Ramesh Rajpal, who was admittedly junior to him in the lower cadre.

10. Shri Anchan in his usual persuasive style tried to show that there was a grave and hostile discrimination, in not stepping up the pay of the workman, to that in the higher scale, even though he was senior to Ramesh Rajpal in the lower scale.

11. Ms. Shrivastava has countered this argument by saying that there was no case of discrimination. Ramesh Rajpal got promoted to higher scale w.e.f. 10-9-85 while Kamble got promoted w.e.f. 10-3-87. They ceased to be equals when Rajpal got promoted earlier. Hence, there could be no case of discrimination, much less hostile discrimination.

12. I have considered the rival contentions carefully and I am of the firm view that in the backdrop of admitted facts, Rajpal became senior to Kamble when Rajpal joined the promotional post on 10-9-85 and Kamble continued to serve on the lower post till 10-3-87. Hence, no case for stepping up of pay has been made out at all and the grievance of the workman Shri Kamble is unfounded and unjustified.

13. Here, I may refer to a circular dated 10-2-85 issued by the management laying down the guidelines for stepping up of pay. Both the sides rely upon clause I (iv) of this circular. I may profitably reproduce this clause in extenso. It reads :

“In cases where the seniors and juniors are promoted in the same batch but the senior could not join the higher post as he was not relieved in time on account of administrative reason but the junior joins the higher post immediately and where the senior could be relieved only after 1st January and as a result loses the benefit of one increment in the higher post which he would have earned had he been relieved in time and joined the higher post by 31st December.”

14. I do not think that this clause could have any application to the present case. Kamble's promotion by order dated 30th July, 1985 was only



inchoate and contingent and was to be effective only upon his joining the promotional post. It was not due to any administrative reasons that he was not relieved. He was not relieved because on health grounds he did not want to move to an inconvenient posting and agreed to forego his promotion.

15. Mr. Anchan contended that if management wanted to act upon the representation of Kamble, a specific order cancelling his promotion should have been passed. To my mind, the contention is misconceived. The question of cancellation could arise when the promotion order had become effective qua Kamble. It never became effective and remained a contingent and inchoate order, ineffective and ineffectual in the eyes of law. Such an inchoate order remained in the realm of embryo and did not see the sunshine of birth.

16. In view of what I have stated, the claim is misconceived, unfounded and untenable. Hence, the workman is not entitled to any relief. In the peculiar circumstances of the case, I leave the parties to bear their own costs. Award is made accordingly.

R. S. VERMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.ग्रा. 2120 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम.ई.सी.एल. के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[एल-22012/411/94-आईआर-(सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2120.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1996.

[No. L-22012/411/94-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR (M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(7)/1995

BETWEEN :

Shri Fakhruddin represented through the Secretary, N.C.W.F., Post Kotma Colliery, District Shahdol (M.P.).

AND

The General Manager, J & K Area, S.E.C.L., Post Jamuna Colliery, District Shahdol (M.P.).

PRESIDED IN :

by Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : None.

For Management : Shri R. Mukhyopadhyaya.

INDUSTRY : Coal Mines. DISTRICT : Shahdol (M.P.).

## AWARD

Dated : March 12, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-22012(411)/94-IR. C. II dated 30-12-1994, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

"Whether the action of the Supdt. of Mines Manager, Kotma Colliery of Jamuna & Kotma Area of SECL in dismissing Sh. Fakhruddin, T. No. 436, Kotma Colliery from Company services w.e.f. 9-7-92 is legal and justified? To what relief the workman is entitled to?"

2. In spite of notice to the Union none appeared on the dates fixed for filing of the statement of claim by the Union. On 20-2-1996 management representative prayed that since the Union is neither appearing nor filing the statement of claim, the case may be closed for award. Consequently since the Union is not interested in pursuing the case, no dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1996

का.ग्रा. 2121 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम.ई.सी.एल. के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक

विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-27012/6/88-डी-III बी]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1996

S.O. 2121.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.E.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-6-96.

[No. L-27012/6/88-D.IIB.]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR (M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(59)/1989

BETWEEN :

Shri Chagalal Rambali Kachhi R/o Mansar  
Mines, Tahsil Ramtek, District Nagpur (MS)  
Post. Khairi-Bijewada (MS).

AND

The Chairman-cum Managing Director, M/s.  
Manganese Ore (India), 3 Mount Road  
Extension, Sadar, Nagpur (MS)-440001.

PRESIDED IN :

by Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workman : Shri S. S. Gadge, Advocate.

For Management : Shri A. K. Shasi, Advocate.

INDUSTRY : Manganese DISTRICT : Nagpur  
Mine. (MS).

AWARD

Dated : March 12, 1996

This is a reference made by the Central Government Ministry of Labour, vide its Notification No. L-27012/6/88-D. IIB(B) dated 8 March, 1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s Manganese Ore (India) Ltd. in dismissing the services of Shri Chagalal,

Security Guard w.e.f. 30-5-88 was justified. If not, what relief the workman is entitled to ?"

2. Admitted facts of the case are that the workman, Chagalal, was working as a Security Guard in Mansar Mines and the charge-sheet dated 8-6-87 was issued against the workman on the allegation that on 1-6-87 while the workman, Chagalal, was on duty as Security Guard the ordinary and electric detonators valuing more than Rs. 15000/- were stolen from the Magazine Room; that the workman participated in the enquiry and the services of the workman were terminated w.e.f. 30-5-88.

3. The case of the workman is that there is not an iota of evidence on record that the workman has committed the theft of the alleged detonators or that the workman was responsible for the theft. The case of the workman is that the proper opportunity was not granted to the workman to produce the defence witnesses during the enquiry; that there was inordinate delay in conducting the enquiry. The workman has alleged that the punishment is too harsh and disproportionate.

4. The case of the management is that on 1-6-87 Shri Chagalal was on duty at Mansar Mines at midnight and in the midnight huge quantity of detonator were stolen by getting the locks and the latches of the Magazine Room. that the workman defended himself during the enquiry and the charges were fully proved; that the theft of highly sensitive explosives has taken place while the workman was on duty as Security Guard and looking to the seriousness of the proved misconduct the workman was dismissed from the service.

5. Following are the issues in the case :—

#### ISSUES

1. Whether the domestic enquiry is proper and legal ?
2. Whether the management is entitled to lead evidence ?
3. Whether the punishment is adequate ?
4. Relief ?

6. Issue No. 1 & 2 : The workman remained absent practically on all the hearing from 16-11-89. The Counsel of the management prayed to close the case as none was appearing on behalf of the workman for last more than five years. However, it was held that the domestic enquiry conducted against the workman was fair, legal and proper.

7. Issue No. 3 & 4 : It is not in dispute that the workman, Shri Chagalal, was on duty at Mansar Mines on 1-6-1987 from 12 midnight to 8 a.m. of 2-6-87. It is also fully proved that theft of ordinary detonators and electric detonations costing more than Rs. 15000/- were stolen from the Magazine Room when the workmen, Chagalal, was on duty.

8. From the statement of the prosecution witnesses, S. S. Lokras, R. K. Bala, K. K. Chichkheda, Pyarelal and Ram Sonia, it is clear that the latches of the fuse room were broken and after opening the locks the material was stolen from the fuse room. It is further clear from the statement of the aforesaid witnesses that in the commission of theft the time taken would have been of more than one hour. Consequently, it is clear that the workman, Chagalal, who was Security Guard is responsible for the commission of theft and it is either due to the connivance or the negligence of the Security Guard that the theft has taken place. The workman has given the explanation that due to the fever he slept for the whole night and he was not aware of the theft. There is no evidence on record to show that the workman, Chagalal, was ill on the day of incident. The learned Enquiry Officer has dealt with the evidence on record during the enquiry and in his detailed order the reasoned finding is given to the effect that the charges of theft and negligence levelled against the workman are fully proved.

9. The result is that the action of the management of M/s. Manganese Ore (India) Ltd. in dismissing the services of Shri Chagalal, Security guard, w.e.f. 30-5-88 was just and proper. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का.आ. 2122:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-7-1996 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला मनेम के सनकारी तालुक में राजस्व ग्राम इडागाना सनाई और नदुवनेरी और मनेम तालुक में राजस्व ग्राम ईनामपिलार्ई, वेम्बादीथलम, पेम्मागोण्डामपट्टी और मोट्टुर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस-38013/14/96-एसएस-1]

जे.पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2122.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st July, 1996 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V

and VI except sub-section (1) of Section 76 and Section 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

“Areas comprising the revenue villages of Edaguna Salai and Naduvaneri in Sankari Taluk and revenue villages of Ilampillai, Vembadithalam, Perumagoundampatti and Mottur in Salem Taluk of Salem District.”

[No. S-38013/14/96-SS.1]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जून, 1996

का.आ. 2123:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-7-1996 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला मदुरै के आन्डीपट्टी तालुक में राजस्व ग्राम तिममरसनायकनूर, कोयिलपट्टी, शन्मुगसुन्दरमपुरम और टी. सुब्बुलापुरम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस-38013/15/96-एसएस-1]

जे.पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 20th June, 1996

S.O. 2123.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st July, 1996 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (1) of Section 76 and Section 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

“Areas comprising the revenue villages of Thimmarasanaickanur, Koilpatty, Shanmugasundarapuram, and T. Subbulapuram of Andipatti Taluk in Madurai District.”

[No. S-38013/15/96-SS.1]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का. आ. 2124 :—जबकि केन्द्रीय सरकार ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (1) के अनुसरण में श्रम मंत्रालय की तारीख 6 मई 1994 को सरकारी अधिसूचना संख्या का. आ. 1214 के तहत, खनिज तेल (अपरिष्कृत तेल), मोटर और विमानन स्प्रेट, डीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल विविध हाइड्रोकार्बन तेल और उनके सम्मिश्रणों, जिनके अंतर्गत संश्लिष्ट ईंधन, स्नेहक तेल और इसी प्रकार की वस्तुएं आती हैं, के विनिर्माण और उत्पादन में लगे उद्योग को (जिसे इसके बाद उद्योग कहा गया है), उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट किया गया था, जिसे औद्योगिक (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 2 के अधीन 21 जून, 1994 से दो वर्ष की अवधि के लिए नियंत्रित उद्योग के रूप में घोषित किया गया था;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की राय है कि जनहित में यह आवश्यक है कि उक्त उद्योग को और दो वर्ष की अवधि तक नियंत्रित उद्योग के रूप में विनिर्दिष्ट करना जारी रखा जाये;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को 21 जून 1996 से और दो वर्ष की अवधि के लिए नियंत्रित उद्योग के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस-11025/23/83-डी-1 (ए)]

एच. डब्ल्यू. टी. स्येम, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2124.—Whereas by Government Notification in the Ministry of Labour No. S.O. 1214 dated the 6th May, 1994 the Central Government had in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), specified for the purpose of that sub-clause, the industry engaged in the manufacture of production of mineral oil (crude oil, motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like (hereinafter referred to as the said industry) which had been declared as a controlled industry under section 2 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of two years from the 21st June, 1994.

And whereas the Central Government is of the opinion that in the public interest it is necessary that the said industry be continued to be specified as a controlled industry for a further period of two years.

Now, therefore, in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifies, for a further period of two years from the 21st June, 1996, the said industry as a controlled industry.

[File No. S-11025/23/83-D.I(A)]

H. W. T. SYIEM, Jt. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का. आ. 2125 :—जबकि भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की दिनांक 22 मई, 1965 की अधिसूचना संख्या-का. आ. 1697 के अधीन गठित श्रम न्यायालय संख्या 2, धनबाद का पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री तारकेश्वर प्रसाद को 6 जून, 1996 (पूर्वाह्न) से उक्त श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. ए—11016/2/95—सी. एल. एम. -II]

आर. के. रंगा, उप सचिव

## ORDER

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2125.—Whereas a vacancy has occurred at the office of the Presiding Officer of the Labour Court No. 2 at Dhanbad constituted by the Government of India in the Ministry of Labour vide Notification No. S.O. 1697, dated the 22nd May, 1965;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Tarkeshwar Prasad as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from 6th June, 1996 (forenoon).

[F. No. A-11016/2/95-CLS-II]

R. K. RANG, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1996

का. आ. 2126 :—जबकि भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की दिनांक 11 जनवरी, 1960 की अधिसूचना सं. का. आ. 103 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण संख्या—1, धनबाद के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के श्री तारकेश्वर प्रसाद को 6 जून, 1996 (पूर्वाह्न) से उक्त औद्योगिक अधिकरण का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. ए.—11016/2/95—सी. एल. एस.—II]

आर. के. रंगा, उप सचिव

### ORDER

New Delhi, the 27th June, 1996

S.O. 2126.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal No. 1 at Dhanbad constituted by the Government of India in the Ministry of Labour vide Notification No. S.O. 103 dated the 11th January, 1960;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Tarkeshwar Prasad, as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal, with effect from 06th June, 1996 (forenoon).

[F. No. A-11016/2/95-CIS.II]

R. K. RANG, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 1996

का. आ. 2127 :—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंडों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 279 दिनांक 17 जनवरी, 1996 द्वारा भारत सरकार टकमाल, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 21 जनवरी, 1996 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 21 जुलाई, 1996 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस—11017/6/85-डी—I ( ए )]

एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 1996

S.O. 2127.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. No.279 dated the 17th January, 1996 the India Government Mint, Calcutta to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 21st January, 1996;

And, whereas, the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 21st July, 1996.

[No. S-11017/6/85-D.I(A)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 1996

का. आ. 2128 :—केन्द्रीय सरकार में यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (VI) के उपखंडों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 118 दिनांक 1 जनवरी, 1996 द्वारा बैंक नोट प्रेम, देवास ( मध्य प्रदेश) को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 1 जनवरी, 1996 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड VI) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम प्रयोग के लिए 1 जुलाई, 1996 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. संख्या एस.-11017/14/85-डी-I ( ए )]

एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 1996

S.O. 2128.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 118 dated 1st January, 1996 the Bank Note Press, Dewas (M.P.) to be a public utility service for the period of six months, from 1st January, 1996.

And, whereas, the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 1st July, 1996.

[No. S-11017/14/85-D.I(A)]  
H. C. GUPTA, Under Secy.